

सं० 29]

नई बिस्सी, शनिवार, जुलाई 21, 1984 (आषाढ़ 30, 1906)

No. 29]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 21, 1984 (ASADHA 30, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it many be filed as a neparate compilation)

भाग П -- खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारी जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 मई 1984

सं० ए० 12034/2/83 प्रशा० II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 23 जनवरी, 1984 और 17 मई, 1984 के अनुक्रम में अध्यक्ष, मंघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित तदर्थ कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारियों (भा०)/अनुसंधान सहायक (भा०) को 13-4-84 में 12-10-84 तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी के उन्नत किए, गए पद पर नियुक्त किया जाता है।

| ऋ० नाम | पदनाम |
|--|--------------------------|
| सं० | |
| 1. कु० के० बन्द्योगध्याय | नदर्थ क० ग्र० ग्र० (भा०) |
| 2. श्री एम० एल० वरद पाण्डे | वही - |
| 3. श्रीबी० घोष | —∹प्रही — — |
| 4. श्रीएम० जी० कोडड | वही |
| 5. श्रीए० एन० सर्मा | त्रही ं - |
| श्रीमती मनजीत सिंह | ग्रतुसंधान सहायक (भा०) |

. उपर्युक्त ग्रधिकारियों की ग्रनुसंधान ग्रधिकारी के पद पर नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर है ग्रीर उन्हें उक्त ग्रनुसंधान ग्रधिकारी पद पर नियमित नियुक्ति ग्रथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

एम० पी० **र्जं**म, श्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतकर्ता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1984

सं० 19/4/84-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में विभागीय जांच श्रायुक्त के पद पर कार्यरत श्रीमती माला श्रीवास्तव, भारतीय प्रशासन सेवा (म०प्र० 71) का सार्वजनिक प्रशासन में दसवें उच्च व्यावसायिक कार्यक्रम में जो कि भारतीय प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 2 जुलाई, 1984 से 30 मार्च, 1985 तक किया जा रहा है, चयन होने पर, उनको

दिनांक 2 जुलाई 1984 पूर्वाह्म से प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग जैने के लिए, पद भार से विमुक्त किया जाता है।

> क्रुष्ण लाल मस्होता, धवर सचिव, कृते केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त

गृह मंद्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ड्यूरो

नई विल्ली, विनांक 27 जून 1984

सं • कें - 5/70-प्रशासन - 5 - निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना श्रसम के अभियोजक, श्री के • रहमान को, स्थानान्तरण पर, दिनांक 3 श्रप्रैल, 1984 से, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से, लोक अभि-योजक समूह "आ" (राजपवित) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> श्चार० एस० नागपाल, प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भन्येषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बक्ष नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 जून 1984

सं० म्रो० दो० 1521/80—स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डा० मिनल कुमार, जनरल डयूटी म्राफिसर ग्रेड—II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) का त्यागपत्र दिनांक 19 मार्च 1984 भपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

सं० स्रो० दों० 1792/83-स्थापना—राष्ट्रपतिजी ने डा० बी० एन० मालिक, जनरल डयूटी झाफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) का त्याग पत्न दिनांक 20 दिसम्बर 1983 झपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 29 जून 1984

सं० भ्रो० दो० 1823/83-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० श्रो० ग्रेड-2) डाक्टर अशोक त्यागी, समूह केन्द्र, सी० श्रार० पी० एफ० गनतलाब को केन्द्रीय खिविल सेथा (श्रस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति हर दिनांक 9 जून 1984 श्रपराह्म से कार्य मुक्त कर दिया है।

सं० ग्रो० वो० 1888/83-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधकारी (जी० डी० ग्रो० ग्रेड-2) डाक्टर डी० ग्रार० सिंह, 13वीं वाहिनी, सी० ग्रार० पी० एफ० को केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के ग्रनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 11 जून 1984, ग्रपराह्न से कार्य मुक्त कर दिया है।

. एम० पी० जखमोला, सहायक निषेशक (स्थापना) स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस श्रकावमी हैदराबाद-500 252, दिनांक 16 मई 1984

सं० 15021/83 स्थापना—इस ग्रकादमी में लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की प्राध्यापिका श्रीमति डा० पूर्णिमा ग्रग्रवाल ने । मई 1984 पूर्वाह्र ब्यावहारिक विज्ञान के रीडर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

इस श्रकादमी में 1 मई 1984 से श्रीमती डा॰ पूर्णिमा अग्रवाल पहले 3 वर्ष तक की अविध के लिए व्यावहारिक विज्ञान के रीडर के पव पर प्रतिनियुक्ति पर रहेगी। उनकी नियुक्ति 1100-50-1600 रुपए तथा अन्य भत्ते जो कि केन्द्रीय सरकार नियम के अधीन देय हैं, के वेतनमान पर की गई हैं।

म्रकादमी में श्रीमती डा॰ पूर्णिमा भ्रम्मवाल की व्यावहारिक विज्ञान के रोडर पर नियुक्ति संघ लोक सेवा भ्रायोग की सलाह पर की गई है।

[संदर्भ: सं० लो० से० मा०, नंई विल्ली, पत्न संख्या एफ० 3/24(25)/83-ए० व्० 7-2-84 1]

> ज्ञान चंद सिंघवी; निदेशक

निर्माण भौर आवास मंत्रालय

संपदा निवेशालय

नहै दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई, 1984

सं० ए०-12026/1/84-प्रणा०-ख--राष्ट्रपति, विधि कार्य विभाग, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में स्थायी सहायक (विधिक) श्री टी० के० गुण्डू को 4 जुलाई, 1984 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक श्री पी० एन० मागो, संपदा सहायक निदेशक (मुकदमा) जिन्होंने 28 मार्च, 1984 (पूर्वाह्न) से पद का कार्यभार छोड़ दिया था, के स्थान पर संपदा सहायक निदेशक (मुकदमा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> वीना **ब्रह्मा** संपद्मा उप निवेशक

वित्त मंत्रालय

भ्रार्थिक कार्य विभाग चलार्थ पत्न मुद्रणालय

नासिक रोष्ट, दिनांक 11 जून 1984

सं० एन० 77-एन०/27/एस०---महाप्रबंधक, चलार्थ पत्न मुद्रणालय, श्री सी० वी० परांजपे ग्रीर श्री एच० एस० बल्ललाल (ग्रनु० जाति) निरीक्षक नियंत्रण, चलार्थ पत्न मुद्रणालय को नियमित रूप से स्थानापन्न उप नियंत्रण श्रीधकारी के पद पर क्रमशः दिनांक 5 जून 1984 श्रीर 6 जून 1984 से श्रगला श्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

> ्र सु० द० इडगुंजी, महाप्रबंघक चलार्थ पत्न मुद्रणालय

महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रवेश लखनऊ, दिनांक 15 जून 1984

सं० प्रणा० 3-144/प्रिक्षिसूचना/210-श्री बब्बन लाल, लेखा परीक्षा प्रधिकारी, निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर दिनांक 31-5-1984 (ग्रपराङ्ग) को सेवा निवृत्त हो गए।

षी० के० चट्टोपाध्याय, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-1100,66 दिनांक 27 जून 1984

सं ॰ प्रशा ॰ | 1 | 1548 | 5 | 1 — राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक परिवीक्षाचीन ग्रधिकारी श्री छज्जू राम राणा का स्यागपन्न, दिनांक 3 मार्च 1984 से, सहर्ष स्वीकार करते हैं।

दिनांक 29 जून 1984

सं प्रशाः | 1/1174/1/11—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित श्रधिकारियों को उक्त सेवा के क्रिनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेंड (रुपए 1500—60—1800—100—2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

| क॰ नाम सं॰ | तारीख |
|-------------------------|---|
| 1. श्री संजय बहल | 7-6-1984 |
| 2. श्री यशवन्त एस० नेगी | 16-5-1984 |
| 3. श्री काह्य वायफी | 8-5-1984 |
| | ए० के० घोष, रक्षा लेखा घपर महानियंत्रक |

रक्षा मंत्रालय

म्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

डी॰ जी॰ भो॰ एफ॰ मुख्यालय सिविल सेवा

दिनांक, 25 जून 1984

सं 12-- महानिवेशक ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां, श्री ई० वी० रामक्रुरुणम, आधुलिपिक ग्रेड-बी/वरिष्ठ व्येक्तिक सहायक को बर्समान रिकि यों में दिनांक 1 जून 1984 से ग्रागामी ग्रादेश होने तक मागुलिपिक प्रेड--ए/निजी सचिव (प्रुप-- शी राजपितत) पद पर स्थानापक्ष रूप से पदोन्नत करते हैं।

> डी० झार० झय्पर उप महानिवेशक ग्राडेंनैस्स फैक्टरियां/कार्सिक कृते महानिवेशक भ्राडेंनैस्स फैक्टरियां

भारतीय ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां सेवा ग्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 25 जून 1984

सं० 29/जी०/84—श्री एस० के० रामानायन, स्थानापक्ष वर्क्स मैनेजर (मौलिक एवं स्थायी सहायक कार्यशाला प्रथन्धक) दिनांक 11 मई, 1984 (श्रपराह्र) से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता, निवेशक

वाणिज्य मंद्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति का कार्यालय नई विल्ली, विनांक 5 जून 1984 श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं 1/3/82 प्रशा (राज)/5420 - राष्ट्रपति भारतीय श्रीयक सेवा के वर्ग - 4 के अधिकारी श्री कृष्ण मुरारी गुप्त को मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई विल्ली में 21 मई 1984 के पूर्वाह्य से सहायक निर्देशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री कृष्ण मुरारी गुप्त 31 श्रगस्त, 1984 तक परिवीक्षा-भीन रहेंगे।

शंकर चन्द्र,

उप-मुख्य नियंत्रक, भाषात-नियात कृते मुख्य नियंत्रक, भाषात-निर्यात

वस्त्र विभाग

बस्त्र प्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 22 जून 1984

सं० सी० ई० ग्रार०/4/84/6—स्ती वस्त्र (नियंत्रण) भावेश, 1948, की धारा 23 की उपधारा (2) में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद, द्वारा वस्त्र ग्रायुक्त की मधिसूचना सं० सी० ई० ग्रार०/4/65, विनांक 24 ग्रप्रैल, 1965, में निम्निलिखित श्रतिरिक्त संशोधन करता हूं, श्रयांत, :— उपरोक्त ग्रिधसूचना में,

10 May

| 02/0 | नारत का दूरानामा जुलाब 21) |
|--|---|
| भ्रागे निम्नलिखित "परन्तु यह भ्रौर जैसा कि वस्त्र भार०/1/68, दिन् उप-परिच्छेद (डी जानकारी प्राधिक फार्म—'बी' में उ | ा-परिच्छेद (3) के वर्तमान नियम के बाद नियम जोड़ दिया जाएंगा अर्थात् :— भी कि नियंत्रित गरिंग के विषय, में श्रायुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० गंक 2 मई, 1968 के परिच्छेद 2 वे (-2) में परिभाषित है, सत्य और ठीक गरी को फार्म 'ए के बाद श्रनुलग्नक गरोक्त मद (1), (2) श्रीर (3) के नियमानुसार भेजी जायेंगी। |
| 2. फार्म 'ए' के बाद ("फार्म—"बी" | नम्नलिखित जोड़ दिया जायेगा, श्रर्थातः— |
| | |

(परिच्छेद 1 के उप परिच्छेद (3) के बाद दूसरा नियम देखें) नियंत्रित शॉटिंग (मिल निर्माण) जैसा कि वस्त्र श्रायुक्त की श्रधिसूचना सं० सी० ई० श्रार०/1/68 दिनांक 2 मई, 1968 के परिच्छेद 2 के उपपरिच्छेद (डी-2) में परिभाषित है कि प्रत्येक किस्म के संबंध में विवरण के फार्म भेजे जाने हैं।

| | र्ममास | के लिए मूल्य निधारित करनी |
|----|--|---------------------------------|
| | मिल का नाम | |
| | स्थापन | |
| 1. | 1. मिल की ऋम सं० कपड़े प | रलगी हुई मोहर के श्रनुसार |
| | (ब) बाद का प्रत्यय, यदि | · |
| | सं० | |
| 2. | कपड़े का पूर्ण विवरण (भ्रांतिम तैयार रूप में) | |
| 3. | (ग्र) पहचान करने वाला नि | शान, यदि कोई हो— ——— |
| | (व) ट्रेड मार्कया ट्रेड सं० य | पदि कोई हो |
| 4. | भाप करघेपर | कैलेंडर किया हुग्रा ग्रौर तैयार |
| | (ग्र) सेंटीमीटर में चौडाई - | |
| | (ब) मीटर में लंबाई —— | |
| | (क) किलोग्राम में वजन | |
| 5. | प्रति इंच (2.54 सें० मी० रीग्र |)———— |
| 6 | . प्रति इंच (2.54 सें० मी० फिक्स |)———— |
| 7 | . ग्रीसतन काउंट (श्रंग्रेजी काउ | ie)————— |
| 8 | . सेंटीमीटर में रीड स्पेस — | , |
| 9 | . मीटर में टेप लंबाई —— | |
| 10 | . क्लिनारों की सं० कोर | ा विरंजनीय रंगीन |
| | (एक) ताना | |
| | (दो) सेलवेज | |

| 11. विवरण | काउंट | गणना | प्रभ्यु क्ति |
|---------------|---|--|--------------|
| फ्रेंच में | काउंट समान र श्रंग्रेजी काउंट में | प्रति पीस सूत का यजन कि० ग्रा० में (वास्- तिवक वर्गैर छीजन जोड़ के) | |

| (ম্ব) | मिश्रका प्रतिशत | 52 प्रतिशत काट | न श्रीर |
|-------|-----------------|-----------------|---------|
| | | 48 प्रतिगत पालि | एस्टर |

(कपड़े में सर्वत्र)

- (ग्रा) ताना
- (इ) बाना
- (ई) सेलवेज यार्न
- (ङ) प्रयुक्त विभिष्ट यार्न, यदि कोई हो योग----

| 1 2. | विधिकरण का प्रकार : |
|------|--|
| | मर्सराइजिंग : |
| | क्या मर्सराइण्ड है, यदि है तो कास्टिक सोड़े का प्रभाव बताइये |
| | ग्रीर क्या मर्सराइजिंग करने से पहले ग्रीर बाद में ब्लीचिंग |
| | की गई है |
| 1 3. | कपड़े की पैकिंग के श्रारंभ को तारीख |

- 14 यदि प्रभेद उत्पादन नियंतित ग्रादेश के अनुरूप नहीं है अथवा यह हाथ करवा उद्योग के लिए श्रारक्षित है -----
 - (भ्र) वस्त्र आयुक्त हारा उत्तादन के लिए दो गई भ्रनु-मित की संख्या, भ्रौर तारीख
 - (व) यदि कोई प्रनुमित नहीं दी गई है तो उत्पादन के कारण एवं उत्पादित या उच्चादित की जाने वाली मात्रा बताएं
- 15. मूल्य गणना जैंसा कि वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना सं० सी० ई० श्रार०/1/68 दिनांक 2-5-1968 संगोधित श्रीर ग्रीधसूचना सं० सी० ई० श्रार०/3/69 दिनांक 19-9-1969 संगोधित के परिच्छेद 1 (नौ) में स्पष्ट किया गया है।

| ऋम सं० | |
|---------|--|
| कोड सं० | |
| विवरण | |

- (श्र) प्रति मीटर ग्रधिकतम राष्ट्रीय वस्त्र निगम की लागत-
- (ब) प्रति मीटर प्रधिकतम फुटकर मूल्य सारे करों को मिलाकर में एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूं कि ऊपर दिया गया विवरण सत्य है तथा तथ्यों के प्रतुरूप

है और इस फार्म में विणित कपड़ा वास्तविक रूप से फार्म में बताई गई विधियों/विधायनों से निकाला गया है, श्रीर कपड़े पर लगाया गया मूल्य इस फार्म में दिए गए वर्णनों के श्रनुरूप है।

स्टेशन :

दिनांक :

[CC/TECH/NTC/GEN/84 VOL.II] भिल प्रबंधक/सम्बद के हस्ताक्षर एस० ग्रार० रे, संयुक्त यस्त्र ग्रायुक्त

दिनांक, 30 जुन 1984

मं० 5(5)/इ० एम० टी० 1/84/3724—राष्ट्रपति महोदय, श्री जे० एम० पंडित, तदर्थ उप-निदेशक (पी० एवं डी०) बस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय, को दिनांक 26 श्रप्रैल 1984 (पूर्वाह्म) मे श्रगले श्रादेशों तक उसी कार्यालय में नियमित उप-निदेशक (पी० एवं डी०) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्रार० के० कुलकणी, संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

> विकास श्रायुक्त (हस्तणिल्प) का कार्याणय नई दिल्ली-110066, दिनांक 8 जून 1984

" सं० एच० बी०/डो० एस०/ए० डी० वी० कोटी/81-82/ प्रणा०-6-इस कार्यालय के अधीन 43, श्रोखंता श्रीधोमिक क्षेत्र, नई दिल्ली, 8 चर्च स्ट्रंट, बंगलीर श्रीर 32, विक्टोरिया रोड, बंगलीर स्थित क्षेत्रीय-डिज(डन एवं तकनीको विकास केन्द्रों को एतद्दारा 1 जुलाई, 1984 में डिजाइन सोसाइटो "रंगतन्त्र" के श्रधीन कार्य करने के लिए श्रन्तरित किया जाता है।

> शिरोमणि गर्मा, विकास श्रायुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग मंत्रालय

विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जुलाई 1984

सं० ए०-19018/668/82-प्रणा० (राज०)---राष्ट्रपति, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में संयुक्त विकास श्रायुक्त श्री के० सी० श्रीवास्तव भा० प्र० से० (महाराष्ट्र-66) को दिनांक 25 जून, 1984 (पूर्वाह्र) से, श्रगले श्रादेशों तक, राष्ट्रीय उद्यमिता तथा लघु व्यापार विकास संस्थान, नई दिल्ली में संयुक्त मचिव स्तर में कार्यकारी निदेणक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रीय उद्यमिता 'तथा नयु व्यापार विकास संस्थान, नई दिल्ली में कार्यकारी निदेशक के पद पर नियुक्ति होने के परिणामस्वरूप श्री के विकास आयुक्त ने दिनांक 20 जून 1984 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय,

नर्षे दिल्ला के संयुक्त विकास आयुक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एस० के० पुरकायस्य उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई विल्ली-1100 01 विनांक, 28 जूम 1989

सं० प्र०-17011/286/84/प्र०-6---महानिधेणक पूर्ति तथा निपटान, मद्राम निदेशालय के भंडार परिक्षिक अभियांत्रिकी, श्री एस० हैमसा को दिनांक 28-5-84 के पूर्वीह्न से अगले आदेश दिए जाने तक इस महानिदेशालय के अधिन उसी निरक्षण मंडल में तक्ष्य आधार पर स्थानापन्न सहायक निरी-क्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं। एस० एस० कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

वालकत्ता-700016, दिनांक

35-880-40-1000-द० रॉ०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेण होने तथा प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं:--

श्री श्रीकान्त मिश्रा 10-1-1984 (पूर्वाह्न)
 श्री जी० जवाहर 23-1-1984 (पूर्वाह्न)
 श्री सी० वीरशाह्मण 25-2-1984

(पूर्वाह्म) अभित कुशारी

'निदेश ह (कार्मिक) 'मर राज मूबैज्ञानिक सर्वेक ण

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर दिनांक 26 जून 1984

सं० ए०-19011(58)/77-स्था०-ए० खिंड-5--- विभाकीय पदोन्नति सेमिति की सिफारिश पर श्री के० वेंकट रमैया, श्यानापम्न क्षेत्रीय खनन भूषिज्ञानी (तदर्थ) को भारतीय खान क्युरो में क्षेत्रीय खान भूषिज्ञानी के पद पर दिनांक 7→5−1984 के पूर्वाह्म से पदोचित प्रदान की गई है।

> बं क् क मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्युरी

नागपुर, दिनांक 27 जून 1984

सं० ए०-19012(113)/79-स्था० ए०---श्री ० औरंगाबादकर खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) की दिनांक 8 जूम 1984 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न सहायक खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) के रूप में दिनांव 30 जून 1984 तक श्री पं० आर० सरकार, सहायक खनि अर्थशास्त्री (सांख्यिकी) के अवकाश ग्रहण के फलस्वरूप में निमुक्ति की जाती है।

पी० पी० वावी प्रशासन अधिकारी इते महानियंत्रक भारतीय खान व्यूरो

राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार,

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 जून 1984

सं० फ० 8-9/8 3—स्था०—श्री शूरकीर सिंह, ग्रस्थायी सहायक रसायन ज (ग्रेंड-1) की 5-6-84 (पूर्वाह्म) से, ग्रगले बादेग होने तक, 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में राष्ट्रीय श्रिभलेखागार, भोपाल में वैज्ञानिक ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्ति की जाती है।

श्री णूरवीर सिंह कि राष्ट्रीय श्रभिलेखागार, भोपाल में वैज्ञानिक श्रधिकारी के पद पर यह नियुक्ति, उनसे विरुठ श्रधिकारी श्री बी० एल० राजदान, जोकि एक स्थायी सहायक रसायनज्ञ (ग्रेड-1) है श्रीर इस समय श्रोमान सल्तनत, मसकत में प्रतिनियुक्ति पर हैं, के इस विभाग में वैज्ञानिक श्रधिकारी के पद के क्लेम को हानि पहुंचाए बिना की गई है।

सं० फ0 8-9/83-स्था०--श्री बी० एल० राजदान, जोिक एक स्थायी सहायक रसायनज्ञ (ग्रेड-1) है भौर इस समय भौमान सल्तनत सरकार, मसकत में प्रतिनियुक्ति पर हैं, की "तत् निम्न नियम" के भ्रधीन 5-6-84 (पूर्वीक्ष) से, भ्रगले भादेश होने तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में राष्ट्रीय भ्रभिलेखागार, भोपाल में वैज्ञानिक श्रधिकारों के पद पर प्रोफार्मा पदीक्षति पर स्थानापन्न कृप से नियुक्ति की जाती है।

राजेश परती, ग्रमिलेख निदेशक

म्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1984

सं० 9/20/84-एस-दो--महानिदेशक, ध्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री पी० के० मुखर्जी, सीनियर स्टेनोग्राफर, समाचार सेवा प्रभाग, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली को समाचार सेवा प्रभाग, भ्राकाशवाणी, नई दिल्ली में दिनांक 14-5-1984 (पूर्वाह्म) से रिपोर्टर (मोनिटरिंग) के पद पर स्थानापन्न रूप में मियुक्त करते हैं।

मोहन फांसिस, उप निदेशक प्रशासन, कृते महानिवेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1984

सं० 4(38)/84-एस-एक-महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री सी० एन० रामचन्द्र को, रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 7 जून, 1984 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, भन्नावती में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/45/84-एस-एक---महानिवेशक, ग्राकाशवाणी, एतव्द्वारा देवेन्द्र नाथ वासुमतारो को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 5 जून, 1984 से ग्रगले ग्रादेश तक, आकाशवाणी, गोहाटो में ग्रस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(50)/84-एस-एक---महानिदेशक, ग्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एम० श्रार० वर्मन को ग्राकाशवाणी सिलचर में, 650-30-740-35-810-द० रो०--35-880-40-1000-- द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में, 4 जून, 1984 से ग्राम्ले श्रादेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय सूचना और प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1984

सं० ए०-12025/3/83-स्था०—विज्ञापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशक, श्री रिपुदमन सिंह रावत की इस निदेशालय में 14 जून, 1984 के पूर्वाह्म से, ग्रगले ग्रादेश तक, ग्रस्थायो रूप से वरिष्ठ कलाकार (वेतनमान-६० 650-30-740-35-880-40-1000-द० रा०-40-1200)के पद पर नियुक्त करते हैं।

थ्री रायत उक्त दिनांक से ग्रगले दो वर्ष के लिए परिवीक्षा ग्रवधि पर रहेंगे, जो नियुक्ति प्राधिकारी के विवेका-नुसार बढ़ाई जा सकती है।

> जो० पी० भट्टी, उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन मौर दृश्य प्रचार निदेशक

भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 18 जून 1984

सं० एम०/634/स्था० 11/3224—श्वी वैद्यनाथन कृष्णमूर्ति ने सुरक्षा प्रधिकारी पद का पदभार 30-4-84 पूर्वाह्न स्यैच्छिक सेवानिवृत्ति पर छोड़ दिया।

भ्रार० एल० बत्ना, उप-स्थापना श्रधिकारी

भरती प्रयाग केन्द्रीय सम्मिश्र बम्बई-85, दिनांक 18 जून 1984

सं ० पी ० ए०/80(10)/82-मार०-III/1053-नियंत्रक, भाभा परमाणु मनुसंधान केन्द्र इस केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा ग्रधिकारी श्री लुकास मैंनेजेस को 1 मई 1984 पूर्वाह्न से ग्रागमी श्रादेश जारी होने तक इसी ग्रनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

5, दिनांक 19 जून 1984

सं० पीं०ए०/73(4)/84-म्रार० /1054—नियंक्षक, भाभा परमाणु म्रनुसंघान केन्द्र इस म्रनुसंघान केन्द्र को श्रीमती मिस्त्री स्थायी सिस्टर-इन-चार्ण तथा स्थानापन्न सहायक मैट्रेन को 22 मई 1984 पूर्वाह्न से म्रागामी मादेश जारी होने तक इसी भ्रनुसुंधान केन्द्र में स्थानापन्न मैट्रेन नियुक्त करते हैं।

जे० राममूर्ति, उप-स्थापना प्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

न०पर्वविष्प० दिनांक 27 जून 1984

सं० न० प० वि० प०/भर्ती/11(6)/84-एस०/4734--- परियोजना निर्देशक, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारो जल परियोजना, कोटा के स्थानावस सहायक लेखाकार श्री एस० एम० मिश्रा को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में र० 650-30-740-35-880-द० रो०--40-960 के वेतनमान में दिनांक 22-6-1984 के पूर्वाह्म से प्रश्निम श्रादेशों तक के लिए स्थानापन्न सहायक लेखा भ्रधिकारो के पद पर नियुक्त करते हैं।

म्रार० के० बालो प्रशासन मधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 19 जून 1984

सं० डो० पी० एस०/2/1(3)/82-प्रमा० 14639— परमाणु ऊर्जा विभाग, कय श्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडोरी श्री टो० जी० गोपालकृष्णन को, इसी निदेशालय में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 के वेतनमान में सहायक भंडारी के पद पर, दिनांक 6-4-1984 (पूर्वाह्म) से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक नियमिन श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियक्त किया है।

दिनांक 22 जून 1984

सं० डी० पी० एस०/41/17/83-प्रशा०/14897-परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई
कनिष्ठ भंडारी एवं अस्थायी भंडारी श्री एम० ग्रार० प्रकाश की
इसी निवेशालय में दिनांक 16-4-1984 (पूर्वाह्म) से 2-6-84
(ग्रपराह्म) तक रुपए 650-20-740-35-810-द० रो०35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में
सहायक भंडार ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापक
रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक भंडार ग्रधिकारी
श्री पो० के० राधाकुष्णन के स्थान पर को गई है, जिन्हें उक्त ग्रवधि
के लिए छुट्टी प्रदान की गई है।

सं० डी० पी० एस०/41/2/83-प्रणा०/14902-परमाणु कर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी श्री बी० जी० बने को इसी निदेशालय में दिनांक 9-4-84 (पूर्वाह्न) से 18-5-84 (ग्रपराह्न) तक रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार प्रधिकार प्रधिकारी श्री के० चन्द्रशेखरन के स्थान पर की गई है, जिन्हें भंडार प्रधिकारी (तवर्थ) के पद पर पदोनत किया गया है।

पो० गोपालन, प्रशासन-ग्रक्षिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, विनांक 22 जून 1984

सं० का॰ प्र० भ॰/०७०४/1682—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० का॰ प्र० भ॰/०७०४/140७, दिनांक 23—5—1984 के कम में सहायक लेखाकार श्री चु॰ रा॰ प्रभाकरन की रु॰ 650—30—740—35—880—द॰ रो॰—40—960 के वेतनमान में सहायक लेखाधिकारी के रूप में नदर्थ नियुक्ति को दिनांक 22—7—1984 पर्यंत अथवा आगामी आदेशों पर्यंत इन में में जो भी पूर्व घटित हो, बढ़ाया जाता है।

'सं० झा० प्र० भ०/0704/1683-नाभिकीय इँधन सम्मिश्च के प्रशासन के उप-मुख्य कार्यपालक जी प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री बंदर नारायण अय्यर को स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधि-कारी के रूप में ६० 650~30~740~35~880~द० रो०~ 40~960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर दिनांक 22~6~ 1984 से 31~7~1984 पर्यन्त अथवा आगामी अदिशों पर्यन्त इनमें से जो भा पूर्वघटित हो, नियुक्त करते हैं।

> जी० जी० कुलकर्णी प्रबन्धक, कामिक व प्रशासक

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कलपाकक्षम-603102,दिनांक 23 जून 1984

सं ० एम० ए०पी०पी०/18(136)/83 भित्र परियोजना निदेशक मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना इस परियोजना के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी परियोजना में अस्थायी रूप से उनके नाम के आगे उल्लेखित पद क्रमों पर दिनांक 1 फरवरी 1984 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

| वर्तभान पद | नियुक्ति पद |
|-------------------------|---|
| वैज्ञानिक सहायक सी० | वैज्ञानिक अधि कारी/अभियन्ता एस० पी० |
| वैज्ञानिक सहै।यक सी० | देश का कि वैज्ञानिक अधि- कारी/अभियन्ता एस० पी० |
| | वैज्ञानिक सहायक सी० वैज्ञानिक सहायक |

वी० के० सन्तानम्, प्रणासनिक अधिकारी

अन्तरिक्षि विभग

विकास साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र स्थापना अनुभाग

तिरुवन्तपुरम-22, दिनां क 20 जून 1984

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/1(17)——िनदेणकः वी० एस० एस० सी० अन्ति स्था विभाग के विक्रम साराभाई अन्ति-रिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मधारियों को वैज्ञानियः/ इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर रु० 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के ग्रेड में 1 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्र से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं।

| স ০০ | नाम | . प्रभाग/पारयाजना |
|-------------|---------------------------|-------------------|
| सं० | | |
| | | |
| 1. | श्रीमती रेचल तीमस | ए० आर० डी |
| 2. | श्रीएम०के०अप्पुकुट्टकुरुप | ए०टी०टी०एफ० |

| ऋ ० सं ० | नाम | परियोजना |
|-------------|---|---------------------------------------|
| | श्री एन० राज्योखरन नायर | ई० एफ ० एफ ० |
| 5. | श्री जोण आई० कुरियन श्री सी० रामचन्द्रन | ई०एफ०एफ० आई० पो० ड ी० |
| | श्रोके० के० सु ब्रह्म ण्यन श्रीपी० जे० चाक्को | पी० एफ० सी० एम०ए०सी० |
| | श्रीएस० अडल अरशु श्रीके०एस० रघ्नाथन | क्यू०सी० डी ० आर०पी०सी० |
| 1 0. | श्री जे० शिश श्री टो० वी० गृष्णनकुट्टी | टेरूसर्स/आइरेक्स |
| 1 2. | श्रीमती एस० जे० प्रसन्तकुमारी | ई०एम० डो० पी०एस०एल० बी० |
| | श्रीमतीएस० सावित्रि अम्मा श्री आर० लोगनाथन | पि िएस०एल०व ि० एस० एम० प ि० |

के० पी० आर० मेनोन वरिष्ठ प्रणासन अधिकारी कृतेनिदेशक,वी०एस०एस०सी०

ंपर्यटन एवं नागर विमानन मंद्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1984

सं० स्था० (।) 05865--भारत मौसम विज्ञान केश्री के० सुब्बा राव, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्रेणी-।, सरकारी सेवा ले दिनांक 1-6-84 पूर्वाह्न में स्वेच्छा मे नेवा निवृक्त हुए।

> कें० मुखर्जी मौसम विज्ञानी ('स्थापना) छने मौसम विज्ञान के महानिदेश क

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ला, दिनांक 16 जून 1984

सं० ए० $3201 \pm 1/7/82$ -ई० सी० (:)—सहानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक तकर्नाकी अधिकारियों की तद्दर्थ नियुक्ति और आगे दिनांक 27-10-198 तक की अबिध के लिए जारी रखने की स्वीकृति दी है:—

क्र० नाम सं०

मुर्बक्षी

- 1. जोग धान रस्तागी
- 2. के० के० शांडिल्य
- 3. एच० एस० दुआ
- 4 राम सरन सिंह लोटा

| भाग IIIखण्ड 1] | भारत कारा |
|--|---------------|
| | - |
| क्र॰ नॉम सं० | |
| सर्वश्री | |
| 5. के० के० गंदोला | |
| 6. पी० के० सरकार | |
| 7. बी० कें। भर्मीन | |
| 8. एस० एन० मेन गुप्ता | |
| 9. आर० एस० रंधावा | |
| 10 बी० सी० कुलश्रोष्ठ | |
| 11. विश्वनाथ दसा | |
| 12. हरिपद घोष | |
| 13. पी० टो० गुजराती | |
| 14 सविन्दर सिंह कंग | |
| 15 एम० बी० नम्बियार | |
| 16 योगेश कुमार कौशिक 17 गोपाल मिश्रा | |
| 17: गपाल । मन्ना 18: के० एम० सूर्यनाराय ण न् | |
| 19. जीव एनव साहा | |
| 20. बो० डी० बंगाली | |
| 21. एन० जयराम | |
| 22. एम० एल० सैना | |
| 2.3. के० के० भनोट | |
| 24. एस० वी० पिल्लै | |
| 25 वी० एस० नन्दा | |
| 26 टीं० के० घोषाल | |
| 27 के० एल० बजाज | |
| 28. एम० एस० वारियर | |
| 29. टी० एस० नायर | |
| 30. एम० एस० मोतवानी 31. आर० के० वर्मा | |
| 32. कें० एल० भाटिया | |
| 33. के० वेंकटरमन | |
| 34 नाग नारायण सिंह | |
| 35. एन० एन० परांजपे | |
| 36. एम० एम० चौहान | |
| 37. राम नाथ | |
| 38 डी० एस० आगीरदार | |
| 39 जगजीत सिंह | |
| 40 बी० एस० खुनन | |
| 41. के० सी० गोस्वामी | |
| 42. ग्रमलेन्दु वता | |
| 4.3. डी० के० तनेजा | |
| 44. एष० सी० सचवेषा | |
| 45 हर भजन सिंह 46 एम० के० नरसिम्हा भ्रायंगर | |
| ±० द्वर भर गरास+हा आयग्र | |

| क्र॰ नाम सं० |
|---|
| |
| सर्वश्री |
| 49. एम० पी० ढल |
| 50. जी० डी० बुबे |
| 51. एस० एन० गुप्ता |
| 52. के० के० नम्बूदरी 53. टी० एस० चुल्ना |
| 53. टार एसर मुस्ता 54. रूप नारायण मेहना |
| 55. के० के० स क् सेना |
| 56. पी० एस० संगारा |
| 57. विशम्भर लाल |
| .58. ए० के० ग्रभयंकर |
| 59. श्र रविन्दर सिंह |
| 60. एम० के० परदेसी |
| 61. जोगिन्दर पाल सिंह चानना |
| 62. जे० भ्रार० मेटी |
| 63. के० बी० जी० राव |
| 64. लक्ष्मण राम |
| 65. सी॰ एस॰ प्रसाद |
| 66. प्रीत पाल मिह जौली |
| 67. बियंत सिंह |
| 68. जे० एस० ढिल्लन |
| 69. बी० बी० क्रुब्णामूर्ति |
| 70. एम ० डी॰ भोर |
| 71. के० के० श्रीमाली |
| 72. एस० सी० गोपीनाथ |
| 73. पी० एस० शेखन |
| 74. एम ० सी ० भर्मा |
| 75. एस० मी० दत्ता |
| 76. के ० सी० तं घर |
| 77. एन० वेंकटरभन |
| 2. महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक |
| तकनोको ग्रिष्ठिकारियों की भी तदर्थ नियुक्ति ग्रागे गौर दिनांक |

2. महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की भी तदर्थ नियुक्ति आगे और दिनांक 1-12-1983 तक की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित अधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की श्रीकृति दी हैं:—

क० नाम

मं ०

सर्वश्री

- 1. एच० श्रार० कुंदरा
- 2. एस० रामास्वामी
- 3. ए० मी० दत्ता
- 4. एम० एन० धसमाना

47. ए० एन० भाटिया

48. मोहम्मद मंजूर ग्रली.

| ऋ० नाम सं∘ |
|---------------|
| |
| |

सर्वश्री

- 5. एक० एक० अधिकारी
- एस० एन० प्रायगण
- 7. के० एस० देवनाथ
- 8. एम० के० गुप्ता
- 9. ए० एम० गुप्ता
- 10. एम० एम० चक्रवर्ती
- 11. पी० के० ककरिया
- 12. एच० एस० भाटिया
- 13. एम० ए० एस० प्रकारण पत्र
- 14. एन० डी० कपुर
- 15. एत० ग्रार० भवदेवा
- 16. पील एमल गुण्ना
- 17. गार० सी० वर्मा
- 18. बी० ग्रार० के० शर्मा
- 19. मी० जै० उदेशी
- 20. एस० घार० कालिया
- 21. ई० के० बी० बाब्
- 22. भोज राज
- 23. जगन भिह
- 24. पी० किशन
- 25. एस० बी० सुधाराव
- 26. के० भ्रंजनेयल
- 27. एम० पी० राव
- 28. एस० क्रष्णन
- 29. रमेश चन्दा
- 30. यु० के० ग्राह्य
- 31. मुणमय मिलक
- 32. गी० विश्वनाथन
- 33. बी० एस० ज्ज्हा
- 34. ए० श्रीनिवासन
- 35 पी० के० के० नायर
- 36. सी० के० डे०
- 37. वी० श्रीनिवासन
- 38. एस० डी० कुलकर्णी
- 39. ग्रोंकार सिंह
- 40. डी० एल० एन० मूर्ति
- 41. पो० बी० राव
- 42. श्रो० पी० खराना
- 43. ए० एम० होलके
- 44. डी० के० गुप्ता
- 45. अविनाश चन्द्र
- 46. के० पी० जार्ज
- 47. जै० एस० सैंब

ऋ० नाम

Ħ o

सर्वश्री

- 48. ए० बी० कुलकर्णी
- 49. एन० वृत्तभीरमन
- 50 ए० एस० केलर
- 51. स्वर्ण सि**ष्ठ**
- 52. एच० एस० धारीवाल
- 53. जै० के० नाथ
- 54. सी० एम० गैरोला
- 55. आर० के० देशपाडे
- अार० ग्रो० रिगुहा
- 57. एस० के० एन० पिल्लै
- 58. एम० टी० रजनी
- 59. ए० के० नारंग
- 60. कें वी० वर्षे

श्रो० पी० अग्रवाल सहायक निदेगक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली दिनांक 22 जून 1984

मं० ए० 32013/13/82-ई०-1--इस कार्यालय की दिनांक 18-7-1983 तथा 9-8-1983 की अधिसूचना मं० ए० 32013/13/82-ई०-1 के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की निदेशक विमान मार्ग एवं विमान क्षेत्र/निदेशक विमान क्षेत्र के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति उनके नाम के मामने दी गई अवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति दी है :--

नाम

अवस्थि

- 1. श्री प्रेम नाथ
- 11-11-83 年 31-5-84
- 2. श्री एस० एच० मोनटके
 - 29-1-84 में 31-5-84
- 3. श्रीजार्जलाकड़ा
- 25~1-84 से 31-5-84
- श्री जे० एन० मेनन
- 1-1-84 中 29-2-84
- (उनकी से
- 1-1-84 4 29-2-84

(उनकी सेवा निवृति की तारीख तक)

दिनांक 23 जून 1984

मं० ए० 32013/5/83-ई०-1---राष्ट्रपति ते श्री एफ० सी० गर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी को दिनांक 12 जून 1984 (पूर्वाह्म) से छः माप्त की अवधि के निष्या पर के निर्यामन आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर उप-निदेशक (अनुसंधान ग्रीर विकास के) पद पर नियुक्त किया है।

> श्री० पी० अग्रवाल सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1984

सं० ए० 32014/3/81-ई० एस०--महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जी अएन० महरोबा, अधीक्षक की प्रिस्पिल नागर विमानन प्रणिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय में प्रणामनिक अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति और आगे दिनांक 30-6-84 तक एक दिन की अविध के लिए जारी रखने की अनुमिन दी है।

बी० भौमिक महायक निष्काक प्रणासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 29 जून 1984

सं० 16/241/75-स्थापना-ा-अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने घा० पदमाकर पाण्डे का अनुसंधान अधिकारी के पद से दिया गया त्यागपत्र दिनांक 2-4-84 की अपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

मं० 16/242/75 - प्यापना न---दक्षिणी वनस्यजिक महा-विद्यालय, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय के अन्तर्गत सहायक अनुदेशक श्री वाई० पो० सिंह की सेवाएं दिनांक 30-4-84 के अपराह्म से मध्य प्रदेश सरकार को मींप दी जाती है।

> जी० एस० ग्रोवर् कुलसचिव, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

and the second s

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1984

मं ए०-19012/1043/83-स्था०-पांच--विभागीय पदोन्नित समिति (समूह-ख) की सिफारिकों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० बी० बी० सोमायाजूलू, पर्यवेक्षय को अति-रिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में नियमित आधार पर 8-6-1984 की पूर्वाह्म से अन्य आदेशों के होने तक नियुक्त करते हैं।

2. उपरायत अधिकारी, केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजानियर के ग्रेड में उपर्युक्त तारीख ने दो अर्घ को अविधि हेतु परिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षा अराङ्ग अवर सोचव किन्द्रीय _पा आर्थाम

विधि, शाय और कमानी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग (कम्पनी क्षित्रबोडी)

कस्पनियों के पंजिस्ट्राय का आयौलय कस्पनी अधिनियम 1956 श्रीप एशिया दलेक्ट्रक लैम्ब कस्पनी प्राइवेट लिभिटेस के विषय में

कलकत्ता, दिसांक 25 जून 1984

सं० 9802/560(3)—कम्पती अधिनियम, 1956 की धारा 560की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूत्रना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एणिया इनेक्ट्रिक लैम्प कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया जिया गया तो रिजस्टर में काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर संजय पैट्रोकेमिकल वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 25 जून 1984

सं० 27743/560(3)--- कम्पनी अधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एउद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मान के अवसान पर संजय पैट्रो-केमिकल वक्स प्राइवेट लिभिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिण्या न किया गया नी एजिस्टर से काट दिया अध्या श्रीर उक्स कम्पनी विवटित कर दी आयेगी।

कन्पनी अधिनियम, 1956 प्रारं नील सागर फानस प्राइवेट लि।मटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनाक 25 जुन 1984

म० 30793/560(3)— हम्पनी अधितियम, 1956 की धारा 560 की उपवार। (3) के अनुपरण में ख़द्बारा नह सूचना दी जाती है कि इस तारों ब मतों ने माल के अवसान पर नील सागर फार्मस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विशित्त तिकथा गया तो जिल्हार ने होड़ हिंगा नियोग और उस्त कमानी विव्हित कर दी जायेगी।

कानानी अधिनियम, 1956 मी फार्म कीक (जिन्ह्या) प्राइतेट लिमिटेड के विशय में कलकत्ता, दिनांक 25 जून 1984

स० 31823/560(3) - कन्पनी अधिनयम, 1956 की बारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदब्राण यह मुक्ता थी जानी है कि उस नारीस से सीन मास के अवसान गर फार्स कोक (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया आयेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

> धन राज कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर मे० पोपुलर पेपर मिस्स लि० के विषय में

 सूचना दी जाती है कि इस नारीख में तीन मास के अवसान पर मेसर्स पोपुलर पेपर मिस्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्स कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० वहाब अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना प्ररूप आहें. डी. एम्, एस्.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन न्वना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सँ० यूनिट नं० 320 ए, 3 री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-1), लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रस्जिट्री है बिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्चित बाबार मून्य से कम के करवजान ' प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एसे क्रियमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्या

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाव की वाबत अवस अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व मैं कभी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (वा) एंसी किसी नाय वा किसी भन वा अस्थ वास्तियों की, जिल्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज़न्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया नाना चाहिए था, जिपाने के सुविधा से किए;

- (1) मससं गहा एण्ड नहार एसोसिएटस् । (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स स्नेहेश प्रिटर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ननुसूची

यूनिट सं० 320-ए, तोसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट (ए--1), लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं० ग्रर्ह-1/37ईई/1052/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

बो० जी० श्रग्नसाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बम्बई ।

सतः अया, उक्त विधिनियम की पादा 269-त के अवृक्तरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——

दिनांक : 14-6-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-- 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 88, 15वीं मंजिल, दर्या महल 'ए'', गैरेज नं० 28, 80, नेपियन मी० रोड, बम्बई—6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जो ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 5~10—1983.

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह जिश्यास वाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तियक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहां विद्या गय। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीग, निम्नजिसित व्यक्तियों, मर्थात् :--- (1) डा० कन्तूभाई एम० णहा,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती सरीज भुषानीया ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीः।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांइ आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गर्माहरी।

नन्स्ची

पलैट नं 88. 15वीं मंजिल, दर्भा महल "ए", गैरे ज नं 28. 80, नेपियन सो रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-1/37ईई/1032/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 5-10-83 को रजिस्टई किया गया है।

> बी० जो० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राप्तकर ग्राप्कत (निरीक्षण) श्रजंन रेज∼1, बम्बई ।

दिनाक : 13~6**-**1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा १६० के के के किस्टिस्टरना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1. बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनाक 11 जून 1984

निदेश सं० ग्रई--1/37ईई/636/83-84---अतः मुझे. **\बी**० जी० ग्रग्रवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिक्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रूप से अधिक है

और जिसको सं श्राफिस नं र 702, बिल्डिंग नं र 3, नवजीवन सोसायटी, लॉमिस्टन रोड, बस्बई—8 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रभृस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),ग्रौर जो ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क. ख के ग्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है

दिनांभ 31-10-1983,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाचार साल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिनित में जार्यिक रूप से अधिक नहीं किया गया है.—

- (का) अन्तरण थे हुई किसी आय की अवत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धाने के अन्तरक के वास्पत्य में कमी करने या जससंबचने में मुविधा के लिए; अधि/वा
- (श्वी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायका अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निष्:

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीस् :—

- (1) मेथर्स वेटनाइट घटो इण्डस्ट्रिक प्रा० (सि० (प्रतेनस्क)
- (2) इंडिंग फैंसिलं। दुस्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स मम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्सूची

म्राफिस नं० 702, बिल्डिंग स्थिनं० 3, नवजीवन सोसायटी लॉमिंग्टन रोड, बम्बई--8 में स्थित है

श्रनुसूचो जैसा कि क० सं० श्रई-1, 37ईई/डिम्ड/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 31-10-83 को रिजस्टई किया गया है।

त्रं ि जी० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

दिनौंक: 14-6-1984

मोहर 🤌

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० अई०-1/37ईई/889/83-84---यतः मुझे, बी० जी० अप्रयाल.

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 23, 6वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 11, है, तथा जो नवजीवन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड लेमिंग्टन रोड़, बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेविणन है), और जो श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6-10-1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्र)अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सविधा के लिए, और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिर्या की, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् —— श्रामती निरंजना धीरजलाल कोठारी और श्री धीरजलाल नंदलाल कोठारी

(अन्तरक)

 श्री श्यामलाल रामभजन गुप्ता, और श्रीमती प्रेमलता श्यामलाल गुप्ता

(अन्तरिती)

 अन्तरकों (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधितायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्तिया के सिक्सी व्यक्ति हुना;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया क्या हैं।

नगतची

पलैट नं ० 23, 6वीं मंजिल, बिल्डिंग नं ० 11, नवजीवन को ॰ आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लेकिंग्टन रोड़, सम्बर्ध-8 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/930/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बर्ड द्वारा दिनांक 6-10-83 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> मी० जी० अग्रयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, बम्बर्ड

दिनांक: 14-6-1984

मोहर:

प्ररूप आहे. थी. एन, एस.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० आई०-1/37 ईई/926/83-84---यतः मुझे $_{i}$ बी० जी० अग्रवाल,

कायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० फ्लैट नं० 14, तोसरी मंजिल, है, तथा जो पूतम को० आपरेटिव हा उसिंग सोसायटो लिमिटेड, 67, नेपियत सी रोड़, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जो आयकर अधिनियम; 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 17-10-1983

को प्रवेषित सम्पत्ति के उणित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करके का कारण है कि यया। गैंवन सम्पत्ति का उथित बाजार सृत्य, इसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पावा मवा प्रतिकल, निश्नतिश्वित उद्देश्य से उपत अन्तरण निश्चित में बास्तिक का में किया नहीं किया क्या है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आंग की वावत, उक्त जिम्मित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्
3 ─156GI/84

1. श्रीमती सरला एम जोशी

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री एम० के० कपाडिया,
 - (2) श्री एम० के० कपाडिया, एच० यू० एफ०,
 - (3) श्रीमती आर० एम० कपाडिया

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकर्षा।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

वनुसूची

प्लैंट नं 14, तीसरी मंजिल, पूनम को अपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, 67, नेपियन सी रोड़, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-1/37 ईई/843/83~84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांग 17-10-1983 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> बी० जी० अग्रवाल सक्षम प्राधिदारी सहायक आयक्षर आणुवत (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीखा: 13-6-1984

मोहर:

प्रकृष् नाइं , टी , धन् , एस , -----

बायकर ब्राधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुन 1984

िदेश सं० अई-1/37/हेर्द्द/1130/83-84---अतः मुझे, सी० जी० अग्रवास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिन्नको सं० फ्लैट नं० 12, पहली मंजिल, श्याम निवास बिल्डिंग नं० 9, श्याम-निवास को० आपरेटिव हा उसिंग सोसायटी सिमिटेंड, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित हैं(और इसे उपाबन अनुसूचों में और पूर्णरूप से विणित हैं), और जो आयगर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सन्म प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 13-10-83,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिखत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरका)ं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण निस्ति में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है हैं—

- (क) अंतरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उथत जिसिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सृविधा के लिए, और/म।
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विधा के सिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरक में, में', उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (१) के ऋषीन, निब्नलिक्तिस व्यक्तिसों, अर्थात् ः— (1) श्री धरमदास अरजनसिंग मलकानी ।

(अन्तरक)

- (2) डा॰ (श्रीमती) अरुणा ए॰ बैनकर। (अन्सरिती)
- (3) अन्तरक

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पांच तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

फ्लैट नं 12, पहली मंजिल, श्याम निवास बिल्डिंग, नं 9, श्याम निवास को ० आपरेटिव हाउसिंग सौसायटी लिमिटेड, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400 026 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० र्स० अई-1/37ईई/1144/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० जी० अग्रयाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽ा• बस्वई ।

दिनांकः : 13-6-1984

मोहर :

प्रस्म आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) की धारा 269(भ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निवेश सं० अई-1/37ईई/1067/83-84--अतः मुझे, बी० जी० अग्रनाल,

अभयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक है

वौर जिसकी सं० पलैट नं० 11, 7वीं मंजिल, "नूतन पुष्पांजिल कौ ०—आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 108 ए, वालकेण्वर रोड, बम्बई—400 006 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3—10—1983 की पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके ख्यमान प्रतिफल सं, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण हिन्दित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किती जान की वानतः उनक विभिन्नियम् के वृथीन कर देने के जन्तरक के विभिन्न में कमी करने या उत्तरे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

अतः व्यश् ाात अधिनियम की भाग 269-य की अमूसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-य की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती मुधा राजेन्द्र रंगवासा ।

(अन्तरक)

(2) 1 श्रो निलेश प्रवीण बर्फीशला और 2 श्रीमती चन्द्रिका प्रवीण बर्फीवाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृति के वृर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचल क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पलैट नं ० 11, 7वीं मंजिल, "नूसन पुष्पाजली को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 108-ए, वालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/1053/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० जी० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸I, बम्बई

विनोक : 7-6-1984

मोहार 🏻

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1088/83-84--अतः मुझे. बी० जी० अग्रथाल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० सी० एम० नम्बर्स 26, 1/26-27, 28, 1/28, 29 और 30, सायन डिंग्जन, सायन/डेक्सन कॉजवे, सायन, बम्बई-400 022 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूर्चा में और पूर्णस्प में विणित है),और जो आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, विनांक 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्थ पाया बया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक क वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीपरण्राम विनायक प्रभू।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डोमस इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरितो)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के प्राजिपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन मधी

सो॰ एस॰ नम्बर्स 26, 1/26-27, 28, 1/28, 29 और 30, गायन डिविजन, स यन/डेक्कन कॉजिंब, सायन, बम्बर्ड- 400 022 में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई—1/37ईई/1041/83—84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3—10—83 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> बो० जी० अगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, बम्बर्फ

दिनांक : 13-6-19**8**4

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1082/83-84---अतः मुझे, बी० जी० अग्रवाल.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए. से अधिक है

और जिसकी सं० "मागर संगीत" बिस्डिंग, 58, महिद भगत सिंग रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूचों में और पूर्ण रूप से बिणत है), और जो आयकर अधिनियम. 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 3-10-1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्दे हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) कृत्तरण संहुदं किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृचिधा से तिए;

भतः सथ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रामता हरो उधाराम भारवानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री लवलीन सिंगल।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षरेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सं वैधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविध, भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्तक्तीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सबं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्थ

"सागर संगीत" बिल्डिंग, 58, शहिद भगत सिंग रोड. कुलाबा, बम्बई- 5 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ० मं० अई-1/37ईई/1063/83-84 और जो पक्षम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० जी० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, बस्बई ।

दिनांक : 15 जून 1984

मोहर:

प्रकृ नाह्".टी..एन्..एक्.,------

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सुचना

भारत तरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) धर्णन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 15 जून 1984

निदेश सं० धर्र-1/37र्र्ड/1028/83-84—धतः मुझे, बी० जी० ध्रमयाल,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विभवस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से विभिक्त हैं

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 410, चौथी मंजिल, सी बायतूल श्रमान, दूसरा डेक्कन रोड, बम्बई-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जो आयुक्त श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 26-10-83, का पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं, किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भनै या बन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बभीज, ट्रिक्निसिंबत व्यक्तियों अधीत् ३—

- (1) श्री सैयद कमलूद्दीन झेड, नागामिया ।
- (मन्तरक)
- (2) श्रीमती यस्मिन इन्बाल खान ग्रीर श्री इन्बाल उस्मान खान ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त बुम्परित् में कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाशोद:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि--नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 410, चौथी मंजिल, सी०, बायतूल श्रमान, वूसरा क्षेत्रकन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/905/83-84 शौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-83 को रिजस्टई किया गया है।

बी ० जी ० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई ।

दिनांक : 15-6-1984

मोहर 🛭

प्रथम बाह्री हो , एत ् एख् ------

नायकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सुभीत सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

अम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/1167/83-84---श्रतः मुझे, बी० जी० ग्रग्रवाल.

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० गाला नं० 211, "ए-1" बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, लोग्नर परेल. बम्बई-13, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से यणिन है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनाक 14-10-1983

को पूर्वीयत संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्में यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्दि का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रुल निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिक्तित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; जोड़/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्वतः अव, उपत् अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अति, निस्तिलिसत व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) श्री धनराज मिल्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर आशिष पोपटलाल गांधी, भायनर गांडियल श्री पोपटलाल गांधी और मास्टर अमीत प्यारेलाल गांधी, मायनर गांडियल श्री प्यारेलाल मोतीलाल गांधी। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहिमां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ इक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिनाचित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

नम्स्यी

गाला नं० 211, "ए-1" बिल्डिग2 दूसरी गैंगजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोश्चर परेल, बम्ब ξ -13 में श्वित है |

अनुसूची जैसा कि कि नि अई-1/37ईई/1091/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 14-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० जो० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिमांक : 14-6-1984

मोहर 🗯

प्रकृष बाई. टी. एन्. एस . ------

जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक <mark>आयकर आयक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1168/84-85---अतः मुझे ए० लहिरो ,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्याम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. हो अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 501 मी० लक्ष्मी निवास लेडी जहांगिर रोड़ पारणी कालोनी, बेअरींग न्यु सर्वे नं० 1110 (पार्ट) सी० एस० नं० 615/बी/10 आफ मांट्गा डिविहजन बम्बई-14 में स्थित है (और इस्से उपाबद अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जो आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14 अक्षूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में काक्शविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, वा धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना काहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की कारा 269-ग के अन्सरण अर्ज, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अक्रिक्रीन, निम्नलि**क्ति व्यक्तियों.. अर्थात्** स—— श्री संकर नारायण तारके और श्रीमती माताबाई संकर तारके ।

(अन्तरकः)

2. श्री नटबरलाल मंगलदास पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहिया करता हो।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीसत व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपर्व में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्या

पलेट नं० 501 सी०, लक्ष्मी निवास, लेडी जहांगिर रोड़, पारणी कालोनी, बेअरींग न्यू सर्वे नं० 1110 (पार्ट), सा० एल० नं० 615वा/10 अ.फ मांट्रगा डिवाजन, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसा कि कि० सं० अई-1/37ईई/1078/83-84 और जो सक्षम प्राधि₁ारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 14-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी संजन प्राधिनारी सहायम आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, बन्बई

तारीख: 4-6-1984

नोहर 🛚

प्रस्प बाह्र'. टी. एन. एस.-----

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश मं० अई-4/37ईई/2445/83-84—अतः मुझे विजय रंजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वतम करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० ए/38, सोनल अपार्टमेंट, 3 री मंजिल, माउंट पाइन्सर, बोरांवली (पिष्चम), बम्बई-92 आय० सी० नालीनां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीनिता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीनिरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14 अवतुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिष्ठत से अध्यक्ष है बीर अन्तर्क (अन्तर्का) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के निष् तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण जिचित में बास्तविक रूप से क्रिक्त नहीं किया गया है :---

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-मियम की जभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के सिए, बाँड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य जास्तियाँ की, जिन्हीं भारताय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम ॥ १९५७ (1957 को 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा को क्रिए;

जतः जन, त्र यतं अभिनियमं की भारा 269-ग् भी अनुसरणं को, मी, उक्त विभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :--- 1. श्री एम० अषुतन।

(अन्तरक्)

2. श्री मार्केल पिटो।

(अन्तरिती)

3. अन्तरका

(बह अवनित, जिसके अधिभोग में सम्यक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति कं अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मह्ति के कुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वें 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- वब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

त्यव्यक्तिक्षणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगरा ची

फ्लैट नं ए/38, मोनल अपार्टमेंट, 3री मंजिल, माउंट पाइम्सर, बोरीवली (पश्चिम), आय० सी० शालोनी, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि कि से अई-4/37ईई/2445/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-83 को रेजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सञ्जय प्राधिकारी सहायक आयकर आ**युक्त (निरीक्षण)** अर्जनरोज-4,वस्बर्ध

तारीख: 15-6-1984

मोहर:

4 -156 G18

. '

प्ररूप नाइं. डी. एन. एक.------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . . भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/1111/33-84--अतः मुझे . की० जी० अग्रवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं यूनिट नं 319, 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-1), लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसभे उपाश्वत अनुसूनी में और पूर्ण रूप में बणित है), और जो आयशर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क खने अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के शायीलय में रजिस्ट्री है तारी खाउ अन्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रध्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्य (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वामा गया प्रतिफन, निम्निनिचित उद्योक्य से उचित बन्तरण कै किया परा प्रतिफन,

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की सावत, सवत जिथानियम के जभीन अप दोने के अन्तरक के दावित्व में कसी करने या उसके वचने में बृधिका. के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना जाहिये था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित स्थीक्तयों, अर्थात् :--- 1. श्री शहा एण्ड नहार आसोसिएट्स ।

(ग्रन्दरक्)

2. मैसर्स कोकील देखर्स।

(अग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वों कर उक्त स्थावर सम्मित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होंगा जो तथ अध्याय में दिया गया है।

अमस्यी

यूनिट नं॰ 319 3री मंजिल शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (एबं1), लोजर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० अई-1/37 ईई/1231/83-84 और जो सभग प्राधिसारं।, बम्बई द्वारा दिनांत 13-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी०जी० अग्रवाल सद्वायः आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अस्बर्ध

तारीखाः 14-6-1984

मोहर ः

प्ररूप आरही. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सामकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बस्कर्ष

बम्बई, दिनांब 14 जून 1984

निर्वेश सं० अई-1/37 ईई)1113/83-84--- अत: मुझे बीं० जीं० अग्रवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० रूम नं० 1/202, नव जीवन, लॉमंग्टन रोड 2री मंजिल, बम्बई-8 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जो आयज्ञर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारण के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 13 अक्तूबर, 1983

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उष्णत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्वदेश्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की वाबत, उक्त विधिनयत्र के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/बा
- (ण) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, अक्त अधिनियम, की धार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधील . फिल्लिबित व्यक्तिसमें, अधीत हे— 1. श्री रमेश हुरकीशिन गंगलानी।

(अन्नरका)

2. श्रीमती मालती मधूकर बांदिवडेकर।

(अस्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकोगं!

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनस्ची

कम नं 1/202 नवजीवन लिमंग्टन रोड 2 %। मंजिल बम्बई-8 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की कम सं० अई-1/37 ईई/1237/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी ० जी ० अग्रयाल राक्षमा प्राधि नागः सहायकः आयक्तर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बई

तारी**ख**: 14-6-1984

मोहर 🛊

प्रस्य बाह्य, दी. एतः, एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० आई-1,37 ईई 1188,83-84⊸-अतः मुझे बी० जी० अग्रवाल

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पदभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 233, 2री मंजिल "महा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-2) बाराज मिल्स कंपाइंड सिजाराम जाधव मार्ग, लोजर परेल बम्बई-13 में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूनी में और पूर्ण रूप ने विणित है) और जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 14 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उन्त विभिन्न में बचीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे स्थाने में सुविधा खे सिए; और/गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भण या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आज-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में बृद्धिया में विद्या

नतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाश (1) के मुभीन, निल्लुसिचित मिन्नियों, अभीत् हे— 1. मैसर्स महा एण्ड नहार आसोसिएद्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शुभांगी सतिण नाडकर्णी।

(अन्तरिती)

को वह बुचना चाड़ी करके वृत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के दिव्य कार्यनाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओब:--

- (क) इसे स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और न्यों का, जो उबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

ननुसूची

यूनिट नं० 233, 2री मंजिल गहा एण्ड नहार इण्ड-स्ट्रियल इस्टेट (ए-2) धनराज मिल्स कंपाउंड, सिताराम जाधव मार्ग, लोअर परेल, कम्पनी-13 में स्थत है।

अनुसूची जैसा कि कि में अई-1,37ईई,1262,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-10-83 को रजिस्टई किया गया है।

बार्जार अग्रयाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ऑयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

लारीख: 14-6-1984

मोह्य 🛭

प्ररूप भार्द . टी . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 जून 1984

निर्देश मं० अई-1/3 ईई/1092/83-84—-अतः मुझे बी० जी० अग्रवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिय हैं

और जिसेकी संव फ्लेट तंव 21: 6वीं। मंजिल बिल्डिंग नंव 13 नवजीवन को-आपव हाउसिंग मंत्रसम्बद्धा विभिटेड लेग्टिन रोड, बस्बर्ड में स्थित है और बससे उपावक अनसर्चा में और पण

बम्बई में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जो अत्यहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, नारीख के अस्तूबर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूस्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाब की बाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के मन्तरक की दावित्य में कमी करने वा उत्तरों बचने में सुविधा के किए; सौद/वा
- (क) एसी किसी अप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) है अधिर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य :--- 1 श्रीमती कमना संतुमल संधवानी ।

(अन्तरक)

2. 1. श्रा नटबरलाल रुमणलाल गांधी

- (2) श्रीमती विद्विज-बाबेन नटबरलाल गाधी और
- (3) श्री संजय नटवरलाल गांधा।

(अन्तरिती)

को कह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 26 6वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 13 नवजीवन को-आप, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड लॉमिगिंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋ०मी० अई-1/37 ईई/1040/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० जी० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, बस्बई

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🙄

प्ररूप् बार्ड दी . एन् . एस . ------

अधिकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत मरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बाई दिनांक 14 ूज्न 1989

निर्वेश सं० अई-1/37 ईई/1212/83-84→-अतः मुझे, बी० जी० अग्रयाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसेकी सं० फ्लेट नं० 41र्ला मंजिल बिल्डिंग नं० 7/ए लंभिग्टन रोड़ स्किम आफ नवजंग्वन कोअ-ापरटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड लंभिग्टन रोड़) जंक्शन आफ फाशलंड रोड़, बम्बई-8 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनूसूर्वा में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जो आयक्यर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधान बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तार ख 14 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पावा ग्या प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिल्ला में बास्तिक कर से किथत महीं किया यथा है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कड निभिनियम, विभाग को किया गया का किया का का किया वाचा आहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण कः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (।) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीतः—

1. श्री कुदंनदास वाटुमल परवानी ।

(अन्तर∤)

 श्री मणिलाल एतनसी छेडा और श्रीमती दुला मणि छेडा लाल छेडा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी बबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से निक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-ब्रुथ किसी बन्ध स्थावत द्यारा अधोहस्ताक्षरी औ पास सिक्ति में किए वा सकोंगे :

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त विजियम के जभाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अभ्याय में दिसा गया है।

अनुस्ची

फ्लेट नं० 4 ाल मंजिल बिल्डिंग नं० 7/ए लंमिग्दत रोड़ किस्म अक्ष नवजीवन को-आगरिटिड हाउसिंह मोशायट लिमिटेड लिमिग्टन रोड जंक्यत आंक की जैंड रोड बजाई-8 में स्थित हैं अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37 ईई/1099/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनाक 19-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> बी० गी० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 1ूबम्बई

ता**रीयाः 14 6-1984**

मोहर 🖫

प्ररूप <mark>आह</mark>ै, टी. एन. एस. - - - ----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/74116/83-84 - -अ तः मुझे एस० एच० अञ्चास अबिदो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, प्राऊंड फ्लोअर, अकाल को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, अंधेरी (पूर्व बम्बई-69 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269 म, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना किया जानाहिए था, हिपाने में स्थिश के लिये;

. अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मैसर्स ओमेक्स बिरुडर्स एण्ड जान्ट्रेक्टटसं।

(अन्तरक)

2. श्रा वाई० के० आगर और श्रीमती डी० वाई० अभार।

(अल्बारेता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ह्मक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्वों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लेंट नं० 3, प्राऊंड फ्लोअर, असून को-अ(उरेटिव्ह हाउसिंग मोसायटी लिमिटड, अंघेरों (पूर्व) बम्बई-69 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क० से अई-2/37 ईई/7416/83-84 और जो प्रथम प्राधिसारों, बम्बई दारादिनों से 17-10-83 की रिजस्टर्ड किया गया हैऽ

> एच**€**एम० अढंबास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

तारी**क**: 14,6-1984

माहर 🖫

मुक्कप वार्ड. टी. एतं. एस्. =======

नाथकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/2902/83-84---अतः मुझे एस० एच० अब्बास अबिदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसेकी मं० शाप नं० 8, न्यु कोसमोंस कर्माणयल सेंटर 3रा राम्ता, खार, बम्बई-57 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनूसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिधारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 28 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक म्प से कियत नहीं किया गया है।

- (क), जुलाइण से हुई किती जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के जिए; बाँद्र/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजसङ्का अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा धा या किया जाना वाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा से सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिंत व्यक्तियों, अर्थात्ः 1. श्री आस्पाराम सुगनलाल पेसवानी।

(अन्तरक)

- 2. (1) र्था एस०के० गेट्टी।
 - (2) श्री पीं एस भेट्टी, और
 - (3) श्री एम० एस० गेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अधिक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नमि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी के गल किसि में किए जा सकागे।

स्यष्टिकिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

शाप नं० 8, न्यु कौसभोस कमिशयल सेंटर, 3रा रोड़ खार, बम्बई-5 में स्थित हैं।

अनूसूची जैसा कि कि सं अई-2/37 ईई/2902/83-84 जो सक्षम प्राधिकार। बम्बई बारा दिनांक 28-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया हैऽ

> एम० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 8-6-1984

मोहर:

त्रकम नाइ हो एन ६त ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
मबई, दिनांक 14 जुन 1984

निर्देश सं श्रई-2/37ईई/7503/83-84--- अतः मुझे, एस० एच० अञ्बास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं० 31, विल्डिंग ल० टी० 14, लार्सन एण्ड टूब्रो ग्रुप ग्राफ कम्पनोज एम्पलाइज को०-ग्रापरेटिव हार्जिसग सोसायटी, विजय नगर, मरोल मरोशी रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई— 59 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 11-10-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ख निम्निल्लिल उद्देश्य से उन्त अन्तरण मिल्लि में वास्तिवक स्प से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (न) एटी विस्ते अप पा किसी ५ ए अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 १९०२ का ११) या उक्त अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ क्लांक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में गुविया के लिए:

(1) श्री एम० सुब्रह्मण्यन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जै० एम० अय्यर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या सत्यम्बन्धी व्यक्तियाँ दूर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

जमस की

फ्लैंट नं० 31, बिल्डिंग एल० टी० 14, लार्सन टूब्रो ग्रुप ग्राफ कम्पनीज एम्पलाइज को०-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, विजय-नगर मरोल मरोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\frac{5}{2}$ -2/37ईई/7503/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस.० एच० म्रब्बास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण), म्रर्जन रेंज−2, बम्बई।

दिनांक : 14-6-1984

मोहरु 🕄

प्रकथ आहें, टी. एम. एस. -----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रजिन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देण सं० श्रई-2/37ईई/3553/83-84—-श्रतः मुझे. एस० एच० श्रुक्वासः श्रुबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 12, 3री मंजिल, खार दिप, पहला रास्ता, (खार वांडा रोड), प्लाट नं० 3754, खार, बम्बई-52 । में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण ते हुई किसी नाय की वानत, उनत निर्मित्यम के अधीन कर देने के नंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा की लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० एच० बजाज ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मध् लाल मिरानी।

(श्रन्तरिती

(3) ग्रन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभीग में सम्पत्ति है)

को ग्रह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में पिया गमा है।

गनस्पी

पलैंट नं∘ 12, तीसरी मंजिल, खार दिप, पहला रास्ता, (खार दांडा रोड), प्लाट नं∘ 374. खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/3553/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बाय ग्रबिदो सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड ।

दिनांक : 14-6-1984

मोहर :

प्रक्म नाइ', टी., एन. एस.,-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुन 1984

निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/7315/83-84--- ग्रतः मुझे, एस० एच० ग्रज्यास ग्रजिदी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं संजीव टावर्स, बेहराम बाग, श्रोशिवरा विलेज, श्रंघेरी वसींवा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 11-10-1983,

प्राधिकारी के कीयालय में राजस्ट्री है दिनाक 11-10-1983, की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ज़न्तरण से हुई ज़िली जान की मानत, अक्त अर्डिभनियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में तृत्रिभा के ज़िल्ह; और्ट/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास् ६—— (1) संजीव बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(मन्तरक)

(2) श्री दिनेश एस० मल्होत्ना, राकेश एस० मल्होत्ना, ग्रौर मनिष एस० मल्होत्ना ।

(मन्तरिती)

(1) अन्तरितियों (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितअद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय की दिया गया ही।

नन्स्यी

संजीव टावर्स, बेहराम वाग, ग्रोशिवरा विलेज, ग्रंधेरी-वर्सोवा में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/7315/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० प्रव्यास श्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, वस्बर्ध।

दिनांक : 13-6-1984

मोहुदुः 🛭

प्रकल बार्ड. टी. एव. एच.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेज-2, बम्बई
वम्बई, दिनांक 14 जुन 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/8383/83-84--ग्रतः मुझे, एस० एच० श्रब्बास ग्रविदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

25,000/- र. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट इन जीवन पराग की० श्राप० हार्डामग
सोसायटी लिमिटेड. 127, प्रभात कालोनी रोड नं० 2. सांताशुज
(पूर्व), वस्वई—55 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप में वर्णिन हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क. खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 7-10-1983
को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान श्रीफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती
(बंतरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निश्चत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
स्म से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) नन्तरण संहुदं िकती बाव की बावल उपल, अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जबने में सुविभा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्य जासित्यों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए भा, कियाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिनित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री दिनानाथ जयवंत होडेरकर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती छाया चतुर्भुज सावारिया, स्रौर श्री चतुर्भुज हरीलाल सावरिया।

(ग्रन्तरिती)

- (3) अन्तरक । (वह व्यक्तिश्र, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जीवन पराग को० घ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृष्ना जारी करके पृत्रीकत संपत्ति के अर्जन को सिए कार्यवाष्ट्रियां कारता हों।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूनांक्त व्यक्तियों भा से किसी व्यक्ति है।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया स्वाही।

नम्स् कर

फ्लैंट इन जीवन पराग को० ग्रापरेटिय सोसायटी लिमिटेड. 127, प्रभात कालोनी रोड. नं० 2, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/8383/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्र≆्झास ग्रजिदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज−2, बम्बई I

दिनांक : 14-6-1984

मोहर 🚁

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.----

बायकर ब्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई . बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बार्गर मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 24-ए, नेमनाथ ग्रपार्टमेंट ग्रौर नेहरू मार्केट, कांवलीवाडी, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम. 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 10-10-1983,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में आस्त-विक रूप से कृथित नहीं किया एका है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मृ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री म्कूंद चन्दुलाल सेठ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री राजेण मगनलाल तंकारिया । ('ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति है वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिन्यम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूचीं

शाप नं० 24-ए, नेमनाथ ग्रपार्टमेंट ग्रौर नेहरू मार्केट, कांबली-वाडी, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/3593/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 10-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक : 8-6-1984

मोहर 🖁

प्रकार नाहाँ, टी. एत. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 8 जुन 1984

निर्देश स० अई-2/37ईई/7417/83-84— प्रतः मुझे, एस० एच० अब्बास प्रविदी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसकी उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० गाप नं० 7, ग्राउंड फ्लोग्नर, टूवीन टावर्स, प्लाट नं० 8-ए श्रौर 8-बी, एस० नं० 41(पार्ट), विलेज श्रोशिवरा, फोर बंगलीज, श्राफ जे० पी० रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबज श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प संवर्णित है), श्रौर जिम्का करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ड़ी हैं दिनांक 17-10-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--

- (1) इंदरजोत भागरटीज प्राइवेट लिमिटेट ।
 - (श्रन्तरक)
- (2) श्री इंदरजोत शर्मा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जो अकड़ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ध होगा जो उस् अध्याय में दिया गया ही।

नगत ची

शाप त० 7, ग्राउंड प्लोग्नर, ट्वीन टायर्स, प्लाट नं० 8-ए ग्रौर 8-बी, एस० नं. ±1 (पार्ट), विलेज ग्रोणिवरा, फोर बंगलोज, ग्राफ जे० पो० रोड, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/7417/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 17-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्बास ग्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई ।

दिनाक : 8-6-1984

मोहर 🐔

प्ररूप आहें ही. एन. एस.-----

नामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज−2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश मं० अई-2/37ईई/3557/83-84--प्रतः मुझे, एस० एच० श्रव्वास श्रविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

शीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, राज सरोवर निकेतन को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 315—ए, लिकिंग रोड, खार, बम्बई—52 में स्थित हैं (शीर इससे उगाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीश्रिन्तियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 5—10—1983, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाय्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित्त उच्च य से उच्च अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित्ति उच्च के से उच्च अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित्त उच्च के से उच्च अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित्त उच्च के से उच्च अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित्त उच्च के से अन्तरण के मिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित्त उच्च के से उच्च अन्तरण के सिप्त से वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्नत अधि-विश्वम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दाबित्स में कभी करने या उन्नस्त व्यव में बृदिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भाष 269-ण के जब्जून्य कें, मैं,, उक्त अधिनियम की भाष 269-च की उपभाष (१) के अधीन निम्निसिक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात् १—

(1) श्री जगदीण डी० नारंग

(ग्रहारक)

(2) श्री प्रकाण वालचन्द सखरानी ग्रीर श्री वालचन्द कें० सखलानी ।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिम्के अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगसची

फ्लैट नं० 8, राज सरोवर निकेतन को० म्राप० हाउसिंग सोसायटी नि० प्लाट नं० 315-ए, निकिंग रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/3557/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एच० ग्रध्वास ग्रविदी ' लक्षम प्राधिकारी सहस्यक प्रायवार ग्रायका (निरोक्षण) ग्रजन रेज-2, वस्वई ।

दिनांक : 14-6-1984

प्राच्या साइ^ड. सी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांफ 14 जुन 1984

निदेश सं० ई-2/37/7520/83-84—अतः मुझे, एस० एच० अव्वास अदिदेi.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० आल इट पिम आफ पार्सेल आफ लैण्ड और पाउण्ड सिटयएट ऐट मरोल प्लाट नं० 159 एच नं० 2 (पार्ट) आफ मरोल, एसै० नं० 7, एच० नं० 1, (पार्ट) आफ पारजापोर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य में विश्वत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 21-10-83,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उस्पेश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण न, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—-मोहर:

- (1) तैयर्थ प्रारंती कल्लुपणः कमानी । (अन्तरक)
- (2) श्री सांताणम बालकृष्ण मावन्त । (अन्तरियो)
- (3) 1 मेसमं अक्ष्म वाबिनस् एण्ड शटल्म प्रा० लि०.2. मेससं अरीहंत विल्डसं,
 - 3. दि पंचवटी को०आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(बह स्यमित, जिसके बारे में अधीहरसाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हिस्टक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारी बुसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

आल दैट पिस आफ पार्सेल आफ लैण्ड और ग्राउन्ड सिट्यूएट एट मरोल प्लाट नं० 159, एव० नं० 2 (पार्ट) आफ मरोल, एस० नं० 7, एव० नं० 1, (पार्ट) आफ पारजापोर में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि करु सं० अर्ध-2/37ईई/7520/83-84 ग्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 21-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज-2,वस्बई ।

दिनांक : 14-6-1984

मोहर 🕹

प्ररूप आह^र.टो एम एस.----

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

ंकार्यालय, सहायक आयकर ब्रा<mark>यक</mark>्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निदेण म० अई-2/37ईई/7148/83-84--अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पद्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० टी० एस० नं० 1323/4, विलेज वर्सीवा, श्रंधेरी (पश्चिम), वस्वर्ह-58, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 3-10~1983.

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरित (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हाई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बॉर/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भिन्ध के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों अर्थात् :— 6—156GI/84

(1) मेरामं नेणनल इण्टरप्राइजेस

(अन्तरंक)

1

(2) श्री मंदीप जै० वेरेनकर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना बारों करके पृथीक्त सम्पत्ति की सर्चन की बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जकरा सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 कि की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामीन से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त ज्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यद्भीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोअर, सी० टी० एस० नं० 1323/4 विलेज वर्सोबा, ग्रधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/7148/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टई किया गया है।

एस० एव० अञ्ज्ञाम अविदी सक्षमप्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 8-6-1984

मोहरः

प्ररूप शाह . टी. एन . एस . -----

नायकार अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

एस० एच० अब्बास अबिदी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ज के अधीन संक्षम धाषिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक ही

स्रीर जिसकी सं शाप नं 14, ग्राउंड फ्लोअर, टूबीन टावर्स, फ्लाट नं 8-ए भीर 8-बी, एस॰ नं 41(पार्ट), विलेज श्रीकिन वरा, फोर बंगलीज, आफ जे॰ पी॰ रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (पिण्चम), वस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री र दिनांक 14-10-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वे हुई कियी बाव की बाबत, उथत जीशनियम के जधीन, कार दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्लिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) इन्दरजीत प्रापरटीज प्राइवेट लिमिटेड
 - (अन्परक)
- (2) श्रीमती रमेण रानी प्रेमनाथ गुप्ता, श्रौर श्री राजेश कुमार प्रेमनाथ गुप्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्यारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना क रावपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधात्स्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए वा सकोंगे।

स्यस्त्रीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

भन्स्ची

शाप नं 14, ग्राउन्ड फ्लोअर, टूबीन टावर्स, प्लाट नं 8-ए ग्रौर 8-बी, एस ० नं 41(पार्ट), विलेज ग्रोशिवरा, फोर शंगलोज, आफ जे० पी० रोड, वर्सीवा, ग्रन्धेंगी (पश्चिम), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/7404/83-84 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनोंक 14-10-83 को रिजस्टई किया गया है।

एस० एच० अब्बास अविदी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वस्बई।

दिनांक: 8-6-1984

प्रकृप आर्घ. टी. एन्. एस.-----

नायक र भीधनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० अई-2/37ईई/3646/83-84-अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (196, का 43) जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संव दुकान नंव 10. "अलोक", प्लाट नव 104—105, सान्ताकृज (प), बम्बई 54 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावस अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 17—10—83,

को पूर्विक्स सम्भीत के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अल्प को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कर: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्नीसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री नन्तयालाल छगनलाल चौरसीया ग्राँर श्रीमती सुशिलारानी एन० चौरसिया ? (अन्तरक)
- (2) श्री याकुबभाई विलोभाई बालासीनोरवाला ग्रीर यूमुफ याकुबभाय बालासीनोरवाला । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरक ।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तार्शक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पत्नो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

अमसची

दुकान नं ० 10, "अलोक", जो प्लाट नं ० 1-04-105, सान्ता ऋज (प०), बम्बई--54 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कर संर्थ अई-2/37ईई/3646/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास अबिदी सन्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजनरेंज-2.बम्ब

दिनांक : 14-6-1984

अक्ष कार्च . टी . एव . एव . ------

क्षायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहागक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुन 1984

निर्देण सं० अहै—2/37६६/3391/83-84—अतः मुझे. एस० एच० अब्बास आबिक्षीः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसकें पर शत् 'उन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, 4थी मंजिल, बिर्लंडग नं० बी/3, एस० ह्वी० रोड़, साताकुज, (पश्चिम), वस्वर्द- 54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7~10-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विशिखत में बाम्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए बौर/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--- 1. श्री विजय एम० शाहा, श्रीप श्रीमती मिना ह्वी शाहा।

(अन्तरक)

2 श्री दिपक छोटालाल थिवाला, श्रीर श्रीमती कुसुमबेन छोटालाल थिवाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषेचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोगे।

स्पर्वेकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 2. 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० बी/3, एस० ह्वी० रोड़, सांताक्रुज (पिष्चम), बम्बई-54 में स्थित है। अनुसूची∗ जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/3391/83-84 ब्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-10-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ंग्स० एच० अब्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-2, बम्बई

तारीख: S ·6 ·1984

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेज-2, वस्त्रई

वम्बर्ड, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० अहै-2/37ईई/7411/83-84—अतः मुझे. एस० एच० अब्बास आबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उब्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० इण्डिस्ट्रियल माला तं० 26 सर्वोदया इण्डिस्ट्रियल प्रियामायसेम को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केका रोड़, ग्रंधेरी (पूर्व), वस्बई-93 में स्थित है (ग्रीर, इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 प ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 17-10-83 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आयं की आधत उक्त बिधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी काम या किसी भग या जन्म आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए।

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी खबत अधिनियम की धारा 269-म की उपनास (1) की अधीन, निस्तिजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. मेससं माणेकलाल इण्टरप्रायसेस प्रा० लि० (अन्तरक)
- श्रीमती यू० एम० बिठठलानी, श्रीर अजय शातिलाल बिठठलानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्रै, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

मम्स्यी

इण्डस्ट्रियल माला नं० 26, मर्वोदया इण्डस्ट्रियल प्रिमा-यसंस की-आपरेटिव मोसायटी लिमिटेड, महाकाली केठज रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/7411/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-83 को रजिस्टडं किया गया है।

एस० एस० जब्दाम आबिदी उक्षम प्राधिकारी सहायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- 2, ब≭बई

नारीख: 13~6~1984

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भाग 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 जुन 1984

निर्देण सं० अई-2/37ईई/7507/83-84—अत: मुझे, एस० एच० अब्बास आबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. म अधिक हैं

भौर जिसकी शाप नं० 6, ग्राउंड फ्लोर, "निर्माण बिहारें" "लूँ विंग, पंप हाउस, श्रंधेरी, (पूर्व), बम्बई में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूणं रूप से वर्णित है), श्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 21-10-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तिया को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूनिया के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मेसस निर्मान कन्स्ट्रक्शन्म
- (अन्तरक)
- 2. श्री नारायण सी० सालीयन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शूरु करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकर के जस लिकित में किए जा सकेंग :

स्पक्टोकरण: ----- प्रममे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त मिधिनियम के अध्याथ 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**ची**

शाप नं० 6, ग्राजंड पनोर, "निर्मान विहार", ', " विंग, पंप हाउस, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/7507/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा विनांक 21-10-83 को रजिंस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास आबिदी - सक्षम प्राधिकारी वहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

माहर 🖟

्रारूप बार्ड .टी .एन .एस . --- -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीर सचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आग्रमत (निर्दाक्षण)

अजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 ज्न 1984

निर्देण सं० अई-2/37ईई/3569/83-84--अत: मुझे, एस० एच० अञ्जास आबिदी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर अंपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 676 टी० पी० एस० बाम्बे सिटी 4 (माहिम) पार्ट आफ कंडेस्ट्रल मं० सर्वे नं० 334, माहिम हिबीजन, माहिम, माहिम में भंडारवाला रोड़, राखडे रोड़, एक्टेन्शन रोड़, बम्बई में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में एजिस्ट्री है, नारीख 6-10-1983

पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की एक हैं और मुक्ते यह जिक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल सं. एक प्रवास प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत सं अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिसिन अद्वरेष सं उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृजिधा के निए; और/मा
- (स) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए धा, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः——

- श्री छगनदास नारायणदास लवापा भ्रीर श्री हेमंत कृमार ख्रणनलाल लवागा।
 (अन्तरक)
- श्री तरुप कृमार पर्वत पटेल, प्रोपरायअ वेलकान बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए ार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से कि भी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोतुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरों।

स्थव्होकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

अनुसूची जैसा कि विलेख क० सं० वाम/1839/81 ग्रौर जो उप रजिस्ट्रार, बस्वई द्वारा दिनांक 6-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास आबिबी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंग रेंज-2, बम्बई

नारीख: 13-6-1984

मोहरः

प्रस्य आई. टी. एन. एस.-----

व्ययकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सृचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 जून 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/3735/83-84--3त: मुझें, एस० एच० अब्बास आबिधी,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसमें प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का जारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्ता उपित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हो

ष्प्रौर जिसकी सं० चेत्रक को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मंजू महल, फ्लैट नं० 512, 5वीं संजिल, "डीं विंग' 35, पाली हिल, बांद्रा वस्वई-50 में स्थित है (थ्रौर इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजिस्ट्रांकर्ता श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय, में रिजिस्ट्री है ,नारीख 14-11-1983

के कार्योलय, में रजिस्ट्री हैं ,नारीख 14-11-1983
को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूनों कन संपत्ति का उचित वाजार मृल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफाल स, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिक रूप से किश्ति नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सिविधा के जिल्हा ।

 श्रीमती मणी आर० गुजदेर, श्रीय कृमारी झरीन आर० गुजदेर।

(अन्तरक)

2. श्री जबाहर लाल धवन।

(अन्तरिनी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- . (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पर्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

चेत्रक को-आग॰ हाउर्सिंग योगायटी लिमिटेड, मंजूँ महल फ्लैट नं॰ 512, 5वीं मंजिल, 'ज़ीँ विग, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37हैहै/36735/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 14-11-83 को रजिस्टई किया गया है।

एस० एच० अवास आबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रीयकर ग्रास्कित (निरीक्षण) अजन रोज-2. बस्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-त के बन्धरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1) वे बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् ह्र—

तारीख: 6-6-1984

प्रकृष् आहे : दी : एर : एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के स्थीन स्पना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 , बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निर्देण सं० अई-2/37ईई/7410/83-84--अत: मुझें. एस० एच० अब्बास आबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल माला सं० 25, सर्वोद्य इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, महाकाली केन्ज रोड़, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17-10-83
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक
रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाय की धावत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उस्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित स्पिक्तमों, कर्मात् ए-----

- 1. मेसर्स माणेकलाल इण्टरप्राइसेस प्रा० लि० (अन्सरक)
- 2. श्री हसमुख मोहनलाल विठठलानी।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृथ्मित सम्मिति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

सकत सम्पारत को अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्योहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वचा है।

अनुस्चीं

इण्डस्ट्रियल माला नं० 25, सर्वोदय इण्डस्ट्रियल प्रिमा-यसेस को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेंड, महाकाली केट्य रोड़, संसेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/7410/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-83 को रजिस्टइं किया गया है।

एन० एन० अध्वाम आबिदी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, बम्बई

नारीब : 13-6-1984

मोहर 🏗

प्ररूप बाहै, टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निर्वेष सं० अई-2/37-ईई/3652/83-84-अतः मुझे, एस० एच० अध्वास आबिदी,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काण्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित हाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं०

भीर जिसकी मं० आफिस नं० 25, 2री मंजिल, विना गार्पिंग सेंटर प्रिमायसेस को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, टर्नर रोड़, बान्द्रा, बम्बई-400 050 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 17~10~83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दं हैं और मृत्यें वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार भूल्य., उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्तर्ह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्मतियित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तर्भ विका रूप से अधित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बल्यरण नं हुन्दै किसी बाय की बावत उच्छ बॉध-निवन के बनीन कर बोने के बलाइक के शायित्व में कभी करने या असते बचने में सुविधा के लिये; और या/
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य वास्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

1. श्री कुष्णकुमार एष० आसवानी

(अन्तरक)

2. श्रीमती विल् के० श्राफ ।

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती

(बह स्थनित, जिसके अधिभोग में ्सम्पत्ति है) .

को यह सूचना चारी कर के पृथांकत संपरित के सर्वन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपर्ति में हित-बह्भ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वडा हैं।

वन्स्वी

क्फ्तर कमांक 25, जो 2री मंजिल, विना शापिंग सेंटर, प्रिनायसेस को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, टर्नर रोड़, बान्द्रा, बस्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि %० सं० अई-2/37ईई/3652/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-83 को रजिस्टई किया गया है।

एस० एष० अब्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 13-6-1984

मोहर 🖫

1

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

कायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) सौं धारा 269-च (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सङ्घयक जायकर नामृत्य (पिरिक्रिक) अर्जन रेंज-2, वस्त्रहें

बम्बई, दिनांक 4 जून 1984

निर्देश सं अर्ह-2/37-हेई/2881/83-84- अत: मुझे एस० एच० अब्बास आबिदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत मधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 124, रिबेलो रोड़, बान्त्रा (पिष्यम), बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम की धारा 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीखा 10-10-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नलिचित उद्श्वेष से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से किया नहीं किया स्था है:---

- (क) ब्लाइन से हुई किसी बायुकी बाबत, अक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्व में कभी करने या उत्तस बचने में सुविधा के सिए; कॉर्ट/था
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, विन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के किए:

गतः अकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री आरोन हेनियल जवाहम ।

(अन्सरक)

2. श्रीमती सराह मोहिउद्दीन सोनी

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी स्पिकत द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्मक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त विश्वित्यम, के अभ्याय 20-क में परिशावित ह⁴, वहीं वर्भ होगा जो उस सभ्याय में विद्या गया है।

नन्त्थी

124, रिवेंली रोड़, बोद्रा (पश्चिम), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/2881/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-83 की रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एव० अध्वास आविदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 4-6-1984

प्ररूप कांद्री, टी., एन., एस्., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

🍃 बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/7581/83-84--अत:, मुझे, एस० एच० अञ्चास अबिदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पिस श्रीर पासेंल आफ लैण्ड श्रीर ग्राउंड सिंच्यूएटिडी लेइग लैण्ड बिइंग एटमरोल, मरोशी रोड़ एट अंधेरी सर्वे नं० 159, एच० नं० 2, आफ मरोल र्सर्वे नं 7, एच० नं० 1 (पार्ट) आफ पारआपोर में । स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणिल है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1981 की धारा 269 क ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 28-10-83

को पूर्वोक्त संपरित के उमित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उमित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिहात अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरिद्वियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निसिश्वत उद्योग्य से उपल अन्तरण सिश्वत में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, अवस अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में भूविभा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के, अनुसरप में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र— (1) श्री शोताराम बी० साधनत

(अन्तरक)

(2) मेंसर्स दि पंचवटी को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

(4) (1) मसर्स अक्मे बाबिन्स एण्ड शटल्स प्रा० लि०, (2) मेसर्स अरिह्नम बिल्डर्स,

(3) मसर्स आरती कन्स्ट्रकशन कंपनी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

का यह सूचना जा<u>डी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्</u>जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में लिया गया है।

वपुत्त्वी

पीस और पार्सल आफ लण्ड और प्राउण्ड सिच्यूएटिड लेइन्ग एण्ड बिद्दंग एट मरोल मरोसी रोड़ एट अंधूरी सर्वे न-2 आफ मरोल सर्वे नं० 7, एच० न० 1, (पार्ट), आफ पारजापोर में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/758/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिबी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनोक: 14-6-1984

मोह द 🛎

प्ररूप बाइं.टी. युन ूप्सं त् हरारारारा हरा

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, तहायक शायकार शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 जून, 1984

निर्देश सं० अई-2/37ईई/3612/83-84—-अत:, मुझे, एस० एच० अञ्बास अबिदी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उणित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं 7ए, "साई धान" बिल्डिंग, प्लाट नं० 499, 3री मंजिल, 16 वां रास्ता, खार (पिष्चम), बम्बई-32 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणित है), और जिमका करारनामा अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है तरीख 17-10-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मान्य, उसमें दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उससे जवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीभाती स्वेता दोपक ओहरी, उर्फ हेमा रसिकलाल स्वे और दीपक ओहरी।

(अन्तरक)

(2) श्री शारदा पाँडे और श्रीमती अनुराधा पाँडे। (अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(बहु स्वभित जसके अधिभोग् में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरकों और अन्तरितियों।
(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्तारक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)।

को यह सूचना खारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्य कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्वतिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों अंद पदी का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय गें दिका गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7-ए, "साई धात" बिल्डिंग, प्लाट नं० 499, 3री मंजिल, 16वां रास्ता, आर, (पिचम), बम्बई -52 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37ईई/3612/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एय० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांकः 6-6-1984

नोहर:

प्ररूप आहरं टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून, 1984

निर्देश सं० श्रई०-2/37ईई/3604/83-84—श्रतः मुझे, एस० एच० श्रब्बास श्रविदी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25, 000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, श्रपार्टमेंट, एफ० पी० नं० 577, ग्रोरी रोड, के सामने, म्युनिसियल स्कूल, मोनावाला श्रग्यारी मार्ग, माहिम, बम्बई-16 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 कख, के न्यधीन, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 5-10-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित वाजार सस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंति ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में गिस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की नावत्, उक्त बिभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य बास्थियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (।) को अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अधीत् हिन्स 1. श्री प्रेम एच० लालवानी

(भ्रन्तरक)

2. श्री वासुदेव पी० चिटणिस

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिसित में विये जा सकैंगे।

रपष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

सन्तर्जी

फ्लैट नं० 2, बूड लैण्ड अपार्टमेंट, एफ० पी० नं० 577, श्रोरी रोड के सामने, म्युनिसिपल स्कूल, सीनावाला श्रग्यारी मार्ग, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र॰ यं॰ श्रई-2/37ईई/3604/83-84 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई के द्वारा दिनांक 5-10-83को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास प्रविदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** 15-6-1984 माहरू प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्रयः सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज 2. बम्बई बम्बई, दिनांक 6 जुन, 1984

निर्वेश सं० ग्राई०-2/37ईई/3613/83-84---ग्रतः मुझे

एस० एस० ग्रब्बाम ग्रबिदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-ज से अधिक है

श्रीर जिसका मं० फ्लैंट नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, न्यू ग्रपोलो को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, फ्लॉट नं० 466, 14 वां रास्ता, खार, टी० पो० एस० III, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 को धारा 269 कखा, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 17-10-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अक्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निक्विविधित अश्रिक से स्थल प्रभारण लिखिन में वास्तिविक्त से कथित वर्षी किया गया है :---

- (क) अग्तरण से तुर्द किया थाय की बाबल प्रवस प्रधि-निवस के श्रधीन कर देने के अग्तरक के वाशिक्य में कसी करने या चलते बचने में सुविधा के विका बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, कर्षात क्रिक्त 1. श्रोमती सिलवंती एन० मनशरमानी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमतो कमला जी० गतवानी

(मन्तरिती)

भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में **प्रभोहस्ताक्षरी** जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव**द** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पेत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लैट नं० 3, ग्राउन्ड फ्लोर, न्यू श्रपोलो को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लॉट नं० 466, 14 वां रास्ता, खार, टी०पी० एस० नं० 111, बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि कि मई-2/37ईई/3613/83-84 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है

> एस० एच० श्रब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्बई

नारीख 6-6-1983 **मोहर** ३ प्र**रुप**्त **नाइँ**छ टी. एग*ु* एस्..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-र्भ (1) को अभीन सुभाना

भारत सरकार

कायुनिय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) $% \frac{1}{2} = \frac$

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हुं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, 3री मंजिल, नटराज बिल्डिंग, 11वां रस्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करार-नामा श्रीयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 10-10-1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे रूथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंगरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्वरिय से उक्त अंतरण मिषित् में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 सर्वे श्री शामवास के० बजाज श्रीर भगवानदास के० बजाज,

(भ्रन्तरक)

2. श्री अशोक टिकमवास लालवानी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के</u> अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं हु से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा हैं।

वनसूची

ज्लैट न० 11, 3 री मजिल, नटराज बिल्डिंग, 11वां रस्ता बार, बम्बई-52 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० स० श्राई-2/37ईई/3619/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 17-10-1983 को रजिस्टर्जं किया गया है।

> एस० एच० म्रब्बास म्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज II, बस्बई

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनांक 8-6-1984 मोहर प्रसप आहें. टी. एन. एस

शायंकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० श्रई० 2/37ईई/7246/83-84—श्रन: मुझे, एस० एच० अब्बास ग्रविदी,

शायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर, ट्वीन टावर्स, व्हिलेज श्रोशिवरा, फोर बंगलोज, श्राफ जे० पी० रोड, वसौँवा, श्रंधेरी (पश्चिम), वस्वई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अश्रीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-10-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से क्रियत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण चेहुई किसी बाय की बलास उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया होशा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः जल, उचत विभिनियम की भारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ४--- इंदरजीत प्रापर्टीण प्रायवेट लिमिटेड

(प्रन्सरक)

2. श्री त्रार० बी० सिंग ग्रीर राज मंगल बी० सिंह, ग्रीर ग्रशोक बी० सिंग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् निकित में किए का स्कोगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों अहैर पदों का, जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगराजी

णाप नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर, ट्रबीन टावर्स, व्हिलेज, ग्रोशिवरा फोर बंगलोज, श्राफ जे०पी० रोड, वसौवा, ग्रंधेरी (पश्चिम), बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि स्वर्ध-2/37 ईई/7246/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के द्वारा दिनांक 6-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बास भ्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, बम्बई

दिनांक 8-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक खायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11,

बम्बई, दिनांक 13 जून, 1984

निदेश सं० अई० 2/37ईई/3576/84-85---अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रहे. से अधिक हैं

और जिस्की सं० फायनल प्लॉट नं० 675, आफ टाउन, प्लानिंग स्किमनं० 4, माई मण्डिया, सं० एस० नं० 334, माई म, डिविजन, माहिम भंड खाडा रेंड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री अधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारन मा आयकर अधिनियम 1961 के धारा 269 कख, के अधीन सक्षम प्राधि गर, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-10-1983

को पर्योक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपन्ति का उचित बाजार मृल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत् अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि पित्रत व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री लगनलाल. नारायणदास लवाना, और हेमन्त कुमार छगनलाल लवाना।

(अन्तरका)

2. श्री तरण कुमार, परवस पटेल

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सुची

अनुसूची जैता कि विलेख सं० बॉम/295/83 और जो ऊपर रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 6-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त अव्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, बम्बई

∻तारीख 13-6-19**84** मोहर; प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6जून 1984

निर्वेश सं० आई० 2/37ईई/3636/83-84---अतः मुझे एस० एच अब्बास अबिदी,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक ही

और जिसको सं० पलैट नं० 102 ए, 1 ली मंजिल, कुल्पना अपार्टमेंटस, "ए" णेली राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूचो में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस त करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है दिनांक 17-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हूर किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय आयकर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नि-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रताजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अधीत् ा--

- मैसर्स नवभारत डेवलपमट कारपोरेशन। (अन्तर ह)
- श्रीमतो फातिमा माथि । सिक्वेरा और
 श्रो रोताल्ड विसेंट सिक्वेरा ।

(अन्द्रस्तिः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के . कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 102-ए, 1लो मंजिल, कल्पना अवार्टमेंटस "ए" शेर्ली राजन रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई 2/37ईई/3636/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारादिनांक 17-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एच० एस० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंअ-2, बम्बाई

विनांक 6-6-1984 मोहर ध प्रस्प आर्थः, ट्री. एन . एस् ...------

आयंकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, क्यायक जायकर जायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जन, 1984

निर्देश सं० अई 3/37ईई/3712/83-84---अतः मुझे ए० लहिरो,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके भश्मात् 'उक्ते अधिनियम' कहा गया हों), की भारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट नं० 7, प्लांट नं० 46, कांजूर की-आप-रेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, कांजूर मार्ग, बम्बई 78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 3-10-1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया ग्या है है—

- ((क)) अंतरणु से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; अर्रि∡ा
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः। शव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) भी अधीन । निम्निलिखित व्यक्तियों । जभीत् धि— 1. माडर्न बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री भानू गाली के ० प्रभूवारा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप है--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर्री के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्यी

फ्लैट नं० 7, प्लाट नं० 46, कांजूर को आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, कांज्र मार्ग, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई 3/37ईई/1472/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांका: 14-6-1984

मोहर 🛭

प्रकृप काइ. टी. एन. एस.------

नायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुनना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984.

निर्देश सं० अई 3/37ईई/3544/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दर. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 28, ए० विग, 6 वीं मंजिल, सिद्धार्थ नगर, सांताकूज (पूर्व), सेंट एन्थोनी, चर्च के पीछे बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्याज़य में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) मन्तरण से हुई किसी जान की बानत उपत अधि-शियम के अभीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, खिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था लिपाने में सुविधा हो खिए;

मृत्य अग्ना, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों , अधीत् ा— 1. श्री झवेर चन्द एल० शहा

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमरजीत कौर जोगिन्दर सिंग

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख्या

पलैट नं० 28, ए विंग, 6 वीं मंजिल, सिद्धार्थ नगर सेंट, एन्थोनीज धर्च के पीछे, सांताक्रूज, (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि के सं अई 3/37ईई/1451/83-84 और जो सक्षम प्राधिक री बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किय गय है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंख 3, बम्बई

दिनोंक : 14:6-1984

मोहर ३

प्रका बहा . ही . एव . एस . -----

बाधकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, बहुायक नामकर जायुक्त (निरोक्सक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 जून 1984

निर्देण सं० अई-3/37ईई/3395/83-84---अतः मुझे, ए० लहिरी

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9, वाकीला संदीप को-आपरेटिव आपरेटिव हाउसिंग सोक्षायटो लिमिटड, वाकीला ब्रिज के बाजू में सांताकूज (पूर्व), बम्बई -55 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिन्न का करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 इख के अधोन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्र, है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बांतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कर निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कियत नहीं किया गया हैं.--

- (क) अन्तरफ से हुई किसी बाब की बाबस, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिरफ में कमी करने वा इसम अजन वो मुखिया के खिए; खरि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिस्तयाँ की जिन्हों भारतीय जाय-कर शिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था खिपाने ये सुविधा के लिए;

मतः अम्, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 में की उपचारा (1) के अधीन, निम्मलिकित अपिक्सयों, अर्थात् :--- 1. श्रामतो भौला जो० कत्री

(अन्तरक)

2. श्री हेजमाडी, श्रीनिवास गादीयार।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्रानित सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बर्बाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिल्ला मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लैट नं० 9, बाकोना पंदोप को-आपरेटिव हाउसिंग लिमिटड, बाकोला क्रिज के बाजू में, संत क्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि वर्ष अई-3/37ईई/1446/83-84 और जो अभ प्राधितारों बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रिजस्टर्ड नियागया है।

> ए० लहिरी . सक्षम प्राधिकारी, पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जे र रें // 3, बम्बई

विनांक: 14-6-1984

मोहरु 😃 🦈

प्ररूप आहू". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक जुन 1984

निर्देश सं० अई०-3/37ईई/3539/83-84---अतः मुझे, ए०लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० बी/20, सीं०टीं० एस० नं० 694 से 699 व्हिलेज, कोले कल्याण, वाकोला, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना बना प्रतिफल, भिम्निजिति उद्विषय से उक्त बन्तरण किवित में बास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर होने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 •(1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा को किए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, असत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ व्यक्तियों अर्थात :— 1. मैं सर्स गोल्ड काइन बिल्डर्स

(अन्तर 🕫)

2. श्री एम० रिफक अहमद मिरजकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्ल, संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हु—।

जक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशण की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थानता में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पस्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनस निधानियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ज्या हैं।

नम्सूची

फ्लैट नं व बी/20, सी व्टी व एस व नं व 694 से 699, व्हिलें ज कोले क्रमण, वाकोला, सीसाकूज, (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कव संव अई-3/37ईई/1430/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांकः -6-83

मोहर 🛭

प्ररूप . बार्ड . टी . एन . एस . - - - -

बामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन सूचना

भारत सक्कर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेश सं० अई०-3/37ईई/3374/83-84--अतः मुक्षे, ए० लहिरी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात (उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिन्नकी सं० पलैट नं० 20.2, 2 री मंजिल, "डी" विग, तो नाराम अपार्टमेंट्म, चेंबरकैम्प, बम्बई-74 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिन्न ता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयु की वार्यत, अवल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्य में कमी करने या उससे वक्ते जें बृज्जिया के न्तिए; और/मा
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब उक्त आधिनियम की भारा 269-न के जनुबरन हों, में., उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अधीत है—

1. मैसर्स कुकरेजा कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

2. गुरचरन सिंह धालीबाल

(अन्तरिती)

3. (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै) (अन्तरक)

4. ओनर्स ग्रॉफ लैंड।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में धाधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं 1!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्रुची

फ्लैट नं॰ 202, 2 री मंजिल, "डी" विंग, तोलाराम अपार्टमेंटस, चेंबूर कम्प, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/1443/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, ब्रारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बस्बई

विगाम : 14-6-1984

मंद्रे

प्रक्षः आहे. टी., एन., एस्., - = -

आयक्दर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, वम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निवेश सं० $_1$ म्रई०-3/37 ईई०/3534/83-84---म्रत मुझे, ए० नहिरो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्धि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूख्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि मुभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किशी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गता था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

मत: शब., उपल अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् ्र⊶-9—156 GI/84 (1) ची राज कुमां सीता राम कटारिया।

(अन्तरक)

(2) श्रोवासुदेव द्वारका वास ग्रपारेल ग्रौर श्रोमती राजकुमारी वणदेव रुपारेल ।

(भ्रन्तरिती)

3 प्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पृष्टियों में सं कि की स्पृष्टित बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यथ्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वध्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 12, बिल्डिंग नं० 7-बी, नित्यानन्द बाग को० ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, ग्रार० सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० धाई०-1/37 ईई०/1479/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 धक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ट किया गया है 5

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सह्यक प्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-IVI: बस्बर्ड

नारीख : 14**-**6-1984

मोहर 🏨

मुरूप मार्ड, टी. एन्, एस., ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) $\pi \hat{y}$ र्जन रेंज-III, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेण सं० ग्रई०-3/37 ईई./3407/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रमित्रकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्हा सचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० 304, चौथी मंजिल, ग्रजित पार्क, सोमबार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि ग्रथाप्योंक्त संपत्ति हा जिल्ला का प्रज्ञ का करण है कि ग्रथाप्योंक्त संपत्ति हा जिल्ला का प्रज्ञ कर उसके रूपमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिबित उद्वरियों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण से हुंड किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपिनयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्तिया के लिए:

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिलित व्यक्तियों, अधित्:-~ (1) मै० देशमुख बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्यूलिएट श्रन्ना गोन्साल्वीज।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्थिकत दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

धन संची

पलैट नं० 404, त्रौथी मंजिल, श्रिजित पार्क, सोमवार वाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1502/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर धायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज्—III, बम्बई

ता**रीख**: 14ं 1984

प्रस्पः भाइन्ति दीः एक्त एवतः ----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरुक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, विनांक 14 जून 1984

े निवेश सं० म्रई०-3/37 ईई0/3421/83-84-- म्रतः मुक्ते, ए. लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 105, पहली मंजिल, श्रजित पार्क, सोमबार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कररारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में अभी अपने या उससे अचने में सृविधा के लिए; जीर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण क जनुसहण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधित् ध----) 1) मै० देणमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीबापूराम नारायण खाडये।

(ग्रन्तरिती)

- (3) भ्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री० एल० श्रार० नार्येकर (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड् भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की जविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविश्व, को औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथाँ और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

फ्लैट नं० 105, पहली मंजिल, **प्रजित पार्क, सोमवार** बाजार रोड, मालाङ (पश्चिम), बम्बई—64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई०-3/37 ईई०/1513/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्यई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० ल**हि**री सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–III, **ब**±बई

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभूना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनाक 14 जुन 1984

निदेश सं० ग्रई०~3/37 ईई०/3401/83-84—न्न्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 4, ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पिचम), बम्बई-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६६यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से क्रीभत नहीं किया गया है

- (क) अभारण से हुई किसी आव की बाबत, अवस अधिनियम के बधीन कह दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्≝—- (1) मैं० वेशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ऽ

(ग्रन्सरक)

(2) श्री श्याम प्रसाद रे श्रीर श्रवेमती श्रमिता रे।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री एल० श्रार० नार्वेकर।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवा हैं।

वन्त्र्यी

पर्लंट नं० 4, प्राउण्ड पर्लोर, स्रजित पार्क, सोमधार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। प्रनुसूची जैसाकि क्रम सं० ग्राई०-3/37 ईई०/1516/ 83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ग्रम्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रैंज-III, बम्बई

तारीख : 14-6-1984

मोहरः

प्रकल बाइ . टी. एन. एस. -----

----- (1) मैं० नवरंतन बिल्डर्स प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुनिल प्रभाकर वाघ।

(भ्रन्तरिती)

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के ज्भीप सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

वम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० श्रई०3/37 ईई०/3346/84-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० सब पलैंट नं० 14/5, प्लाट ए, ग्राफ मैंसर्स बसन्त इस्टेट प्रा० लि०, सायन ट्रांबे रोड, श्रधार घाटाला रोड, जंक्शन यूनियम पार्क चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण म्य्य से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यलय में रजिस्ट्री है नारीख 3 श्रक्तुबर 1983

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और जन्तरक (अन्तर्कों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण मिल्बित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बावतः, उद्धः अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविभा के सिए; और/या
- ्व) एसी किसी थाय या किसी था या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्सा अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः शवं, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) की अधीनः निम्निनिवित व्यक्तियों, वर्धात ७—- को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अधिक या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविक जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वे उस ध्यावत्या में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राज्यभु में प्रकाशन की तारित वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितन्द्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भुभोहस्ताक्षरी के पास सिन्दित में किए जा सकोंगे।

स्पाकीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्नसम् के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा आ उस वध्याय में दिया न्या है।

जन्सूची

सब प्लाट नं० 14/15 ा टफ मैसर्स बसन्त गा इस्टेट प्रा० लिमिटेख, सायन ट्रांबे रोड, ग्रौर घाटाला रोड़ जंक्शन , यूनियन पार्क के सामने, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०3/37 ईई०/1500/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० तहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंग रेंज-111, बम्बई

तारीख : 14−6−1984

प्रकृष**्ट्राह**्य द<u>ी. एता. एकः अस्तरमञ्</u>यस्त

नायकर निपिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० ग्रई०-3/37 ईई०/3552/83-84-ग्रत: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं णाप नं बी-7, बिल्डिंग नं 4, विजय विहार को -आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सांडू बदर्स के सामने, सायन ट्रांबे रोड, घेंबूर, बम्बई -71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एंसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रति-कम, निम्नसिवित उद्योध्य से उच्त अंतरण निवित में बास्तविक स्था से कथित नहीं किया यथा है :--

- (क) अन्तरण धंहुइं किसी बाव, की बावस, अवस वीधीनयन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उद्यशे अधने में सुविधा के के लिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

भतः वभ, उक्त विधानियमं की धारा 269-मं में भनुसूरण भा, में उक्त विधानियम् की धारा 269-मं की उन्धारा (1) मुंबधीन, निम्नसिचित महित्याँ, वधीत ह— (1) श्रीनरसिंहम शंकरनारायणा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेश बसीधर श्रग्रवाल।

(ग्रन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) श्रीमती रचना राजेश अगर वाले
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

क्ये यह स्वाना वारी करके पूर्विक्त संपत्ति के वर्षन् के तिर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संवृद्धि के वर्षम के संबंध में कोई भी आक्षेत्र ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवाराह
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ल्लाक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त पाक्यों और पदों का, को उनक् विधिनियम् के अध्याय 20-क में परिधायित ही, बही वर्ध होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

नगुसुनी

शाप नं बी-7, बिल्डिंग नं. 4, विजय विहार को अ ग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सांडू बदर्स के सामने, सायन, ट्रांबे रोड, चेंबूर, बम्बई -71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋम सं श्र श्रई ०-3/37 ईई ०/1481/ 83-84 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅंज-III, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

प्रारुप बाहै, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 15 जून, 1984

निवेश सं० अई-3/37 ईई/3408/83-84—अत : मुक्ते, ए० लहिरी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे सममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 207, दूसरी मंजिल, अजीत पार्क, सोमबार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेवर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संप्रति का उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकत में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

जतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० देशम्ख बिलडर्सप्रा०लिमिटेंड

(अन्तरक)

(2) श्री साधव मनोहर भूकें

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

् (बहु व्यक्ति, जिसके

अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री एल० आर० नार्वेकर

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पतिल के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लैट नं 207, दूसरी मंजिल, अजीत पार्क, सोमवार वाजार रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं अई-3/37 ईई/1503/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रजिस्ट ई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 15-6-1984

मुक्ष काइं, टी., एन., एस. - - - ----

नायकर सिंधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बस्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० अर्ह०-3/37 ईई०/3699/83-84--अतः मझे, ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, प्लाट नं० 48, कांजूर को०-आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी, कांजूर मार्ग, भांडूप, यम्बई-78 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयक्तरक्षधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्प्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृष्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ज्नारक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिंगु; बार/मा
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० मार्डन बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री मिथयास एस० नाँखर्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्तिः सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी कर्ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरुण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन संज्ञी

पलैट नं० 4, प्लाट नं० 48, कांजूर को०-आपरेटिव हाऊर्सिंग सोसाइटी, कांजूर मार्ग, भांडूप, वबई-78 में स्थित है।

अनुसूची जसाकिकम सं० अई०-3/37 ईई०/1456ई/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🗯

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

ग्नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुन 1984

निवेश सं० अई०-3/37 ईई०/3681/83-84—अत:, मुझें, ए० लहिरी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25 000/- रा. से आधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 30, प्रांउण्ड फ्लोर, भांडूप विशाल इण्डस्ट्रीयल इस्टैट प्रिमिमेस को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०, विलेज रोड, भांडूप (पश्चिम), बस्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं सारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कल निम्निलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निषम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

(1) श्री मिद्यी मल बावाजी।

(अन्सरक)

(2) श्री खेतन कुमार शाह।

(अन्तरिती)

(3) मै० मिश्रीमल बावाजी।

(वह ध्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जूरू करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

यूनिट नं० 30, ग्राउण्ड फ्लोर, भांडूप विशाल इण्डस्क्रीमल प्रिमिसेस को० आपरेटिय सोसाइटी लिमिटेंड, विलेज रोड, भांडुप (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-3/37 ईई०/1493/ 83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तुबर, 1983 को रिजस्टिङ किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶3, बम्बई

सारीख: 14-6-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आह^र. टी. एन. एस. ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहत्यक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं ॰ अई॰-3/37 ईई॰/3449/83-84-- अतः, मुझे, ए॰ लहिरीः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं माला इन मालाड इण्डस्ट्रीयल को आपरेटिय सोसाइटी लिमिटेड, रामचन्द्र लेन, विस्तारीत, लिबर्टी गार्डन, मालाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूणं रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सझम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इच्यमान प्रतिफल से, ऐसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) बन्तर्थ से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निलिसित काक्तियों, अधीत ह—- (1) श्री एन० कें ० छात्रिया।

(अन्तरक)

(2) मैं० माथम इंजीनियर्स।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामीख़ से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों शर्दि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

माला इन मालाड इण्डस्ट्रीयल को० आपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, रामचन्द्र लेन विस्तारीत, लिबर्टी गार्डन, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० आई०-3/37 ईई०/1480/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

तारीख : 14-6-1984

मोहर :

मुझे, ए० लहिरी,

प्रकप् बाह् . दी . युन् . एस् . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984 निदेण सरु अर्थ०-3/37ईई०/3479/83-84-असः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उयत विभिन्यम के अभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) मैं० बिल्ड क्थिक।

(अन्तरक)

(2) मै० हेमल इण्टरप्राइसेस।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब्रु से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सर्वोगे।

स्थष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ही।

मम्सूची

हिं एस० नं० 85. एच० नं० 5 (पो०), सी० एस० नं० 19 (पी०), विलेज मवानी, तालुका, बोरीवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कम सं० ग्रई०-3/37 ईई०/1450/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा द्विनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रिजस्टिङ किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजने रेज-3, बम्बई

गारीख : 14-641984

मोहर:

प्ररूप नार्के दी एन एस . -----

माक्कर विभिन्नित्त्र, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-ण (1) के मधीन सुवना

भारत तहकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)। ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश मं० ग्रई०-3/37 ईई०/3568/83-84—ग्रतः, मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 15, प्राउण्ड फ्लोर, सहकार प्रपार्टमेंट, 657, एस० व्ही० रोड, ग्राफ बाबूलिन मालाइ, (पिष्यम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर,

को पूर्वोक्स सम्परित से उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में विश्वत कर से कवित वहीं किया नवा है

- (क्क) अन्तरक ने हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भोगी लाल गोपाल दास शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद ग्रली मोहम्मद हर्निफ ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ मी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखिल मैं किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 15, ग्राउण्डं फ्लोर, सहकार ग्रपार्टमेंट, 657, एस० व्ही० रोड, ग्राफ बावूलिन, मालाड, (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि अपन सं० श्रई०-3/37 ईई०/1429/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीम : 14-6-1984

मोहर :

प्रकृप काई. टी. एन. एस.,------

नामभर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) ने न्योत् स्मान

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुन 1984

निदेश मं० ग्राई०-3/37 ईई०/3311/83-84---ग्रन:, मझे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, स्वामी नारायण दर्णन, डा० धार० पी० रोड, मुलुंड (पिविम), बम्बई-80 में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

- (क) अन्तरण चे हुई किसी बाद की बावत सकत बिध-नियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करुने वा उससे दचने में सुविधा के निए; बीर/या
- (च) एसी किसी बाब या किसी भन या बन्य शास्तियों की, विन्हें भारतीय वायकर विभिन्नयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नयम् या भन-कर विभिन्नम्, 1957 (1957 का 27) के प्रविचार्ण बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए भा, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिलित व्यक्तियों, अधीतः :---

- (1) मैं अनियम को श्रापरेटिव हाऊर्सिंग सोसाइटी। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भैंलेन्द्र रायचन्द्र शहा श्रीर श्रीमती मंजलाबेन रायचन्द शहा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्रों यस सम्पत्ति के वर्णन के निस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस व्वाडाः
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी कें
 पास सिसित में किस्रा जा सकोगे।

स्यक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पूर्वों का, जो अवद अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्भ होगा जो उस मध्याय में दिशा गया है।

वन्स्ची

पलैट नं० 14, स्वामी नारायण दर्शन डा० श्रार०पी० रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बर्ड-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० श्रई०-3/37ईई०/1425/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1983 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> ग्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारी - सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज−3, बम्बई

ग**रोख** : 14-6-1984

मोश्चर:

प्रस्प नाइ[‡]. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-3, वम्बई वम्बई, दिनांकः 14 जून 1984

निदेश सं० ब्राई०-3/37ईई०/2311/83-84--अतः, मुझे, ए० लहिरी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह⁴), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक ह⁴

थौर जिसकी सं प्रलैट तं 52, तीसरी मंजिल, सत्यम बिल्डिंग, फेत बाग, कादिवली (पिक्चम), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायंकर ब्रिधनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रशीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे अधने में सविधा के लिए; और/या
- .(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था याँ किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।;

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीर, भनम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) मै० द्विलोक कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सुनिल बाब् भाई शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

.उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्परि

फ्लैट नं० 52, तीसरी मंजिल, सत्यम बिल्डिंग, फेत बाग कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

स्रतुसूची जैसाकि कम सं० स्रई०-3/37 ईई०/2311/ 83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, वस्पर्द द्वारा दिनांक 3 स्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶3, वस्बई

गारीख : 15-6-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्थाल्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक्)

श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

वम्बई, दिनांक 14 जुन 1984

निदेश मं० ग्रई०-3/37 ईई०/3649/83-84--- प्रतः,

मुझे, ए० लहिरी;

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, ग्राडण्ड फ्लोर, मृगयक सहकार नगर-1, चेंबूर, बम्बई--71 में स्थित है

(श्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूदर 1873

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गृत्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गृतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तियक स्प से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने या मृचिया के लिए;

भतः कव, उक्त अधिनियम, की भाग 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० एम० पकार।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती मोता भ्रार० चह्नाण।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्यक्ति द्वारा संधोहस्ताक्षरी के शास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्य होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

वनुसूची

फ्लैट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, मक्ष्मयाक सहकार नगर 1, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1499/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रन्तुबर, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर ऋायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज⊸3, बम्बई

तारीख : 14-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई ० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-9 (1) के अभीम स्चना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, अम्बर्ट

अम्बई, दिनांक 14 जून 1989

निदेश सं अई०- 3/37 ईई०/3711/83-84--अतः मुझे. ए० लहिरी

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं फ्लैंट नं० 21, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० 89, जीवन ऊषा को० आपरेटिय हाऊर्सिंग सोसाइटी लिमिटेड, 21-वां रस्ता, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका क्रिकरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी नाय की बाबत, उक्त जिध-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विश्वा जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीए० प्रभाकर राषा

(अन्तरक)

(2) मै॰ जीवन ऊपा को॰-आपरेटिव हाऊसिंग भोमाइटी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(4) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (सं) इस सूचनों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

पसैट नं० 21; ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट 89; जीवम ऊषा को आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 21 वां रास्ता चेंबुर, बम्बई-21 में स्थिमे हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० 3/37 ईई० 81463/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर, को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्बई

तारीख: 14-6-1989

मोहर ः

प्रकृत वार्षं दी. एन . एस , नेन्यस्तरस्थानान

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के संधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जुन 1984

निदेश सं० अई०-3/37 ईई०/2265/83-84--अत;

मुझे, चिजय रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसेकी सं० ब्लाट नं० बी-1-203, गपित अपार्टमेंट, एस० टी० रोड, बोरिबलो (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से बिणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 अक्तूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निजिसित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिकित में वास्तविक कम से कीशत नहीं किया स्था है

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्यिधा के सिए; आर्ऽया
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती शारवाने, मंगनलाल पटेल।

(अन्तरम)

(2) श्री मंगन लाल रामकजीभाई पटेल। श्री प्रभाक्षर रसिक लाल सेठ।

अन्सरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्श किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगें।

स्पावशीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिवा वया है।

वन्त्रची

ब्लाक नं बी-1-203 गनपति अपार्टमेंट एल० टी० रोड बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई०4,37 ईई०,2265,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 29 अक्तूबर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन मक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III बम्बाई

तारीख: 15-6-1984

मोहर ः

प्ररूप आहोत होत पुनत पुरातुम्मानामा

स्रायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III बम्बई

् बम्बई् विनॉक 15 जुन्1े1984 निवेश सं०् अई०-3|37 ईई०|3708|83

निवेश सं० अई०-3/37 ईई०/3708/83-84--अत: मुझे ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हरः से अधिक हैं

और जिसेकी सं० पर्लंट नं० 201 दूसरी मंजिल, राजीव निवास, लक्ष्मी कालोनी माहल रोड चेंबूर बम्बई—74 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अगिधनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों किए; जिक आरोदि आयकर अजिथियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धान्त्र अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के अक्षानार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने की स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों. अर्थात् :--- (1) श्रीमती स्वर्ण, सेठी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जमना आहूजा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

बनस्ची

फ्लैट नं० 201, राजोध निषास, दूसरो मंजिल, लक्ष्म। कालोनी, माहूल रोड चेंबर बम्बई-74 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-3,37 ईई०,1457/ ६ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3 अनुसूचर 1983 को राजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन जरेंज-3 बम्बई

तारीख 15-6-1984 मोहर ः प्रस्य बाइ 👸 टी 🖟 एन्हा एस 🙃 🚈 🗝

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/3468/83-84--श्रतः, मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट नं 10, बिल्डिंग नं ए-7, बलररन को - प्रापं हार्जिंग सोसायटी लिमिटेंड, एस व्हि रोड, गोरेगांव (प), बम्बई -62, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रमुद्धी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वेक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती रेखी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्ती

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अस, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री विनोद पी० गोस्वामी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम करनानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

धनुस्ची

फ्लैट नं० 10, बिल्डिंग नं० ए-7, बलरत्न को-ध्राप० हार्डीसंग सोसायटी लिमिटेड, एस० व्हि० रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकि किं सं अई-3/37ईई/1387/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड की किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 14-6-1984

मोहुर 🖺

प्रकल नाई .टी. एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-आ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक बायकट बायुक्त (निर्देशिण) श्रर्जन रेंज-3, सम्बर्द

वम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

निवेश सं० श्रई-3/37ईई/3764/83-84--श्रतः, मुझे: ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु.न से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 409, 4थी मंजिल श्रजित पार्क, सोमबार यजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसुषी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), शौर जिसका करारनामा धायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, इसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पासह प्रतिपत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया दया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्योदन से उक्त अंतरण कि निम्नितिश्वत प्रविक्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंगरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) भी अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, नुभात्। (1) देशमुख बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड।

(भन्तरक)

(2) श्री सुधीर राणे ग्रीर ग्रन्य।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

लैन० 4थी मंजलि, प्रजित पार्क, सोमबार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूकी जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37ईई/1511/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 14-6-1984

को रजिस्टर्ड किया गया है।

मोहर∎

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) ंश्रजेंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निवेश सं० ग्रई-3/37ईई/3340/83-84---ग्रतः, मुझे, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 2, ग्राउण्ड पलोर, ''ग्रिभि-लाघा अपार्टमेंट्स'', जे० एन० रोड है तथा जो मुलूंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनाम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तद प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उत्देश्य से उच्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ः

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः जबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) मंत्री खवलेपमेंट कार्पोरेशन।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्दराजपुरम एस० कृष्णन। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्र्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यतसची

फ्लैंट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, ''ग्रिभिलाषा श्रपाटंमेंट्स''' ' ग्राफ जे० एन० रोड, मुलुन्ड (पिष्यम), बम्बई-80 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37ईई/1382/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनॉक 3-10-63 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, बम्बई

विनांक: 14-6-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाह्र .टी .एम .एस . ------

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है:

भीर जिसकी सं प्लाट नं 1857, सर्वे नं 336-ए है तथा जो विलेज कोले कल्याण, कदम वाडी, कालीना, सांताकुज (पूर्व) बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा भायकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के बजह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित से नहीं किया ग्या है :——

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अचने में सुरिशा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थः की, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती रीटा एस० फिलिप रोड्रिग्स ग्रीर धन्य (श्रम्तरक)
- (2) मैंसर्स राव एण्ड एसोसिएटस । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से #5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धन संची

प्लाट नं० 1857, बिलेज कोले कल्याण, कदम वाडी, सर्वे नं० 336-ए कालीना, सांताऋुज (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37ईई/1452/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 14-6-1984

मोहर 🗈

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. .----

शायकर जिभितियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत ततकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

च्चिटेंश सं० श्रई-3/37ईई/3514/83-84---श्रतः, मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसओं इसको पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, सी० टी० एस० नं० 5653 विलेज के किल करवाण, कालीना है तथा जो बम्बई-29 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्म के विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुसिखित उद्देष्य से उक्त बंतरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक किसी आग की बायत, उक्त जिल्लासमा के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कभी करने या उससे अकटे में सुविधा के जिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर जीधनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दी धन-कर अधिनियम, दी धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिम के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, क्रक्त अधिकियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमालिसित व्यक्तिसों. अधीत्:—

- (1) मैसर्स गोल्डन कन्स्ट्रकशन कम्पनी । (क्ष्तरक)
- (2) श्री हरी लाल हुकमचन्द ग्रसरानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त तस्पीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ट्राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

नन्त्वी

प्लैट नं० 3, सी॰ टी॰ एस॰ नं० 5653, विलेज कोले कल्याण, कालीना बम्बई-29 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-3/37ईई/1448/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, यस्बई

दिनांक: 14-6-1984

मोहरः

प्रस्य नाहरे, टी. एन. एस. - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक जायकार बायका (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-3, बस्बई
बस्बई, दिनांक 15 जून 1984

निवेश सं० श्रई-3/37ईई/3400/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 308, 3री मंजिल, श्रजितपाक, है तथा जी सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है

(ग्रौर इससेउपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उणित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बुके, यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से, ऐसे इदयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उप्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक इस्य से कथित नहीं किया गया है :—

- "क) अंतरण से हुइ किसी आय की आवत्, उक्त अभिनियम के अभीत कर बोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्षार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या किउन्त अधिनियम, या धन-धार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अधिजनार्थ असिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, कियाने में सृविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उच्चारा (1) के स्थीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।

- (1) देशमुख बिरुडर्स प्राइवेड लिमिटेड ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दलीप शंकर पवार।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ती है)

को यह स्पना जारी करके प्रवंक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरी के पास सिद्धित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्राम

फ्लैट नं० 308, 3री मंजिल, ग्रजित पार्क, सोमबार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रर्द-3/37ईई/1519/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टई किया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आमक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक: 15-6-1984

मोहर 🖨

प्ररूप बाह्र हो. एन. एस. ======

(1) मैसर्स श्री ग्रानन्द इण्डस्ट्रीज ।

(यन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

(2) श्रीमती छाया काश्मिरी ।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/2707/83-84—श्रतः, मुझे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 129 1ली मंजिल रामगोपाल इडस्ट्रियल इस्टेंट प्रिमिसेस को-आप० सोसायटी लिमिटेंड है तथा जो डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुलंड (प०) बम्बई-90 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा द्यायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वौस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हीं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

सत्त्र चर्च

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० 129, 1ली मंजिल, रामगोपाल इण्डस्ट्रियल इस्टेट प्रिमिसेस को-श्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेब, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, मुलुण्ड (प०), बम्बई-90 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि क सं श्रई 3/37ईई/1464/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 15-6-1984

मोहर ॥

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, जिस्तिविधित अधिकारों, अर्थात् ध—

12-156 GI/84

प्रकप आई टी.एन.एन -----

बायकर बांधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/3419/83-84—ग्रत:, मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चान 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, 2री मंजिल, है तथा जो श्रजित पार्क, सोमबार बाजार रोड, मलाइ (पश्चिम), बम्बई के 64 में स्थित है श्रौर इससे उपावढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीखें 3-10-83

कुं प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत स अधिक है और अंतरिक (अंतरितों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कि मन्तिलिखित उद्योग्य से उन्त अन्तरण निष्यत में बास्तिवक क्ष नम्निलिखत उद्योग्य से उन्त अन्तरण निष्यत में बास्तिवक क्ष म कि शत नहीं कि सा गया है:--

- (क) अन्तरण त'हुइ' किसी भाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दासित्व में कमी करने मा उन्तर वचने में सुनिधा के अध्य, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में स्विभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म कौ उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री शम्भू एस० कोठारी। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्परित को अर्थन की सम्भान्ध में कोई भी बाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अयिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, अंभीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उर्वत स्थावर संपत्ति में हितबंद्ध किसी उन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्वों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

बन्स्ची

प्लैट नं० 205, 2री मंजिल, श्रजित पार्क, सोमवार वाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई-/1515/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-6-1984

मीहर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

• निदेश सं० म्रई-3/37ईई/3445/83-84—म्रतः, मुझे, ए० लहिरी,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संरुपलैट नं० 30, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, ग्रीन पार्क को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सी० एस० न० 325 सर्वे नं० 28 है तथा जो लिंकिंग रोड, मलाड (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान पतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विभा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री ग्रन्थोनी जोसेफ पत्ताथू।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विरावन पिल्लाई शंकरदास पिल्लाई (वी एस० पिल्लाई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्धन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के स्व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जें भी अविधि बाँद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवद्ष्य िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे!

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के. अध्याय 20-क मा परिभाषित . हो, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याप मा भेषा गया हो।

अन्सची

फ्लेट नं० 30, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, ग्रीन पार्क को-ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, सी० एस० नं० 325, सर्बे० नं० 28, लिकिंग रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्चनुसूँची जैसा कि कि० सं०ग्नई-3/37ईई/1433/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० तहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बर्द

विनोक: 14-6-1984

मोहर 🕄

प्रस्य नाइ टी.एन.एस. -----

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निवेश सं० ग्रई-3/37ईई/3405/83-84—ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर, ग्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से बाँणत है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का देहह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण से शुरू किसी बाय की नायत, सबस जीपनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक की दार्जिटल में कनी करने का उससे व्यक्त में सुनिभा के सिए; बॉर/का
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निर्मित्यम, या भन-कर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुभाप बी० साबंत

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संप्रीत के अर्थन के जिल् कार्यवाहियों कारता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए वा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण्:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

पलैट नं० 1, प्राउण्ड पलोर, भ्रजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37ईई/1508/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—I, बम्बई

दिनांक: 14-6-1984

मोहर:

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वस्मई, दिनांक 14 जून 1984 सं॰ बाई-3/37ईई/3671/83-84:--अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- री. से अधिक ही

भीर जिसकी सं माला नं 222, 2री मंजिल, विनय इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, एसा नं 428/1, डहाणू कर वाडी, विच बन्दर रोड, मालाड परबम्बई-64 में स्थित हैं भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूण रूप से विणत हैं), भौर जिसका काररनामा आयकर अधिनियम 1961 की धरा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- [क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री वी० डी० पारेखा

(अन्तरक)

2. श्री सतीश सी० दलाल।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित को वर्जन को संबंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरो।

स्पच्छोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं० 222, 2री मंजिल, विनय इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, एस नं० 428/1, डहाणुकर वाडी चिंच बन्दर रोड, मालाड (प०), बम्बई (τ) , बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क० सं० अई-3/ईई/1490/83-84 श्रीर जो संक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज III, बम्बई

दिनांक 14-6-1984 मोहर ए प्रकृप जाइं. टी. एन एस -----

बारा 269-व (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर नायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984 सं० आई-3/37/ईई/3528/83-84:--अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, सी० टी० एस० नं० 699, विलेज कोले कल्याण, वाकोला, बम्बई—35 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के दृश्यमान प्रात्मण के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, एस दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रद्विवशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तयिक रूप से अधिक नहीं किया ग्या है:---

- (क) बृत्तुरुषु सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त प्रधिलयम के सप्तीन कर देने के प्रन्तरक के बाबित्य के कभी करने या उससे ब्यन में सुविधा के जिए; जॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंखित व्यक्तियों, अभीत्

(1) मेंसर्स गोल्ड कान बिल्डर्स ।.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शिल्मा गुरूनाथ सालार्डेकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कूरता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैट नं० 14, सी० टी० एस० नं० 699, विहलेज कोले कल्याण, वाकोला, बम्बई-55 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि कर संर्व्ह 3/37 ईई/1478/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा^I, बम्बई

'दिनांक 14-3-1984 मोहैर प्ररूप आईं.टी, एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चता

भारत सरकार

कार्यासय . महरणक काणकर काणकर (निररीक्षण) अर्जन रेज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

सं॰ अई-3/37ईई/3353/83-84:--अतः मुझें, ए॰ स्रहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियमध कहा गया है), की धारा १६०-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप्ये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, बिल्डिंग नं० 7-बी, नित्यानन्द बाग को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आर० सी० मार्ग, चेंबर, बम्बई-74 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्विकत संपति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितया) क बाच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीरिक्त कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण न हुई किसी आय की बामत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दबीयत्व में कमी करने या उसस अचन में सुन्धिश के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवध के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- श्री राजकुमार मिताराम कटारिया ।

(अन्तरक)

- श्री वशदेव द्वारकादास रूपारेल श्रीर श्रीमती राजकुमारी वाशदेव रूपारेल। (अन्तरिती।
- 3. अन्तरितियों ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पति में है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं 12, बिल्डिंग नं 7-बी, नित्यानन्द बाग को-आपरेटिब हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, आर० सी० मार्ग, चेंब्र, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37/ईई/1441/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-I^{II} बम्ब**ई**

दिनांक : 14-6-1984

माहर 🕄

प्ररूप आहु". टी. एन. एस. ------

ब्रायकर ब्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के बधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3 अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

सं॰ अई-3/37ईई/3537/83-84:--अतः मुर्से, ए०, लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० डी-217, आगरा रोड इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस की-आप० सोसायटी लिमिटेड, घाटकोपर बम्बई-86, में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा अयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख, के अशीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुंद्र किती जाय की बागता, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के विकास और/बा
- हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती अनुसया भारत शाहा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लुगानी दिनटवेअर।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है दें 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त वाब्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन संची

डी-217, आगरा रोड इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस का को-आपरेटिव सोसायटी, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/1484/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बर्द

दिनांक 14-6-1984 माहर अ

प्ररूप आई. थी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

मं० अई-3/37ईई/3529/83-84:--अतः, मुझे, ए०, लहिरो.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विख्यास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित पाजार मूस्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं गाला/यूनिट नं 8, बिल्डिंग नं बी सिद्धपुरा को-आपरेटिब, इण्डस्ट्रियल इस्टेट लि विलेज घाट-कोपर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी, बम्बई के कार्यालयों में रजिस्ट्री है, सारीख

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके श्रूयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रूयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, दूनिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है.:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की कावत, उथ्या जिल्लाम की बचीन कर दोने के जन्तरक के दायिएव में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के सिए; जरि/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा जे विष्:

क्रतः अव. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण म, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

i3 - 156 GI/84

श्री मोती लाल बी० मेहता।
 श्रीर एत० एम० महता।

(अन्तरका)

2. श्री द्वारकादास लोकसिंग बजाज, एच० यू० एफ० श्रीर अशोक लोकसिंग बजाज (एच० यू० एफ०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है, 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह ।

अनुसुची

गाला/यूनिट नं० 8, बिल्डिंग, नं० बी०, सिद्धपुरा को-आपरेटिव इण्डस्ट्रियल इस्टेट लिमिटेड, विलेज घाटकोपर में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/ /83→ 84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक को रजिस्टई किया गया है।

> ंग्० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक 14-6-1984 मोहर प्रकार मार्च टी एन एत .----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मा (1) की सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

मं० अर्ह-3/37ईई/3655/83-84:---अत: मुझे, ए० सहिरी,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए/603, 6वीं मंजिल, विना नगर, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (ष्प्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिस का करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकार बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युद्धिय से उच्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे अचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतिराति स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण भाँ, मौं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) क प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- 1. श्रीमती रमा संबलदास कानुगा।

(अन्तरक)

2. कपूर फैमिली इस्ट।

(अन्यरिती)

3. विल्डर्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

फ्लैंट नं॰ v/603, 6बी मंजिल, बिना नगर, मालाइ (प॰), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क सं० अई-3/37/ईई/1488/83-84 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज०-३, वस्बई

दिनांक 14-6-1984 **मोहर** ध प्रस्प आहें. टी. एक. एव.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-: बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984 सं० अई-3/37/5ई/3530/83-84:—अतः मुझे ए० लिहरी,

मायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से मधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 25. 2र्ग मजिल, प्लाट एक आय, एल० बी० एस० मार्ग, "भागीत्रथ" विला बाटकोपर बम्बई—86 में स्थित हैं (स्रीत इन्छ उनावड अनुमूर्ची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है). स्रोप जिसदा उरारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 वा, ख के अधील सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालूय में रजिस्ट्री है, तारीख 3—10—3—10—83।

को पूर्वोक्त संस्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्निचित सब्देश्व से उन्त अन्तरण तिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हु---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- मैसर्स शेठ इण्टरप्राइजेज।

(ग्रन्तरकः

2. श्रीमती डी० मेंडोका।

(अन्तरिती)

भी यह स्थान जारी करके पूर्वाधित सम्पिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सुकता के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक से 45 विस की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

वग्रुव

पलैट नं ० 25, 2री मंजिल, प्लाट एफआय, "भागीरथी विला" एल बी ० एस ० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थिस है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/1420/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए. लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रृह्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,बस्बई

दिनांक 14-6-1984 मोहुदु 🏻 प्ररूप आहें. टी. एस्. एस.,-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेंज्=3 बम्बई

बम्बई, 14 जून, 1984

सं॰ म्रर्ड-3/37ईई3/471/83-84:--म्रतः मुझे ए, लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शॉप नं० 5, ग्राउण्ड फ्लोर, णिक्त णापिग, श्राकेंड, श्राग्रा रोड (प०), भाडूप र्ी(पिश्चिम), बम्बई--78 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खके अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख3-10-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मून्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण किथित में बास्तिक रूप से स्विक्त नहीं किया गया है:——

- (क) क्लारण से हुईं किसी बाय की बाबत, खबत निपिनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; नार्ट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विभा की लिए;

कतः अन, उन्स अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स तालाराम एण्ड कम्पनी।

(श्रन्तरक)

 श्री भवानी जी शामजी शाहा, श्रौर श्री मणिलाल बेलजीगोसर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके स्र<mark>धिभोग</mark> मे सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्चना जारी कारके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

तक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए आ सकोंगे।

स्थाकतिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, औ उसते अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हरेगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

शाप नं. 3, ग्राउण्ड् फ्लोर, शक्ति ∎शापिंग श्राकेंड, श्राग्रा रोड (प०), भाडूप (पश्चिम), बम्बई – 78 में स्थित है। श्रनुसूची में जैसा कि ज सं० अई ~3/37ईई/1482/83 – 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3 वम्बई,

दिनांक 14-6-1984 मोह्र अ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक आयक्त शायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई दिनांक 14 जुन, 1983

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/3710/83-83:--ग्रत: मुझे. ए० लहिरो:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स अं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

ग्राँर जिसको सं० फ्लैंट नं० 21. ग्राउग्ड पतोर, प्लाट नं० 89, जीवन उषा को-ग्राउग्टिव हाउसिंग, सोमायटो, लि० 21 वां रस्ता. चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध क्रनुत्चों में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिस का करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों, वम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः दव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात्

- जोवन उषा को-स्रापरेटिव हाउसिंग मोसायटो । (अन्तरक)
- 2. डा० बी० बी० करकरे!

(अन्तरितो)

डा० वी० त्रो० करकरे
 श्रोमती निला वी० करकरे
 मास्टर नकूल वी० करकरे
 ग्रौर मास्टर निखिल त्रो० करकरे

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति है)।

श्रोमतं शैला ग्रराके।

(वह व्यक्ति. जिसके बारे में अधोहस्तारी जानता है कि वह सम्पत्तिमे हितबढ़ है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- ,(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

गनसची

फ्लाट नं० 21, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, प्लाट नं० 89, जीवन उषा को-ग्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायटी, 21 वां रस्ता, चेंबूर, बम्बई--71 में स्थित है।

श्रमुस्त्री जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37ईई/1467/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-6-1984

मोहरु 🚁

प्ररूप ् आई ् टी्र एन् र एस ् ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज 3 बम्बई

बम्बई. दिनांक 1.4 जून, 1984 निर्देश सं० फ्रई-3/37ईई/3653/83-84:—ग्रवः मुझे, ए०. लहिरी.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रांग जिसकी स० यूनिट न० 224, 2री मजिल, विलेज विनदोशो, गोरेगांव, (पूर्व), वस्वई में स्थित है (श्रीर इससे जिपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण छए से विणित है), श्रीर जिस का करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के क्यूर्यिनय में रिजिस्ट्री है, तारीख़ 3-10-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और सके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया बया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान ने सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ध--- 1. मैसर्स बी० ग्रहणकुमार एण्ड कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. फालकोन लब्स ।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरित्।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह स्थना जारी करकं पूर्वोक्त संपर्तिः के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्कत स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

यूनिट नं० 224, 2री मंजिल, विलेज दिनदोशी, गोरेगाव (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/1487/83-81 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ार्० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-6-1984

मोहर 🖺

जायकर जिभ्रानियम, 1961 (1961 नम्र 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चन

बाख दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रीज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून, 1984

निर्देश सं० श्रई/3/37ईई/3398/83-84:—-श्रतः मुसे, ए०, लहिर्दः,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उसूत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित राजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गाला इन मालांड इण्डस्ट्रियल यूनिट को-श्रापरिटव सोसायटी, लिमिटेड, 8, णिक्त निवास, रामचन्द्र लेन, विस्तारोत, मालांड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख़ 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य हे कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नितिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससे बचने मी शितिशा के लिए; और/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, अधिनयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

अत अव अवत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति क्युक्तियों, क्योंस् श्री प्रेम जी भाई डी० जैन।

(भ्रन्तरक)

2 मोहन लाल एल० चितरोडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृत्रों कर सम्परित के वर्जन के तिए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित्त के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं ते 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकरेंगे।

स्पटीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

माला इन मालाड इण्डस्ट्रियल यूनिटस को-श्रापरेटिव नोसाइटी, लिपिटेड, 8, शक्ति निवास, रामचन्द्र लेन विस्ता-रोत, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रन्मुची जैसा कि कि० मं० ग्रई-3/37ईई/1445/83-84 ग्रीर जो सक्षमं प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 वस्बई

दिनांक: 14~6~1984

मोहर :

प्रस्य वाहाँ ुटी ु एन ु एस , मान न न ननन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बस्बई

बम्बर्ड, दिनांक 14 जून, 1984 निर्देश सं० श्रर्ड-3/37र्डि2/3696/83-84:—-ग्रत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 10, पाउण्ड फ्लोर, "श्री डायमण्ड सेंटर" प्लाट नं० 13, सी० टी० एस० नं० 18, श्रीर सर्वे नं० 99 (पार्ट), हरी अली बिलेज, एल० बी० एस० मार्ग विकोलो, बम्बई-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, खंक श्रश्रीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 3-10-83

को प्यंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण है हुई किसी आप की बाबता, उक्क अधिनियम के जभीन कर द्रोने के अन्तरक के बायित्य मे कभी अरने या जससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय प्राय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ह—

श्री डी० के० बिल्डमं एण्ड एमोसियेट्स ।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री भवर लाल एन० खडेलवाल झौर झन्य। (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सूविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्योकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्ची

यूनिट नं० 10, ग्राउण्ड फ्लोर, श्री डायमण्ड सेंटर, प्लाट नं० 13, सी० टो० एस० 18 ग्रीर सर्वे नं० 99 (पार्ट), हरोग्रली विलेश, एल० बी० एस० मार्ग, विश्लोली, बम्बई— 83 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि ग्रं श्रई-3/37ईई/1483~83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3~10-83 को रजिस्टर्ड किया गया।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रजन रेज-3, बम्बई

दिनांक 14-6-1984 मोहरः **प्रकृत वार्**ं, टीं., एन्., एस.,- - = =++-

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उचित गाजार मृल्य 25.,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० पर्लंट नं० ए-12, जीवन तरंग को० ग्रापरेटिव सोसाइटी, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पुर्व), बम्बई--77
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अत्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विचा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीक्र ः— (1) श्री आर० निधी भर्मा।

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री प्रवीण चन्द्र प्राणवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क)। इस स्चना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकारी

स्मध्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लैट नं० ए-12, जीवन तरंग को० श्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-3/37 ईई०/1365/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नारी**ख**ः 14-6-1984

मोहर 🗓

14 -156 GI/84

प्रकृष आध्ै, ट्रीं, एन ु एसं .=----

नायकर नृभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के न्योन सुमना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देशक)

भ्रजन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेण सं० न्नाई०-3/37 ईई०/3417/83-84--न्नतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, दूसरी मंजिल, श्रजीत पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई—64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण छप से विणित हैं,) और जिसका करारनामा आयकर अभिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकरण, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं; तारीख 3-10-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इरममान प्रतिफल से, एसे इरममान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिय क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी लाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अमूसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, तिमनितिस्त स्यामितयों, अधीन हिल्ल

(1) श्री देशमुख बिल्डमं प्रा० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रावर्ट डिसोझा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्नोकरणः — इसमें प्रयुक्त संबंधी और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

फ्लैट नं० 203, दूसरी मंजिल, अजीत पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पिष्चम) बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम मं० आई०-3/37 ईई०/1496/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-6-1984

मोहर 🛭

अरूप आहूं.टी.एन.एस.-----

बायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज-3, बम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 14 जुन 1984

भिर्देश सं० श्राई०-3/37 ईई/3697/83-84---- प्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 2, ग्राउण्ड फ्लोर, साई श्रपार्टमेंट एलव बीव एसव मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--- (1) मै० महेश बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र कुमार दामले।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितम्बद्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

पलैट नं० 2, ग्राउण्ड फ्लोर, साई श्रपार्टमेंट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कम सं० ग्रई-3/37 ईई/1454/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14−6−1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

जायक र जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीय स्वना

′ भारतं सरकार

कार्यात्तय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 14 जून 1984

निदेश सं० श्राई०--3/37 ईई०/3663/83--84--- प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 7, दूसरी मंजिल, मालाड फेंड्स को० श्रापरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, लिवर्टी गार्डन, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीवियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 3 श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त सम्परित का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित्ति उद्दोष्य से उन्त भून्तरण सिन्वित में सास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- कि) अस्तरण से हुक् किसी साय की वाबत उक्त अधि-निवय को अधील कर दोने के अन्तरक के दायित्व से अभी करने या अत्तरी ककते में सून्धा के निए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खियाने में तृतिभा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीकांतिलाल जमना दास ठक्कर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीकृष्ण साल छोटा लाल मेहता।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरिक के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त स्मारित के कुर्वन के सम्बन्ध में कोई-भी आक्षेत् हू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्नीभ, को भी वर्नीभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदी का, को जन्त निधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा हो।

वनुसूची

फ्लैंट नं० 7, दूसरी मंजिल, मालाड फ्रेंड्स को० श्रापरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, लिबर्टी गार्डन, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसािक कम सं० आई०-3/37 ईई०/1489/ 83-84 और जी सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीत्रण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 14-6-1984

मोहर 🛭

प्रस्प बाइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धु (1) के अधीन सूचना

भाउत् बरकारु

कार्यात्त्र , सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज-.।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जुन 1984

निदेण मं० ग्राई०-4/37 ईई०/2266/83-84--श्रतः. मुझे, विजयरंजन,

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसंका उचित बाजार मृल्य 25,000/-स्त. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० बी-1-204, गणपित श्रपार्टमेट, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बस्वई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारी 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्वई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 श्रक्ट्वर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण से सुर्क फिसी आय की बावत उस्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिवधा के लिए;

गतः अव, उन्नतं निधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उन्नतं अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कुमुमबेन पी०, पटेल श्रीर
 - श्री पुरुषोत्तम भाई बी० पटेल ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती णांताबेन प्रभाकर शेंट ।

(भ्रन्तरिती)

(3) (ग्रन्तरिती) (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

ब्लॉक नं बी-1-204, गणपित श्रपार्टमेंट, एल बोरीवली (पण्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

ग्रनुमूंची जैसा कि कस सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2266/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, बम्बई

नारीख : 15-6-1984

मोहरु 🛭

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई धम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०-43/37 ईई०/3475/83-84---अत:,

मुझे, ए० लहि ी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 336, एव० नं० 3, सी० टी० एस० नं० 1880, कीले कल्याण, सांताश्रुस (पूर्व), बस्वई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पृशेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रितिकल के लिए बन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे ध्र्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्य में कभी करने या उसके बचने में अधिशा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आया अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बर्शियकन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्देश ब्वास प्रकट नहीं किया गया था दा किया चाना आहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए:

णतः अप, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रोमनी रीता सेमसन फिल्म रोडरोमुस श्रौर दूसरे। (श्रन्तरक)
- (2) मै॰ राव एण्ड एसोसिएट्स।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करकं पूर्वीवल सम्पत्ति के कर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं

उनत सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाशप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्सि में हित-बद्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा धकारी।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

लनस ची

प्लाट नं० 336, एच० नं० 3, सी० टी० एस० नं० 1880, कोले कल्याण, सांताऋूस (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आईं०-3/37 ईई०/83-84 और जो सक्षन प्राधिकारी, बस्बई डारा दिनांक 3 श्रक्तूवर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख:** 15-6-1984

मोहर 🖫

प्रकव बाह्य, टीं, एस, एस., ५०० ----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बन्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देण स० म्राई-3/37ईई/3676/83-84--म्प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० 7, बिल्डिंग 11, रानी सती नगर, एस० बिह, रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण हप से विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तर्ण निश्वत को वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करुने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था खिपाने में खुनिभा के लिए;

अतः अस, उन्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात हु--- । श्रीमती व्हि० एस० मोहे,।

(ब्रन्तरक्)

2. श्री ललितकुमार भोद्दार।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपीत के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलैंट नं० 7, बिल्डिंग न० 11, रानी सती नगर, एस० विह रोड, मालाड (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37ईई/1492/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनांक: 14-6-1984

मोहर 🔞

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जुन 1984

निर्वेश स० श्राई०-3/37ईई/3553/83-84—-श्रत: मुझे ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० गाला नं० 120, बी-ब्लाक 1ली मंजिल, इण्डस्ट्रियल इस्टेट. एल० बी० एस० मार्ग, धाटकोपर (प०). बम्बई-77 में स्थित है (स्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से बणित है) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्टिंगिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अन्सर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसिष व्यक्तियों, अर्थात् :—

मैसर्म भादर बाइज।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्म श्राँटोफिल मणिन्स कंपनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तर सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

गाला नं १२०, बी ब्लाक, 1ली मंजिल, इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, घाटकोपर (प), अम्बई-77में स्थित है।

स्रनुमूची जैसा कि कि नं सई-3/37ईई/1414/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक: 14-6-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्ष्मणीक्य, महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई-3/37ईई/3675/83-84---- प्रत: मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० माला न० 38, 2 री मंजिल, क्रॉफ श्रारे रोड, प्रवासी इस्टेट, दीनदोमो व्हिलेज, गोरेगांव, (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्या-लय में रजिस्दी है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहृष्ट्रप्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्क में कभी करने या उरसे बजने में सृजिधा के लिए; जिल्लिक्स के बधीन कर दीने के जन्तरक की दानिस्व जीर/मा
- (क) एसी किसी आय का किसी भन या अन्य शिस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धन्य 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— 1. भ्रार० यू० पटेल ट्रस्टी, भ्रॉफ एस० पी० पटेल। (भ्रन्तरक)

2. के० बो० इन्डस्ट्रिज ।

(भ्रन्तरिती)

3 भ्रन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्वाहैं।

वम्स्ची

माला नं० 38, 2री मंजिल, प्रवासी इस्टेंट, दीनदोश व्हिलेज, श्राफ श्रारे रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि क स० म्राई-3/37ईई/1491/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 14-6-1984

"मोहर 🦞

प्ररूप आहाँ. ट्री. एन . एस . ------

नायकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के निधीत सुमता

भारत सर्कप्र

कार्यालय, सहायक आयकत आयकत (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बई, दिनांक 14 जुन 1984

निर्देश स० श्राई०-3/37**ईई**/3656/83-84---श्रत: मुझे, ए० लहिरी,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० बी-301, विना नगर, मालाड (प०), वस्वई-64 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध स्नृसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी वस्वई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

को पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड है और मृभ्ये यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्टिवक अप से कियत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत उक्त जिंदिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए, जौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, दिस्तिकित व्यक्तियों, अर्थातः :—-

ा. श्री एम० पी० मोत्यानी।

(भ्रन्तरक)

2. कपूर फैमिली दूस्ट।

(ब्रन्तरिती)

का यह स्थाना बारी करके पृत्रांक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसो स्थित ध्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व किसी अन्य स्थान्त द्वाय अधांत्रस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकरेंगे।

स्यक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

नन्स्ची

फ्रीट नं० बी/301, बिना नगर, मालाड (पश्चिम), सम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-3/37ईई/1486/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 14-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० आई-3/37ईई/3701/83-84---श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, "डी" विग, तोलाराम श्रपार्टमेंट्स, चेंबूर कालोनी, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मैसर्स कुकरेजा कन्स्ट्रक्शन, कम्पनी।

(ग्रन्तरक

2. श्रीमती ग्राशा ग्रार० महानी।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रनैट नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, "डी" विग तोलाराम श्रपार्ट-मेंट्म, चेंबूर कालोनो, बम्बई-74 में स्थित है।

त्रनुमूची जैसा कि कर सं प्रई-3/37ईई/1458/83-84 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 15-6-1984

प्रकर्त नाइं , टी. एन्, एस. ----

नायकर निधनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मधीन सुमना

भारत सरकाह

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई-3/37 ईई/3659/83-84—यतः, मुक्के, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० णाप नं० 8, ग्राउंड फ्लोर, राजेंद्र विहार, है, तथा जो प्लाट नं० 28, सर्वे नं० 26, विलेज वालनाय, मालाड मार्वे रोड, मालाड (प०), वम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-10-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और√या
- (क) नेती किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निन्निसिवित अयिक्तमाँ, अर्थात् क्ष्म

- 1. मैं० मेहता बिल्डर्स
- 2. श्री राबर्ट जे० लेविस

(ग्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी बन्य व्यक्ति ह्वाच, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

मन्सूची

शाप नं 8, ग्राउंड पलोर, राजेंद्र विहार, प्लाट नं 28 सर्वे नं 26, विलेज वालनाय, मालाड मार्वे रोड, मालाड (प॰) वम्बई-64 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि से प्रार्थ-3/37ईई/1477/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 14-6-1984

मोहर 🛚

प्ररूप आहरं.टी.एन,एस.------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मंभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० म्रई-3/37 ईई/3603--/83-84---यतः, मुझे, ए० लहिरीः,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गाप नं० 49, ग्राउंड फ्लोर, मालाड गापिंग सेंटर है, तथा जो श्राफ स्वामो विवेकानन्द रोड़, मुलूंड (पिष्वम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधोन, सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-10-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित में अपित में विवेच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ा. श्रीमती हीराबेन नन्दलाल मांडविया

(भ्रन्तरक)

2. श्री बलराम एन० मोती रामानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिक्सित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ झोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

शाप नं० 49, ग्राउंड फ्लोर, मालाड शापिंग सेंटर, श्राफ स्वामी विवेकानन्द रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37 ईई/1485/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-3, बम्बई

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु----

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्वेश सं० प्रई-4/37 ईई/2219/83-84—यतः, मुझे, विजय रंजन,

गायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, "डी", विलेज कांदिवली, तालुका मंडरीन स्ट्रीट, है, तथा जो एम० जी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-10-1983

का पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उदत अन्तरण निम्निलिशत में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयकी वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण भीं, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित अयिक्तियों, अर्थात् कू-

- 1. मैसर्स गिरीराज कन्स्ट्रक्शन कार्पोरेशन
- (भ्रन्तरक)
- श्री रमेश चन्द्र मगनलाल देसाई ग्रीर श्रीमती सरोजबेन श्रार० देसाई

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ⊱--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकर्षि।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैटनं 301, तीसरी मंजिल, "डी" विंग, विलेज कांदिवली, तालूका मेडरीन स्ट्रोट, एम० जी० रोड, कांदिवली, (प०); बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37 ईई/2219 /83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी , त्रम्बई द्वारा दिनांक 4-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 15-6-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस..-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जीन रेंज=3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० अ ई-3/37 ईई/3341/83-84--यत , मुझे ए० लहिरो,

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-23, पांचवीं मंजिल, नय-स्वधर कुल महकारी धरबांधनो संस्था (मर्यादित), सिद्धार्थ नगर है, तथा जो बाकोल चर्च के पोछे सांत क्रुज, (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है), श्रीर जिसका दारारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 3-10-1983

का पृथों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि संधापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से बिभक है और बन्तरिक (बन्तरिकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित वे बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में तृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री भौकत एम० भवानी

(अन्तरक)

2. श्री आर० आर० वन्नाटटी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण हैं।

वन्स्ची

फ्लैट नं० सी-23, पांचवीं मंजिल, नव स्वधरकुल सहकारी मंस्था (मर्यादित), सिद्धार्थं नगर, वाकोला चर्च केपीछे, पाकोला, सांताऋज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० आई-3/37 ईई/1376/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख**: 14-6-1984

भांहर :

प्रस्प बाइ. टी. एव. एस.-----

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीत सूचना

भारत बरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन रोंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० अई०-3/37 ईई/3714/83-84---यतः मुझे, ए० लहिरी,

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पतिंद नं 301, तीसरी मंजिल, ए-विंग, तोलाराम अपार्टमेंट, चेंबूर कैम्प है, तथा जो बम्बई-74 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रो है तारीख 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- 1. श्री कुकरेजा कन्स्ट्रक्शन कंपनी।
- (अन्तरक)

2 श्री अमोज कुमार मर्मा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना अपरी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का., जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, तीसरी मंजिल, ए-विंग, तोलाराम अपार्टेमेंट, चेंबुर, कैम्प, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कर संर अई-3/37 ईई/1469/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **क्षम्बई**

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६----

नारीख : 14-6-84

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस.: ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश मं० अई-3/37 ईई/3702/83-84 · · यतः, मुझे, ए० लहिरीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 (बी-1) छवीं मंजिल, हिम्मत अपार्टमेंटस्, डॉ॰ आर॰ पी॰ रोड़, मुलूड (पिष्चम), है, तथा जो बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यौलय में रजिस्टी है तारीख 3-10-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिपत्न के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि बभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्न से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्न का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी िकसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था किया जाना बाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्री डोसा एसीसिएदस ।

(अन्भरका)

2. श्री कीर्तिकुमार एम० दोशी।

(भ्रन्तरिती)

 अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ड सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ुन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतरं उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे!

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

पलैट नं ० 4 (बो-1), 6वीं मंजिल, हिम्मत अपार्ट मेंट्स, डॉ० आर० पो० रोड़, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37 ईई/1459/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1983 को गजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारी**ख**: 15-6-19**8**4

मोहर 🗓

प्रकृप बाइ टी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

आरत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

बम्बई, विनांक 14 जून 1984

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/3716/83-84--श्रतः मुझे, ए० लिहरी,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 6, प्लांट नं० 13, सी०टी० एस० नं० 18 श्रीर सर्वे नं० 99 (पार्ट), हरीश्रली व्हिलेज, एस०बी०एस० मार्ग, बम्बई-83 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबग्र श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3 श्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित नाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एले दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मसिचित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में गास्तिनक रूप से कियत नहीं किया गया है क्

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के स्विथित में कभी करते या लगसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों की, अन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1;) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या सा किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री डी॰के॰ बिल्डर्स एण्ड श्रासोसिण्ट्स।

(श्रन्सरक)

(2) मदन एण्ड कंपनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अधन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्द किसी अन्य व्यक्ति ध्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विलग् आ सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिकितार के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

जम्स्परि

यूनिट नं० 6, प्लांट नं० 13, सी॰टी॰एस॰ नं० 18 ग्रीर सर्वे नं० 99 (पी), हरीग्रली व्हिलेंग, एल॰बी॰ एस॰ मार्ग, अम्बई—83 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसाकी फ॰सं॰श्चई-3/37ईई/ 1471/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनोक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई स

तारीखा: 14-6-1984

प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस. -----

भामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन ${}_{1}$ रेंज-3, सम्बर्ध सम्बर्ध, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/3698/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बामकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक ही

भौर जिसकी स० फ्लंट न० 4, 1 ला मंजिल, पारेख मार्केंट, एम०जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्नई-77 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसका करारनामा मायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 3 श्रवट्बर 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण किस्तरण किसत में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जीभीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के सिए; बारू/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिष्डित व्यक्तियों, अधिंद् ालन

- (1) श्रीमती रमाबेन एस० कुभांनी
- (2) श्री भारत एस० कुभांनी
- (3) श्री मती ज्योत्स्ना बी० कुभांनी
- (4) श्री पंकंज एस० कुभांनी
- (5) श्रीदती चांद्रिका पी० कुभानी
- (6) श्री करीत एस० कुभांनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेश मगनलाल शहा।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपरित के अर्जन के लिए ाज्याहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पह सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभावाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रकृत कव्यों और पदों का, जो उपत अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन सची

फ्लेट न० 4, पारेख मार्केट, उडिपी रेस्ट्रांरट के सामने, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ०स०श्रई-3/37ईई/1455/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, बम्बर्फ

तारीख: 15-6-1984

प्ररूप आहे. दी, एन. एस.,----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थान

भारत बरकार

कार्योलय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनोक 15 जून 1984

निवेश स० ब्रई-3/37ईई/3703/83-84--- अतः मुझे, ए० लहिरी

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लंट ने०बी०/17, राजकुज की-ग्रांप० हाउसिंग सोसायटी, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीक्षित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीका सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3 श्रवट्बर 1983

बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है विनांक 3 अन्दूबर 1983 को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मून्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ज्ञिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अंतरण से हुए किसी बाय की बाबद, उच्छ विभिन्तिम् के अभीत कर दोने के अंतरक के दासित्व में कामी कुरने या उद्यक्ते बच्चे में सुविधा के लिए; जोूर∕या
- (थ) ऐसी जिसी आय या किसी भून या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में ♦ मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिखित ज्यक्तियों, संभितः— (1) श्री लखमीचन्द वेन्सामल गहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतवत सिंग रणजित सिंग भाबरा।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके आरे में अधी हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृतता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हरू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ं (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा_{ति} जो उस अध्याय में विया गमा है।

वर्स्यो

फ्लेट न० बी-17, राजकुंज को-श्रांप० हाउसिंग सोसायटी, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी क०स०मई-3/37ईई/1460/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी ्सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 15-6-1984

मोहर 🔞

प्ररूप आर्ड्ः टो. एन . एस. . ------

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के सभीन सुखना

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निवेश स० ग्रई-3/37ईई/3705/83-84---श्रतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर आँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उनुषत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लंट न० 14, 3 री मजिल, बिल्डिंग बी, फ्लांट न० 4, श्रमर सिनेमा के बाजू में, देवनार, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3 श्रब्टूबर 1983 को पूर्वियत सम्पृत्ति के उचित बाजाए मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के सिए अन्तरित की गई है और मुके यह बिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्निचिखत उद्घरिय से उक्त अन्तरण लिखत को बास्त्विक रूप से कार्य अन्तरण लिखत को बास्त्विक रूप से कार्य माना है हिन्स गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम को अभीन कर देने को अंतरक को बापिएल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा जाहिए था, छिपान में ब्रिया को सिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-गु के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को सभीन, निम्नुसिसित व्यक्तिरुषों, अर्थात ध~- (1) मेसर्स विकात कन्स्ट्रक्शन कंप

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्दर कुमार बी० शर्मा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ब्यक्ट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

वयस्य

फ्लेट न • 14, 3री मजिल, बिल्डिंग बी, प्लांट न • 4, अमर सिनेमा के बाजू में, देवनार, बम्बई— में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ०स०अई-3/37ईई/1462/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज--3, बम्बई

दिनांक : 15-6-1984

माहर:

प्रकल बार्च . टी. एन् ु एस्,-------

भायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सूचना भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश स॰ मई-3/37ईई/3414/83-84---श्रतः मुझे, ए॰ लहिरी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लेट न० 5, ग्राउड फ्लोग्रर, ग्राजित पार्क, सोमवार बझार रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3 श्रवटूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह त्रिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और रान्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रात्तफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसीं भाग की गावत न उक्त जिथानियम के जभीन कर दोने के सस्तरण को वायित्व मों कमी करने या उससे अचने से सुविभा के निष्; जौर/आ
- (ण) एसी किसी नायं वा किसी भून या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या ठवत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धटा था भि भि जा जाना भाहिए था जिल्हा में तिकार।

अतः उस्त अवस अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री देशमख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (प्रन्तरक)
- (2) श्री विजय कृष्णा सावत । (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष् कार्यनाहिन्त कारता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य किरित हतारा अथोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनगड़ी

पलेट न० 5, ग्राउड फ्लोअर, ग्रजीत पार्क, सोमवार बझार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी ऋ०स०ग्रई-3/37ईई/1512/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~3, बम्बई औ

दिनांक: 14-6-1984

मोहार 🥬

प्रकप कार्ड े टी . एन , एस्.,न्यन-न्यननन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीव सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/3410/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ्रं उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिक की को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 208, 2 री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, माला (पिष्वम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिमका करारनामा आगकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3 अक्टूबर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल को प्रतिकल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कल निम्नलिखित उद्योग से उच्य अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा क लिए; और प.
- (प) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर गृधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िक्याने में मृतिधा के लिए:

अतः अब, उभत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखिस स्यक्तियों, अधीत् ः—- (2) देश मुख बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री विष्णुदत्तात्रय करंदीकर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तुत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (क) इस सूचना के स्वप्त्र में प्रकाशन की तारींव से 45 विन् को भीतर उक्त स्थावह सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

नन्स्डी

पलेट नं० 208, 2 री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क०सं० आई-3/37ईई/1523/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी गहाबह आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

नारीख: 15-6-1984

मोहर 🛭

भ्रम्प आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्णानग, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० प्राई०-3/37 ई०ई०/3715/83-84---प्रतः मुझे, एस० एच० ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मन्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव सर्वे नंव 336, एष नंव 9, मीव्टीव एसवनंव 1881, व्हिलेज कोलें कल्याण, सांताकूज (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करावनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3 अक्टू-बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित माजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उव्वरिय से उक्त अन्तरण निसित में वास्तिबक अप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी दिस्मी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मंं उक्त ओधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती रिटा संमसन पी० रॉड्सिन्ग ।

(अन्तरकः)-

(2) मेसर्स राव एण्ड आसोसिएटम ।

(अन्सरिती)

को <mark>यह सूचना आरी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अअ</mark>न के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्यारा प्रधोहुस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पथ्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं 336, एच०नं 9, सी०टी०एस० नं 1881, व्हिलेज कोले कल्याण सांताकूझ (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० आई-3/37ईई/1470/83-84 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 की रिजस्टड किया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३, वस्बई

तारीका: 14--6--1984

प्रकप आई.दी.एन.एस.------

नायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुनता

नारुत तरकार

. कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निषेश सं० अई-3/37ईई/3706/83-84 ।--अतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 31, 3 री मंजिल, प्रफुल्ल ज्योति बिल्डिंग, गरोडिमा नगर, वल्लभवाग लेन, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारसामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 3 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित बे बास्तिक इम से कवित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विधिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के खियत्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ बन्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया 'गया था या किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

अतः जनः उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपभाष (1) के अधीन, निम्मिसिस अधिनसयों, अर्थास्ः——
1.7—1.56 GI/84

(1) श्री कांताबेन नानजीभाई पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयश्री रमेशचंद्र शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के मर्चन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वृत्रीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मृतिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की महिभ, को भी निर्मा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ण) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्माध्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त कान्यों और प्रयों का, जो उचक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स् भी

पलेट नं० 31, 3 री मजिल, "प्रफुल्ल ज्योती" बिल्डिंग, मरोडिया नगर, बल्लभवाग लेन, घाटकोपर, त्रम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर्लं अई~3/37ईई/1463/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-3, बम्बई

तारीख: 15-6-1984

माहर:

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आम्क्स (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जुन 1984

निदेण सं० आई-3/37ईई/3402/83-84--अत: मुझे. ए०लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रज्य से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लेट न० 6, ग्राउड फ्लोअर, अजित पार्क, सोमवार बाजार रोड मालाड (पिष्पिम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3 अक्टूबर 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है. कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरका) लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गला **या किया जाना बाहिए था, छिपाने में** सृविधा के लिए;

अतः अब, • उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) देणमुख विरुडमं प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर तहमण टिपनीस, श्रीर श्रीमती लिना के० टिपनीस।

(अन्तरिनी)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री एल आर नार्वें कर

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्त्रची

पनैट नं 6 प्राऊंड फ्लोर, अजित पार्क, सोमबार बाजार रोड मालाड (पश्चिमी) बस्बई-64 मैं स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-3/37ईई/1521/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्टूबर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 15-6-19**8**4

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस ,------

भायकारु आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/3518/83-84 --अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकत् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का क्षारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट तं० बी-42, 4थी मंजिल, पारी-जात को-आंप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, नाईक वाडी, आरे रोड, गोरेगांव (पूर्व) वस्त्रई-63 में स्थित है (ग्रॉर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण च्प से वणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उण्वित वाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित ध्यिकत्यों, अधीतः—

(1) श्री पी०जी० नाईक।

(अन्तरक)

(2) श्री जे०बी० इनामदार।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां क<u>रता ह</u>ै।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहाँ भी बाह्मेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ कृष्णि जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

फ्लेट नंब्बी-42, 4थी मंजिल, पारीजात को-आंपक हार्जासंग मोसायटी लिमिटेड, नाईक वाडी, आरे रोड, गोरेगांव (पूर्व), वम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की किंश्सर्व-3/37ईई/1495/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया है।

> ^ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक **ध्रायक**र श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−3, बम्ब**ई**

दिनांक: 14-6-1984

मुक्त आहे हैं हैं प्रमुख प्रमुख सम्बद्ध

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन त्वना

भारत ब्रह्माड

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० अई-3/37ईई/3704/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव पलेट नंव 63, "बी" विंग, 6वी मंजिल, निलिमाअपार्टमेंट, जंगल मंगल रोड, भाडूंप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से गणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3 अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीनित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, सबस अधिनियम के बभीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या सससे ब्यूने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा की विद्

नतः जन उक्त निधितियम की धारा 269-ग की जन्मस्र में, में, उक्त निधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीतः, निस्तृतिचित व्यक्तियाँ हा नर्धात् ६---

(1) मैंसर्स गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री टी०आर० मणी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी करके पृशासित स्वयंतित के वर्षन् के सिक् कार्यशाहियां करता हुं: [t]

वक्त संस्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस्त स्वाना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यकित इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य अस्ति व्याप, अभोहस्ताकप्ती के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिभिनियम, के जध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं जुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बुबा है।

नृत्यो

फ्लेट नं० 63, ''बी'' विंग, 6वीं मंजिल, निलिमा अपार्टमेंट, जंगलमंगल रोड, भाडुप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनूसूची जैसाकि क्र०मं० अई-3,37ईई, 1461,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

नारीख: 15-6-1984

मोहार 👙

प्रक्ष बार्ष् टी ् एन र एस ् -----

भागकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्त्र , सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

कम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० अई-37ईई/34208/3-84--अतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसेका सं० फ्लेट नं० 2, ग्राउंड फलोअर, अजित पार्क, सोमवार बानार रोड, मालाड (पश्चिम), वम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसकां करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजीस्ट्रों है, ताराख 3 अक्टुबर 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का प्रतुष्ठ (अन्तरका) और अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उसत अन्तरण निचित को बास्तिक रूप से कृतिण तम्हीं किया नया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वासत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और्ऽया
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण जै, मैं, उक्त जभिनियम की भारा 269-ग की उपभाषा (1) के जभीन, निस्नतिचित् व्यक्तियों, जभीत ह—— (1) श्री देशमृख बिस्डर्स प्रायबेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी०के० वासूदेवन और श्रीमती हेमलथा वासूदेवन।

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तरक (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

4 श्री एस. मार नार्वेकर

('वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्तारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षीन के सिए कार्यवाहियों गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की ननिथ, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के वध्याय 20-क में परिभावित है वहीं कर्य होगा, को उस कथ्याय में दिया नया है।

नगुज्यो

फ्लेट नं० 2, प्राउंड फलोअर, अजित पार्क, सोमनार बजार रोड, मालाड (पिश्वम) बम्बई-64 में स्थित है। अनुमूची जैसाकी ऋ०स० अई-3/37ईई/1504,83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3 10-83 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> अ० लहिरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ड

तारीख :: 15-8-1984

मोहर व

प्ररूप आईं..टी. एव. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निराँक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश मं ० -अई० -4/37ईई/2314/83-84---अतः, मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० सीटी सर्वे नं 2441 व्हिलेज एक्समार तालुका बोरीवली, सर्वे नं 225, एच, नं, 6-ए,

में स्थित है (और इसी उनाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण इस में विणित है), और जिसका करारतामा आयसर अधि-नियम 1961की धारा 269दाख के अधीत सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिलांक 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ताजार मृत्य, असके दश्यमार प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्राः) एँभी किसी आय गः किरो घर ता अयः अस्तियो करो जिन्हों भारतीय अय-कर परिवित्यमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियमः, या धनकर अभिनियमः, या धनकर अभिनियमः, या धनकर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या जिया जाना अस्तिः। धरः, रिवाने संस्थिभा के तिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हिम्नलिखित व्यक्तियों,

1. मैसर्स वैभव बिल्डसं।

(अन्तरक)

2. मैसर्स देसाई बिल्डसं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा।
- (ख) इ.स. स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया युका हैं।

अनुसुची

सिटी सर्वे नं० 2214, विलेज एक्सार, तालुका बोरी-वर्ली, सर्वे नं० 225, एच० नं० 6 ए० में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37/ईई/2314 /83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 4-10-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 15-6-1984

मोहरः

And the second s

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन भुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, वरवर्ड

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं अर्थ-3/37ईई/3677/8-84—म्ब्रन: मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, 2 री मंजिल, आकाण गंगा बिल्डिंग, बचत नगर रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इसमे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विजित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उन्ति बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बाक्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बान्धरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने भा स्वित्य के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर वार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में मुविधा के निए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :-... । मैसर्स नितेण बिल्डर्म ।

(अलयक्)

3 शी एस० ए० एच० मान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि चाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन का तारात से 45 दिन के भीतर उथल स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्नेट नं० 203, 2री मंत्रिल, आक्षाण गंगा बिल्डिंग व्रमेंट नगर रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि का स० अई-3/37/ईई/1498/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दनांक 3-10-83 को रिजम्टिंड किया गया।

ए० लहिरी, नक्षम प्राधिकारो, नहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजन रेज-3, बम्बई

नारीख: 14 जून 1984

प्ररूप वार्ष .टी .एन .एस . ------

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) क भ्रधीन सूचन।

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3. वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश स० ग्रई-3/37/ईई/3418/83-84---ग्रतः मुझे, ए० लहिरो,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 204, 2री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बझार रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में ियत है (ग्रीर इससे उपायत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित)है, ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्य लिय में रजिस्ट्री है तारीख 3-10-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह, निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिग्र; और/या
- (स) ऐसी किसी जाग या किसी अन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया चा वा किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. देशमुख बिल्डर्स षाइवेट लिमिटेड।

(अन्सरक)

2. श्री गुरजीत सिंह धुमी ।

(ग्रन्तरिती)

3. झन्तरक

्(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. श्री एस० आर० नार्वेकर।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील श्रे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकायन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए या सकींगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

फ्लैट नं० 204, 2री मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बाह्मार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/1522/83-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), मर्जन रोंज-3 बम्बई

तारीख: 15-6-1984

मोहर ह

प्ररूप काई. टी. एत. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेम सं० अई-3/37ईई/3546/83-84---अतः मुझे, ए० नहिरी,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23-ए, विपूल अपार्टमेंट को आप-रेटिव हाउसिंग सोसायटी मुलूंड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3 अन्तुबर 1983

को पूर्वोत्रत सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आर्य की बाबत, उनत बिधिनवम के बधीन कर देने के बन्तरक के दासित्व के कभी करने या धन्नचे बचने में बृष्टिभा के सिए; बीट/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री मधुकर नानजीठकर।

(अन्तरक)

2. श्री नितिन एन० जोगी।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान चारी करके पूर्वों क्स सम्बुटिस के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप:--

- (क) इस स्वाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

ननस ची

फ्लैट नं० 23-ए, विपूल अपार्टमेंट. को-ऑप हाउसिंग मोसायटी, मुलूंड, बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० ऋई-3/37ईई/1494/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टड किया गया।

ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बम्ब**ई**

विनांक: 14~6~1984

मोहरः

अरूप भार्च . टी . एन . एस . ------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के लधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 19 जुन 1984

निदेश सं० आई-3,37ईई/3404/84-84:--अत: मुझे ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी सं० फ्लैंट नं० 109, 1ली मंजिल, अजित पार्क, सोमवार बझार रोड, मालाड (पिष्वम), बम्बई-64 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों अर्थाल् :--- 1. देशमुख. बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

श्रीमती कविता प्रकाश टिकम,
 और श्री प्रकाश क्तात्रम टिकम।

(अन्तरिती)

3. अन्यरक

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. श्री एल० आर० नृष्विकर।
(यह व्यक्ति, जिसके बारे
में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह स्वना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी जन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगें।

स्पटकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जगुसूची

अनुसूची जैसा कि क सं० अई, 337ईई, 1514, 83-89 और जी सक्षम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 की रजिस्टर्ड किया गया है।

फ्लैट नं० 109, 1सी मंजिल, अजित पार्क, सोमबार बझार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है)।

> अ० लहिरीः सक्षम प्राधिकः,रीः, सहः,५क अ।यकर आयुक्तः (निरीक्षण'), अर्जन रेज-3, बम्बई

दिणांक 14-6-1984 मोहरः प्ररूप आइं.टो.एन.एस.-----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० अई-3,37ईई,2984,83-84:--अतः मुझे, ए० लिहरी,

नायकर मिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी सं० पसैट नं० 38, विल्डिंग नं० 2, सरकार नगर नं० 5, चेम्बुर वैभव कोआपरेटिश हाउसिंग मोसायटी लि०, गैल कालोनी रोड, चैम्बुर बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबब ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 3-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्तर प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अनुतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृथिधा की लिए;

1. श्रीमती अलका उल्हास काठाड ।

(अन्तः रकः)

2. श्री जी० सूर्यनारायणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो लक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित .है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

अमृस्ची

फ्लैट नं० 38, बिल्डिंग नं० 2, सहकार नगर मं० 5, चेंखुर वैभव की आपरेटिंब हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, चेम्बुर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-3/37ईई/1497/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 3-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया।

ए० लहिरी; सक्षम प्राधिकारो. सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-111, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

िस्मोंक 14-6-1984

माह्र :

मुक्त बार् हो एक एक -------

नियक्तर निभृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुभीत सुन्ता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 जून 1984

निर्देश सं० अई-3/37ईई/3713/83-84:--अतः मुझे, ए० .लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अभीन एक प्राप्तिकार्यों को यह निश्वास करने का काउन है कि स्वाबुद सम्मृद्धि, जिन्नका विज्ञा वाचार मुख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसेकी संव गाला नंव 6, ग्राडण्ड फ्लाअन, गौतम उद्योग भवन, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वांक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भारः। जवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत् हि—

1. श्री मोतीराम तोलाराम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुमताज एस० हिकामजी।

(अन्तरिती)

कार्यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त संपत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिरित के वर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में से किसी क्यिक्त ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अध्याक्षन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

गाला नं ० 6, ग्राडण्ड फ्लोर, गौतम उद्योग भवन, भांडुप, बम्बई-- 78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-3/37ईई/1473/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया।

ए० लहिरी सक्षम प्रोधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 14-6-1984

मोहर

प्ररूप बाइं टी. एन. एस. -----

शायकडु सभिनित्त, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सुचना

भारत सहकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजब 4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

सं० अई--4/37**६६**/2433/83--84:--अतः मुझे विजय रंजनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० ए-1-ए2/4, छत्रपति शिवाजी मार्ग, दिहसर, (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपान्बक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्रीं है तारीख 29-10-83।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/बा
- (क) एंसी किसी नाम या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हुं भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण भे, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— 1 मैसर्स स्पेस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता हेमराज जैन।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्स सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

चनत स्मात्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ्---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पइ सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखित में किये जा सकींगे।

स्यष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्वरें

णाप नं ए1-ए2/4, छलपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई, में स्थित है।

अनूस्वि जैसा कि क सं० अई-4,37ईई/2433/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी राष्ट्रायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज IV बम्बई

दिनांक : 14-6-1984

प्ररूप वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यासय, सहायक मायकतः भागुक्त (निरक्षिण) क्रुर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई० 3/37ईई/3717/83-84 श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० यूनिट नं० 9, ग्राउंड फ्लोर, श्री डायमंड सेंटर, हिरिग्रला टिहलेज, विक्रोली, बम्बई-83 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन दिनांक 3 ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से करिशत नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधित् :--- 1. डी० के० बिल्डर्स एण्ड एसोसिएट्स

(भ्रन्तरक)

2. खाडेलबाल इंजीनियरिंग कार्पोरेशन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकरियां करता हो।

उक्त सम्पह्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं . 15 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास । प्रिक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुकति शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

यूनिट नं० 9, ग्राउण्ड फ्लोर, श्री डायमन्ड सेन्टर. हरीअली विलेज, विकोली, बम्बई-83 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई 0-3/37 ईई 0/1474 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड क्या गया है।

> ए० लहिरो सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3; बम्बई

तारीख 14-6-1984. मोहर ३

प्रकम बाइं. टी. एन. एस.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भारकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बस्यई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1981

निदेण मं० आई०-3/37 ईई०/3403/83-84--अत: मुक्को, ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी मंठ फ्लैट नंठ 104, पहली मंजिल, अजीत पार्क मोमबार बाजार रोड, मालाड (पिण्चम), बम्बई-64 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है.

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य ते उच्त अन्तरण किवित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संधुर्द किसी भाग की नावत, उनत विधिविधक की सभीन कर की की बन्तरक के दायित्व में कमी भरते ना उससे नचने में सुविधा की विश्व स्वर्थना
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अन्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधित्—ः (1) मैं ० देशमुख बिल्डर्स पा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्रो सबस्टिन अन्योनी डिमोजा और श्रीमती गक्सी डिमोजा ।

(अन्तरिती)

(3) भ्रीएल आर० नार्वेकर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके प्वींबत संपक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्य सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मानेष:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि को भी अवधि बाद में सजाप्त होती हो, के शीतर पृथाँक्त व्यक्तियों में से किसी क्यं कित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

पलैट नं 104, पहली मंजिल, अजीत पार्क, सोमवाप बाजार रोड, मालाङ (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्म मं आई०-3/37 ईई०/1517 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

प्रकृष **गार**े. टी. एन् , एस. ----

नाथकार नोधनियर, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नुधीन सुचना

भारत सबकार

कायलिय, सहाय**क गायकार आयुक्त** (निर्**क्षिण)** अर्जान रेज--3, बम्बई

वमबई, दिनांक 14 ज्न 1984

निदेश सं० अई०-3/37ईई/3637/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियय' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० माला न० 107, भोला भगवान इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, आई० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई ~63 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयद्धर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यानलय में रजिस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्ति खित उद्देषयों से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिनक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के निए; वार्/मा
- (●) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः। अब् उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् इ— (1) मैं० अनूप फैमिलो ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) नै०एच० एम० पेन प्राडक्ट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कार्द्ध आक्षेप 🎺 🗕

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा मभोहस्ताक्षरी के पाइ लिचित में किए जा सकीं थे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

माला न० 107, भोला भगवान इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, आय बीठ पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम मं० आई०-3/37 ईई०/1436/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रजिटक किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

सारीखा : 14-6-1984

मोहर 🚁

प्रकष् काइं.टी.एन.एस.,-------

नाय्कार अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-म् (1) के मुधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्योजय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांद 15 जून 1984

निर्देश सं० अई०-4/37 ईई/2420/83-84--अतः मुझे, विजय इंजन

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 1, पहली मंजिल, गुरु प्रमाद वसनजी लग्लजी रोड, कांदिवली (पिष्चम), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18 अक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिता (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्विषय से उक्स अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृष्ति नृतु किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाव की बाबत, उमक अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक जी बामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ।

(1) श्रीसुरेन्द्र गांताराम मागेलकर।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती सुगन्धी गंकर गेंट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी क्ष्युके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्षयुता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काहें भी बाक्षेप हैं---

- (क) इस सूचना के उपपात्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधीहस्ताक्षरों वे पाक लिखित में किए या सकेंगे।

स्पृथ्विकरण :--इसमें प्रयूक्त कार्कों और पर्दों का, जो उकत कि भिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गुरा है !!

जगतची

पलैटनं 1, पहलो मंजिल, गुरु प्रसाद बसनजी लाल जी रोड, कांदिवली (पिश्चम), बम्बई-67 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि कम सं अई-4/37 ईई/2420/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 18 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बर्द ।

तारीख: 15-6-1984

अरूप वार्षे.टी.एन.एस., ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायकिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेश सं० मई-3/37ईई/3718/83-84-मतः

मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िकसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं सर्वे नं 387, एस० नं 288, एस० नं 1 (पार्ट), सेमेट्री रोड, धूनाभट्टी, कुर्ला, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 मक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मृक्षे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उच्च स्य से उक्त अन्तरण बिलिखत में बास्तिक कम से कांगित नहीं किया गया है क्र---

- (क) जलारण से हुई किसी जान भी वावस, उन्स जिथानियम के अधीन कर दोने के जलारक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में त्यिया के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं शोशी बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सूरेश दत्तालय मसुरकर।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभीग में सम्पत्ति है)

(4) श्री जनार्देन रामजी धुलेकर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की मारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किभी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स् ची

सर्वे मं० 387, एस० मं० 288, एच० नं० 1 (पार्ट), पेमेट्री रोड, चूना भट्टी, कुल , तम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कम सं० आई-3/37 ईई/1475/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन क 3 अक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

मर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख : 14 6-1984

मोहरु 🛭

प्ररूप. बार्च. टी. एन. एस्. - - - -

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निवेश सं० ग्रई-3/37 ईई/3709/83-84---भ्रतः मझे, ए० सहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जसकी सं० प्लैट नं० 13, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग 'बी' प्लाट नं० 4, श्रमर सिनेमा कि बाजू में, देवनर, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रिधकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एति किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविचित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) मै० विकांत कस्ट्र्यशन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मिना कमल कुमार खन्ना।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर म्बोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हों करण :--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

पलैट नं 0 13, सीसरी मंजिल, बिल्डिंग 'बी' प्लाट नं 0 4, ग्रमर सिनेमा के बाजू में, वेबनर, बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकि कम सं 0 ग्रई - 3/37 ईई/1466/83-84 ग्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ग्रमतुबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रैंज-3, बस्बई ।

तारीख: 14-6-1984

मोहरः

प्ररूप नार्द्ध टर्नि धन् पुस∴------

जायकार जीधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269=ज (1) के अधीन सुजना

शार्व वहकार

मायां जय , सहायक वायकर आयुक्त (निर्देशिका) प्रार्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984 निर्वेश सं० श्रई-3/37 ईई०/3399/83-84--श्रतः सुझे, ए० सहिरी

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (िणसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हुन से अधिक है

थौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, तीसरी मंजिल, श्रजीत पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रवमान शृतिकक्ष के सिए अन्तिरित की गृह है और भूको गृह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भूल्य, उसके श्रवमान प्रतिकल से, एसे श्रवमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तैय पाया गया प्रति-कस, निम्निनिश्चत उद्देष्य से उक्त अन्तर्ण लिश्वित में बास्तिक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तहण से हुन्द किसी आय की बाबसा, अक्स बिभिनियम के अभीन कह दोने के अन्तहक के दाबित्व में कसी कहने या उससे मुखने में सुविभा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भण या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

बतः, बव, उक्त सिंगियमं की धारा 269-ग में बनुसरण में हा बींग उक्त सिंगियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निस्तिसित व्यक्तिको असति ह—— (1) मैं० देशमुख बिल्ड्स प्रा० लिमिटेड।

(श्रन्तरक)

(2) श्री गोपीनाथ वाखीराम भट्ट ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कड़कें पूर्वोक्स संपरित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी ध्रुक्षेप 🖫 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नगृत्वी

पसैट नं० 304, तीसरी मंजिल, घजीत पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि कम सं० आई० 37 ईई/1518/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 ध्रक्तूबर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

मोहर ∄

प्रक्य बाइ . टी. एन. एस. - - - -

नायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के अभीन सुचना

शारत सरकार

कार्याचय, सहस्रक अध्यक्त भागकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्ष, धिमांक 15 जून 1984

मुझे, ए० लहिरी

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 309, तीसरी मंजिल, श्रजीत पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पिश्चम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तुबर, 1983

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मुधापूर्वोक्त सम्परित का उन्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुसिचित उद्वेदय से उच्छ अन्तरण निम्नुसिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बंतरण से शुरू किसी नाय की वाबत., उनत सिंधितयम के अधीन कर दोने के अध्यरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; श्रीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य अपितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती व्वारा प्रकट नृष्टी किया ग्या था या किया आना आहिए वा, कियाने में बुविभा हो सिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० देशमुख बिल्डर्स प्रा० निमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सालढाणा पक्षोरेंस एलिजाबेथ ग्रौर श्रीमती विरुजीनिया गोन्साल्बीज।

(यन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, विसक्ते अधिभोग ते संपर्तित हैं)

(4) श्री एलं. आर. नाविकर (बहु व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि दह सम्पत्ति में हितवद्भ हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यवित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकारी।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषिक है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

पनीट मं० 309, तीसरी मंजिन, खजीत पार्क, सोमवार बाजार रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित हैं। समुसूची जैसाकि क्रम सं० सई 3/37 ईई/1520/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एँ० सहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, बम्बई।

तारीख : 15~6—1984

भोहर

प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस. -----

अगथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत् संर्कार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० **धर्ध-**4/37 जी/20/83-84----भ्रतः मुझे, विजय रंजन

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं लाट बेमरिंग एफ पी नं 276, एस नं 47 (पी टी) म्राफ टी पी एस नं 111, एक्सार, बोरीवली, (पि चि), बम्बई में स्थित है (म्रोर इससे उपायद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 20 प्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अदुने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, च्छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कि अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः----

- (1) 1 श्रीजयचन्द वीरचन्द शहा,
 - 2. श्रीरमण भाई सी० पटेल।
 - 3. श्रीचन्द्र कांत ग्रार० पटेल।
 - 4. श्री दिनकर ग्रार० पटेल।
 - 5. श्री मोतीभाई एफ० पटेल।
 - श्रीनिविनचन्द्र जे० शाहः।
 - 7. श्रीप्रकाश एस० शहा और
 - 8. श्रीविलीप एस० शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० चारु-सौरभ को० ग्रॉपरेटिव हार्ऊासग सोसाइटी लिमिटेड, (रजिस्टर्ड)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धनुसूची जैसा कि विलेख सं० बॉम/एस० 687/80 ध्रौर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनोक 20 धक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, वस्मकी।

तारीच : 15-6-1984

अक्ष बाह् . टी . एन् . एस . ----------------

नामकार निधित्तमन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की मुधीन सुचना

HIST SERIE

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं. श्रई-4/37 ईई/2416/83-84—श्रतः मझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैटनं० 311 बी, नन्द-धाम, तीसरी मंजिल, एल० टी० रोड, बोरीबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 29 शक्तूबर, 1983

को प्रबंक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उक्त अभिन नियम के अधीन कर दो के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे त्याने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 १५०२२ अर ११। या जन्म अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) मै॰ के॰ पटेल एण्ड कम्पनी प्रा॰ लिमिटेड। (धस्तरक)
- (2) श्रीमती बी॰ एम॰ जैन।

(भ्रःतरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भगुसुची

पलैट नं० 311-बी, नन्व-धाम, तीसरी मंजिल, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है अनुसूची जैसा कम सं० अई-4/37 ईई/2416/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 अन्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-7-1984

मोहर 🖫

प्रस्य वार्षं .टी . एन् . एस्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई-4/37 ईई/2414/83-84---- ग्रतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य

भौर जिसकी सं० गाप नं० ए-63-ए 64-/12 भौर 13, छलपित शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 श्रक्तूबर, 1983

का प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निन्नलिबित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; और/का
- (था) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अत्य जास्तियों कां, जिन्हां अरतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त अधिनियम, या भनेकर अधिनियम, वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट महीं किया भवा भा या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मै० स्पेस बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबती पी० मजीविया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा बारी काउन्हें पृत्रों बस, सम्परित के वृज्य के दिन्द कार्यवाष्ट्रियां करसा हुं।

सक्त सम्मारित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष व-=

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीय खें 45 दिन की जबिंध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जबा। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यी

शाप नं० ए-63-ए-64/12 और 13 छवपित शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), अस्वई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37 ईई/2414/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, अस्वई द्वारा दिनांक 22 अन्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-4, सम्बद्ध।

तारीख : 15-6-1984

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.-------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य , सहाग्ररू आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई-4/37 ई5/2315/83-84—-श्रतः मुझे, विजय रंजन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पार में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 2, ग्राउण्ड फ्लोर, 'बी' विंग, विलेज एक्सार तालुका माउरीन स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदिवली. (पिक्चम), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रिधित्यम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 11 श्रक्तू-बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) अभीन, निम्नसिखिस व्यक्तियों, अधीत ६—— 20—156GI/84 (1) मै० गिरीराज कल्स्ट्रक्शन कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांता बेन के० डोशी ग्रीर श्रीविजयके० डोणी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पड़े सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्वव्यक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस्यी

फ्लैट नं० 2, ग्राउण्ड फ्रार, 'बी' विंग, बिलेज एक्सार, तालुका माउरील स्ट्रीट, एम० जी० रोड, क्रांदिवली (पण्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैयाकि क्रम सं० ग्रई-4/37 हेई/2315/ 83-8: श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 11शक्तुबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज--4, वस्बई

तारीख: 13-6-1984

मा**ह**ु 🕹

मध्य जार्यन्त होत् एक्ट्र एक.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश मं० श्र $s \circ -4/37$ ईई/2317/83-84—श्रत: मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 32, तीसरी मंजिल, "श्रीजी फ्लेस" बिल्डिंग, सर्वे नं० 47 भ्रौर 48, सिटी सर्वे नं० 99, विलेज कांदिवली, एस० बी० रोड, कांदिवली (पिष्चम), वस्वई—67 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24 श्रक्त्यर, 1983

को पूर्वाति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्विचय से उक्त अंतरण जिक्तित में नास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्षान

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्नत विधिवियम के अधीन कर दोने के शन्तरक के क्रियरण में कमी असने या उससे बचने में स्वतिधा के निष्; व्यद्विश्वा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भागा था किया भागा था किया भागा था किया भागा था किया से सिक्ध के सिक्ध

नतः नव, उन्त निभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण नैं., मैं, उन्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीनिकत व्यक्तियों, क्यांत क्र— (1) मै॰ बसानी डेबलपमंद्स ।

(ग्रन्तरफ)

(2) श्री मुकेण पन्नालाल भाटिया।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

वह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

को सह सूचन। आरो कारक पृत्रांक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिष्
कार्यवाहियां करता हु।

उक्त बम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत् हु-

- (क) इस स्म्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (भं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी

स्मान्द्रीकरणः --- इसमें प्रयायन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुदा ही।

अनुश्रधी

पलैट नं० 32. तोपरी मंजिल, "श्रीजी पैलेस", बिहिंडग, सर्वे नं० 47 श्रीर 48 श्रीर सिटी सर्वे नं० 99, विलेज काँदिवली, एस० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), वस्वई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई०4/37 ईई/2317/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 24 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तिजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज-4, बस्बई ।

तारीख: 15-6-1984

प्ररूप आहां. टी. एन: एस. -----

मायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारकः 269 - ज (१) के अधीन सूत्रन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, ब्रम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० श्रर्ष०-4/37 ईर्ह0/2422/83-84—श्रतः मुप्ते, विजय रंजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० 2, महावीर नगर नं० सी/2, शंकरलेन, कांदिवली (पिक्चम), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्द्री है सारीख 10 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है नि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोभ-नार्ध अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधार (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हेमलता अर्रावद कुमार शाह।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रल्बर्ट बोना मंडोना ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में मम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन की अबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

शाप न० 2, महाबीर नगर नं० सी/2, शंकर लेन, कांबिवली (पश्चिम), अम्बर्ध-67 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसािक क्रम सं० श्र50-4/37 ईई0/2422/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12~6-1984

ोर्डर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनाक 11 जून 1984 निर्देश सं० ग्रई०-4/37 ईई०/2447/83-84--श्रतः मुझै, बिजय रंजन

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वरकात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया ह") की भारा 269-व के नभीन सक्तम प्राधिकारों को यह निर्मास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नानार मुन्य 25,000/- रूड से निर्मा ह"

श्रांर जिसकी सं० पलैट न० ए-403, चौथी मंजिल मोदी नगर श्रादर्श कां० श्रापरेटिव हाऊसिंग मोसाइटी लिमिटेड, मथुरा रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे चपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के श्राधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11 श्रक्नुब,र 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान शितफल को लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ज़ल्तरण से हुन्दं किसी अाथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तारक के दायित्य में कभी करने या उससे अभने में सृषिधा के लिए; और/या
- स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-प्रति (1957 को 27) है प्रयोजनार्थ जन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उक्त शिंधिनयम की धारा 269-ग के शनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीम, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री मुराभाई ब्रारोग्य भुवन द्रस्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री भारत छगतपाई सोवी और

श्री विनोद छगन भाई सोनी ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयीं

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के लि कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीज ... 45 विन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस त्वामा के राव्यमा में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- वब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाइस्ताक्षरी के पात लिसिस में किए जा सकों में।

स्पष्टिकरणः — इसमे प्रयुक्त शन्दों और पक्षों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अगू तुची

फ्लैट नं० ए-403, चौथी मंजिल, मोदी नगर भ्रादर्श को० आॅपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, मथुरा रोड, कोदियली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई०-4/37 ईई०/2447/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 11-6-1984

प्रक्रम् जार्षः दो ्पन् . एस् ु-----

भाषकर म्थिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज-4, बम्बद्द

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० अई-4/37 ईई0/2234/83-84---अतः मुझे, विजय रंजन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त मींधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 9, हिस्सा नं० 4/1 डी, सी० टी० एस० नं० 40, विलेज मण्डपेश्वर, तालुका बोरीवली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 18 श्रक्तूबर, 1983

कर्म पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक, (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत से निम्नितिबत उद्देष्य से उपत बन्तुरण निकिश में गस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उन्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे वजने में सूर्विभा के निए; और/या
- (क) एसी किसी अप वा किसी भन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय अधकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथस अधिनियम, या भवकर अभिनियम, 1957 (1957 का: 27) के प्रवासना अस्तिरिती क्वारा अस्ट तही किया नवा था वा किया जाना चाहिए था कियाने जें स्विभा के लिए;

बदः वव, उक्त विधिनयम् की वादा 269-व के विमृत्रक शौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कुं अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० ग्रब्बास भाई तय्यूब म्रली डाक्टर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री हेमेन्द्र रितलाल मेहता श्रीर
 - 2. श्रीमती मिनाक्षी हेमेन्द्र मेहता ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों

(बह व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

- (4) 1. श्रीमती मिनाक्षी हेमेन्द्र मेहता ।
 - 2. श्री निकल हेमेन्द्र मेहता ।
 - 3. श्रीभावेश हेमेन्द्र मेहता ग्रीर
 - 4. भावना हेमेन्द्र मेहता ।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अक्षो हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को शह सुमना नारों नारको पृत्रों कर सम्पत्ति को नर्मन को निए कार्यनाहियों करता हो ।

उक्त सम्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :--

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए का सकों गे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 9, हिस्सा नं० 4/1 डी, सी० टी० एस० नं० 40, विलेज मण्डपेषवर, तालुका बोरीवली में स्थित है। ध्रनुसूची जैसाकि कम स० ग्रई०- भे 37 ईई०/2234/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18 ग्रक्तूयर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 15-6-1984

मोहर 🖫

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० ग्रई०-4/37 ईई०/2372/83-84--- श्रतः मुझे, विजय रंजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं के प्लैट नं 113, ग्यारहवी मंजिल, "श्रीजी दर्शन" बिल्डिंग, सी० टी० एस० नं 100 सर्वे नं 96 हिस्सा नं 3, मालाड, एस० व्हि० रोड, कोदिवली, (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीवित्यम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24 श्रक्तुबर, 1983

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितमों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकार अधिनियम, 1922 ा प्रिट को 11) या उत्तत ऑधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार पूर्व अन्तिरिती ब्बारा एकद नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सूबिधा के लिए;

बंत: अर्थ, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बैं अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अधीत् .--- (1) मै० यूनाइटेड बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योति पी० सधवानी श्रौर श्रीपुरुषोत्तम टी० सधवानी।

(अन्तरिती)

(3) धन्तरः .

(वह व्यक्ति जिसके अधिमांगों में सम्पति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अर्घाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांकित या कि की किसी त्यक्ति व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

पलैट नं 113, ध्यारहवीं मंजिल, "श्रीजी दर्शन" बिस्डिंग, सी टी एस नं 100, एच नं 3, सर्वे नं 96, मालाड, एस व्हि रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क्रम सं० श्रई०-4/37 ईई० /2372/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 15-6-1984

प्रकृष् जार्षं . श्री . युन . युन . ------

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

न्नर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० ध्रई०-4/37ईई०/2358/83-84---- प्रतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० विक्रम श्रपार्टमेंटस, प्लॉट नं० 100, एल० टी० मार्ग, बोरीबली, (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण निस्तित में वास्तिक अप में किश्रत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की वायत, उक्त जीभीनधम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने मा उससे वसने में सुविधा क सिए: और/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बत्त: क्षज, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, ज्यात क्ष

(1) मै० विक्रम इन्टरप्राइजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नान भाई जी० वनभाई कंसाराः। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवस्त्रों में से किसी व्यक्ति इतारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाह ।

बर संची

विक्रम श्रपार्टमेंट्स, प्लॉट नं० 100, एल० टी० मार्ग, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि श्रम सं० श्रई०-4/37ईई०/2358/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 श्रक्तुबर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–4, बम्बई

तारीख : 15-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च्, टी. एन्. इस∴ ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के स्थीन सुचना

भारत नहकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 जू 1984

निदेश सं० ग्रई०-4/37 ईं**ई-**2402/83-84--प्रतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे प्रस्कों इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाँप नं० 5. ग्राउण्ड फ्लोअर, विश्वदीप को०श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० के—3/4,
महावीर नगर, डहाणूकर पाड़ी, कांविवली (पिष्वम), बम्बई—
67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम,
1961 की धारा 269 क ख के श्रीधीन सक्षम प्राधिकारी,
बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 22 अक्तूबर, 1983
को पूर्वीक्त संपर्ति को उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बुज़ार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्नुह
प्रसिश्चस से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित
वे वास्तिक क्य से क्रिय महीं किया गया है:——

- (क) बन्तदुण से हुद्दं किसी बाय की बावत, उक्त बाधिनियुत्र के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

सतः सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिश्वक व्यक्तियों, सर्थात् ह— (1) श्रीमती हवाबी कादर राजापकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेश एम० भेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाश्रेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अथाहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमक्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्जी

शॉप नं० 5, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, विश्वदीप को०-श्रापरेटिब हार्ऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० के 3/4, महाबीर नगर, डहाणूकर वाडी, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/2402/ 8ॐ-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ावेजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीजण) श्रजेन रेंज-4, बम्बई

तारीखा: 11-6-1984

मोहर 🔞

प्रकृष वार्ता न को न **एव**ं पुष्य नुपन्न-----

नायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जायुक्त (निरीक्षण). अर्थन रेज-4, बम्बई

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अभीन सक्स प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृत्य 25,000/- रह. से विभिक्त है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-5 ग्रीर ए० 6, सर्वे नं० 87, हिस्सा नं० 1-ए (पार्ट), सर्वे नं० 87, एच० नं० 1 ई (पार्ट) कादिवली तालुका बोरीवली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीविनयम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिशीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 22 ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करवमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है जौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, इसके करवमान प्रतिकल से एसे क्वमान प्रतिकल का जंबह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए एस पाना क्या प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से स्वत्त बन्तरण जिल्लि में बास्त्विक रूप से किंगत नहीं किया ग्या है है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के किए; जीर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

चतः जब, जबत विधिनयम की भाग 269-व के बनुबरण मों, मों, सबत विधिनयम की भाग 269-व की उपभाग (1) अभिभीन निस्तिसिक्त व्यक्तियों, वर्धात :—

21---156GI|84

(1) श्रीमती तेहमी वारावशाह चिचधुर।

(मन्तरक)

(2) मैं० बन्दना क्रेबलपर्स ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्चेंक्त संपरित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कच्चों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया।

वगृत्यी

प्लाट नं० ए—5 भीर ए—6, सर्वे नं० 87, हिस्सा नं० 1 ए (पार्ट), सर्वे नं० 87 एच० नं० 1—ई (पार्ट), कांदिवली, तालका बोरीवली में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई०-4/37 ईई०/2410/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीखा : 11-6-1984

प्ररूप आईं. टी, एन. एस. ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० भ्रई०-4/37 ईई0/2370/83-84—म्प्रतः मसे, विजय रंजन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० फ्लैट नं० 12, पहली मंजिल, "श्री जी दर्णन" बिल्डिंग 'बी' टावर, सर्वे नं० 96, मालांड, एस० बी० रोड, कांदिवली (पिष्वम), बम्बई—67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रमुस्पी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24 श्रमतुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए; बरि/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलियिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० यूनाइटेड बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीकिशोर देवजी सागर ग्रीर तरुणा किशोर सागर।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील छे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

ल स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्यो

पलैट मं० 12, पहली मंजिल, 'बी' टावर, "श्रीजी वर्शन" बिल्डिंग, सर्वे नं० 96, मालाड, एस० बी० रोड, कॉदिवली (पश्चिम), बम्बई--67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/2370/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 श्रक्तुबर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 15--6-1984

. प्ररूप आर्ड्:टी.एन.एस.-----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीक सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984 निर्देश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2273/83-84--ग्रतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गाँप नं० 16, ग्राउण्ड फ्लोर, गांजा बाला ग्रागार्टमेंट्स, एस० बी० पटेल रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बर्ड -- 92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ष के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21 ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पामा गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बुन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-जिब्ब के बधीन कर धेने के बन्तरक के दायित्य में कनी करने वा उक्के बचने में बृद्धिमा के निए; और/बा
- (वं) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्रीमती भारती बेन किशोर संघवी।

(प्रन्तरकः)

(2) श्रीविजय पन्ना लाल शाह।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना आ<u>डी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्</u>जन के जिए कार्यमाहियां करना हुं।

उक्त सम्मित्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुवाना को राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जनिभ या तत्सुम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिभ, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपुत्र में प्रकाशन की सारींक सं
 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपद्धित में हिल कडूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरों को
 पास लिकित में किए जा सकांगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सब्बों और पवां का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया सबा हैं।

वन्स्ची

णाप नं० 16, ग्राउण्ड फ्लोर गांजा वाला ग्रपार्टमेंट्स, एस० बी० पटेल रोड बोरीवली (पिष्चम), बम्बई---400092 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० ग्रई०-4/37 ईई०/2273/ 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21 श्रक्तबर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारो सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

तारी**च** : 14-6-1984

त्ररूप बार्ड टी एन एस :------

भारकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक मायकार माय्क्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई०-4/37 ईई०/2342/83-84--ग्रत: मझे, निजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संज्ञाप नंजए-3-ए-4/7, छत्रपतिशिवाजी मार्ग, विह्सर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रामकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किली बाव की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क औ दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति क्र- (1) मैं व्यू स्पेस बिल्डर्स प्राव् लिए।

(बन्तरक)

(2) श्री अमर बहादुर सिंह राम स्वरूप सिंह शीर श्रीपी० लाल जी सिंह राम भवतार सिंह। (भन्तरिसी)

को यह सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्मृतिस के वर्जन की लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उस्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी बाधांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्धहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

शाप नं॰ ए-3-ए-4/7, छन्नपति शिवाजी मार्ग, विहसर (पूर्व), बस्बई में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा किकम सं ० प्रई०-4/37 ईई०/2342/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 अक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन स**क्षम प्राधिकारीं** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 15-6-1984

2,43

मोहर 🛭

प्र**रूप भाइं**श टी.। एन्. एस..----

बायकड विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के वृधीन सूचना

हारत परकार

कार्यामय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण) प्रजैन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जुन 1984

निर्देश सं० ग्रई०-4/37 ईई०/2398/83-84-म्प्रतः मझे, विजय रंजन

कायकर अभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसकें इसकें पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-च कें अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित वावार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट नं 5, ग्राउण्ड फ्लोर, एस विशेष रोड, बोरीवली (पिश्वम), बम्बई मैसर्स विवेक नगर को ब्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में र्जिस्ट्री है तारीख 7 ग्रक्तुवर, 1983

की पूनोंक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तब पामा गया प्रतिफल निम्मिसिस उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाव की वान्त्, उनक अधितित्वम् के न्धीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कजी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बत्य बद्, सन्त् गीभीन्यमं की भारा 269-गं से बन्दरस् को, मी उद्य अभिन्यमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिबित व्यक्तियों, अभीत् है— (1) श्रीरमेशचन्द्र एच० कोया।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री क्याम जी भाई बी० सोनी ग्रीर श्री कांसि सास क्याम जी सोनी।

(चन्तरिती)

को वह सूचना बाड़ी कड़के पूजोंक्त संपत्ति के वर्षन के किस् कार्यवाहियां करता हूं:)!

उन्तु सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस ब्रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज ते 45 विन की अविभ या तत्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानिवस, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ हाँगा, जो उस अध्याय में दिया युग है।

पलैट नं० 5, ग्राउण्ड फ्लोर, मैसर्स विवेक नगर को॰ ग्रापरेटिय हार्जीसंग सीसाइटी लिमिटेड, एस० वी० रोड, बोरीयली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

प्रनूसूची जैसा कि कि से 34-3-37 ईई | 2398 | 83-84 और जो सक्षम प्रधिकारी कम्बई द्वारा दिनांक 7-10-83 को रिजस्टई किया गया।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 15-6-1984

प्रकार बाइ".टी.एव.एव्. -----

नायकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीम स्थान

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक जायकार जायुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुन 1984

निर्देश सं० प्रार्ट०-4/37 ईई०/2283/83-84-प्रातः मुझे, विजय रंजन

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के न्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से मधिक है

ग्रौर जिसकी सं० गाप नं० 6, ग्राउण्ड फ्लोर, एल्टी प्रपार्टमेंट, साई बाबा नगर, बोरोबली (पिष्णम), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकार, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 3 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नसितित उद्वेष्य से उच्ते अन्तरण लिखित में बास्त-निक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई कियो बाग की शबत, उनक् जिन्दीसम्बद्ध के ज्योग कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कनी करने मा उन्नत्ते वसने में सुनिधा जी लिए; जॉर/वा
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य बास्सियों का , जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा के निए;

अत: अवे, डक्त जीभीनयम की धारा 269-ग के, अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोसिकित व्यक्तियाँ, अर्थात ∷— (1) भीमती मीनाक्षी भ्रमिल पुरेचा ।

(अन्तरक

(2) श्री जयथा नायक।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परितृ के वर्षत् के जि। कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उपर राज्यित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेंचू :-- _

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख -45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों : सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , थो के अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उ. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही अर्थ होगर को उस अध्याय में दिया गया है

अनुसुची

णाप नं० 6, ग्राउण्ड फ्लोर, इल्टी ग्रपार्टमेंट, साई ः. नगर बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-4/37 ईई०/2283/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंः.. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼4,

तारीख: 15-6-1984

मोहर 🗓

प्रकल बाह् .टी.एस.एस.

त्रायकर विश्वित्यय, 1941 (1941 का 43) की छारा 249-व(1) के ध्यीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सह्ययक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुन 1984

निर्देश सं० श्रई०4/37 ईई०/2237/83-84--श्रत. मुझे, विजय रंजन

तामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ... पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सम्भ्र आविकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 15,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं शाप नं 5, ग्राउण्ड फ्लोर, जी' बिल्डिंग, मिसक वायटा नगर, छत्रपति शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप में विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन सझम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है तारीख 10 श्रक्तूबर, 1983

जा पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ूय, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का ें, इपितशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क्न्तरण लिखित में शस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या किस बास्स्यां करे. जिन्हीं भारतीय बाय-कर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनल लिधिनियम, शा धन-कर विधिनियम, शा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में नविभा के निए;

अन्तः अन्यः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैं० एस० विरी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड:

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुरेश वनमाली सोलंकी ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकादन की तारीय थें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थानल द्वारा अभोहस्ताकरी वे पाद हा निवित्त में किए जा सर्वेते ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्यो का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

जन्तु चौ

णाँप नं ० 5, ग्राजण्ड क्लोर, 'जी' बिल्डिंग, मिसक बायटा नगर, छत्नपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2237/ 83-84 ग्रीर जो सक्षन प्राधिकारी, बम्बई द्वांरा दिनांक 10 श्रक्तवर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-6-1984

मोहर 🕉

म्**यम् वाद**्रे**टो , एद् , एद्** , जनन्यतम्यत्वनकः

बाब्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ए (1) के सभीत धूचना

शारत वरका

कार्यालय, सञ्चयक बायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई[®] बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेश सं० श्रई०-4/37 ईई०/2448/83-84---श्रतः मुझे, विजय रंजन

जावकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त जीभीनवम' महा गया ह"), की भारा 269-क के बभीन सक्त प्राविकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित् वाकार मृस्य 25,000/- रू. से जीभक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, बी० विंग, पहली मंजिल, सुमेर नगर, एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के का यालिय में रजिस्ट्री है तारीख 11 श्रक्तुबर, 1983

को ब्वॉक्त सम्बद्धित के जीवत बाबार मृत्य से कन के क्यमान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है जीर मुफ्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वधाव्योंक्त सम्बद्धित का जीवत बाबार प्रत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नक प्रतिकात जीवक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्त-रिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे जन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिफल निम्नतिबित उद्विष्य से उक्त बन्तरण किवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अस्तरण सं हुई किती भाव काँ कावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वाजित्य में कभी करने या उसने वचने में सुनिया के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के नगुसरण में, में, उन्त बॉबिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मध्य, निम्निलिक्त व्यक्तित्वों, नर्वात् ६(1) श्रीगोविन्द भाई के० मालवी और श्रीवल्लभ भाई पोसा भाई मालवी।

(भन्तरक)

(2) श्री सेवन्ती लाल बाबू लाल शाह श्रीर तीन दूसरे।

(अन्तरिती)

को सह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्बन के लिए कार्ववाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के क्यान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सानींच से 30 दिन की अवधि, यो भी नवींच नाद में सजाप्त होती हो, से भीतर प्रोंक्त स्थानस्यों में से किसी व्यक्ति त्यारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी सन्य व्यक्ति क्वारा अभोहत्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकरेंगे।

रमकाकिरण:--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को समस अधिकियम, के सभ्याप 20-क में परिकाषित है, वहीं अर्थ शोगा, को उस अध्याम में दिवा क्या है।

करतनी

पलैट नं० 103, बी० विगपहली मंजिल, सुमेर नगर, एस० वी० रोड, बोरीयली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० मई०-4/37 ईई०/2448/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 अक्तुबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर खायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीच : 14-6-1984

मोहरु 🖫

प्रक्ष बाई. दी. एन. एस. ह - - ---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रजन रंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जुन 1984

निर्देश मं० श्रई०--4/37 ईई०/2413/83-84--श्रतः मुझे, विजय रंजन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स् के अधीन स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं णाप नं 3, ग्राउण्ड फ्लोर, नित्यानन्द श्रपार्ट— मेंट्स, एस वी रोड, बोरीवली (पश्चिम), वस्बई—92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 , ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्वई के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं तारीख 14 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का अलित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिलिखत उद्देश्य से उसते अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त प्रियासिय के अभीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के निष्ध और/य।
- (त) एंगी कियी कार या किसी जन या अन्य अन्ति को को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने के मृविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निचित्त व्यक्तिग्यों, अर्थात् :---22---156 GI 84 (1) मैं । एग । ने व सिम्हर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमनस्य लाल मेर জী গাই শু**हासभा** । (ঘলপিয়া)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पन्ति के कर्जन के लिए कार्यपाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा.
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहन्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ~-इसमे प्रश्नुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

णाप मं० 3, ग्राडण्ड फ्लोर, नित्यानन्द अपार्टमेंट्स. एस० बी०रोड, बोरीवली (पण्चिम), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-4/37 ईई०/2413/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 श्रक्तूबर. 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रंज-4, बस्बई

तारीख: 15-6-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० ग्रई०-4/37 ईई०/2287/83-84--ग्रत:

मुझे, विजय रंजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- फ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101-ए, नन्द धाम, पहली मंजिल, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), ब्म्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 29 ग्रक्तूबर, 1983

का पूर्वीवन सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्वत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी **आय की बाबत. उक्त** अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचनं में मांबधा के लिए; और या
- (स) गुंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) त के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधा के लिए;

- (1) मैं के विश्व एण्ड कम्पनी प्राव् लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) श्री शैलेश डी० कुरानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

ज्वन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मो ब्राक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 4/5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी - अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शृद्धों और पदी का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं 101-ए, नन्द धाम, पहली मंजिल, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि कम सं० ग्रई०-4/37 ईई०/2287/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख: 15-7-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस्.-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्त्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० श्रई०-4/37 ईई०/2235/83-84---- श्रतः मुक्षे, विजय रंजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें मुसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी संव मर्वे नंव 10, हिस्सा नंव 5 बी, सीव टीव एसव नंव 38, विलेज मण्डेपेश्वर, तालुका बोरीवली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावक्ष अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है, और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षित्यम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य, जसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वामत उक्त जिमिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में किसी करने या उससे वचने में सृविभा से निक्क और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय किय-कर ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पुल्ट नहीं किया पंता था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः जयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधित् :----

- (1) श्रीमती कुलसूमवाई श्रम्बास भाई डाक्टर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री हेमेन्द्र रतीलाल मेहता ग्रीर श्रीमती मिनाक्षी हेमेन्द्र मेहता।

रिती) •

(3) अन्तरिसियों

(बहुव्यक्ति, जिसके ग्रिथि-भोग में सम्पत्ति है)

- 1. मिनाक्षी हेमेन्द्र महता
- 2. श्री निकुल एच० मेहता
- 3. श्रीभावेश हेमेन्द्र मेहता
- भावना एच० मेहता ।
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर जक्त स्थावर सम्परित् में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकता अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं 10, हिस्सा नं 5 बी, सी टी ० एस० नं 38, विक्षेज मण्डेपेश्यर, तालुका बोरीवली में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कंम सं० श्रई०-4/37 ईई०/2235/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11-6-1984

मोहर् 🖈

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. ------

भायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीत स्वना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज⊸4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 जून 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 111-बी, नंदधाम पहली मंजिल. एल०टी०रोड, बोरीबली (पश्चिम). बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उनाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधितियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 14 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ख्यमान प्रतिफल सो, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिब्त उद्देश्य से उदत अन्तरण लिम्बित में नास्कित रूप से किया गया है : --

- (क) अक्तरण सं शुर्क किसी आय की मलता, जका अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ं दायित्व में कभी करने मा उससे अपने में मृतिक। के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी आय या किसी अन या अन्य नास्तिय। की जिन्ही भारतीय जायकार जिन्ही सारतीय जायकार जिन्ही सारतीय जायकार जिन्ही स्वाप्त स्व (1922 का 11) या उन्ति अभिनियम, या अनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ही प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जभीत, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अवित :-- ्(1) मै० के० पटेल एण्ड कम्पनी प्रा०लिमिटेड।

(अन्सरक)

(2) श्रीमर्ता ज्योत्सना चिमणलाल । गांधी श्रीर श्री राजेन्द्र कुमारमी० गांधी ।

(अन्तरिती)

कां यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध तिस्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

सम्मुजी

प्लीट न० 111-बी, नन्द धाम, पहली मिजिल, एल० टी० रोड. बोरीवली (पिष्टिम), बम्बई-92 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि कम सं० ऋई०-4/37 ईई०/2419/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 14 अक्तूबर, 1983 को रिजम्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेज—4, बस्बई

नारोख : 11-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निदंश स० ग्रई०-4/37ईई०/2236/83-84--ग्रतः मुझे, विजय रंजन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका स० फ्लैट नं० ए/इ, दूसरी मंजिल, साई बाबा धाम श्राफ एस० व्हि०रोड. बोरीक्ली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रार इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिन्यम, 1961 का धारा 269 व ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 14 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात गया पीनपान, जिम्मितियोंना जब्दाद्या से उन्तर अनारण निचास में भासतिक रूप सं किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहूर किसी नाय की नाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगुप्तरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मै० ग्रमण इन्टरनेशनल।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीयशयन्त चन्द्रलाल श्रीमासकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपध में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया कै।

अन्स्ची

फ्लैट नं∘ ए√5, दूसरी मंजिल, साई बाबा धाम, आफ़ एस॰ व्हि॰ रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि अम सं० आई०-4/37 ईई०/2236/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनौंक 14-10-1683 को रजिस्टर्र किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-6-1984

भोष्ठर 🥲

प्ररूप आइ. दी . एन . एस . ------

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहास्क नायकार नायुक्त (जिर्दीक्ष्)

रेंज~ 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 जून 1984

निर्वेश सं० ग्रई-4/37ईई/83/84--अतः मुझे, विजय रंजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, साई स्मूर्ति कस्तूरी पार्क सिम्पली रोड, बोरीवली (पिंचम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 4 श्रवतुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के भन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नैलिखत में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कल अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जान, चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जल: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए के, जम्सरण में बैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात : (1) मैं० सेकरूपर कन्स्ट्रवणनः।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीजी० एल० कामधा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

फ्लैट नं ० 301, साई स्मूर्ति, कस्तूरी पार्क, सिमपोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

जैसा कि कम सं० म्रई०-4/37ईई०/2274/83-84 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 16-6-1984

भोहर :

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस्.~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेज-4, बम्बई

बम्बर्स, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० म्राई०-4/37 ईई०/2253/83-84---- प्रतः मझे, विजय रंजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसको सं ० पर्लैट तं ० एफ/11, साई बाबा धाम, बोरोवली, (पिष्टिम), वम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उनावड अनुसूर्वा में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारो, वस्वई के कार्यालयमें रिजिस्ट्रों है तारोख 1 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंड़ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिख्य में अभी करने या उसमें बचने में मूणिया की लिए करेंग्या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण बैं, बैं: उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती उमाभ द्रेश भावेरी।

(ग्रनारक)

(2) श्री धवीण भूमार ण्यामृभाई चोक्तमो ।

(ग्रन्त{रती),

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगी।

स्पब्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गरा हो।

अनुसुची

पलैट नं० एफ/11, साई बाबा धाम, बोरोबलो (पि) बम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई० 4/37 ईई०/2253/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 अक्तूबर, 1983 को रिजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बस्सर्ड

तारीख: 15-6-1984

प्रकण बाद', थी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

सिदेश सं० श्राई०-4/37 जी०/21/83-84--श्रत. मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं बेग्नांरंग नं श्रारं -4835 (1/ए), 331, सी विशेष एस 1959 श्रौर 1960 विशेष एक्सार, बोरीवली, (ग्राउण्ड फ्लोर), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 28 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्स स्म्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी शाय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिष्धा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) भी भाषगी नामजी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीखोतसी भिमशी।

(गान(ग्नी)

(3) श्री खतनी भिमक्षी।

(यह व्यक्ति, जिसके स्रक्षिणोग में सम्यत्ति है)

(4) मानणी भिमक्षी।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसब**त** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

इक्त सम्मित्त के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे:

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

मन्सूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संव बॉम/2015/1971 और जो उप रिजस्ट्रार, बस्बई ब्रांस दिनांक 28 श्रक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजया रंजन सक्षम अधिकारी सहायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) क्रार्जन रेंज-4, बम्बर्ट

तारीख : 15-6-1984

मोहर 🕄

. - -----

प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० श्राई०-4/37 ईई0/83-84/2396—श्रतः मक्ष, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 11, बैंक श्राफ बड़ौदा इम्पलाइज मुभ बंदनवन को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं० 14, श्रोधय नगर, बोरीवली (पूर्वी) बम्बई, –66 में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा रिजस्टी है नारीख 14 अक्तूबर, 1983

को पूर्वीवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गंभापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, अक्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्त व्यक्तियों, अधीत् :—— 23—156 GJ/84 (1) श्री महा बलेश्वर कृष्णा भट्ट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथ गणपत देसाई।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्भ किसी बन्य व्यक्ति व्नारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्थब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, बैंक श्राफ वड़ौदा इम्लाइज शुभ बंदनवन को०-श्रापरेटिव हाऊर्सिंग सोसाँइटी लिमिटेड, प्लाट नं० 14, श्रीधव नगर, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसािक क्रम सं० श्राई०-4/37 ईई०/2396/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-6-1984

प्रस्य बाइं् टी्ा एवं ा एवं ा =======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

RICO SECOL

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2326/83-84-ग्रतः मुझे, विजय रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सें० फ्लेट नं० 5-ए, पांचवीं मंजिल, "ग्रक्षय ग्रपार्टमेंट" विलिंडग, दिहसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) बीर बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्मिशियन उद्देश्य से उच्न बंतरण सिचित में पास्तिक क्या से किंग्ल नहीं किंदा प्या है ड—

- कि) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत सक्त किय-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कियी करने या उससी वचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिमें की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

(1) श्री गुरु स्नाशिश कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीचनां कुमार धानोकी।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रीओम प्रकाश प्रदाणया की-ऑप॰ हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के</u> लिए कार्यवाहिया शुरू करता ह*ूं*।

उक्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लोट नं० 5-ए, पांचवीं मंजिल, "ग्रक्षय ग्रपार्टमेंट" विल्डिंग, दहिसर में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं श्रम्हि ० – 3/37 ईई ० / 2326/83 – 84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1 श्रक्तुबर, 1983 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षमः प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आईं, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीक स्चना

भारत सरकाँद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2328/83-84--ग्रतः मुझे, विजय रंजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् धाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० ई/2, ग्राउण्ड फ्लोर, साई बाबा धाम श्राफ एस० वी० रोड, बोरीवली (पिष्ट्यम), बम्बई—92 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से वींणत है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 के खें श्रेशिन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7 श्रक्तुबर, 1983

को पूर्विकत स्थानि के लिख का की स्थामन प्रतिफल के लिए कार्वित की गई है और मुझे यह चिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल तो, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्स बिनियम के अर्थन कर दोने के अंतरक के विभिन्न में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1:22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीर, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक (1) मै० भ्रष्ण इन्टरने शनल।

(अन्तरक)

(2) श्रीके० एल० मोरा।

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्षण 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी वृष्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बुन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पार, लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

अनुस्ची

पलैट नं० ई/2, ग्राउण्ड पत्रोर, साहिशशा धाम ऑफ एस० बी० रोड, बोरोवली (पश्चिम), वश्वई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-1/37 ईई०/2328/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई हारा दिनोक 7 श्रन्तुबर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सजम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रापुनत (निरीक्षण) श्रुपन रेंज-4, वस्बई

तारीख : 15-6-1984

मोहर 🛭

प्रकृष आइं् टी. एन्. एस्. -=-=----

कांयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अब (1) के अधीन सूचना

भारत सर्द्रकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई दिनांक 15 जन 1984

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2403/83-84---ग्रतः मुझे, विजय रंजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व• से प्रधिक है

ष्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-3, ग्राउण्ड फ्लोर, मोदी नगर, मथुरा दास रोड, कांदिवली (पिष्टिम), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गर्व हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रशिश्वाल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तप पाया गया प्रति-फल, शिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भा या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, विश्व अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-धारा (1) को अधीर क्रिम्मिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ध—ः (1) श्री शांति लाल अमरीत लाल मोदी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री णांति लाल मणि लाल णाह् ग्रीर

श्री मैलेश कुमार शांति लाल शाह।

(श्रन्तरिती) ्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरमम्बन्धी व्यक्ति । पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इस्ता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीनर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरूनाक्षरी के पांस
 निव्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण;---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रितियम के प्रध्याय 20-कर्में परिसायित हैं बही प्रथें होगा, जो उस श्रष्टपाय में दिया ग्राः है।

अनुसुधी

फ्लैट नं० ए-3, ग्राउण्ड फ्लोर, मोदी नगर, मथुरादास रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम स० श्राई०-4/37 ईई०/2403/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 अक्तूबर, 1983 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रजन राक्षम प्राधिकारः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

ता**रीखा** : 15—6—1984

मोहर 🤄

प्ररूप बाहा. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर कायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेण मं० ग्राई -- 4/37 ईई ०/2280/83--84--- ग्रत: मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं ज पलैट नं जिं 104, पहली मंजिल, चिखल अपार्टमेंट, 'बी' विंग, एल जी जोरी क्ली (पिचम), बम्बई—92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पुर्ण खप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सज्ञम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2 ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य, आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया स्विता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों । अभित् ध

(1) श्रीमतो रेख पोवर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीरमेणचन्द्र चिमण लाल गहा।

ू (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कार्यः व्यापने प्रशिक्षा सम्मत्ति के वर्षन् के निप् कार्यवाहियां कारता हुएँ ?

उपर सम्पत्ति के शर्मन के लाग मा कां**पर जाक्षेप:**~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 शिन की अविधि से तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित व्यक्तिताया से से लिए हैं कि दिना द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिंधित में किए जा सर्कणी।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यो

फ्लैंट न 104, घटनी सीजन, चिखल अपार्टमेंट, 'बी' विग, एत० टी० गोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अस साम्आई०-4/377 **ईई०/2280/** 83-84 श्रीर जो सक्षम आधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 2 श्रक्तूबर, 1983 को जीवन्द्रई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज⊶4, बम्बई

तारीख: 14-6-1984

प्ररूप आई. टॉ. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बान्दई बम्बई,दिनांश 15 जून 1984

निदेश सं० आई०-4,37 ईई०/2418/83-84--अतः मझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. हो विधिक है

और जिसेकी सं० पते जं० 6-ए, तस्य श्राम, विल्डिंग, प्राउण्ड फ्लोर, एल० टो० रोज, वोरोजलो (एश्चिम), वस्बई-92 में स्थित है (और इससे जाबद्ध अनुपूर्व में और पुर्ण रूप से विणत है), और जिसका असरनामा अस्ति असिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के असीन एक्स साविकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 असुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं ० के ० पटेल एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीताराचन्द एच० जोशी।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6-ए, नन्द धाम बिल्डिंग, ग्राण्उड फ्लोर, एल० टी० रोड, बोरीवर्ला (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०4/377ईई०/2418/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 15-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप ः बार्ड ः दी ः एन ः एस ः -----

बायकर ब्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जुन 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/2399/83-84--अतः मुझे, विजय रंजन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उबत् विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से विधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 207, दूसरी मंजिल, 'गिरनार अपार्टमेंट आफ मंडपेश्वर रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई—92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 7 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती प्रतिनावेन जीतू भाई पटेल।

(अन्तरक)

(2) श्री ठाकोर दास प्राण जी . दास मेहता और श्रीमर्ता मिनाक्षी ठाकोरदास मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं :

उक्त सम्पत्ति के राजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की लड़िश या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजणन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उन्दर्भ स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा ही।

अनुसूची

प्लैट नं॰ 207, दूसरा मंजिल, 'गिरतार अपार्टमेंट' आफ मन्डेपेश्वर रोड, वोरीवर्ला (पश्चिरा), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई०/2399/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिलारी, वस्बई द्वारा दिनांक 7 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया ग्राही।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 13-6-1984

प्रस्थ बार्ड. टी. एन. एस. ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-६ (१) के ब्दी (सुक्त

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1984

निदेश सं० अई० -4/37 ईई०/2371/83-84--अतः

मझे, विजय रंजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 11, पहली मंजिल, "उडी दर्शन" बिल्डिंग सीठ टीठ एस० नं 100, सर्वे नं 96, एव० नं 3, मालाड, एम० वी/० रोड, अंदिली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (और इमके उपाबद बन्सूचे। में और पूर्ण रूप से वर्णित है); और जिस्ता करारनामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के अधिक सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24 अक्तूबर, 1984

को प्रवासित संपत्ति को उचित बाजार अन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्श है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्कें अस संपत्ति का एजिस ताजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (तन्त गण्यों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नसिखित उद्योग्यों से उन्ता अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुए किसी साथ की बायत, उसत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे वचने भें सविवाके सिए; और/या
- 📺) एसी किसी दाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, _1957 (1957 का27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा फोलिए;

बतः वब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के **बन्सर**ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 📷 अभीर निम्त्रिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् 🏗--

(1) मै० युनाइटेड बिल्डर्ग।

(अन्तरकः)

(2) श्राप्रवीण चन्द्र देवजं: सागर श्रीभारती प्रवीणचन्द्र सागर।

(अन्तिरितीः)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस 45 विन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियां सूचनाकी तामीन, से 30 दिन की अवधि, जो भी अनुधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित् में किए वा स्केंगे ।

<u> स्यब्दीकरुण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों</u> का, जी उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा 🖁 🕽

अनुसची

अनुसूचो जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

सारीख: 15-6-1984

माहुद्ध 🛭

प्रक्रम बार्धः टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई,धिनांक 12 जून 1984

मुझे, विजय रंजन

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव एसव नंव 231, (पार्ट), सीव एसव नंव राम मन्दिर रोड, बाभ ई, बोरीवली (पिष्मि), बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय, में रजिस्ट्री है तारीख 29 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उपित बाकार सूक्य से कम के कायमान प्रतिफल को निए बन्दरित की गई है और मुम्ने वह विद्यास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए;
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया धाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा की सिए:

जतः अव उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण. में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थाह्:----24---156 GI/84 (1) श्रीविनाधस गोविन्द नेने और श्रीमती सुधा विनासक नेने । (अन्तरक)

(2) मैं० ओम लक्ष्मी गोधिन्द को० आपरेटिष हाऊसिंग सोक्षाइटी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्थशिष्टर्श करना हा।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी
 विधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीय है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा, अभोहत्ताक्षरी के पास निवित में किए वा स्केंगे।

स्थळीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वाहै।

नन्त्यी

एतः नं 23/1, (पार्ट), सी० एस० नं 333 र्बः, एक्सार विलेज, टी० पी० एस० प्लाट नं 237, राम मन्दिर रोड, बाभई बोरीवर्ली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूर्च। जैमानि कम सं० अई०-4/37 ईई०/2409/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्रधिकाणी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 22-6-1984

प्रकृप बाहु . टी . एन . एस . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1983

निदेश ⊾सं० म्रई०-4/37 ईई०/2304/83-84—म्रतः मुझे, विजय रंजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 33, तीसरी मंजिल, ग्राफ सी-4, मानेक नगर, चन्दावरकर रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 22 ग्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिपत्न को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वासक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पद्ग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बाम्निविक एप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण में हाई किसी आय की टावत, उदन अधिनियम के प्रवीन कार, दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौर/ण
- (क) एसी किंसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिको द्वारा प्रकट नहीं कियो गया थन या किया जाना चाहिए था, ल्यान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नर्लिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती कमलेश टी० जैन।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीग्रम्बालाल एस० पटेल।
- (ग्रन्तरिती)
- (3) मै० माणेक एण्ड एसोसिएट्स।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) मैं० माणे ः एण्ड एसोसिएट्स । (वह व्यक्तिं, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्ची

पलैंट नं० 33, तीसरी मंजिल, म्राफ सी-4, माणेक नगर, चन्दावरकर रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसािक क्रम सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2304/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 ग्रक्तूबर, 1983 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-6-1984

प्ररूप आहाँ. टी., एन , एस . ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2238/83-84--- ग्रत: मुझे, विजय रंजन

मायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,(100/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० शाप नं० ए-63 ए-64/3, छ्वपित शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, सक्षम श्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 22 श्रक्तूबर, 1983

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मक्षा अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीत निम्नलिमित व्यक्तिकों, अर्धात :--- (1) स्पेस बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हेमेन्द्र पी० मजीठिया।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्शि के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

णाप नं० ए-63 ए-64/3, छन्नपति शिवाजी मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसािक क्रम सं० ग्राई०-4/37 ईई०/2238/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 22 श्रम्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायकआयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 13-6-1984

प्ररूप बाहै, टी. एत. एक.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1984

निदेश स० भाई०~4/37 ईई०/2220/83~84—भातः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"),, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० विलेज कांदिवली सी०टी० एस० न० 1065, मेडरीन स्ट्रीट, एम० के० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7 श्रक्त्वर, 1983

की प्वींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिरों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीविखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा की लिए;

कतः अव, अवत विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीम, निक्निसित व्यक्तियों, अधीत (1) मैं० गिरीराज कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शणिकात काक्भाई ठक्कर ग्रौर श्रीमती जर्मिला शणिकात ठक्कर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां कारता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उब्देत स्थावर सम्पत्ति मों हित नद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ह पास लिखित मा किस जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुवत शब्दों आर पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

विलेज कांदिवली, सी० टी० एस० न० 1065, मेडरीन स्ट्रीट, एम० के० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम स० श्राई०-4/37 ईई०/2220/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बम्बई

तारीख : 12-6-1984

मोहरः

प्ररूप भार्ड, दी. एत. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भ्रजन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निदेश स० श्राई०-4/37 ईई०/2415/83-84—श्रतः मुक्ते, विजय रजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने में कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

.ौर जिसकी स० शाप नर्ज ए-1 ए-2/9, छत्रपति शिवाजी मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा भायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2 ग्रक्तु बर 1983

को। पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में केस्तिविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- े(क) जन्तरण से ड्रंड किसी जाय की बाबल उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) पूरित किसी बाब या किसी धन वा बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती व्चारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अम उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) मैं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

(1) मै० स्पेस बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीजॉन सनी डिसाजा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पृथींक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण ह----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, ओ उत्तर विधिनयम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष द्वीगा जो उस वध्याय में दिवस नवा हैं।

जन्सची

शाप न० ए-1, ए-2/9, छन्नपति शिवाजी मार्ग, दहिसर पूर्व, बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम स० श्राई०-4/37 ईई०/2415/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 श्रक्तुबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ं विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13--6-1984

प्ररूप मार्च, दी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

भावीलय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, अम्बई अम्बई, दिनांक 13 जून 1984

निवेण सं० आई०-4/37 ईई०/ 2318/83-84--अतः मुझे, थिजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से बिधक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, 'डी' विग, विहुलेज एक्सेए, ताल्का माडरीन स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदिवली (पिण्चम), बम्बई -67 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूर्वा में ओर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कररारनामा आयकार अधिनयम, 1961 की धारा 269 का ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 11 अंक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित यात्रार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अक उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मै॰ गिरीराज अन्स्ट्रमणन कारपोरेशन। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शांताबीन के० दोशी और श्रीविजयके० दोशी।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 विन की अवधि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो का अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासुर लिखित में किए जा सकनें।

स्पत्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उज़ित्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

नन्सची

फ्लैट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, 'डी' विग, व्हिलेज/ एक्सार, तालूका माडरीन स्ट्रीट एम० जी० रोड, कांविवली /(पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईहिं0/2318/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 अक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजिधे रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रैज-^{IV}, बस्बर्ष

सारीखा: 13-6-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत श्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 13 जुन 1984

निदेण सं० अई०-4/37 ईई०/2432/83-84--अत: ुझे, ब्रिजय रंजन

.....र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ...। हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित गाजार मून्य .5,000/- रु. से अधिक ही

गौर जिसेकी सं० फ्लैट नं० 401 पी, नरद धाम, चौषा मंजिल एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिलत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2 39 के ख के अधीन समम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 14 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिप्रकृत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके ध्रममान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पहुंह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया याया प्रतिफल, निम्निलियन उच्चेश्य में उक्त अन्तरण निस्तियों में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की क्षाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व पर्वे कमी अरने या उससे बचने में सृतिधा के ित्तए; अकर/या
- (ख) रिसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने भें सुजिभा के निए;

/ अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण /रॅं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) रंके अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) मै० के० पटेल एण्ड हम्पनः प्रा०लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) श्री हरोणचन्द्र गुलणंक्षर भट्ट । अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के निक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में रो किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबस्थ किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्हों और वहाँ का, जो उक्क किंपिनयम, के कथ्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है.

मन् सूची

फ्लैंट नं० 401-बंद, नन्द धाम, चोर्था मंजिल, एल० टी०ं रोड, कोरीवर्ला (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूर्न। जैसानि क्रम सं० आई०-4,37 ईई०,243 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्धई द्वार। दिनांक 14 अक्तूबर, 1983 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

तारीख: 13-6-1984

प्रकप नाइ.टी. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 12 जुन 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/2221/83-84--अतः मुझे, निजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका सं० पसैट न० 202, षूसरी मंजिल, बनिता निकेतन, एल० टा० रोड, डायमण्ड टाकिज के सामने, बोरावर्षा बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से बणिमे हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 7 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान के प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विका क्य में कथित नहीं किया गया है है—

- (क्ष्म्) बन्तरण से हुइ किसी आब की बाबत, उक्त अधि-निकास के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कारि करने या उससे इयाने में सुविधा के लिए. कार का
- (क) एगी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना थाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए;

बतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रथीत्:---- (1) मैं० असुल बिल्डर्स।

(अन्तरकः)

(2) श्री हारा नान उदय राज मेहता और श्री रताक्षेत्र हीरा नान मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मिति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से : विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूरे.. की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (थ) इस स्थाना के राषपत्र में प्रकाशन की तारोब : 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिता-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नशेहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होंगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पत्रैट नं० 202, दूपरा मंजिल, बिनमा निकेतनं, एल०टी० रोड, डायमण्ड मिनेना के सामने, बोरीखर्ला (फिन्मि), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/2221/ 83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 7 अक्तूबर, 1983 को रिजस्टर्ड थिया गया है।

> विजय रिजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बर्ध

नारीख : 12-6-1984

प्ररूप बाइंटी. एन. एस्.-----

आयकर अधिर्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—III, बम्बई . वम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निवेश मं० अई०-3/37 ईई०/3416/83-84---अत: मुझे, ए० नहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, पहली मंजिल, अजित पार्क, सोमघार बाजार रोड, मालांड (पण्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपायदा अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कत्थित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, श्वाधनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्धरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गणीन, निम्नलिखित व्यक्तियों:---- (1) मैं० देशमुख बिल्डर्म प्रा० निमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीविजय भाउराम केणा ।

(अन्तरितः)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्णन के सबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागर;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन्सूची

ण्लैट नं 103, पहली मंजिल, अजीत पार्क, सोमबार वाजार रोड, मालाड (पण्चिम). बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं अई०3/37 ईई०/1510/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 3 अक्तूबर, 1983 को रिजस्टिं विध्यागया है।

ए० लहिरी सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

सारी ड : 14-6-1984

मोहर 🛭

श्रुक्ष्य बार्ड . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 13जूब 1984

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लंट नं० सी-12, दूसरी मंजिल, 'मरस्वती ग्रपार्टमेंट, लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट, तीसरी कस्तूरवा रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन मधाम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10 श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उवन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियरण में अधी करने या उससे अपने में मृजिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी साथ या किसी धन या अन्य आस्टिमों की जिन्हों भारतीय साथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्रावेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मों मुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मँ, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). अक्रिशीन निम्नति**खित व्यक्तियों, अर्थात**ः— (1) मै० रजनी कांत कन्स्ट्रक्शन्स । (लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीजितेन्द्र बाबू लाल त्रिवेदी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कूना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

फ्लैट नं० सी-12, दूसरी मंजिल, 'सरस्वती अपार्टमेंट्स' लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट, तीसरी कस्तूरबा रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-4/37 ॄईई०/2321/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा ॄदिनांक 10 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 13-6-1984

प्ररूप आर्ड्, टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं० ब्राई०-3/37 ईई०/3415/83~84—ग्रत: मुझे, ए० लहिरी

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उद्याद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० 401, चीथी मंजिल, श्रजीत पार्क सोमयार बाजार रोड, मालाड (पिण्चम), बम्बई—64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3 ग्रम्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त जिभिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी ाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

नतः नव, उनत् निभिनियमं की धारा 269-मं के अनुसूरण में, मैं, उनते अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मै० वेशम् ख बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० परेरा

(ग्रन्तरिती)

- (3) श्री अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री एल० ग्रार० नार्वेकर। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयूक्त कब्बों और पदों का, जो उन्त व्यक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 401, चौथी मंजिल, ग्रजीत पार्क, सोमबार वाजार रोडें, मालाङ (पिचिम), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कम सं० भ्राई०-3/36 ईई०/1509/ 83-84 थ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 श्रक्तूबर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–3, बम्बर्ध

तारी**ख** : 14-6-1984

मोहर ः

प्ररूप आह .टी. एन. एस. -----

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रैजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुन 1984

निदेश सं० प्राई०-4/37 ईई0/2355/83-84—प्रत: मुझे, विजय रंजन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० णाप न० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, "मुणिला ग्रपार्टमेंट्स" बिहारा नाका, बोरीवली (पिण्चम), बम्बई-92 स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर यूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11 श्रक्तूबर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्वय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धनाया अन्य अधिसयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए थीं, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः मंग उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के लब्दीन, निधनतिस्ति व्यक्तियों अधीतः :-- (1) मैं० जयपाली बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुतला एस० शेट्टी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण '---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप न० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, 'सुशीला ग्रपार्टमेंट्स', विझला नाका, बोरीवली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है। श्रनु ची जैसा कि कम सं० श्राई०-4/37 ईई०/2355/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 13-6-1984

प्रत्य प्राद्धी त्यो त्यून **स्**या . •−

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत रहसाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2410---यत:, मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधिण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 111-ए है, तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, अध्यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती गुल्ली बाई पांत्त श्री मंघाराम मलकानी, सिंधी कालोनी जोधपुर।

(अन्सरक) '

 श्री रमेण कुमार पुत्र श्री दौलत राम, 111-ए, सिंधी कालोनी, जोधपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरेंग।

स्यक्षिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिपनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

मकान सम्पत्ति का भाग स्थित प्लाट नं० 111-ए, सिधी कालोनी, जोधपुर जो उप पंजिक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3048 विनांक 19-10-83 पर पंजीबद्ध विकय पद्म में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जोधपुर

तारीख: 13 जून 1984

मोहर ः

प्रकृष आहें. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० राष्ण०/सहा० था अर्जन/2411—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

क्षायकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 111-ए है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अक्तूबर 1983

को पृषोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; औंदु/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— श्रीमती गुल्ली बाई पत्नी श्री मंघाराम मलकाना, सिधी कालोनी जोधपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती मोहिनी देवी परनी श्री दौलसराम, 111-ए, सिधी कालोनी, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मक्षान सम्पत्ति स्थित प्लाट नं० 111-ए, सिधी कालोनी, जोधपुर जो उप पंजियक जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3047 दिनांक 19-10-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवर-णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 13 जून, 1984

मोहर 🥲

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० राजा०/सहा० आ० अर्जन/2412--यतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पोरशन "ए" है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 अक्तूबर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कृष से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने पें सृविधा के लिए; और/या
- (क) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, रिज्हों कारतीय आसका अधिज्ञियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रणाजनार्थ अंतरिक्षी है।। पा अनुत करों किया धन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियमें, अर्थात् ::—

- श्री मुकनदास पुत्र श्री सुखदेव महेश्वरी मून्दड़ा, मूंदड़ों की गली, श्रोसवाल न्यानी नोहरे के पास, जोधपुर। (अन्तरक)
- श्री ण्याममुन्दर पुत्र श्री जवरी लाल जी द्वारा दुर्गा आर्टस कटला बाजार, अचल नाथ के मन्दिर के पास, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

पार्ट "ए" सम्यत्ति स्थितः कटला बाजार जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 3201 दिनांक 31-10-83 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृतः रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह् मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13 जून 1984

भोहर 🛚

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. - ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1984

श्रादेश संख्या राज॰/महा० श्रा० श्रर्जन/2413---- स्रत. मुझे मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पोरणन "बी" है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप्रेंसे विणत है) रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रशीन तारोख 31-10-1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात में अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :...

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) श्री मुकनदास पुत्र श्री सुखदेव महेशवरी मृत्दडा, मृन्दड़ी की गली श्रीसवाल न्याती नीहरा, जोधपुर (श्रन्यरक)
- (2) श्रो सनीहरलाल पुत्र श्रो जबरी लाल जी द्वारा दुर्गी श्रार्टम कटला बाजर, जोधपुर (श्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

पोरशन "बो", सम्पत्ति स्थित कटला बाजार, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 3102 दिनांक 31-10-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में धोर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज जयपुर

तारोख: 13-6-1984

बोहुदु 🛭

प्रस्प आईं. टी. एन. एस... ********

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज जयपुर

जयपुर दिनांक 14 जून 1984

ग्रादेण संख्या राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/2414—ग्रतः मुझे मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं मकान सम्पति है तथा जो जोधपुर में स्थित है. (ग्रौर इससे उबाबद ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जीधपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 31-10-1983

को पूर्वोतन सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कृप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट गढ़ी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अभीत निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 26—156 GI/84 (1) श्री गुकन्द जाल पुत्र श्री सूखदेव महेश्वरी मून्दडा, मून्दड़ों को गली, ओसबाल न्याती नोहरे के पास, जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जगद्दोश पुत्र श्रो जबरीलाल जी द्वारा दुर्गा श्रादेस, अचलनाथ मन्दिर के पास, जोधपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विख्त में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

कटला बाजार, जोधपुर में स्थित सम्यक्ति का सो भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा कम मंख्या 3203 दिनांक 31-10-1983 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह संक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 14 जून 1984

मोहर ः

प्ररूप<u>ः</u> वा**र्**ा ह<u>ि. एन्. एस्य = = = =</u>

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के संधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर

जयपुर दिनांक 13 जून 1981

ग्रादेण सं० राज/सहा/ ग्रा० ग्रर्जन/2415—ग्रतः मुक्ते; मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पीरणन "डी" है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उबावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्सा अधिकार के कार्यालय जोधपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-10-1983

का पृशांकत सम्पित के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उधित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम सिखित में धास्तिणक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अनिरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ारि/या
- (क्ष) एंकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों यहाँ, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1992 का 11) या उक्त अधिनियम, या शन-जर अधिनियम, या शन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना साहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अकत अधिनियम की धारा 269-व की अप्धारा (धाँ को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अधीत :--- (1) श्री मुकनदास पुत्र श्रो सुखदेव महेश्वरी मूकन्दडा, मून्दड़ों की गली फ्रोसवाल न्याती नोहरे के पपा, जोधपुर ।

(धन्तरक)

(2) श्री जयनारायण पुत्र श्री जयरीलाल जी द्वारा दुर्गा भार्टेस कटला बाजार भचलानाथ मंदिर के पास जोधपुर ।

(अन्सरिती)

को यह स्थान जारी कृद्रके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां कृद्रता हुन्।

चनत् सम्पृत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिं। जब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए आ सकोंगे।

स्प्रतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनसे अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

नन्स्ची

कटला वाजार, जोघपुर में स्थित सम्पत्ति का भाग जो उप पंजियक, जोघपुर द्वारा कम संख्या 3204 दिनांक 31-10-83 पर पंजिबद्ध विकय पदा में ग्रीर विस्तुत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज; जयपुर।

तारीख: 13-6-84.

मोह्द 🛎

त्ररूप आहें, टी ; एम ; **एस** ; हरकान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज , जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2416—अतः मुर्के मोहन सिंह,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अकान का भाग है तथा जो ओधपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अक्तूबर 1983

को पूर्वित सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मांगीलाल पुत्र श्री सम्पतराज ग्रोसवाल खापटा के पास, कपड़ा बाजार मार्ग पर, मोतीचौक; जोधपूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उपराव कंवर परिनश्री सम्पतराज श्रोसवाल खांपटा के पास कपड़ा बाजार मार्गपर, मौती पौक, जोधपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई [1]

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हि--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्थलकीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं की, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जा उस अध्याय मी दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित खालक के तका, मानी वाक मोजपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारी कम संबंध 2002 दिलाए 6 अक्तूबर, 1983 पर पंजिबद्ध विकास पत्र में और विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> में हिन सिह् ्राम पाधि परी **सहायक अ**ध्यक्त अध्यक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज, अथनुर

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🏻

प्ररूप नाइ, टी. एन. एस.,-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 14 जून, 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० द्या अर्जन/2417---अतः मुझे मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं का मान है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अक्तूबर 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) गौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय श्वा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आव की बाबत, सक्त अधिनियम व अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में धभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः कवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— श्री मांगीलाल पुत्र श्री सम्पतराज स्रोसवाल खापटा के पास, कपड़ा बाजार के मार्ग पर, मौती चौक, जोधपूर।

(अन्तरक)

 श्री सम्पताराज ग्रोसवाल पुत्र खेमचन्द ग्रोसवाल, खापटा के पास कपड़ा बाजार मार्ग पर, मोती चौक, जोधपुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्रायवाहियां शुरू करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिश, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स महिनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस वध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित खापटा के पास, मौती चौक, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर क्वारा ऋम संख्या 2993 दिनांक 6-10-1983 पर पंजिबज्ज विऋग पत्न में और विस्तृत रूप से विवरीपत है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहामक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 14-6-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ाय 269-म (1) के कभीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपूर, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/ 2418—अतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया \mathbf{g}^2), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण \mathbf{g}^2 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक \mathbf{g}^2

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० सी०-60 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 अक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के रांचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उमके उद्यान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रोत्तवान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिल्ली सिक्त उद्देश्य स उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कांधत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री अन्युल हर्फाज पुत्र श्री रहमतुल्ला, प्लाट नं० 9 मीरजी का बाग, मंसारचन्द रोड, जयपुर । (अन्सरक)
- 2. श्री दिनेश वैद्य पुत्र जी दाऊलाल निवासी 173 रामबागरोड, जयपुर।

(अन्तरिती)

भा यह सुमना बारी करके पृथा मत सम्मित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को उज्जयन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अविध, में भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में अकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर एकन स्थावर सम्मित्त में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधाहस्ताक्षरी के पास विकास सारी के पास किसी का मार्थ के से म

स्पष्टीकरण: ---इस में प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उमत लिशिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या मया हैं।

मन्स्ची

प्लाट नं॰ सी०-60, रामनगर, नाहरी का नाका, जयपुर जो उप पंजियक, जपपुर द्वारा क्रम संख्या 2506 दिनांक 31-10-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृप्त रूप से विवरणित है।

> मो**हैंन सिंह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आमदार आयुक्त (निरीक्षण) क्षजंन रेंज, ज**गपुर**

सारीखः 14-6-1984

मोहरः।

श्ररूप आईं. टा. एन. एस. - - - ----

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, जरापुर

जयपुर, दिनाक 14 भून 1984

निर्देश सं० राज०/यहा० आ० अर्गन/2419—अतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर विधिनियम, 361 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उयत अधिनयम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अभीन सथार पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुक से कि कि हैं

ष्मौर जिसकी सं० प्या : नं० डी०-27 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इसे: ज्यात्रख अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए बन्तरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिकार संग्रीति व्यवस्था अतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तर्ण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहों किया गया है :——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की वावत, उक्स बाधिनियम के अधीन कर दीन की अन्तरक के बाधित्व' में कमी करमें या उससे बचनें में सृविधा के लिए बार/या
- (क) एसी किसा अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः बव, उवत अधिनियम की थारा 269-म के अन्सरण को, की, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्रिक्ट श्री अशोक कुमार पुत्र श्री सूवालाल यादव निवासी बी०-17, बनीपार्क, जयपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजदेवी पत्नी हरी बल्लभ डंगायच एवं श्रीमती गीता देवी पत्नि श्री जुगलिकशोर डंगायच निवासी ई-112, अम्बाबाड़ी जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वशिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा मधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

mark A

प्लाट नं० डी०-27, अम्बा वाड़ी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2354 दिनांक 19-10-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज,जयपुर

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ , टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

ब्राउत बरकाह

कार्याक्षयः, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर, दिनोक 13 जून, 1984

निर्देश सं० राज्य०/सहा० आ० अर्जन/2420——अतः मुझें, मोहन सिंह

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्थे इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गृह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह, से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिएल के लिए अंतरित की नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे क्न्त्रण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निसिंखत उव्वेष्यों से उक्त अन्तरण जिस्तित में वास्तिक्क क्य से काँगत नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कह दाने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के निए; और/बा
- (च) एसे किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिर्हः

अतः अवः, उत्तर अधिनियम की भारा 269-म के अमुसरण को, मी, गक्षत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६—

1. श्री मिलाए चन्द सोंनाची चिवासी मोती सिंह भोमियों या राज्या, ५४७ दरवाजा, जयपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री गोषाता लाज एस्स् एत श्री दन्द कुमार शर्मा बहैनियन सचिव, नैशनल कोआपरेटिव हाउसिंग लि०, एल०-185 प्रेम नगर झाटवाड़ा , जयपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रशिक्ष सुम्पति के वर्णन के सिए कार्यवाही शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध जाद के रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवर में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--- ार्य अपन्य गायाँ बीर पर्यो का, जो उक्त बिधियात अस्तिमात 20-क में परिभाषित ह^{र्}, नाम वर्ध होता को उस अध्याय में दिसा ग्या है।

वनुसूची

भूमि स्थित, मदराम पुरा अजमेर रोड़, जग्न र जो उप पंजियक जयपुर ज्ञारा कम संख्या 2339 दिनांक 6-10-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🛭

त्ररूप आधे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधन सचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आरावत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जययर, दिनांक 13 जुन 1984

निर्देश सं० राजः/सहा० स्रा० प्रर्जन/2421—यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सी-16 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजम्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 श्रक्तूबर 1983

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या फिसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय अगासर राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या रख्या अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बार्गिरिय करा प्राप्त करी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 था निर्मल कुमार (एच) यू० एफ०) ार्ना, मकात ने० 1344, प्राधा भवन, प्रजा घर का रास्ता मोदोखाना जयपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री चम्पालाल जी, सी०-16, नई भ्रनाजमंडी , चान्दपोल गेट, जयपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० सी०-16, नई भ्रानाज मंडी, घान्दपोल बाहर, जयपुर के सेकिन्ड फ्लोर पर स्थित मकानात जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2316 दिनांक 5-10-83 पर पंजिकेद्ध विक्रय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🖫

भृस्पृ बाद[‡]् टी. एन. एस., ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ ८१) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यांलय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 14 जून, 1984

निर्देण सं० राज०/सा० ध्रा० श्रर्जन/2422—श्रतः मुझे मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० सी०-16 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रष्टीन, तारीख 5 श्रक्तुबर 1983

को पूर्वी वस संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वी कस संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रविश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृद्धित के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :——
27—156 GI/84

1. श्रमोलक चन्द्र पुत्र श्री मूलचन्द वश्री मुकेश कुमार पुत्र श्री मूलचन्द जैन निवासी, 2114, झालानियों का रास्ता, तोपखानादेश, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री नानूराम जैठमल कास्सट, ए-19, मध्वन कालोनीः टौंक रोड़, जयपूर्।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स्तु स्म्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्धें और पर्यों का, जो खब्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं सी०-16 का फस्ट फ्लोर, नई ग्रनाज मंडी, जान्दपोल बाहर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2315 दिनांक 5 ग्रस्तूबर, 1983 पर पंजिबद्ध धिक्रय पक्ष में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह स्थाम प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निर्रक्षण) स्रजैन रेज, अयपुर

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🕹

प्रारूप अरह⁴.टी.एव.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आग्रक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून, 1984

निर्देश मं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2423---श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसको मं० प्लाट नं० 103 ए० का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारोख 19 श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल गो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अल्यारण सं हुई किसी आय की वावत, बचत बणकानयम के अध्यय कर बान के अन्तरक फं शाधितन यो कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी धाव या किसी धर या अन्य आस्तियों की पिन्ही भारतीय कायकार किसीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए भा खिपाने में मृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूत्ररण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत पिन्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- ा श्रीमती भवरो देवी पत्नि मनोहर सिंह जी, मकान तं० 103 ए, सिवाइ ऐरिया, लाल कोठी, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मीता देवी पत्नि श्री सुमेर सिष्ट, प्लाट नं० 103 ए सिवाड ऐरिया, लाल कोठी, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

न्दं वह त्याना कारी करके पृत्रॉंक्ट सम्पृत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थळकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ष्लाट नं 103 ए०, सिवाड़ ऐरिया, लाल कोठी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2398 दिनांक 19-10-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आाकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

सारीख: 14-6-1984

माहर .

प्ररूप बाइ. टी. एम. एवं.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2424—ग्रतः मुझे. मोहन सिह

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 209-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं मकान नं 182 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19 ग्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरिती की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक ही और अंतरक (अंतरिकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन वा अस्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

कतः जब, अक्त अधिनियम की धारा 269-न के, अनुसरण मों, जैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री पंडित दामोदरलाल भार्गव एडवोकेट पुत्र श्री
गुजर मलजी भार्गव निवासी चौकड़ी पुरायी बस्ती,
कान महाराज का बड़, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

2. डाक्टर हजारीलाल पुत्र श्री मंकरलाल जी ठेकेदार निवासी मकान नं० 182, ब्रह्मपुरी, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यक्षाहियां करता हो।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंड स्वांग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पद स्वांग की तामील से 30 दिन की अविधि, क्रों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ल स्वक्तिमों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण से प्रकाशन की तारीम से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य अर्थन वृद्धार अर्थाहरूकशी के पास लिखिल में किए का सकींग।

स्पष्टीकरण.--हसमा प्रयासः अवर्षे और पत्रीका, ३। उक्त अधिनियमा के अध्याय 20-कामी परिभाषित ही, बही अर्थ होंगा जो उस अध्यास मी विसा गया है।

अनुसुची

मकान नं० 182, बृह्मपुरी , जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2376 दिनांक 19-10-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में रधी विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-6-1984

प्ररूप ∙काइ ्टी. एन., एस.,-----

बायक टु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार कामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर अयपुर, दिनांक 14 जुन 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० श्रा० ऋर्जन/2425--श्रतः मुझे मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट हैं तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रांर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25 अक्तूबर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्न प्रशिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अनरण स हुई किसी आग को नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंगरक के अधिस्थ में कभी करने या उसस अवने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपान में सूर्विशा औ लिए।

अतः अव, उपत अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उकत अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अधीत :---

- श्री कल्याण सहायक शर्मा पुत्र श्री रामेश्वर लाल जी शर्मा निवासी चौकड़ी पुरानी बस्ती, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बिदामी देवी पत्नि श्री नारायण जी, श्री हरी प्रसादजी एवं श्री गजानन्द जो पुत्रान श्री नारायण जी गर्मा निवासी तिकयावास तह० फुलेरा, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकेंगे।

जनसंद्री

प्लाट स्थित रावजी की गली, गोधो की हवेली के पीछे, बहमपुरी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2467 दिनोक 25-10-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में स्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-6-1984

भारत सरकार

फार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेण मं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2426—ग्रतः मुझे मोहन सिंह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- त. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थितं है श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दहस्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कल्याण सहायक गर्मा निवासी चाह जाट ,पुरानी बस्ती जयपुर।

(भ्रन्सरक)

 श्री गोवर्धनदास पुत्र श्री भूगडामल, बारा मोरी का रास्ता, जयपुर।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को गर्जन को सम्बन्ध में कोई भी गार्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवि तयाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया [8]।

BREE

प्लाट स्थित रावलजी की गली, बार मारी का रास्ता, बृह्मपुरी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2468 दिनांक 25-10-83 पर पंजिबद्ध विऋय पक्ष में स्रोर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

ता**रीख**ः 14-6-1984

मोहरू ∎

त्रक्य नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

HIST ESSEE

कार्याभय,, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्रक)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० प्रर्जन/2427—श्रत: मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, र्राजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, नारीख 31 श्रक्तूबर 1983

को पृथांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिकित उप्योच से उक्त अन्तरण निम्नत में बाग्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरभ के हुन किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के जभीन कर देने के अन्तरक के बारियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ज़ौर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य आहितको को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती शारवा देवी पाँत्न श्री पुरुषोत्तमवास, जय-पुरिया, बी-9 शिव मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।
- श्रीमती वीनु माथुर पांत श्री प्रवीप माथुर निवासी ण्यामनगर श्रजमेर रोड़, जयपुर।

(ग्रन्सरिती)

(ग्रन्तरक)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत् सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद:--

- (क) इत स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की मामील से 30 विन की जनिश्व, जो भी अनिश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताही के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनिधम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

दुकान स्थित शर्मा बिल्डिंग, एम० ग्राई० रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2491 दिनांक 31-10-83 पर पंजिबद्ध विऋष पत्र में ग्रोर बिस्तृत रूप से विवरणित

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-6-1984

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

शायकर श्रीधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 जून 1984

निर्देश सं० राजाः /सहा० ग्रां० ग्राजनं / 2428—-ग्रतः मुझे. मोहन सिंह,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे जुपायद अनुसूची में श्रौर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 अकबतूर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिकल के लिए जन्तिरत की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्कोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्च जन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आम की बाबत उक्त लिध-शिवम के अभीन पार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मुविधा के लिए; और/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, वित्रा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना जाहिए था छिपान में मुनिधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की भाए 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :——

- शीमती भारवादेवी पत्निश्री पुरुषोत्तमवास, जयपुरीया निवासी बी-9, शिव मार्ग, बनो पार्क, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रोमती रोता कण्यप परित श्री श्रांतल कण्यप निवासी। 296 श्रावेश नगर, जयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सव्यन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळाकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सची

बुकान स्थित गर्मा बिल्डिंग, एम० श्राई० रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 2490 दिनांक 31-10-83 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से बिवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > म्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 14-6-1984

मोहर 🖫

प्रकप जाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

भायतिय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 जून 1984

निर्वेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2429—-श्रनः मुझे मोहन सिह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है, तथा जो जौधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 श्रक्तुबर 1983 ·

को पूर्वोक्त संपरित के जिस बाजार मूल्य से कन के क्यमान श्रीतफल के जिए जन्तरित की गई है जौर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्योक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है जौर जन्तरक (अस्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया च्या प्रति-कन निम्नतिबित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण लिकित में बास्तिक अप से किथत नहीं किया गया है:---

- (को जन्तरण के सुद्ध किसी जाम की वावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कर्षे या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सविभा के सिए;

अतः वनः जनतं निभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-भं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अभीत्:—

 श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्रो मदन सिंह राजपूत निवासी धारासणी व श्री प्रताप सिंह पुत्र श्री नाहर सिंह राजपूर्त निवासी गोनियान नहसील आहोर, जिला जालीर।

(अन्सरकः)

 श्री पहिलाज राज पुत्र श्री दयाराम द्वारा मैसर्म पहिलाजराय दयाराम, एल-4, न्यू मध्जी मंडी. जीवपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्यी

प्लाट नं० 4, बी-1, दीप मार्ग, रेलवे कालोनी के पास, रसाला रोड़, जीधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा ऋम संख्या 3177 दिमांक 27-10-83 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह मधाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> > श्रर्जन रेंज, जयपूर

सारीख: 14-6-1984

मोहर 🗯 🦈

प्रकृष वाह्र .टी . एन . एस . -----

आयक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के धर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. जयपुर

जयपुर, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/2430—श्रत: मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 4 बी-2 है तथा जो जौधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 श्रक्तवर 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरण से हुइ किसी नाम की नानता, उक्त जिमित्यम् के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व मों कभी करने या उससे जचने मों सुविधा के लिए जौर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-या अधिनियम, या अन-या अधिनियम, या अन-या अधिनियम, (1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था कियाने में मुनिया की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीतः —— 28—166 GI/84 1. श्री गोविन्द लिह पुत श्री भदन सिंह राजपूत व श्री प्रताप सिंह पुत्र नाहर सिंह राजपूत निवासी गोलियात तहसील प्राहोर जिला जागौर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पहिलाज राय पुत्र श्री दयाराम एवं श्री लेखमल पुत श्री नारायगदाल द्वारा मैसूर्य पहिलाजराय दयाराम, एत-४, नई सिन्जी मंडी जीधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ज्यां क्त्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर क्यां क्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तााक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाटनं 4 बी-2, दीप मार्ग, रेलवे कालोनी के पास, रसाला रोड़, जौधपुर जो अप पंजियक, जौधपुरद्वारा ऋन संख्या 3178 दिनांक 27-10-83 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी गहासक धायकर द्यापुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, जसपुर

नारीख: 13-6-84

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

, कार्यालय , सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

स्रेगलूर, दिनांक 13 जून 1984 निदेश सं० मी० ग्रार० 62/ग्रार०∼667/37ईई/83-84---यत: मुझे, मंजु माधवन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 603 है, तथा जो तुमकूर रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-10-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और एमें यह विष्वास करने का कारण हैं कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें धश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उनतं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीः उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीक निम्मिनियास स्पनितयों अर्थात् :--- (1) बी० कें ० लालको प्रा० लि० 1017/18, दालम टबर, X फ्लोर, 211, नारिमन पाइंट, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय बूलानि, बूलानि इंजीनियरिंग को० द्यापरेणन 402, वीर सावरकर रोड, वम्बई—25।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में .दिया गया हैं।

समस्री

(वस्तावेज सं० 620/83 दिनांक 11-10-83) सम्पत्ति है, जिसका सं०प्लाटनं० 603, जो "वर्णा विल्डिग" फैनल प्लाट 221-224, तुमकूर रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर

विनोक : 13-6-1984

मोह्य 🗓

प्रस्त्य बार्ड .टी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आमकार आयुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रोंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 28 श्राप्रैल 1984 निदेश सं० मी० श्रार्० 62/ग्रार-754/37ईई/83-84--श्रत: मझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास कारन का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट ए०-4 है, तथा जो आलिटनो प्रिम, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 11-10-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्वमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उच्त अंतरण निम्कित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण ते हुई किसी जाब की बाबत., उक्त सिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सौर/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री श्रकबरालि करमालि (ध्यापारी) सन/प्राफ करमालि विरोजि श्रीर उनके पत्नि, 2. मेसर्स फितिमा श्रकबरालि करमालि डाटर/श्राफ करमालि शामजि, निवासी पनाजी, गोवां।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्रानाथ रामन नायर, केर/ग्राफ सि० वि० रामन नायर, साइन्टिस्ट, एन० ऐ० ग्रो० डोना पाले, पनाजो, गोवा।

(अन्तरिर्मा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तस्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त क्षेती हो, के भीतर पृक्षेत्रत क्यजितपत्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्रत स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकों वे।

स्वष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विया नवा है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 628/83-84 दिनाक 11-10-83) सम्पत्ति है, जिसका सं० प्लाट नं० ए०-4, जो अकबरालि बिल्डिंग, श्रालटिनो, पनाजी, गोवा में स्थित है ।

> मंजु भाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, बंगल्र

दिनांक ∶28-4-1984

प्ररूप बार्ह, टी. एन., एस. - - - --कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/ब्रार-799/83-84--37 ईई---यतः मुझे, मंजु माधवन,

वायकर गीर्धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैने, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-एत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 116 है, तथा जो कुसमोना, विलेज श्राफ चन्द्रावदि, क्यपेम, गोवा, में स्थित है (ग्रीर ससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से र्वाणत है), राजस्ट्रीकरण श्रांधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ईदनांक 12-10-83,

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसको इक्यमान प्रतिफाल से, एसे इक्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उबस अन्तरण लिखित में बास्तिसिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में जुविधा के लिए; नीर/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयक्तर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) . ल्डे चधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री विताल पुण्डालीक लटलिकर, क्युपेम, गोवा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रत्नाकर विनाल रैकर, प्रोप्राइटर : मयूर बिल्डर्स, नियर कासा गोमानटक, मर्गोवा, गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी **अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त** व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुनै।

अनुस्पी

(दस्तावेज सं० 634/83 दिनांक 12/10/83) सब सम्पत्ति है, जिसका भूमि एम "बिबटिमोलो"---दो श्राजासेन्ट प्लाटस 272 श्रीए 292 स्ववेर मीटर्स रेसपेक्टविली जो क्युपेस टौन, डिस्ट्रिक्ट श्राफ गोवा में स्थित है ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 13-6-1984

मोहर ्

प्रस् हार् ही एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुवत (निरक्षिण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जून 1984 निर्देण सं० सी० ग्रार० नं० 62/ग्रार०--809/37ईई/83--84---यतः मुझे, मंजु माधवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 217 है, तथा जो श्रार० बी० एक्सटेंणन—! स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्णस्प से बिणत है), रिजम्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-10-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्री शिवास्थामी, ''प्रन्तापुरण'', है ग्रोड बेंगलर—I

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवराज एच० शंका, पार्टनर ग्राफ मेसस ममता एण्टरप्रसस, नं० 3, क्वीन्स रोड, बेंगलूर ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पृत्रानित सम्पृतित के वर्षन के विष् फार्यवाहिया करता हूं।

बक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में को**दें भी बाक्षप**ः—

- (क) इस त्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (ख) इस स्थान की राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गैंग हैं।

मनुसूची

(दस्तायेज म० 643/83, घिनांक 12-10-83) खाली जगह कि नं० 217, I स्टेज राजामहल बिलास एक्सटेंणन, बेंगलूर, एरिया 1385.25 स्क्वेर मीटर्स ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर ।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन क्रिनम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक : 13−6−1984

प्ररूप बाइ. टी. एत्. एस.-----

क। पकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जून 1984

निदश सं० सी० म्नार० 62/म्नार०-829/37ईई/83-84--यत: मुझे, मंजु माधवन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अभिक है

श्रौर जिसकी मं० प्रापरटी नोन एस "'टेपेनो नागोला" है, तथा जो म्यूनिसपल गार्डन, मरगोबा, गोबा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 29-10-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्मिलिशित उद्विषय से उक्त नंतर्व विश्वत में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से क्षुष्ट िकसी जाय की आशत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बायरण में कभी करमें वा उक्त वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित स्पीक्तयों, भृषीत ध--- (1) श्री जोसे श्ररासिंटनो, सलवाडोव बारेट्टो श्रीर 4 कुछ लोग, श्री जोसफ टि० स्मिथ, चेम्बूर, बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स म्रालकन रियल एसस्टेट्स प्रा० लि० वेलहो बिस्डिंग्स, पंन्जिम, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्यरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांग्रें भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी जन्य क्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्च

(दस्तावेज सं० 673/83 दिनांक 29-10-83) सब सम्पत्ति है नोन एस "टैररेनो नागोला" विस एन पुराना घर श्रौर एक ल्यान्ड एरिया श्राफ 1705 स्क्वेर मीटर जो नियर म्युनिसपल गार्डन, मरगोबा, गोबा, में स्थित है।

> मंजु साधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 13~6-1984

मोहर 🗈

प्रभव आध्री. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जून 1984

निर्देण सं० सी० श्रार० 62/श्रार०-879/37\$\$/83-84रिजस्ट्रेणन नं० 714—यतः मुझे, संर्जुं माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी सं० प्लाट नं० एस०- है, तथा जो परल ग्रपारटमेंटस, मोकोरो, पोरवोरीम, गोवा, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनु-मूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 25-11-83, को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोत्तवत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और्याया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

जतः शय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उण्धारा (1) वे अधीत निस्निवित स्थिनतयों, अर्थात् में → (1) मेसर्स यूनाउटेड बिल्डर्स,
एम 35, हाउमिंग वियरह कालोनी,
ग्रालेटो-बेटिम,
बारडेंज--गोवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फान्सिसको कारवालहो, बजेट रेंट ग्रीर कार, पि० ग्रो० वाक्स 3292, ग्रव धायि, दुबई

(अन्तरिसी)

को यह स्वना जारी करके पृथिक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्षणधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वारेगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 714/83 दिनांक 25-11-83)) सम्पत्ति है, जिसका प्लाट नं० एस०-1, जो परक्ष श्रपार्टमेंटस, सोकोरो, पोरविरिम, गोवा, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 12-6-1984

मोहर 🖟

प्ररूप बाइं. टी. एनं. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पति धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलुर

नई दिल्ली-110002, दिनांक, 2 जून 1984

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/म्रार०-880/37ईई/र्राजस्ट्रेशन नं० 716/83---यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 -- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म**्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० एफ-1-II प्लोर है, तथा जो परल श्रपार्टमेंटस, सोकोरो. गोवा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्णच्या से विणत है), रिजस्ट्रीकरण श्रधियिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-12-83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्परित का उचित वाजार ुम्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और∕या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अल्य जारिनयों को जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट यहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधास (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) मेसर्स युनाष्ठदेड बिल्डेसी, न० एम० 35, ष्टाउसिंग वोर्ड कालोनी, भ्रालटो वेटिस, बार्डेज, गीवा ।

(अन्तर्क)

(2) श्री अन्योनी डिसोजा, केर/आफ पि० डी० स्रोमन, सप्लाई डिपार्टमेंट, एस० पी०/4, पो० ग्रो० बाक्स--- 81, मसकाट ।

(भ्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करकै पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियरे पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त ्यिक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पर्वदेशिकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया 🤫 ।

अनस्ची

(दस्तावेज सं. 716/83-84, दिनांक 1-12-83) सम्पत्ति है, जिसका प्लाट नं ० एफ०-1, जी । पलोर, परल अपारटमेंटस, सोमोरो, पोखोरिस, गोवा, में स्थित है ।

> मंज् माधयन सक्षम प्राधिकारी महापक आगकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक ! 12-6-1984 मोहर :

प्रकल कार्च : टी : एन् : एस् : -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मना

प्रारत ब्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जून 1984

निदेश सं० सी० भ्रार० 62/40783/83-84---यतः मुझे, मंजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० 169-1, 169-2ए, 169-4ए, 169-5ए, 169-7ए श्रीर 169-8ए, है तथा जो नडसाल विलेज उडुिप तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 15-10-1983

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि मथाएवोंक्त सम्पत्ति का लिजत बाजार मूक्य उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निम्निच्तू के बास्तिक स्म से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविका के लिए; और्/वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एम० एल० ग्रन्ताजि राव, सन/ग्राफ एम० लक्ष्मीनारायण मुगेराया, "बी'दु', नडसाल विलेज, पि० ग्रो०, पाडुबिद्रि (डि० के०)

(ध्रन्तरक)

(2) श्री एम० लक्ष्मनारायण भोगेराया, श्रीमती कलिन्दी, बाइफ/धाफ श्री एम० लक्ष्मीनारायण मोगेराया, "बीदु", नक्ष्माल विलेज, पो० श्रो० पाडुविद्रि,(डी० के०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्याँक्स संपरित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूनों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त घटन और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंवा हैं।

मन्सची

(दस्तावेज सं० 377/83~84, दिनांक 15~10~83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० सबें नम्बर्स, 169—1, 169— 2ए, 169—4ए, 169—5ए,169~7ए, 169—8ए, जो नडसाल विलेज, उडुपि तालुक, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 12-6-1984

शक्त नार्वा टी<u>... प्रत्ता प्रत्</u>राचनवन्त्राच्या

भागकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भभीन स्थान

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज, बगलूर

बगलूर, दिनांक 8 अूम 1984

निदेश स० सी० भ्रार० 62/40571/83-84--यतः मुझे, मजु माधवन,

भायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उन्त अधिनियम' कहा पना हैं), को भारा 269-स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 109, है, तथा जो प्रशान्त रेजीडेंन्शियल लेग्नौट, वैटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद धनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनांक ग्रक्तूबर, 1983,

की पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों करा संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रीएशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिंखित उद्बेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से काँचत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाषा की बाबत, उन्हार अधिनियम के अधीन कर वॉने के बन्तरक के दाजित्व में कभी करने या अवसे मुखने में सुविधा के लिए; बॉट/बा
- (क) एमी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अस, उक्त अधिभियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम कर गुरा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मणिखित व्यक्तित्यां, अर्थात् क्र— (1) श्री ई० वि० जे० कुन्हा भीर 10 कुछ लोग, न० 69, सेंट जान्स भर्ज रोड, बेंगलूर—5 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० ई० जमालुद्दीन, न० 56 बी, मोहनपुरा स्टीट, तिरुवन्नामटलै, एन० ए० डिस्ट्रिंक्ट, समिलनाडु ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई। (1)

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्पछ्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सची

(दस्तावेज सं॰ 3061/83, दिनांक प्रक्तूबर, 1983) सब सम्पत्ति है, जिसका स॰ 109, जो प्रशान्त रेसिडेंन्शियल लेग्नोट, बैटफील्ड, बेंगलूर, में स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, बंगसूर ।

दिनांक: 8-6-1984

मुक्क कार्युं को **्वन**्युक्त न्यानानानानानाना

वारकर अर्पिनियम् 1961 (1961 का 43) की भारत

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बगलूर

बगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निवेश सं० मोटिस नं० 40573/83-84-यतः मुझे, मजु माधवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 10 है, तथा जो प्रशांत रेसिडेंन्शियल लेघौट, वैटफील्ड बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रन्तूबर, 1983,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- शिक) जन्तरक से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अत्तक, अव, उसत अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसर्क में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ई० वी० भे० कुन्हा श्रीर दस लोग न० 69, सैंट जान्स चर्च रोड, बेंगलूर—5

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० ग्रहमद बाशः पोतराजा कोयिल स्ट्रीट तिख्वन्नामलै नति श्रारकाट डिस्ट्रिक्ट ।

(भ्रन्तरिती)

की यह बुज़ना जाड़ी कुड़के पूर्वीकत सम्मित् की नवीन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उच्य संपृतित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान को साथपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन की मुविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दव स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तिय स्थानतयों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सुधी

(वस्तावेज सं० 3069/83-84, दिनांक श्रकतुवर 1983) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 10 जो प्रशात रेमिडेंन्शियल लेश्वीट वैटफील्ड बेंगलुर में स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीजण) प्रजीन रेज, बंगलूर

प्रकप आहे. टी. एन. एस. :=====

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय, 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयक्त (निर्क्षिण)

प्रजंन रेंज, बंगलूर

बंगलून, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० नोटिस नं० 40570/83-84--यतः मुझे, मंजु भाष्यन,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत भिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 108 है, तथा जो प्रशांत रेसिडेन्शियल लेभीट, वैटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर, 1983, बेंगलूर सौत,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उंपरित का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अवरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ्पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में आस्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र (1) श्री ई० बी० जे० कुन्हा श्रीर दस लोग न० 69, सैंट जान्स चर्च रोड, बंगलूर---560005 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० रवीन्द्र रेड़ी न० 313, सदाशिवनगर, बंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कांद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए का सकोंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज स॰ 3060/83-84 दिनांक ग्रक्तूबर 1983) सब सम्पत्ति है, जिसकी स॰ 108, जो प्रशांत रेसिडेंशियल लेग्रौट बैटफील्ड बंगलूर में स्थित है।

> मंजु साधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 8-6-1984

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० सी० श्रार० 62/40568/83-84—यतः मुझे, मजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इश्ों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स॰ 122 है, तथा जो प्रशान्त रेसिडेंशियल लेग्रौट, वैटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कं द्रश्मान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर में धारा 269-ए बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुखा के पृस राजिस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल का मृत्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल का प्रतिकात अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिता (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रमा प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कांचत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत., उक्त विधिनयम के वधीत कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री ई० वि० जे० कुन्हा ग्रौर 10 कुछ लोग, न० 69, सेंट जॉन्स चर्च रोड़, बेंगलूर—5।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रसान्ना वि॰ मूर्ति ग्रलेम्बिक कालोनी, वैंटफील्ड, बेंगलूर-66 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्राहियां करता हूं।

उन्त संपर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 3058/83, दिनांक अक्तूबर, 1983) सबै सम्पत्ति है, जिसकी सं० 122, जो प्रजांत रेसिडेन्शियल लेग्रीट, वैंटफील्ड, बेंगलूर, में स्थित है।

> मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-6-1984

मोहुरु 🕸

प्रकृष् आहें.. टी., एन्.. एस्.,=-===

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निश्लीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40569/83-84--- यसः ्मुझे, मंजू माधवन,

मायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 123 है, तथा जो प्रशांत रेसिडेंशियल लेग्नौट, बैटफील्ड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णं िष्प से बर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्थमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकार्ता के कार्यालय बंगलूर में धारा 269-ए बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मूक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्डक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसित् उद्विष्य से उस्त अन्तरण सिचित् में बास्तिविक रूप से क्षित् नहीं किया गया है। —

- (क) बन्तरण संहृदं किसी बाब की बाबत, उक्त बरिपनियम के बभीत कर दोने के बन्दरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाँद्र∕या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहियेथा छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अर्था, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन, पिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री इ० वि० जे० कुन्हा ग्रीर 10 कुछ लोग, - नं० 69, सेंट जान्स चर्च रोड, बंगलूर---5।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मेला प्रसाद, अलेम्बिक कालोनी, वैंटफील्ड, बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के उाजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्मित्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया नया

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 3059/83, दिनांक अक्तूबर, 1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 123, जो प्रणांत रेसिडेंगिल, लेग्रॉट वैंटफील्ड, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनाक : 8-6-1984

माहर 🗈

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

नायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निवेश सं० सी० आर० 62/40576/83-84—यतः मुझें, मंजू माधवन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इत के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है *

श्रोर जिसकी सं० 11 है, तथा जो प्रशांत रेसिडेंशियल लेश्रीट, बैंटफील्ड, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपागत अनुसूची में क्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्विकंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकार्ता के कार्यालय बोंगलूर में धारा 269-ए.बी. के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मूफे यह विश्वास पूर्विकत सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंदिरती (अंतरित्यों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया ब्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोख से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक कर से किए तम पाया विश्वत कर से किया गया है :--

- (क) सम्तरण दे हुई किसी आय को वायस उपस अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व औं कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये: और/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना वाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ई० वि० जें० कुन्हा ग्रीर 10 अछ लोग, नं० 69, सेंट जान्स चर्च रोड, बंगलूर—5
 - (अन्तरफ)
- (2) श्रीमती इंदिरा
 नं० 44/1 एफ, फेंरफील्ड लेग्नीट,
 रेस कोरस रोड,
 बेंगलर-1 ।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ے

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3004/83 दिनांक अक्तूबर, 1983)

सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 11, जो प्रशान्त रेसिडेंशियल लेंग्रीट, वैटफील्ड, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 8-6-1984

ब्रह्म ब्राह्: टी. एन. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-ए (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40887/83-84—यतः, मुझें, मंजू माधवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- हुइ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 44, 37 (पूर्वा भाग) है, तथा जो नियर शंकरानारायण दक्षिण कालड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रिजस्ट्री नि श्री हिनांक 21-10-1983 के पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से उस के दश्यमान श्रीतफन के निए जन्तरित की गई है श्री श्री शह विश्वास करने का कारण है कि यथापुदांकत संगीत का उचित बाजार मूल्य से उस विश्वास करने का कारण है कि यथापुदांकत संगीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गम्ह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (शन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, डक्ट अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्तरे बचने में सविधा के सिए; बोट्र/बा
- (क) एंकी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सविधा के लिए

कतः बंद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नृङ्गिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो एन० एम० अब्दुल सलम, बालमद्रा, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वामापुरम प्लान्टेशन्स (प्रा०) लिमिटेड, एम० डी० श्री एमन्युल नामस, रामपुरम हाउस हिल गार्डन, नगेरि, कन्कानाडि, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के वर्चन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप 🌤

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी कि से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्र ब्रिय किसी अन्य व्यथित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्ति में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्**ची**

(दस्तावेज सं० 145/83, दिनांक 21-10-83) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 44, 37 (पूर्वा भाग), जो नियर शंकरनारायण, दक्षिण कन्नाडा में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-6-1

प्रकृप बार्ष दी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० नोटिस नं० 40572/83-84---यतः मुझे, भंजु माधवन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

25,0007- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० 22 है, तथा जो प्रणांत रेसिडेंशियल लेग्नाउट वैटफील्ड, बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीवर्ता अधिकार। के कार्यालय, रेंगलूर साउथ ताल्लुक से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 1983, को पूर्वोंक्ड सम्पत्ति के अधीन दिनांक अक्तूबर विश्वास श्रीतफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बाम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण सं हुई िकभी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे अधिने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- 30-156 GI/84

(1) हैं० सी० जें० फुन्हा भीर दस लोग,
 नं० 69, सैंट जान्स चर्च रोड,
 बंगलूर-5।

(अन्ध्रकः)

(2) श्री येणुगोपाल रवि ''श्रीनिदि'', नं० 37, 29 कास VII ब्लाक, जयनगर । बंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

(दस्मावेज सं० 3662/83-84, दिनांक अक्तूबर, 1983)

सब सम्पत्ति है, जिसका मं० 22 जो प्रणांत रेमिडेंणियल लेग्नाउट वैंटफील्ड, बंगलूर में स्थित है।

> भंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर सायुश्त (निरीक्षण) भ्रजन टेंज, बंगल्र

तारोख: 8-6-1984

प्ररूप आई. टी. इन. एस.-----

वायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अमीन सुमना

भारत सरकार

कार्याल**ग**, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निदेश मे० सी० भ्रार० 62/40728/83-84--यत:,

मुझे, मंजु माधवनः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ग्रार० एस० नं 206/2ए, टी० एस० नं 49/2ए (पिट्स भाग) है, तथा जो ग्रतावर विलेज मिलेग्रिस वार्ड, मंगलूर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण के से बाँगत है), रिजिस्ट्री रित्री अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर से रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वि अ संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित काजार मूस्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिशियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाडि/बा
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया नाना चाहियेथा, छिपान में धृतिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा-269-भ की उपधारा (1) के विधीत के निम्निविखित व्यक्तियो, अर्थात :--- (।) श्री ए० नागणा, व्यापारी, ग्रमावर रोड, मंगलूर ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री ए० चन्द्राहामा, बैंक भैनेजर, विजया बैंक, श्रल्के, मंगसूर ।

(अन्त रिर्ताः)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासं लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस्ची

(दस्तावेज मं० 848/83, दिनांक शक्स्वर, 1983)

सम्पत्ति है, जिसकी मं० आर० एस० 206/2ए, टि०एस० नं० 49/2ए (पश्चिम भाग), जो श्रतायर विलेज मिलेग्रिम वार्ड, मंगल्र में क्थित है ।

> मंजु माधवन राजम प्राधिकारी सहायक आयाज आयुक्त (रिजीक्षण) स्राजन रेज, बंगसूर

दिनांक : 8-6-1984

कीहर:

प्रकथ बाइ . टी . एन् . एस . ------

ं **भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 260-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, अंगलूर

बंगलर, दिनांक 8 जन 1984

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/40782/83-84--यतःमुझे मंजु माधवन,

कासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 360 है, तथा जो I क्रास, गांधीनगर मन्डया में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मण्डया में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 4-10-1983,

को पूर्वों क्षत संप्रित के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उका अन्तरण लिखिश में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त गिर्धिनयम, के शभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिधा के सिए;

बतः बब, उक्त विधिनयम कौ भारा 269-ग कै बनुसरभ में, मैं उक्त अधिनियम को भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन जिम्मीलिसित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्रीमती सरास्वात्तम्मा,

IV कास, बन्नूर एक्सटेंशन,
मन्डया सिटी ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री एम० वेनुगोपाल,
2. एम० श्रीराम,
3. एम० प्रकाश,
4. एम० चन्द्र—
संरकारी स्कूल के पीछे, 11 क्रास, गांधीनगर,
मन्डया ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना चारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति को सर्खन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस मुचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के एउट सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, अ। उक्त अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभावितः इ², बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रवाह⁸।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1827/83, दिनाक 4-10-83)

सम्पत्ति है जिसका सं० 360, जो I क्रास, गांधीनगर, मन्डया में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बंगलूर

तारीख: 8-6-1984

मोहर 🧠

प्ररूप नाहर्, टी. प्रतः, प्रतः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज. बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं जाटिस द्विं 10908/83-84--यतः, मुझे, मंजु माधक्न,

नायकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के निर्मित सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- राज्य से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 34/10 श्रौर 34/1 (पुराना सं० 34/6 श्रौर 34/v-1) है तथा जो बंगियण्या गार्डन्स बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय जयनगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-11-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण जिसित म

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की बाबत, उक्ष्स बिधिनियम के स्थीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, विश्वास अस्तियम, 1957 (1957 का 27) अने अधिकार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अख, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भें, भें, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) की अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्रीमली रैचल ग्रनी हेलेन
 34/10, बंगियप्पा गार्डन्स
 बंगलूर-27।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० रघुरामा रेड्डी
3.4/10. बंगियप्पा गार्डन्स,
श्रवकीतिम्मनहरूली, णांतिनगर,
बंगलूर--27 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ्---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, बही सर्थ होगा जो उस अध्यास में स्थित गया है।

मन्स्ती

(दस्तावेज सं० 2804/83-84, दिनांक 15-11-83) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 34/10 भौर 34/1 (पुराना सं० 34/6 भौर 34/0-1) जो बंगियद्या गार्श्वन्स, बंगलूर में स्थित है ।

मंजु साधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 13-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-न (1) के मुधीन सुम्ताः

भागत बर्कार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजीन रेजि, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० 40808/83~84—यत:, मुझे, मंजु माधवन. शायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा सं विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 15 (पुराना 631) है, तथा जो XVII कास मल्ले श्वरम बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 15-10-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्न प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिकिक रूप से कथित गहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवत विधिनियन के अधीन कर दोने के बन्तरक को बायित्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृषिधा के निए;

अतः, अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नाचिसित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री के० रंगनाथन नं० 296, XVI क्रास सदाक्षिवनगर, बंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० सुदर्णन नं० 296, XV1 क्रास सदाणियनगर, बंगलूर ।

(ग्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्तास्त्री से पाद लिखित में किए जा सकी।

स्वकानिकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नगराची

(दस्तावेज सं० 2880/83-84 दिनांक 15-10-83) सब सम्पत्ति है, जिसकी सं० 15 (पुराना सं० 631) जो XVII ए ऋास मल्लेश्वरम, बंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगसूर

विनांघः : 13-6-1981

मोहर 🤫

प्ररूप बाह्र . टी. एम्. एस.-----

भागकर गिथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, बंगलूर

. बंगलूर, दिनांक 16 जून 1984

निवेश सं० 40872/83-84—यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 132 है, तथा जो इनफेन्ट्रि रोध बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31-10-83

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथन नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तर्य से हुई किसी अाय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्करा अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- · (1) मैसर्स कैलाश बिलडर्स 4/123, प्लैन स्ट्रीट, बेंगशुर-1

(श्रन्सरक)

(2) मैसर्स दि तारा अपार्टमेंट्स कोआपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड नं 132, इन्फैन्ट्री रोड, बेंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को रारीब स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पत्किरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दाँ और पदाँका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्ची

(बस्तावेज सं० 1967/83-84 ता 31-10-83) सब सम्पत्तो है जिसकी सं० 132 जो इन्फैन्ट्री रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 13-6-1984

महिर:

प्रस्प नार्षं, श्री, एन, एस,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्णन रेंज, बंगलूर बंगलूर, विनांक 13 जून 1984

निर्देण सं 40805/83-84—यतः, मुझे मंजु माधवन, जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिस्का उचित बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2954 नया स० 2954/23है, तथा जो 1, कास रोड II, स्टेज डी ब्लाक, राजाजी नगर बेंगलूर-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय राजाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 16) के श्रधीन

दिनांक 15-10-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठिकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कर से क्षित पड़ीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व म कामी भारने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी- किसी बाय या किसी धन या अन्य जारिसयों करो. जिस्हों भारतीय सायकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन--कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उच्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीन :--- (1) श्री एम० के० गजराजु, नं० 37, सौराष्ट्रपेट वेंगलर सिटी।

(ग्रन्मरक)

(2) श्री केर वीठ शिवश्रमात, भ्योती गिस्क डैंसी बंगारपेट रोड, कश्वश्येट, कोलार टाऊन ।

(अन्तरिनी)

को यह स्वाना जारी करके पूजांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिध, जो भी अविध नाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स म्यन्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-मद्ध किसी अल्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक स्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

(दस्तावेज सं० 2708/83-84 ता० 15-10-1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 2954 नया सं० 2954/23 जो 1 कास रोड 11 स्टेज डी ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूर-10 में स्थित है।

> मंजु मध्यवन सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज **बंगलू**र

तारीख : 13-6-1984

प्रकथ आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-व (1) में सधीन मृवनः

भारत सऱ्कार

कार्याजय, सङ्ख्या जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलंर, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० सि० आर० 62_/40814_/83—84—अतः मुझे, मंजु माध्रकतः **आयक्तर अधिनियम**ः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-से के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 611/ए हैं, तथा जो 10 कास, 7 ब्लाक बेस्ट, जबानगर, बंगलोर में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-83 को

को पूर्वीकत सम्परित के उनित नाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के अस्तरिक कुप से कथित कहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, बैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धिक (1) श्री ए० एग० सुन्नामन्यम,
 611/ए, 10 काम, 7 ब्लाक वेंस्ट,
 जवानगर,
 यंगलीर।

(अन्यरक)

(2) श्री वि० कृष्ण मृति,
 16/ए, 9 मैन
 111 ज्लाक,
 जवानगर,
 बंगलीर।

(अन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के उपपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित व्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यब्द्रीकरणः — इसमाँ प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2307/83 दिनांक 15-10-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 611/ए, जो 10 कास, 10 ब्लाक बेंस्ट, जवानगर, बंगलोर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलोर

सारंख : 8-6-84

प्ररूप बार्ड , दी . एन , एस , ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० 40856/83-84—यतः मुझे मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 47 पुराना सं० 39 है तथा जो कास नेहरू नगर संगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का धदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उष्वेष्यों से उक्त अंतरण सिचित में मास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की बाबत, उत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, खिषाने में सृविधा के लिए;

(1) श्री एम० एल० दोरें स्वामी, 47, 1 फ्रास नेहरू नगर, बंगलूर-20-

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शांतिलाल दामी, श्री रजनीकांत दामी, 37, बसवन्ना टेम्पल स्ट्रीट, श्रवेन्यू रोड कास बेंगलूर-20 (श्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थानत होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थानत होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थानत होती हो।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रवाशन की सारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2069/83-84 ता० 31-10-83) सब सम्पति है जिसकी सं० 47 जो I क्रास, नेहरू नगर, बंगलूर-20 में स्थित है।

मंजू माधव सक्षम प्राधिकारी सहायक यायकर त्रायुक्त (निरीक्षण') धर्जन रेंज, बंगलर

तारीख: 8-6-84

मोहर 🕄

प्ररूप भार्ष हुन् एन ्**एस**् नन्द्रन्न-क्र-क सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

> भारत सरकार कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरिक्षण)

> > ध्रजीन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० सी० म्रार० 62/40818/83-84—यतः मुझे मंजु माधवनः

भायकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रु, से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 271 (271/6) है, तथा जो 36-ए कास, VII डा ब्लाक, जवानगर, बेगलूर, में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुतूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीम तारीख 15-10-1983

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्चोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है प्रान्ति

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के वायित्य में कमी करने या तससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उत्तत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिक्शि व्यक्तियों, अर्थात् क् (1) श्री ए० एम० म्रानंन्दा मूर्ति नं० 19, कृष्णराजा वनम, मसूर-8

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डि॰ ग्रार॰ पान्डुरंग गैहि, ग्रालियास डि॰ ग्रार रंगम, नं॰ 18, ग्रपरस्टेस, शधानन्दा भवन रोड, विश्वेश्वारा पुरम, बेगलूर-4

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हना

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2422/83 ता० 15-10-84। सब सम्पति है जिसका सं० 271•(271/6), जो 36 ए०-ऋास, VII ब्लाक, जवानगर बेंगलूर, में स्थित है।

> मंजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 8-6-1984

मोहर 🙄

प्ररूप आई. टी. एनं. एसं . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्वना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक अायकार आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 जुन 1984

निर्देश सं० सि० आऱ० 62/40824/83-84—यतः

'मूझे मंजू माधवत

क्सस्बद्ध अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'एक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंदित, दिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसेको मं० 31, व 131,3 है, तथा जो चिकाकन्ने लि विलेज, वर्तुर होबलि, बेगलूर दक्षिण तालूक में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-10-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफ च के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विष्ठास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक न, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय जायकर खिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरेक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री के० गोपाला रेड्डि, और 10 कुछ लोग आगरा क्रिलेज, बगुर होबलि, बंगलूर दक्षिण सालुक।

(अन्तरक)

(2) श्री डि॰ वि॰ शिवाप्रसाद रिड, सन्।आफ डि. बेंकटानरासा रेडि, गूडुर विलेज नेल्लोर डिस्ट्रिक्ट, अन्द्रां प्रदेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः संपरित के वर्जन के लिख् कार्यवाहियां चुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपुनितयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्चान के राजपथ में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळितिरणः ---- इसमें प्रयुक्त सब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 5011/83 ता० 15-10-83) सब सम्पति हैं जिसका सर्वे गं० 31/1 और 31/3 जो थिक्का-करोलि धिलेज, बर तुर होबलि, वेंगलुर दक्षिण कालुक, में स्थित है ।

> मंजू माध्रदन संक्षम प्राधिकारी सहायक आयजर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रोज, बंगलुर

दारीख: 8-6-1984

मोहरे 🕏

प्ररूप आहें ु टी ु एन ु एस ुसन्ननस्टनस्ट

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सुद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

मंगलर, दिनांक 12 जन 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि दुशावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

गौर जिसकी सं आर एस सं 12/ए० ए० ए० ए० बी०, टी० एस नं 733/ए-12 है, तथा जो कनकानाडी विलेज बंगलूर लालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 31 श्रक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जासाविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसक अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औष्ट्र/या
- ह) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् श्रीमती लीविसा पैस डाक्टर/ग्राफ यु० बी० जे० पैस, वास लैन, मंगलूर-1 प्रतिनिधि डेविड एडवर्ड राबर्ट ग्रौर पोरिना।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रलियास लोरिना जोसेफ मेरी राबर्ट श्री लियो पिन्टो, सन/श्राफ श्रालबर्ट पिन्टो एण्ड सौदि अरेबिया, प्रतिनिधि, श्री जोकिम पिन्टो, बलेनसिया, कनाकानाडी, मंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कस्ता हूं।

.उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में करेड़ भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्य के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त • अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सची

(दस्तावेज सं० 952/83-84 ता० 31-10-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० झार० एस० 12/ए० ए० बी० टी एस० नं० 733/ए-12-मार्ग, जी कनाकानाडी विलेज, मंगलूर, में स्थित है।

मंजू- माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, मंगलूर

तारीख: 12-6-1984

B . . .

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनाक 12 जून, 1984

निर्वेश - सार्व सीर्व आर० 62/40732/83-84--- स्रतः सुझे, मंजू माधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बाधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 67 एस० नं० 255/8 है, तथ्म जो मालप कीदावूर विलेख उडुपि में स्थित है (स्नार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से उम्मित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या ल्या जंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11 नवम्बर 1983

को प्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक ४६६मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिष्य ही आहर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय मांगा गया प्रतिकृत, निम्निलिश्वित उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्वित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया ही :—

- (क) जनसरण से हुई किसी जाम की बाबत, उनसां इप्रीयिम के जधीन कार दोने के जनसरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित् :---

- 1. श्री एस० क्षाण राज पुत्र यू० मुताप्पा, म्यांनेजिंग पार्टनर, गैगर्स विकास फिशींग कम्पनी, मालपे। (श्रन्तरक)
 - . (1) की केंब्सी० उपात **पुत्र के० सी० चांन्डि।**
 - (2) विस्ता प्रतिकार निनाम, पत्नी के अ वाक विनाम।
 - (3) भिराह सहिल परा, पत्नी के० ग्रार० राजन।
 - (4) निसम मारियम्भा तामस, पत्नी के० सी० तामस।
 - (5) श्री जान वर्रागम पत्नी के० जी० वर्गास ; कल्नुबिला, नगासेरी, कविलान, केराला। (ग्रन्तारती)

को यह सूचना जारा करके पूर्विका सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उस्त संपति के अर्जा के अर्जा न कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में एमाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखिन मों किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्तें अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रत्स्थी

(दस्सावेज मं० 668/83 सा० 11/11/83) सब सम्पत्ति है सिमका मं० 67 ,एम० नं० 255/8, जो मानवे , कीदाबूर विवेच, उद्गुर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-6-1984

प्ररूप आर्धः . दी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जून, 1984

निर्देश स० सो० ग्रार० न० 62/40787/83-84--- ग्रतः मुझे मजु माधवन गयकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल परचात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 85 है तथा जो अविन्य रोड होटेल जनाना में स्थित है बेंगलूर-2 में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 श्रक्तूबर 1983

को पूर्वोंक्स संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य , उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उथ्व अन्तरण लिखित के बास्त्यिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्स् अधिनियम के अधीन केर दोने के अन्तरक के दाशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; बीट/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- ा. (1) श्री वै० वी० तिम्माय्या।
 - (2) श्री वै० वी० वेंकटास्वामी,।
 - (3) श्री वै० वी० वेंकटागप्रंपा।
 - (4) श्री बै० वी० वेंकटाप्पा।
 - (5) श्री वै० वी० पारतासारथि।
 - (6) श्री वै० वी० लक्ष्मीकान्त।
 - (7) श्री वै० वी० केन्नावामूर्ति।
 - (8) श्री वै० वी० गजेन्द्रा ।
 - (9) श्री वैं० वी० लक्ष्मीनारायण।
 - (10) श्री वै० वी० शोशाद्री, नं० 9, 14 कास, कब्बान्पेट, बंगलूर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री हये सुब्बाराव सन/आफ हेय श्रीनिवासा २,५ पार्टनर:—होटेल जनाना, न० 85, ग्रविन्यु रोड़, बेंगलूर-2। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्युन्तिस्य करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :___

- (क) इस स्वना के राजपत्र म प्रकाशन की सारीधा से 45 दिन की अवधि या तत्संत्रंथी क्यिक्त्यों पेड स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजिपक की प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थाहर सम्मन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी - के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क को परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस्क्रिया में दिया गया है।

- वनस्थीं

(दस्तावेज सं० 1973/83 ता० 15-10-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 85, जो अविन्यु रोड, बेंगलूर-2, में स्थिति है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बगलूर

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🛭

प्रस्थ आहें.. टी.. एन . एस्. ------

कायकर अभिनियमें, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भू (1) के सभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 जून, 1984

निर्देण सं० सी० ग्रार० 62/40790/83-84—श्रतः मुझे मजु माधवन

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० 29 है, तथा जो काक्बर्न रोड बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय णिवाजिनगर में ताराख 3 श्रक्तबर 1984

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कटने या उससे वचने में सुविभा के लिए; बौट्/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्थादि ६—

- 1. (1) जनाब मोहम्मद हुसेन खान बाशा।
 - (2) जनाब म्रष्पाकुन्निसा, नं०-42, डी०-2 स्ट्रिट, भिवाजी रोड़ कास, भिवाजीनगर, बेंगलूर-1। (भ्रन्तरक)
- श्री सैयद तसनीम श्रागा श्रौर कुछ लोग। पुल सैयद इमितयाज श्रागा, न० 29 काकबर्न रोड़, बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दरनावेज सं० 1731/83 दिनांक 15-10-83) सब सम्पत्ति है जिसका न० 29 (22), जो काकएबर्न रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माघवन सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बगलूर

नारीख: 12-6-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एव. - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-र (1) विकास का

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० सी० स्नार० 62/40578/83-84—-स्रतः मुझे मंजु माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 7 है, तथा जो प्रशान्त रसीडेनशियल लेग्राउट, पट्टान्दूर ग्रग्रहारा वेटफीलड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधाप तीलूक रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बेंगलूर में विधाप तीलूक रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बांजार पूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण में दिलिए वास्तिबक हम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसा वन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रही द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया नाना माहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री ई० बी०. जे० कुन्हा और 10 कुल होग, 69, सेंट जान्स चार्च रोड़, बेंगलूर 5!

(भ्रन्तरक)

2. मित्तर्स सविता शर्मा, 21, बेंटिंग स्ट्रीट, कलकत्ता। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जभील से 30 दिन की अविधि. जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहन्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे:

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2820/83 नारीख ग्रक्तूवर 1983) सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० 7 , जो प्रशान्त रेजीडेन-शियल लेग्राउट, पट्टान्दूर ग्रग्रहारा, वैटफील्ड, वेंगलूर, में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 8-6-1984

प्रकृत् बाइं.टॉ. एन. एव. -----

नायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० आई०ए०सी ०/अर्जन/भोपाल 4711-अतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धारण 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 106 पर निर्मित फ्लेटों में से फ्लेट नं० 1 है, तथा जो स्कीम नं० 47, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, इंदौर, अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है बीर अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वादेश से उक्त अन्तरण निस्तित भे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त बीधीनयमं के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, अवत अधिनियम की भाषा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित स्विकतमों, अर्थात ह—— 32—156 GI/84

(1) मेससं बङ्जात्या कंस्ट्रक्शन कंपनी 146, जावरा कम्पाउंड. इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) मिथलेश गुप्ता पति
डा० एन०सी० गुप्ता, 101
रामसहाय मार्ग,
नागदा जं० (म०प्र०)।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित् के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीकृ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास पिक्ति में किये जा सकोंगे।

स्यक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ए⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गुका है।

वन्त्रची

प्लाट नं० 106 पर निर्मित फ्लेटों में से फ्लैट नं० 1, स्कीम नं० 47 इदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

प्रकप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1984

निर्देश सं०आई ए०सी०/अर्जन/भीषास/4712--अस स्झी, देवप्रिय एक्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृख्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० डी-11 एवम डी-12 पर फ्लेट नम्बर 4 है, तथा जो वर्षा अर्पाटमेंट, रतलाम कोठी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के नार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान, अक्टूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रममान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा २६९-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपभाषा (1) के अभीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात है—

(1) श्री राधारमण पिता श्री
 नारायण अग्रवाल,
 निवासी—42,
 संयोगितागंज,
 इन्दौर।

(अन्सरकः)

(2) श्री दिनकर भास्कर राव ऋषि हिन्डालको, रेनूकूट, मिर्जापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० डी-11 एवमं डी-12, में वर्षा अपार्टमेण्ट का फ्लेट नम्बर 4 जो कि रतलाम कोठी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 13-6-1984

प्रकृष काहाँ, टी. एम्. एक. -----

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन सुमना

भारत चरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

. निर्देश सं० आई०ए०र्सा०/अर्जन/भोपाल/4713—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जन्म निभीनियम' नज्जा नवा हैं), की धारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/- रहे. से निभन्न हैं

ग्रीर जिसकी सं म्यु ज्या नं 17 का मकान है, तथा जो छू न्यू पलासिया, चैनसिंह का बगीचा, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1983

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित नाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाग की बाबत, सकत जिल्लाम के जभीन कर दंगे के जल्लाक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; बीट/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन या जन्य नास्तिकों को जिन्ही भारतीय नाय-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 17) या उक्त निभिनयम, या भनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) से प्रसोजनार्थ निभ्यों निभ्यों पाया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन: विक्निलियन क्यक्तिसमों, अर्थात्:— (1) 1 श्री रिवन्द्र 2 माणिकिरण पिता स्व० सदाणिव बोरगावकर सौ० ग्रंजिल अरविन्द भडभड़े 4. सौ० वैजन्ति विवेक पुराणिक सरफे मु० अरविन्द विनायक भडभड़े निवासी - 17, न्यू पलासिया, इंदौर !

(अन्तरक)

(2) भन्द्रकान्ता डाबर पति श्री खुशीरामजी डाबर निवासी--10/5, न्यू पलासिया, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथांकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विश् की अविधि या तत्स्वस्वरंभी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयों कर व्यक्तिस्तों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

वन्सूची

म्यु० पा० नं० 17 का मकान, न्यू पलासिया, चैनसिंह का बगीचा, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनु रेंज, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

प्रकृप आई. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 8 जून 1984

निर्वेश सं० आई०ए०मी०/अर्जन/भोपाल/4714---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नंबर 106 पर निर्मित्त फलेटों में से फ्लैट नं० 6 है तथा जो स्कीम नं 47, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1983

की पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मीसिचत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम् के अधीन् कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अल. जब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन, निम्मीलिस्त व्यक्तियों, अर्थात्य़—⇒ (1) मेसर्स खडजान्या कंसट्रक्शन कंपनी 146, जावरा कंपाउंड, इंबीर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र पिता नन्नूलालजी जैन निवासी-19, श्रद्धानंद मार्ग, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन् को सम्बन्ध मा काई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नंबर 106, में से फ्लेट नंबर 6, स्कीम नंबर 47, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

सारीखाः 8-6-1984

प्रक्ष आहे. टी. एन. एस.-----

नायकरु निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4715—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 493 के नीचे की दुकान है, तथा जो महात्माछ गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की भावत उक्त आधि-नियम के अधीन कार बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा अ विष्

् जतः त्रतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त सीधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1) से अधीन, निस्तिषित व्यक्तियों**ु **नर्गत् इ**—

- (1) 1 श्रीमती शीलावतीबाईपत्नी जमीयत रायजी
 - 2. कन्हैयालाल 3. रमेण कुमार
 - कमलकुमार 5 राजकुमार पिता जमीयतरायजी
 - 6. मोहिनीबाई पति नंदलालजी
 - 7. निर्मलाबाई पति हरीश कुमार
 - 8. लाजवंती पति नाराययणदास
 - माया पति देवा निवासी-34/1, स्नेहलतागंज, धंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणदास व लालचंद रामचन्द्र व लक्ष्मणदास पिता इंदीमलजी निवासी-24, आलापुरा,

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्यव्हींकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गमा है।

नगुज्यी

मकान नं 493, की नीचे की युकान, महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पस्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

यारीख: 8--6-1984

मोहरः

्प्ररूपः बादः टी. एन्. एस्. - - - -

नायकर भौभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर बायका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4716—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

लग्नकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० आर०-21 पर बने हुए मकान का तीसरी मंजिल का फ्लेट नं० 7 है, तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं० 44 (खातीबाला टैंक) इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूणं रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान, अक्ट्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अपनियम, विकास प्रयोजनार्थ अपनियम का बाहिए या किया गांच सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) मेसर्स मनसुखानी कन्सट्रवणन 20, हाथीपाला इदौर तरफे भागीदार जगदीण मनसुखानी पिता श्री झमकलालजी मनसुखानी निवासी-20, हाथीपाला, इंदौर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री काईद जीहर स्टेशन वाला पिता श्री शब्बर हुसैन स्टेशनवाला निवासी-35, शंकर बाग, इदौर।

(भ्रन्तरिती)

को **यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सफींग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्त्यी

प्लाट नं० आर 21 पर बने हुए मकान की तीसरी मंजिल का फ्लेट नंबर 7, इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम नं० 44 (खातीवाला टैंक) इदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षी) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

प्ररूप बाइ[‡]. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1984

निदेश संब्झाईब्एब्सीब्य्यजन/भोपाल/ 4717—स्तः मुझे देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 19-ए का प्लाट है, तथा जो प्रेमनगर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, इदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1983 को पूर्वोक्त गंपित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के प्रमुख प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री हरजीतकौर पति
श्री सरदार हरीसिंहजी
निवासी-15/3,
नार्थ राजमोहल्ला इंदौर नरफे
ग्राम मु० हरीसिंग पिता
सरदार लहासिंह जी
निवासी-15/3,
नार्थ राजमोहल्ला,
इंदौर।

(धन्सरक)

(2) श्री सरदार ग्रवतार्गसह पिता सरदार करतारसिंह 2. सरदार तिलोचनिस्हि पिता सरदार श्रवतारसिंह निवासी-9ए प्रेमनगर कालोनी, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य स्थानत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्वक्रीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसची

प्लाट नंबर 19-ए का प्लाट, प्रेमनगर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-6-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस / ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 12 जून 1984

निदेश मं०म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/4718---मृत: मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नंबर 183 पर बना हुग्रा मकान है, तथा जो बैराठी कालोनी नं० 2, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इदौर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्ट्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गता प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, छक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसित व्यक्तियों अभीत् :---

 श्री कल्लूप्रसाद पिता हीरालालजी निवासी-28, गोधा कालोनी, इंदौर ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री केणबदास
2. बूलचंद पिता
टिल्लूमलजी पेसवानी
5. पलसीकर कालोनी,
इंन्दोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

जबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में, से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्वी

प्लाट नं० 183 पर बना हुम्रा मकान, बैराठी कालोनी न० 2, इवीर में स्थित हैं। (मकान का एक भाग)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-6-1984

मोहर 🗄

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) . ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश संब्धाई०ए०मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4719—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नंत्रर 40 पर बना हुस्रा मकान है, तथा जो त्रियेणी कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपबद्ध श्रानुस्ची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे धृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धार्य 269-घ को उपधार्य (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 33—156 GI/84

(1) श्री मांगीलाल पिता हनुमानजी प्रजापत विवासी—कमला नेहरू नगर, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रवतार्गमह पिवा बलवतसिंह जी प्रागनीस पागा मकान न० 17, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अभीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

प्लाट नंबर 40 पर बना हुआ मकान, विश्वेणी कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> देत्रप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोषाल

नारीख: 11--6--1984

प्रकृप आहा. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4720—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्कल परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

त्रीर जिसकी संख्या भूमि सर्वे० नं० 682, 683 है तथा जो प्राम मेंड्की चिक, देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्ट्यर 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई िकासी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दािषद्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आख्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जाक अधिनियम, या धा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं पर्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भंश था या किया जाने वाहिए था दिखाने से स्कैंबचा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्धात :--- (1) श्री हिंदूसिंह प्रिता पन्नालाजी वैद्य, एडव्होकेट सरदार पटेल मार्ग, वजरंगपुरा, देवास ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रनुकूल गृह निर्माण सहकारी सस्था मर्यादत देवास मञ्जर पंजीयन क्रमांक स प दे 195 द्वारा श्रध्यक्ष दिनेश कुमार निगम 1388, बैंक नोट प्रेस, देवास (मञ्जर)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए अर्थिवाहियां करता हुं।

ं. उत्कल संपति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित रूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्भी

भूमि सर्वो नं 682, 683, ग्राम मेंड्की वक जिला देवास में स्थित हैं। जिसका विवरण ग्रन्तरिती क्वारा सत्या-पित फार्स नंवर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्न मक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 11-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मूचना

भारत सरकार .

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1984

निदेश सं०म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/4721---म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ज़्चित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं 683 है, तथा जो ग्राम मेंड्रकी चक तह व जिला देवास में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्री-कर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकार 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, अक्टूबर 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तारण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित अधिकार्यों, अर्थीत ॥

- (1) श्री हिन्दूसिंह पिता पञ्चालाल वैध निवासी—सरवार पटेल मार्ग, देवास ।
- (2) श्री अनुकूल गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित देवास म०प्र० रजिस्टर्ड नं० एस०पी०डी० 395, द्वारा अध्यक्ष श्री दिनेश कुमार निगम 1388, बैंक नोट प्रेस, देवास (प्र०प्र०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उसत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे० नं० 683, ग्राम मेंड्रकी चक तह० व जिला देवाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त संक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 11-6-1984

मोह∵र ः

इक्त बाइंटी. एन. एस. - - -

नाम्कार निधनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1984

निदेण सं ०ग्नाई ०ए०सी ०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4722---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्तः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि ख नं । 124/1 है, तथा जो ग्राम इटावा तह । देवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, ग्रक्टबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानता, उक्त नियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (का) एँसी किसी नाय या किसी भन या अन्य ं नास्तियों की, जिन्ह भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ नन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्षभ के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त व्रिधिनियमं की धारा 269-घ की इपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री श्रनवर पिता मसद निवासी—इटावा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चित्रगुप्त गृह निर्माण सहकारी संस्था 1307, बी॰एन॰पी॰ कालोनी, देवास ।

(ग्रन्सरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्पृत्ति के वर्णन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

शक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की जनिए मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुवारा
- (ध) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पासं लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उकत अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया पता हैं.

नग्स्ची

भूमि ख नं० 124/1, ग्राम इटावा सह० देशास में स्थित हैं। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरोक्षी) सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-6-1984

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1984

निदेश संब्याईव्एव्सीव/श्रर्जन/भोपाल/4723—श्रंतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ऋषिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000∕-रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या भूमि ख नं 124/1 है, तथा जो ग्राम इटावा जिला देवास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्टूबर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नम्बह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार योगे के अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उत्तर्स दक्ते में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री भ्रनवर पिता ममद निवासी——इटावा।

(म्रन्तरक)

(2) श्री चित्रगुप्त नगर गृह निर्माण सह० सं० बी०एन०पी० देवास रिजि० नं० स०प०वे० 392 दि० 7-7-81 तरफे प्रध्यक्ष श्री मोहिन्दरसिंह पिता संगतसिंह, देवास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्मना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकीय।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्तर अधिनियमें के अध्याय 20-के में परिभाषित है, यहाँ अर्थ हांगा. जो जाम अध्याय में दिशः गया है।

वगस्त्री

भूमि ख नं० 124/1, ग्राम इटावा में स्थित हैं। जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उका अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित् :--

दिनांक : 14-6-1984

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस . -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं श्राई०ए०सी ० /ग्रर्जन/भोपाल / 4724—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 124/1 है. तथा जो ग्राम इटावा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्टबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उपिल बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्मिलिसित उद्देश्य में उस्त अन्तरण जिल्हा में शास्तिवक स्प से किया नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की नावत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री अनवर पिता ममद निवासी—इटावा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री चित्रगुप्त नगर गृह निर्माण सह० सं० देवास द्वारा अध्यक्ष मोहिन्दर सिंह पिता संगतिसह, वेवास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

बक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धं 45 दिन की अविधि प्रांतित्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं!

. बन्ल्ची

भूमि ख नं० 124/1, ग्राम इटावा तह० देवास में स्थित हैं। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फाम नंबर 37-जीं में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक श्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

जतः जब, उक्त जीधीनयमं की धारा 269-गं के जनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-जं की उपभारा (1) के अधीन, निस्मिलिजित व्यक्तियों, अर्धात् हिल्ल

तारीख: 14-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 जून 1984

निदेश सं श्राई ०ए०मी ०/ग्रर्जन/भोपाल/ 4725—म्प्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 124/1 है, तथा जो ग्राम इटावा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रानुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारो के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रक्ट्बर 1983

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे-यास्तिचिक रूप से किथान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या जसमे वचने सें भूविधन के लिए; और/या
- (ख) एमें किसी आय या किसी र्धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिकियण, १००० (1922 को 11) या अवन अधिकिया, ००० ००० १००० विकास, १९५७ (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट यहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्मरण मो, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरा, निम्नितिणित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रो श्रनवर पिता ममद निवासी——इटावा।

(ग्रन्तरक)

(2) चित्रगुप्त नगर गृह निर्माण सह० स० 1307 एन०पी० कालोनी, देवास रिज० ऋ० स०प०दे० 392, 7-7-81 तरफे श्रध्यक्ष मोहिन्दर्रीसह पिता संगतिसह देवास।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख नं० 124/1, ग्राम इटावा तह० देवास में स्थित हैं। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) महायक ग्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 14-6-1984

प्रकृष काहै. टी. एन. एम. ------

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-व (1) के अभीन सुवाग

भारत संख्यार

शार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 1 जुन 1984

निवेश सं श्राई ०ए०सी ० । धर्जन | भोपाल | 4726 -- प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गडा है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- फ. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान है, तथा जो धार में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, धार में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्टूबर 1983

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गित-फल निम्निसित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निष्:

#भ: अब. उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती भागवन्ताबाई पत्नी मनीराम

2. मोहनलाल 3. सोहनलाल पिता

मनीराम द्वारा मृष्य्रा० देवनारायण तथा

4. देवनारायण पिता मनीराम

निवासी——धार०।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री श्रानिल कुमार जैन पिता समीरमलजी जैन निवासी—धार।
 - 2. सुभाष कुमार जैन
 - दिनेश कुमार जैन
 - 4. महेन्द्र कुमार जैन
 - प्रशोक कुमार जैन
 - 6. अजय कुमार जैन

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षोप:----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त कोती हो, के भीतर पृत्रों कर मोनित्यों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्दभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

नन्स्वी

मकान, धार में स्थित हैं। जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंवर 37—जी में निहित है।

> ् देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरोक्षी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोवाल

तारीख: 1-6-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन एस. ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1984

निदेण सं ० ग्राई ० ए ० सी ० / ग्रर्जन / भोपाल / 4727 — ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं 381 है, तथा जो ग्राम मेहतवास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद प्रनृसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, खाचरौद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक खप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजसार्थ अधिरिती दवास प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन: निम्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात् ----34 ---156 GI/84

- (1) मेसर्स दि ग्वालियर रेयान सिल्क मेन्युफेक्चरिंग (वीविग) कंपनी लिमि० बिरलाग्राम, नागदा।
- (2) मेसर्स टिटानियम इक्यूपमेंटस एन्ड एनोड छे मेन्यु-फेक्चरिंग कंपनी लि० टीम हाउस, जी०एस०टी० रोड बेन्डालूर, मद्रास (तिमलनाडू स्टेट) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

शक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अपित्रयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे.

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि सर्वे० नं० 381, ग्राम मेहतवास में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37~जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरोक्षी) सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आईं, टी. एन् . एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4728:—अतः मुझे, देवप्रिय पन्तं,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रहे. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संग्मकान नं 477 है, तथा जो काटजू नगर, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अतुक्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के बरयमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्राह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दखने में सृदिधा के लिए; आर./या
- (क) एंसी किसी भाय या किसी धन या मन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री एस० बी० विभूति, निवासी—यूनिवर्सटी, उज्जैन

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० नागर, राम निकुंज, पैलेस रोड़, रतलाम।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवानित सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबत्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किछ जा सकोगें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में बरिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

मंकाल नं ० 477, काटजू नगर, रतल(म में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी ; निहित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1984.

प्ररूप बाह्रे , टी., एत , एस ,-----

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालक, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4729:——अतः मुमे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक मंजिला पक्का मकान म्यु० नं० 22 है, सथा जो बसंत कालोनी, झाबुआ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, झाबुआ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अन्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कस्तरण से हुई किसी नाय की वावस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्सरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- ्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें भारसीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकायों, सर्थात् १—

(1) श्री आनंद सिंह, पिता श्री दरयाव सिंह परमार, निवासी—झाबुआ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार, पिता श्री नाथूलालजी कासलाना, निवासी—मंवसौर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के रुद्ध कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

बर संची

एक मंजिला पक्ता मकान म्यू० नं० 22, बसंत कालोनीः झाबुआ में स्थित है।

> वेवप्रिय पस्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त), (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, भोपाल ॥

तारीख: 2-6-1984.

मुक्त वार्ष**्टी. एव**ं प्रवा----

जायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

. भारत सरकार

कार्यांस्थ, सहायंक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 2 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4730:--अतः मुझे, देवित्रिय पन्त,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात उपल विभिन्नियम कहा गया है) की बाख 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारन है कि स्थावर संपरित विस्का चित्रत वाचार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 21 है, तथा जो भरावा की कुई, रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल भे, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क न निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्त-पिक स्थ से कथिय नहीं किया थना हैं---

- (क) नन्तुरण चं हुव् किसी वाय-की वावस वक्त अवि-तिवस के अभीन कर-बोने के जन्तरक के शायित्य में कवी कड्ये वा जवचे ब्युने में बृष्धि। के लिये; अर्-्या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व का उपधारा (1) के बारीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री मोहम्मद इलियास पिता श्री इक्राहीमजी, निवासी-पाईपरोड़, बम्बई-70
 2. श्री अयाज एहमद पिता इक्राहीमजी, निवासी-5/6, जवाहर नगर, इंदौर
 3. श्री अजाज एहमद पिता श्री इक्राहीम, निवासी-पाईपरोड़, केरला ।
 4. श्री अब्दुल सत्तार पिता श्री सुलेमानजी, निवासी-9, भरावां की कुई, रतलाम ।
 5. श्री मोहम्मदयाकुव पिता श्री सुलेमानजी, निवासी-जवाहरनगर, इंदौर।
- (2) श्री अकबर अली पिता श्री युनुफ अलीजी, निवासी—चांदनी चौक, रतलाम ।
 2. श्रीमती साराबाई पित श्री अकबरअली, निवासी—चांदनी चौक, रतलाम ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में को**ह' भी बार्सप** :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किया की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निश्वित भी किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विका वका हैं।

नन्स्ची

दो मंजिला मकान नंबर 21, वार्ड नंबर 10, भरावां की कुई, रतलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 2-6-1984

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाध्यत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

ंभोपाल, दिनांक 2 जून, 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4731:—अतः मुझे, वेवप्रिय परत,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नंबर 21 है, तथा जो भरावा की कुई, रतलाम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख अक्तूबर, 1983

भे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझं यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिमित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (2) श्री मोहम्मद ईलियास,
 - 2. श्री अयाज एहमद,
 - 3. श्री एपाज अहमद पिता श्री इब्राहीमजी, पाईप रोइ, कुरवा, बम्बई-70.
 - श्री अब्दुल सत्तार पिता श्री सुलेमानजी,
 भरावां की कुई, रतलाम,
 - 5. श्री मोहम्मद याकुब पिता भुलेमानर्ज, निवासी -रसलाम

(अन्तरक)

- (2) श्रां अकबर अली पिता श्री युसुफ अली बोहरा, निवासी-रतलाम,
 - श्रीमती साराबाई पति अकबरअलीजी बोहरा, निवासी—चांदनी चौक, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृवेकित सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध भा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को जनिध या तत्मम्बरधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमाँ प्रयुक्त ग्रद्धों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हर्नें, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

मनुसूची

दो मंजिला कण्वा मकान नंबर 21, वार्ड नंबर 10, भरावां की कुई, रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, , सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 2-6-1984.

प्रकृप साह्". टी. एन . एस . -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1984

निर्वेश सं० भ्राष्ट्रिं० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4732:—-ग्रतः मझ, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० भूमि नं० 252/3/1 है, तथा जो मौजा कोलगंवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सतना में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल की पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीद एमे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण के निए तथ पाया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए जा, खिपाने में स्विधा के निए;

ब्ह: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अपूतरण मों, मों, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती श्रम्बेदेवी पत्नी श्री लालजी सिंह, निवासी-कृपालपुर।

(भ्रन्सरक)

- (2) 1 श्रीरमेशचन्द्र,
 - 2. श्री सुरेशचन्द्र पिता श्री बाबू लाल मंगल,
 - 3. श्रीमती रमामंगल पत्नी श्री रमेशचन्त्र,
 - श्रीमती उमा पत्नी श्री सुरेश चन्द मंगल,
 - श्री पुरुषोत्तम दास पिता श्री शारदाप्रसाद कटारे, सतना,
 - 6. श्री सुमत चन्द्र पिता श्री कुंजीलाल जैन, सतना,
 - श्री डा० राजवली पिता श्रीपाल जैन, निवासी पनागर, जबलपुर,
 - श्रीमति राजश्री पत्नी प्रकाशचन्द्र जैन, निवासी सतना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवर्षिक्त सम्परित के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्स :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दोकरणः -- इसमें प्रमुक्त शुक्रों और पदां का, जो उक्त, जी उक्त, जीधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं० 252/3/1, मौजा कोलगवाँ, सतना में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख:** 5-6-1984

महिर 🕃

बायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सचना

HISTORY SERVICE

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्णन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० माई० ए० भी०/मर्जन/भोपाल/4733--- प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/-रत. से अधिक है

अभैर जिसकी सं० भूमि नं० 252/3/1 है तथा जो कोलगँवा, सतना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ग प्रधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्टीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल में, एंसे अध्यमान प्रतिफल का **पन्द्रह** प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से अक्त अन्तरण सिचित में गास्त्रभिक रूप में कथित नहीं किया गगा है:--

- (भा) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के संशीत कर दोने के अन्तरण के बाधिएम में कमा अपने या उसमें बचने में मिविधा में विष्: मीड/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तिका को , जिन्हों भारतीय आय-कर का धानियम , 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भेन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा १५३८ नहीं किया **नवा भा वा किया जाना चाहिए था,** क्ष्मियार 📑 सुविधा के निए:

सतः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्य अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थातु :--

(1) श्री जर्यासह पिता श्री जगत बहापुर सिंह, निवासी-कृपालपुर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती प्रभादेवी पत्नी श्री राजेन्द्र मुमार जैन,
 - 2. श्री राजेश कुमार पिता श्री राजेन्द्र कुमार जैन, सतना।
 - 3. श्री सुभाषचन्द्र,
 - 4. श्रानल कुमार पिता रतनचन्द्र जैन, सतना,
 - 5. श्री सुभाषचन्द पिता श्री कोमलचन्द जैन,
 - डा० राजकुमार पिता हुकुमचन्द जैन,
 - 7. डा० छत्रमाल पिता श्रीपाल जैन, निवासी-पनागर,
 - 8. श्रीमती रतनमाला पत्नी श्रीमती राजकुमार गुप्ता, निवासी सतना

(भ्रन्तरिती)

को थह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुई।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भे अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्याप्तरा में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 बिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

श्यध्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमसभी

भूमि नं ० 252/3/1, मौजा कोलगवा, सतना में स्थित है। जिसका विवरण अन्यरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी, में निहित है।

> देवप्रिय पन्त. सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज, भोपाल ।

नारीख: 5-6-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप बार्इ.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 5 जुन 1984

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4734—श्रतः मुझे, देवित्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं भूमि ख० नं 22, 23, 24, 31 है, तथा जो मढ़ोताल, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के अभिन बाजार मृल्य में कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गैर्ड हैं और मुक्ते यह विष्टास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मृल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री राधिकाप्रसाद ग्रात्मज श्री दामोदर प्रसाद, निवासी-कोतवाली, जबसपूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री काणीराम यादव ग्रात्मज स्व० बापूलाल यादव, निवासी-निर्वाङगंज, जबलपुर।

(श्रन्तरिती)

को यहर चिना जारी करने पूर्विकृत संपरित के अर्जन के लिए े लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी श्रम्यित ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख नं० 22, 23, 24, 31, मढ़ाताल, जबलपुर में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी०, में निहित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

अत: अब तथत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण े मों, भीं, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (०) के विकास तारीख: 5-6-1984 के अधीन, निम्निसि**खत व्यक्तियाँ, अर्थात्** हु— **मोहर**े प्रारुप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4735—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

अग्रिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि खं० नं० 68, 68/2, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 81. 82, 85, 83, 84, 93 है तथा जो माढ़ोताल, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रवदूबर, 1983

को प्रांकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आव की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 35—156 GI/84 (1) श्री राधिकाप्रसाद पिता श्री दामोदरप्रसाद, निवासी-कोतवाली, जबसपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री काशीराम यादव श्रात्मण स्व० बाबूलासणी यादव, निवासी -- 652, पूर्वी निवाडगंज. जबलपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरें।

स्पव्डीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

बन्स्**ची**

भूमि ख॰ नं॰ 68, 68/2, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 81, 82, 85, 83, 84, 93, मौजा माड़ोताल जबलपुर में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 3785ि, में निहित है।

देवप्रिय पत्त. सक्षम प्राधिकारोः, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 5-6-1984

मोह्र :

प्रकृप आई. टी. धर एस.-----

्भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज भोषाल

भोपाल, दिनांक 5 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4736—यतः, मुझे, देवप्रिय पत्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० सकान नं ० 19/754 है तथा जो रतन कालोनी नगर, लपूकर, खालियर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्याव्य, खालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय उपया भया प्रतिफल कि निम्नी सित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नी विसत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अप्तरण संहुई किसी अध्य की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एोमी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिःहों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सो० वेद ग्ररोरा, पत्नी श्री जीवन सिंह श्ररोरा, निवासी--लक्ष्मीगंज रोड, लक्ष्कर, खालियर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री प्रहलाददास धारमज श्री लिल्लूमलजी धाहूजा निवासी-शितोले साहब के पिछाड़ी, लक्ष्कर, ग्वालियर।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थना जारी कारके पूर्वाक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- शद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मब्द्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो दक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसङ्गी

मकान नंबर 19/754, रतन कालोनी, लक्ष्कर, ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेंज, गंगोन्नी बिल्डिंग बौथी मंजिल, टी० टी० नगर भोपाल

तारी**ख** : 5—6—1984

सोहर 🗈

परूप हाई. टी. एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4737—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-स ने निर्मित प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 19/754 है, तथा जो रतन कालोनी, जीवाजी नगर, लक्कर, वालियर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याज्ञय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकर्ग भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की नाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिष्ट; और/या
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिवित स्पिक्तियों, अर्थायु :— (1) श्रीमती सौ० वेद ग्ररोरा पत्नी श्री जीवन सिंह ग्र्रोरा, निवासी-लक्ष्मीगंज रोड, लण्कर, ग्वालियर।

(मन्तरक)

(2) सौ० विद्याबाई पत्नी श्री लिल्लूमलजी श्राहूजा, निवासी-शितोले साहब की पिछाड़ी, लक्कर,ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्धाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

अनुसूची

मकान नं० 19/754, रतन कालोनी, जीवाजी नगर, लक्ष्कर, खालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी ०टी नगर, भोपाल ।

सारीख: 5-6-1984

माहर ध

वंसन कार्यः, दी, एन्, एस्,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4741—यतः, मुझे, धेवप्रिय पन्तः,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स ने निधन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- सु. से निधक हैं

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 33/680 है, तथा जो शितोले साहब की पिछाड़ी, लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यम् म प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिशत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इव से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनसरण से ह्यूइ किसी जाय की बावत जनस् अधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अपनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अदि/या
- (व) एसी किसी बाव वा किसी धन या बन्य बास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या बन्ध कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, डिमाने में सुविधा के निए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीम, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री मोरन्दमल कालड़ा, श्रात्मज श्री निहालचंद कालड़ा, निवासी-शितोले साहब की पिछाड़ी. लक्कर, ग्वालियर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जन्नूमलजी स्नात्मज श्री चेट्सल, .निवासी-शितोले साहब की पिछाड़ी, लश्कर, ग्वालियर।

(प्रन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के जर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अन्नीध या तत्संबंधी क्यां सिसमां पर सूचना की बामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकरा सरकार में के किता हो है दिना,
- (च) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की शारीय के 45 विन् के शीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितन्त्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कीकर्णः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो उक्त जभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही धर्ष होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया स्वाह ।

बन्स्की

मकान नं० 33/680, शितोले साहब की पिछाड़ी, लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (मकान का भाग)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण)

<mark>ग्रर्जन रेंज, गंगोत्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भो</mark>पाल ।

तारीख : 5-6-1984

प्ररूप आहाँ .टी . एन . एस .;-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 जून 1984

निर्देश मं अग्नई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/4742---यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं मकान नं 33/680 है, तथा जो शितोले साहब की पिछाड़ी, लश्कर, ग्वालियर में स्थित है (भौर इससे उपाबड़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विशित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कररे का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया एका है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस्त वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में मुजिधा है सिए:

जतः जबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण म. म., उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोरन्यमल कालड़ा, श्रात्मज श्री निहासचंद कालड़ा (रामान्नि), पिछाड़ी डियोड़ी, णितोले साहब की पिछाड़ी. • लक्कर, ग्वालियर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश कुकरेजा, श्रात्मज जमनूमलजी कुकरेजा, निवासी-शितोले साहब की पिछाड़ी, लक्ष्कर, ग्वालियर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वाक्त सम्परितः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

सक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवस व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्यायः में दिया गया है।

बन्दुर्वी

मकान नं० 33/680, शितोले साहब की पिछाड़ी. लश्कर, ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

भ्रजीन रेंज, गंगोक्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी नगर, भोपाल । तारीख: 5-6~1984

मोहर 🛭

प्रक्ष बार्ड. की. प्रमा, प्रसार, वरणकान्य नवन्त्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4743—ग्रतः, मुझे, देशप्रिय पन्त,

आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इरुमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह में अधिक है

गौर जिसकी सं मकान नं 33/604 है, तथा जो चित्रगुप्तगंज, ग्वालियर टाकीज के पीछे, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 हो 1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मृन्य में काम के इश्यमान श्रिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके इश्यमान श्रीतफल में, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्त्रह श्रीतश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया म्या श्रीतफल निम्नलिखित उद्यविष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण सं शुर्घ किसी नाय की नावस, उक्स निधीनयम के नधीन कर दोने के अंतरक के वास्तित में कमी कहने या उससे क्याने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आज्जियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगन के जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारत किया जाना चाहिए था. कियाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) 1. श्री गणेशदत्त दुवे झात्मज श्रीराम दुवे,
 - 2. चि० शरद दुबे म्रात्मज गणेशदत्त दुबे, म्रवयस्क सरपरस्ती पिता श्री गणेशदत्त दुबे, म्रात्मज श्रीराम दुबे, निवासी-चित्रगुप्तगंज, लक्ष्कर, ग्वालियर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रंगीलाल श्रग्नवाल, श्रात्मज श्री चिम्पालालजी, निवासी-चित्रगुप्तगज, लक्ष्मर।

(ग्रम्तरिती)

को यह स्वा धारी करके पृश्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिली व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका म 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में िए का सहोता.

स्पब्सीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्चा

मकान नंबर 33/604, चित्रगुप्तगंज, ग्वाल्यिर टाकीज के पीछे, लक्कर, ग्वालियर में स्थित है।

देशप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारो,

सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल ।

तारी**ख** : 6~6~19**84**

प्रक्ष बाइ. टी. एन. ६स. -----

भायकं र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1984

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4744—म्प्रतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें धमके प्रज्ञात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26०-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं मकान नंबर 33/604 है, तथा जो चिन्नगुप्सगंज लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफाल के लिए अन्सरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फास निक्तिसिक्ट उस्टेंड्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में अस्तिक क्रय से स्थित अ्ती किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुद्दं किसी बाय की वाबत, उन्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के सिए; और/या

जतः अब उक्त जिम्मियम की भाग 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ्— (1) श्री गणेणदत्त दुवे ग्रात्मज श्रीराम दुवे (रामाति), 2. चि० शरद दुवे ग्रवयस्क ग्रात्मज श्री गणेणदत्त दुवे, निवासी—चित्रगुप्तगंज. लक्ष्कर, ग्वालियर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार श्रग्नवाल. पिता रंगीलाल श्रग्नवाल, 2. श्रीमती पार्वतीदेवी, पत्नी रंगीलाल श्रग्नवाल, निवासी-चित्रगुप्तगंज, लश्कर. श्रग्वालियर ।

(श्रन्तरिनी)

न्त्र ग्रह श्रूचना कारो करके पृत्राचित सम्मित्ति को गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 डिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तित्यों में ते किसी व्यक्ति इवाराः
- (म) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्ति में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः—हतमें प्रयुक्त कटा बोह पूर्वों का, और हवक बाँधनिवम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

वन्त्वी

माकन नं० 33/604, चित्रगुप्तगंज, ग्वालियर टाकीज के पीछे, लक्ष्कर ग्वालियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्राँयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 6—6—1984.

मोहरू ह

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपास/4746—ग्रतः मुझे, देन्वप्रिय पन्त,

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-छ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 62 सी (न्यू० नं० 60) है, तथा जो जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधारी के कार्यास्य. इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधानियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रक्तबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण न, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः :— मोहर : (1) श्री शंकरलाल पिता श्री राम लाल वर्मा, निवासी-39, मार्तन्ड चौक, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इंदरीस पिता मोहम्मद शफी, निवासी-41, नयापुरा, इंबीर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी खु से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंकारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिस्य गया है।

अमुसुची

मकान नंबर 62 सी० (नया नं० 60) जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है $\frac{1}{5}$ ।

दिवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ,ग्रजीन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

माहर 🥫

प्ररूप माइ. टी. एन. एस.-----

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निर्देण सं ० ऋषि ० ए० सी०/प्रजन/भोपास/ 4747---अत. मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० मकान नं० 62 डी (न्यू० न० 59) है तथा जो जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एमें दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- इस निम्निलित उद्वोदय से उच्त अन्तरण निवित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-विश्व के अभीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा असचे वचने ने स्विभा के निस्; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण के में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की विष्भाग (1) के अधीन निम्निलिकिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36---156 GI/84

(1) श्री पांकरेनाल पिता राम लाल वर्मा, गिवासी -89, मार्गण्ड चौक, इंदोर ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती जमरंत बी पत्नी मोह० ईदरिस, 2. मोहम्मद जमील पिता चांद खान, निवासी--41, नयापीठा, ईदौर,।

(ग्रन्तरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यमाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्यी

मकान नं० 62 डी (नया नं० 59) जवाहर मार्ग, इंदौर, में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

मोहर 🦠

प्रकृष आहें टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्पना

भारत सरकार

कायालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) ग्रार्जन रिंज, भोवाल

भोगाल, दिनांकः 8 जून 1984

निदेश रां० म्राई० ए० सी०/म्रजन/भौपाल 4748--- ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

अगयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. सं अधिक ही

भ्रोर जिसको सं० म० नं० 62 ए० (नया नं० 62) है, तथा जो जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उवाबड श्रनसूची में श्रौर पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधिक(रो के कायलिय, इंदौर में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्तूबर 1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनों कत संपीत्त का उचित नाजार मुस्म, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिकित उददेषय से उक्त अन्तरण निक्ति मा बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जान की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे यचने में सर्विधा के लिए; बौर/या
- ं(बा) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में. मैं.. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् 🖫 🗝

श्री शंकरवाल पिता रामलाल वर्गा, निवासो-39, मार्नण्ड चीक, इंदौर,

(भ्रन्तरक)

2) मीहम्मद मुस्ताफा पिता वजीर मोहम्मद, निवासी-16, कागवीपूरा, इंदौर,

(भ्रन्तिनी)

का यह भूजना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति को कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधियासत्सम्बन्धी स्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्क्स म्यक्तियों में से किमा व्यक्ति दवारा;
- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भारत उक्त स्थावर सम्पतित में हितबदुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वा अनुस मिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं **नर्थ ह**ोगा जो उस अध्याय मे**े दिया** गया है।

मकान नं 62 ए० (न्यू० नं 62) जवाहर मार्ग इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर. भोपाल

तारो**ख**: 8—6—1984 .

प्ररूप माइ ुदी ु एन ु एस . -----

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल विनांक 8 जून 1984

निदेश स० ग्राई० ए० मी०/प्रजेन/भोषाल 4749---ग्रत: मझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० मकान नं० 62-बी० (नया नं० 61) है, तथा जो जवाहर मार्ग, इंदीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, इंदीर में रजिस्ट्रोकरण ग्राधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्राधान, तारीख ग्रक्तूबर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपरित को उचित दाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निलिखित उद्वाश्य से उक्त अन्तरण विखित में शास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की यावत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी फरने या उससे वधने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थातः (1) श्रो संकरलाल पिता रामलाल वर्मा निवासी:--39, मार्तण्ड चौक, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीभती बिलकिस बी० पन्नी मोहम्मद मुस्तका निवासी-16, कागदीपुरा, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त करदों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 62-श्वी० (नया नं० 61) जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

भाषकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

भीपाल, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भीपाल 4750--श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० मकान व खुली भूमि म्यु० नं० 6/1056 है, तथा जो माधवनगर, फोगंज, उज्जैन में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यात्रय, उज्जैन में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ना० अक्तूबर 83

को प्वेंकित सम्मित्त के उनिस बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निनिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विवित्त में बास्तिक क्ष्म निम्निनिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विवित्त में बास्तिक क्ष्म है किया नया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए; बार/गा
- (श) एसी किसी भाग या किसी भन या अस्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसर व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो रामिंसह श्रात्मज श्रो मोतोरामजी निवासी-ग्राम श्राकाखोदा, तह० उज्जैन ।

(भ्रन्तर्कः)

(2) श्री जगदीण कुमार,
2. रामनिवास पुत्रगण श्री तीरश्रमलजा निवासी-कोठेकरबाड़ी,
उज्जैन।

(ग्रन्तरिनी)

को बहु तुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्टित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थळदीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनयम, - के अध्याय 20 - क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

ु मकान व खुली भुमि बाड़ा पुराना म्यु० क्रमांक 6/1056 नया नं० 13, जिसका ब्लाक नं० 2/3, माधव नगर, फ्रीगंज, उज्जैन में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पत्न सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण द्यर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी, मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीखा: 7-6-1984.

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ------

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोषाल

भोषाल, दिनांक 7 जून 84

निर्देश सं० श्रार्ड० ए० सो०/श्रर्जन/भोषाल/4751—श्रत : मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 42 है, तथा जो ग्राम नागूखेड़ी तह० देवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से बर्णित हैं, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर 83

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पृत्ते दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपणारा (1) को अधीन, निम्निल्खिसु व्यक्तिस्यों, अर्थात् ह--- (1) श्री हिन्दूर्सिह पिता पन्नालाल बंद, निवासी-40, सरदार पटेल मार्ग, इंदौर.

(श्रन्तरक)

- (2) श्रोमती णान्ती कंस्ट्रक्णन कंपनी देवाास पार्टनर
 - 1. कमलचंद पिता श्रमोकचंद जैन,
 - श्रोमती प्रेमलता पत्नी नेमीचंद जैन, निवासी-37, कर्मचारी कालोनी, देवास.
 - पंजाबराव पिता कृष्णाजी पाटील, निवासी-देवास,
 - श्रीमती कुमकुमबाला जैन, निवासी-खंड्वा.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हों, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि सर्वे नं० 42, ग्राम नागुखेड़ी तह० देवास में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तिरती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भौपाल) गंगोत्री बिल्डि, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल ।

तारीखः 7--6--1984

अरूप आहं टी.एन.एस. -----

आधकर लिभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 11 जून, 1984

सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 4752:—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त.

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 932, व उस पर बना गैरेज है, तथा जो स्कीम नं० 44, इन्दौर विकास प्राधिकरण इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेर्षों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस महीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविभा के लिए; जॉर/मा
- (क) ऐसे किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के सिए;

जतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निस्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् हे—— श्री मान्ति लाल पिता श्री नाथूलाल जी माहेम्बरी, निवासी ग्राम धाग, जिला धार।

(ग्रन्तरक)

 मोहन सिंह पिता श्री चमका सिंह, निवासी 118, मैकेनिक नगर, इन्दौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी अधिकतमों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लाट नम्बर 932 व उस पर बना गैरिज, स्की क्रमांक 44, इन्दीर विकास प्राधिकरण, इन्दीर में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित कार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 11-6-1984

मोहरः

प्रकृष् बाद् . टी. एन्. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की स्थीन स्वना

भारत शतुकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रोंज भोपाल

भोपाल, दिनाक 7 जून 1984

सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल 4753:—-ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त किधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसको संख्या प्लाट नम्बर 325 पर बना हुग्रा गोडाउन है, तथा जो ट्रेंचिंग ग्राउण्ड, लोहां मण्डी, जूनी इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रम्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह किश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्द्र किसी अग्र की बाबत, उच्चत अभिनियम के अभीन कर दोने के जंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1 मैसर्स मनोहर ग्रदसं, 90 सियागंज सेलगली, इन्दौर तरफें भागीदार गांतिलाल पिता श्री भंबर लाल जी घाकड़ निवासी न्यू० पलासिया भवन, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

 श्री समगुद्दीन पिता श्री नूर मोहम्मद निवासी 35, चम्पा बाग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णनृ के सिङ् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्याय अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्धांकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

धन्सूची

प्लाट नं० 325 पर बना हुझा गोडाउन, ट्रेविंग ग्राउण्ड, लोहा मण्डी जूनी इन्दौर में स्थित है।

> वेव प्रिय पन्स, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

न(रीखा: 7--6-1984

प्रकृष् काहै, दी. एन, एस,-----

नायकर निर्मित्तगम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नुभीन सुमना

भारत सरकार

का गौतप, सहायक अध्यकर आयुक्त (तिरीक्षण)

ध्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 जन 1984

सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 4754:—-ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें . इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या बंगला नं 13 में स्थित प्लाट नं 16 व 17 खुला भूमिखण्ड है, तथा जो नीमचकेण्ट परगना, नीमच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, श्रम्तूबर 1983।

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए अय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुं इं किसी बाय को बाबत उक्त ऑफिन निवम के संधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिमा के जिये; और/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से किए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में^५, उक्त अभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलि**सित व्यक्तियों, अर्थात्** — शिमती भूपेन्द्र कुमारी पत्नी ठाकुर भूपेन्द्र सिंह राजपूत निवासी बंगला नं 18, नीमच केण्ट, परगना, नीमच।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रानी केशर राजा धर्मपत्ना स्व० श्रीमान रघुबीर सिंह निवासी प्रेम कुंज, बंगला न० 18, नीमच केण्ट परगना नीमच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्चि

बंगला नं० 13 में स्थित प्लाट नं० 16 व 17 खुला भूमि खण्ड, नीमचकेण्ट परगना नीमचे में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित्त है।

> देव प्रिय पन्त. सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) सर्ज रेंज. भोपाल

तारीख: 7-6-1984

मोहरः

प्रकाश भारों, टी. एन्. एस्.,-----

नायकर निर्मित्यम्, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

भारत बरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त कार्यालय श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

सं० ब्राई० ए० सी०/ब्रर्जन/भोपास/4755: ब्रत: मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उसे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 15 पर बने हुए मकान कमांक 15 है, तथा जो कलाली मोहल्ला स्ट्रीट नं 5, संयोगिता गंज मण्डी उप प्रागण (नवीन) इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला ग्रीवकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीविनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, श्रक्तूबर 1983।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उणित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिश्वत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किंबत नहीं किया गया है:---

- (म) अस्तरण से हुई निसी आय की बाबत, उक्त पश्चि-नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। गीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिय़ी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सविधा के सिए;

नतः नव, उन्त नियम, की धारा 260-म के अनुसरण में, में, उक्त निधित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
37 —156 GI/84

 श्री किशन चन्द,
 पिता श्री नूरसूमलजी निवासी 112, काटजू कालोना, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्रीमती कन्चनबाई पति गेंदा लाल जी निवासी मकान नं० 19, स्ट्रीट नं० 1, महेग नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस्र सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पर्ध्वीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्ची

प्लाट नं 15 पर बना हुआ मकान ऋमौंक 15; कलाली मोहल्ला, स्ट्रीट नं 5, संयोगितागंज, मण्डी उप प्रांगण (नवीन) इन्दौर में स्थित हैं।

देव प्रिय पन्त

सहायक श्रायकर 🖯

ता**रीख**: 7-6-1984



प्ररूप भार्द्ः दी. एन. एस.------

वासकार विधिनियस्, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-मं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहाय्क आयकर नाय्क्स (निरक्षिण)

ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून, 1984

सं० भाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 4756:—म्ब्रतः मुझे देव प्रिय पन्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भू क्रमांक 217 बंगला न० 55 है, तथा जो नीमच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रके श्रधीन, श्रवतुबर 1983।

को प्रवेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बमाप्येदित सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके व्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिकृत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाग गया प्रति-फल निम्नेलिचित उद्वेदेय से उक्त अंतरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अंबरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने मा उसने बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

 श्री बाबू लाल पिता श्री मिश्री लाल लोढा निवासी नीमच नं० 2।

(भ्रन्तरक)

श्री प्रयाम जोशी
पिता श्री भेरूलाल जी जोशी
संचालक जोशी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीमच
जिला मंदसीर।

(भन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगस्यी

भू कमांक 217; बगला न० 55, नीमच नम्बर 2 में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निष्ठित हैं।

देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 6-6-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के ब्रुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय', सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण) निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त

श्रर्जन क्षेत्र भोपाल भोपाल, विनांक 6 जून 1984

स० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4757:—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या भू कमांक 218 बगला नं० 55 है, तथा जो नीमच में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नीमच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्तूबर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में वास्त्-विक क्य से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर देने के अन्तरफ के दासित्व में कभी करने या उसके बचने में तुविधा ही सिए; बॉर्ड/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती धुवारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना आखिए आ खिमाने में सुनिया के दिन्ही

कतः वद, उक्त व्यभितियम की भारा 269-त के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— श्री माधोसिंह पिता श्री छोगा लाल लोढ़ा निवासी पाली (राज०)।

(भन्तरक)

श्री श्याम जोशी
पिता श्री भेरूलाल जी जोशी
संचालक जोशी उच्चतर माध्यमिक मिधालय,
नीमच जिला मन्दतौर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबले ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विम की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस त्वना के राष्पत्र में प्रकाबन की तारिक वे 45 विन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्म व्यक्ति इवास अथोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यी

भू क्रमांक 218, बंगा नं० 55, नीमच नं० 2 में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय पन्तः, संज्ञम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रजैन रैंज, जोपास

तारी**ख** :- 6--6-1984 मोडर 4

प्रकार बाह्यं हो । एत् । एस . -----

नायकर निर्मित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

मारत दुरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1984

सं० श्राई० ए० सी॰/ग्रर्जन/भोपाल 4758:—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनायम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 328, कच्चे मकान सहित तथा जो ग्राम बांगर जिला देवास में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय देवास में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, श्रक्तुबर 1983।

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब सामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निम्तिखत में बास्तियक रूप से कि धित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियस के अभीत कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी कुरने या उत्तरे वचने में सुविधा के शिष्टः जीड़/वा
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, कियाने में सृविधा के लिए;

जताः जब्, उक्त जिथानियम की भारा 269-ग के जनुसरण में., में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के गुर्भान, निम्नोसियल अधिनसमों जर्मात् हु--- श्री हिम्मतलाल पिता रेवार्गकर
 श्रीमित अन्नपूर्ण बाई
 पित हिम्मतलाल जी दोनों निवासी
 वेवास।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सरस्वती बाई पति रमेशचन्द्र
 नर्वदा बाई पति मोती लाल उर्फ राधेश्याम दोनों निवासी देवास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कंडके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्षन् के सिए कार्यवाही सूक करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त । अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

वर्ष्य

भूमि खा 328, कच्चा मकान, कुर्ये सहित ग्राम बांगर जिला देवास में स्थित हैं।

> देव त्रिय पन्त, सक्षम त्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 6-6-1984

मोहर 🛭

पुरुष् वार्<u>ष्टी. व्य. एव</u>. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घन्नीन सूचना

माउत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 6 जून 1984

निवेश संवआर०ए०सी०/अर्जन/भोपाल, 4759—अतः मुझे, द्रोवप्रिय पण्त आयक्षर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त प्रधिनियम' नहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से

और जिसकी सं भूमि ख नं 17 है, तथा जो ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह इन्तीर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध रिअनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रांकर्त्ती अधिकारों के कार्यालय, इन्होंग में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, अक्टुबर 1983 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से प्रशिक्त है और पण्डरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिक्ष प्रतिकृत से प्रशिक्त है और पण्डरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिक्ष कि एस विश्वत से अधिक है और पण्डरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिक्ष कि प्रतिकृत से प्रतिकृत है और पण्डरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिक्ष कि प्रतिकृत से अधिक है और पण्डरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिक्ष कि प्रतिकृत से कि प्रतिकृति से अधिक उच्चे अन्तर अन्तरण सिचित में बास्तिक में किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसरे वचने में सुविधा के सिए। और/या
- (क) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिवित्यम, मा धन कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया वा या किया जावा वाहिए था, क्रियाने में सुविद्या के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण ों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निचित स्पृतिकर्षों, अर्थात क्र—

- (1) श्री छोगालालं पिता मोतीरामजी नि० विजलपुर आ०मू० द्वारा मल पिता श्री वालचंदजी नि० काटजु कालोनी, इंबीर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती अहिल्या माता सेवक संघ गृह निर्माण सहकारी संस्था पंजीयन क्रमांक डी०आर०आय०डी० आर० नं० 49, तरफे उपाध्यक्ष श्री वामजीभाई पिता प्रागजी।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूनाँक्त सम्मित्ति के शर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवस सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी बवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर म्यंक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वास, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

क्तकक्तीक रणः --- इसमें प्रयुक्त सम्यों नौर पर्यों का, वो सम्बद्ध विभिनियम, के नध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया व्या हैं।

अपूर्वा

भुमि ख नं० 17, ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह० इंदौर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वेबप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1984

प्ररूप आहू".टी.एन,एस.-----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व (1) के धनीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 जून 1984

्र निर्देश नं०आई०ए०सी।०/अर्जन/भोषाल/4760---अतः मुझे, वैषप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

25,000/- रुपए से बिधक हैं और जिसकी संख्या भूमि ख नं 17 हैं, तथा जो ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1983 को पूर्वोंक्स सम्पत्सि के उधित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंक्स से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिल्सी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के वभीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कभी करने या उससे वृथने में सुविधा के सिए; बीड/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त ऑधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था, क्रियान में सुविधा के क्रिया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में. मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्री शिवनारायण पिता श्री धीसाजी

 2. केणरबाई पत्नी स्व० धीसाजी

 निवासी—ग्राम बिजलपुर तह० इदौर

 तरफे आ० मु० ब्रारा मल पिता बालचंदजी

 निवासी—शाटजू कालोनी,

 इंदौर।
- (2) कुमारी अहिल्या माता सेवक संघ

(अन्तरक)

गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित जवाहर मार्ग पंजीकृत इंदौर सहकारी संस्था पंजीयन कर्माक डी॰आर॰आय॰डी॰आर॰ तरफे जपाध्यक्ष श्री धामजी भाई पिता प्रागजी भाई।

(,अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार्शन की तारील र 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिव गया हैं।

BRUT

भूमि ख नं ० 17, ग्राम तेजपुर गड़बड़ी तह ० इंदौर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

वारीख: 6-6-1984

मोहर 🔡

प्रक्ष वार् . दी . एन . एस . ----

भ्रायक्तर अभिनियम 1961 (1961 का 43)की खारा 269-व (1) ने भ्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1984

निवेश सं ० आई ० ए०सी ०, अर्जन, भोपाल, 4761 — अतः मुझे, विप्रिय पन्त ुग्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ुमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 🖟 प्रारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बक्बास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **त्रित** बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ौर जिसकी सं भूमि सं नं 758/1 है तथा जो ाम खजराना, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद ानुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के का ग्रीलय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम .908 (1908 का 16) के अधीत, अक्टूबर 1983 ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूक्य से कम के श्यमाम प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुखे वह । श्वास करने सा सारण है कि यथापूर्वोस्त सम्पत्ति सा ित बाबार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे शिमान प्रतिकल का पश्वह प्रतिकत से प्रधिक है भौर न्त एक (अन्तरकों) पीर पन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच े अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिकल, निम्नलिखित 🚅 से उपत ग्रग्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित ुं/किया गया द्री, ⊸~

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी क्रिमी भाग या किसी घन या घन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर भिवित्तयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्तयम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनायं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) श्री सुरेन्द्रसिंह पिता सज्जनसिंह जी निवासी-44, बीमानगर, इम्बीर।

(ग्रन्सरक)

(2) कुमारी कामिनी जैन पिता सुर्यपालकी जैन निवासी-3/1; ओरूड़ पलासिया, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति को धर्षन को क्रिय् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबढ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे !

हंपक्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों भी व पदों का, जा उक्त भी छ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्म होना, जो उस धरुपाय में दिया गया है।

जनसङ्ग

भूमि ख नं० 758/1; ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारो सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 6-6-1984

प्रकर्प कार्य, ठी. एस्. एस्. उट्ट उट्ट वर्ट

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्भीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जाच्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 जून 1984

निदेशः सं०आई०ए०सी०,अर्जन,भोपाल/ 4762--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खं नं 758/1 है, तथा जो ग्राम खजराता, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबंक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के गर्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री रूण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी बाय की वावत, अवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; और/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अस्य अविस्तुर्गों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री सुरेन्द्र पिता श्री सज्जनसिंह जो निवासी-44,

(अन्तरकः)

बोमानगर इंदौर।

(2) सुखदेवी पति श्री धेवकुमारणी जैन निवासी-3/1, ओरुड़ पलासिया, इम्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना **पार्टी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के वर्षन् के जिल् कार्यविद्वियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप् 🖫

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की समिश, यो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानितयों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीज सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

ann di

भुमि ख०नं० 758/1, ग्राम खजराना, **इंदौर में** स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1984

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ का उपधारा (1) के अधीन मुनिस्ति विकास का अधित हैं। प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4763--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राजसे अधिक ही

और जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 758/1 है, तथा जो ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उकत अन्तरण बिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए।

बतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 38—156 GI/84

(1) श्री सुरेन्द्र सिंह पिता सज्जनसिंह ठाकुर निवासी—बागली जिला देवास हा०मू० हा०मू०-44, बीमा नगर, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी रत्ना जैन पिता श्री देव कुमारजी जैन निवासी:-3/1, ओल्ड पलासिया, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया

अन्स्ची

भुमि ख० नं० _.758/1, ग्राम खजराना, इन्दौर **में ॄस्थित** है।

> देवप्रिय पंत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, भोपाल

तारीख: 6-6-1984

प्रकार मार्थ े की व एवं व एक व व व वक्क

नायकड विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की यक्षा 269:व (1) के वधीन कुक्रवा

नारत उद्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1984

निदेश सं०ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4764—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या मकान नं 117 है, तथा जो टेलीफोन नगर, इदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्य से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पहारू प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कित्र कर्ति कि विश्वत

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए अरि/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---> (1) श्री वैद प्रकाश भ्रात्मज श्री भीमसेन बावेजा मकान नं० 19/2, जेलरोड़, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती उषा गजेन्द्र कुमार गौर
2. गजेन्द्र कुमार श्रात्मज मूलचदजी गौर
निवासी—म० नं० 117,
टेलीफोन मगर,
इंसीर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाशी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब रें 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाष्ट्रण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया मना है।

अनुसूची

मकान नबर 117, टेलीफोन नगर, इंदौर में स्थित $\mathbf{\hat{E}}$ ।

देर्वाप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 6-6-1984

मोहर 🖫

प्रस्य वाद[े], टी. १न. <u>एव</u>. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार भायकत (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून 1984

निर्देश संअग्नाई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4766—ग्रतः **मुझे,** देवप्रिय पन्त

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की वाय 269-श के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान म्यु० पा० नं० 33/2 है, तथा जो छोटी ग्वाल टोली, इदौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्टूबर 1983 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) नौर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आयं या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनयम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. किया में सुनिया के लिए;

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---- (1) श्री देवदश पिता श्री नारायणराव पलशीकर निवासी--33/2, छोटी ग्वाल टोली, इदौर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती धन्नीबाई पति छगनलाल
 - 2. श्रीमती शान्ताबाई पति सुरेशचन्द
 - 3. श्रीमती सतोषबाई पति महेशचन्द्र
 - 4. श्रीमती ग्ररूणाबाई पति दिनेशचन्द्र मित्तल निवासी—III, जावरा कम्पाउंड, इदौर।

(ग्रन्तरिती)

 वह बृच्ना वारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्णन के किए कार्यवाहियां करता है।

व बद् वंपरित को वर्षम् को वंबंध में कोई भी नाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर चूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सक्ति।

स्वकासरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा जो उस अध्याय में दिया पता है।

अनुसूची

मकार्न म्यु० नं० 33/2, छोटी ग्वाल टांशी, इदौर में स्थित हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नबर 37-जी में निहित हैं। (मकान का एक भाग)

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरोक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-6-1984

प्ररूप भाइ^{*}.टी.एन.एस. - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 वा (३) के जीत राक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निराक्षण)

भाषाल -

भोपाल, दिनांक 8 जून 1981

निर्देश सं० ग्राई०ए०*स*१०/ग्रर्जन/भौपाल/ 476?-—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियर' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम शिक्षकारी करें, गहु विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिन शाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकात दो मंजिला है, दश जो श्रद्धागूज खां, भोपाल में स्थित हैं (श्राँत इससे उपात⊖ श्रतुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित ते) रिजर्झीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रव्युवर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मृत्रें यह दिश्तास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का शरियत याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पान्नह प्रतिषत से अधिक ही और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित अद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप न अधिका नहीं किया गया ही:——

- (क) बन्तरण संहुर्दं किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वियित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 10.22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वार अस्ति किया भया था या किया जाना धाहिए १० जिल्हाने में मुचित्रा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियस की भाग १७००-म की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियस की भाग २००- जी उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) । पंकसं पेगर गेलेस पंजीकृत फर्म मारवाड़ी रोड़ भोपल द्वारा पार्टनर श्रानिल कुमार पिता हरिणचन्द्र, मान्वाड़ी रोड़, भोपाल बहैसियत खुद मु० श्राम० वास्ते० श्रीमती जकुतला रानी पत्नी हरिशचन्द्र 2. श्रीमती कैलाणरानी पत्नी श्रमरचंद ।
- (अन्तरक) (2) श्री रामचन्द्र माबू पिना

वैनी प्रसादजी माबू भनोज ट्रेड्सं श्राजाद मार्केट, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त इ अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 1

मन संची

भकान दो मंजिला प्रट्टाश्ज खां, भोपाल में स्थित है। जिसका विवरण प्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित हैं।

देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, भोपाल

तारीचा : 8--6--1951

प्ररूप आहें.ट<u>ी.एन</u>.**एस**्.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) की अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निर्वेश संब्झाईब्ए्ब्सीब्/म्रर्जन/भोपाल/4769---म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- क से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान है, तथा जो मोतिया पार्क, भोपाल में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण विचित्त में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से शुद्ध किसी बाथ की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

कतः विक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री क्षित्र उद्दोत पिता कां**जी कमरूदीन** विकास-सादिया पार्क, सरकार

(भ्रन्तरक)

(2) आ करिंद अध्यर भिना **इकवाल श्रष्टार द्वारा** लंकी त मंरक्षक इकवाल श्रष्टार पिता गुलाम भोहम्बद, रिटो कोलंशाली, भोगाल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त संपरित की अफन के संबंध में कोई भी आक्षेप हि—

- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारींक सें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिसित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः--इससे प्रश्वत शब्दों और पदों का, जो उत्करण अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया। है।

न गुसुबी

एक जिला मकान, मोतिया पार्क, भोपाल में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 8 --0-1984

प्रकृष् अस्त्रं ्टी .एन् .एस ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

.भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निदेश संब्ह्यार्र्डब्युब्सीक/म्रजन/भोपाल/ 4770—अत: मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनमम' कहा गया हैं), की धारा 269-इसके अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति असका उचित बाजार मूल्य 25,000/-का सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी संद्या मकान है, तथा जो मोनिया एतर्क, श्रोल्ड सब्जी मंदी, भोषाल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणत है) रिजल्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भोषाल में रिजल्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, अक्टूबर 1983 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ख्वभमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रीतायत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया ब्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण सिखित में अस्तिनक स्पृ से कियत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण संहुई िकसी आग्र की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्ह भारतीय अप्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उत्रत अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिव व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री सलीम उद्दीन पिता काजी कमरूद्दीन निवासी—मोतिया पार्क, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इफर्तैखार श्रक्तर पिता इकबाल श्रख्तर द्वारा वली व सरंक्षक इकबाल श्रक्तर पिता गुलाम मोहम्मद निवासी—सिटी कोतवाली, भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्डीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा ही।

भन्सूची

मकान, मोतिया पार्क, श्रोल्ड सब्जी मंड़ी, भोपाल में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

प्ररूप बाह्र ु टी ु एन ु एस . ------

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/4772—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संव मकान है तथा जो मोतिया पार्क, निकट श्रोत्ड सब्जी मंडी, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित पे पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, सुधीत्:— (1) श्री फजलुद्दीन पिता श्री कार्जा कमरुद्दीन, निवासी मोतिया पार्क, भोपाल।

(अन्तरक)

(1) श्री गवाज अख्तर पिता श्री इक्तवाल अख्तर हारा: वर्ली व संरक्षक श्री इक्तवाल अख्तर पिता श्री हाजी गुलाम मोहम्मद, सिटी कोतवाली, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) उन स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की टारीख से 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

मकान, मोनिया पार्क, भ्रोल्ड सब्जी मण्डी के निकट, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 8-6-1984

प्ररूप आई. टो. एन. एस. - - -

भागकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के उथीन सुलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4773—अत: मुर्से, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा एया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिरका उदित बाजार मूल्य 25,000/- राज से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० भवन है तथा जो नूपमहल गली नं० 1, भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सृत्य में क्रष के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है शार स्पेने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, भी तिया प्रतिफल का पंक्र प्रतिफल के विश्वास अन्तरित से अधिक है और अंतरिक (विश्वास) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के नित्य तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण पिरिस्ति में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया ही ---

- (क) अन्तरण से हाई किसी क्षाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के स्तिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी का पा लग्य मास्तियों को, जिम्हें भारतीय धायकर मित्रित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्न शिक्षित्यम, या धन-कर मित्रित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ धन्तरिक्षी शहरा सबाट सहीं किया गया था या किया जाना बाहिए, था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मुल्तान अहमद कुरेणी, पुत्र मोहस्थद अहमः, निवासी — बुधवारा, भोषाल।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद युनुस पुत्र श्री मोहम्मद जफर साहब, निवासी—-गिन्नोरी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **से** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित, वद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इससे प्रगुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक किता भवन, नूर महल गली नं०1, भौपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

सारीख : 8-6-1984

प्ररुप् बाह .दो . एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षायां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोवाल, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० आई ए० सी० /अर्जन/भोपाल/1774---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जसकी सं० भवन है तथा जो नूर महल, गली नं० 1, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे ज़्पाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए जन्तरित की वर्द हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कभी करने भा उससे स्वतं में मुविधा औं सिए: अधि/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 कर अधिनियम, शा सन-कर अधिनियम, शा सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) न प्रयोजगण करणाती तुरार एक यही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिष्ण के निष्टः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थित :—
39—156 GI/84

(1) श्रो सुल्तान अहमद कुरेणी पुत श्री मोहम्मद अहमद, निवासी—वृधवारा, भोषाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती साजिदा वेगम पृत्नी श्रीवितायत मोहम्मद खां, निवासी—गिन्नोरी, भोगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके दृशाँक्त सम्मात्त् को अर्जन को लिए कार्यज्ञाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप E--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख वें
 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि छट में किए ता सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --इश्में प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक किता भवन, नूर महल, गली नं० 1, भोषाल में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं० 37जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 8-6-1984

प्रकल्प बार्ष. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांबः ८ ज्ञम 1984

निर्देण मं० आर्ड० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/ 1775—अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें एसके परवात 'उक्त किथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये हे अधिक हैं

ग्रीप जिसकी सं भवन है नया जो नूप सहल, गली नं 1, भोपाल में स्थित है (ग्रीप इससे उपावद्ध अनुमुची में ग्रीप पूर्ण रूप से बणित है), रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1983

को पर्वेक्षित सण्यित के जिला भाजार भूण्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अप्तरित की गर्छ हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्ष्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अम्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नदी वियस गया भाषा किया जाना चाहिए था, कियान में सविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीलिक्टित व्यक्तियमें, अर्थातु :--- (1) धो मुल्तान अहमद कुरेली पुत्र श्री मोहस्माद अहमद, निवासी—वृधवाग, भोषाल।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद युन्स पृत श्री मोहम्मद जकर, निवासी—-गिन्नोरी, भोगल।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्पट्टीकरण:--इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनयम, के अध्याय 20-क माँ परिभाषित ही, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गगर ही।

अनुसूची

भवन, नर महल, गली नं ा, भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सङ्गम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रंज, भोपाल

सारी७ : 8-6-1984

५रूप बाध , टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोषाल

भोपाल दिनाक 11 जून 1984

निदेश सं० ब्राई० ए० सो०/ब्राजन/भोपाल/4780—-ब्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसम

श्रीर जिसकी नं० प्लाट नं० 18 है तथा जो बो सेक्टर, कोहे-फिजा, भोषाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोषाल में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख अक्तूबर, 1983

को प्योंगा सपात्त के उचित बाजार भूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों। तही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध्य की वाबत, जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्राजनार्थ अन्तिर्यो देनारा प्रकट नहीं किया गया भा किया राना चाडिए था, जिल्ला में निविधा

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तिस्पॉ, अर्थात् :— (1) श्रीमता भावती देवी पत्नी श्री महेश कुमार द्वारा : भु० खास प्रायतराम पिता श्री घनण्याम दाम. निवासी कटनी हाल, भोषाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा घनश्याम दास पिता श्री गुना मले. निवासी कटनी भोपाल ।

(খন্যাহর্ন)

को यह सूचना चारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षीप --

- (क) इस मूचना के राजधन मा प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन के भीतर उवत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति म किए जा सकोंगे।

स्पन्धोकरणः -- इसमी प्रयुक्त शब्दो और पदी का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हाँ, बही अधि हागा जो उस अध्याय मा दिया ग्या हो।

यनसभी

च्लाट नं र 18, बी सेक्टर, कोहेफिजा, भोषाल में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त

लक्षम प्राधिकारी

भुतायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भोपाल

नारीख : 11-6-1984

मोहर् 🤃

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 11 जून 1984 निदंश सं० ग्राई० ए० सों०/ग्रार्जन/भोषाल/ 1781—प्रतः भुक्षे, देवप्रियं पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नर्धान सक्य प्राक्षिणाणी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्ताट है तथा जो करबला रोड, श्रहमदाबाद, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियंग , 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाचित संपर्ति का अंजित बाजार मूल्य उसके ४२यमान प्रतिफल से एते २२यमान प्रतिफल ता पन्ति प्रतिकात जी पन्ति प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्या अन्तरण जिल्हित में बास्तिविक एप से कथित नदी जिया गया है : --

- (क) बन्तरण ते हुई किसी छात्र याँ बाबस, उपस् याधित इके अधीन कर दोने के बन्तरक के वाधित्व भों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत बीधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुवार अन्तर गृही किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अबत अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) मुख्यमात मुनव्यर सुल्तान जीजा श्री भोहरमद हुक्ति साहत्र, बंगला नम्बर ६, मनसल मंजिलरोड, श्रहमदाबाद, भोषाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीसंय्यद रियाज अकबर काजमी पिता स्वर्गीय श्री श्रकबर काजमी, निवासी करवला रोड, श्रहमदाबाद, भोषाल।

(श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवत् सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध यो कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस राचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तितयों में से विक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भीतर उदत स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधांत्रताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकारण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

प्ताट. करवला रोड, श्रहमदाबाद, भोवाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरियो द्वारा सत्यापित फार्स गं० 37-जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी यहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोषाल

नारीख : 11-6-1984

प्ररूप आहं, टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/प्रर्जन/मोपाल/4782----ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि नं. 1443/9 है तथा जो ग्राम श्रनन्तपुर जिला रीवा में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिश्तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का अधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्ह भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तरा अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, पित्र प

अतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी न, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—- (1) श्री भित्र बालक तनय णित्र बालक जा, निवासी ग्रनन्त पुर, तहसील हजूर, जिला रीवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रनन्तपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित श्रनन्तपुर द्वारा श्रध्यक्ष : श्रीभागवत प्रमाद दुबे, निवासी श्रनन्त पुर, तहमील हजूर, जिला रीवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मां कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि नं० 1443/9, ग्राम ग्रनन्तपुर, तहसील हजूर, जिला रीवा में स्थित है।जिसका विवरण प्रस्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म 37-जी में गिहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-6-1984

प्रकृप आहं. टो. १न. एस.---- --शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984 निदेश सं० श्राई० ए. सी०/ग्रजन/भोपाल/4783—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्रौर जिसकी मं० भूमि नं० 1447/9 है तथा जो ग्राम अनन्तपुर, जिला रीवा में स्थित है (श्रौर इसमे उताबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रीवा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख अवनुवर, 1983

को पूर्विक्ष सम्पति के उचित बाजार मूल्य संकम से कम दृष्यमान प्रिक्त के लिए प्रेनरित की गई है और मुझे यह विक्यान करने ना कारण है कि प्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षत से, एवं दृष्यमान प्रतिक्त का प्रस्तह प्रतिणत से प्रधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण मंत्र मन में अस्तरित अप से चित्र नहां किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुर्ष किसी आय की बाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिल्हा भारतीय आपवाल अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या प्रशासन के लिए। ते किसी प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अत: अब, उथत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीतः, निम्निलिसित व्यक्ति में, अर्थात ६(1) श्री प्राणनाथ सहमतिकर्ता श्री रामसजीवन तनय श्री णिव बालक जा, निवासी ग्रमन्त पुर, जिला रीया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रनन्तपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित : श्रनन्त पुर, रीवा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्रत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि नं० 1447/9, ग्राम ग्रनन्तपुर, जिलारीवा में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारासत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपास

नारीख: 7-6-1984

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /म्रर्जन/भोपाल/ 4784—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि नं० 1447/9 है तथा जो ग्राम श्रनन्तपुर, जिला रीवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, रीवा में रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारोख श्रक्तूवर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त बंतरण निश्वत में वास्तिवक स्मान निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त बंतरण निश्वत में वास्तिवक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निस्; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 हो 11) या लक्त अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ अन्तिरती युगरा अकट वहीं किया नया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में शांख्या के निया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रो प्राण नाथ तनय श्री शिव वालक ब्रा०, निवासी अनन्त पुर, नहसील हजूर, ्जिला रोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) अनन्तपुर गृह सहकारो समिति मर्यादित अनन्तपुर द्वारा अध्यक्ष श्रीभागवत प्रसाद दुवे, निवासो अनन्त पुर, जिला रोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई 🛍 आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर राजना की तामाल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

भूमि नं 1443/9, ग्राम ग्रनंतपुर, तहसील हजूर, जिला रीवा में स्थित है। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37-जो में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारो - सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रोजन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-6-1984

प्ररूप आह[†].टी.एन.**एस**.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) क्षणन रेज, भोषान

भोपाल, दिनांक 7 जुन 1984

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4785—पनः; मझे, देवप्रिय एन्त्र,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान (बंगला नं० नया 459 पुराना 1692 प्लाट नं० 8/1, 10/1, 11/1, 12/2, 13/2, 14/2, 15/2, 39/2, 1 शीट नं० 38 है तथा जो सिविल स्टेशन, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वांक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि गथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, रिकालिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उसम बचने में सरिवध के लिए; नीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया नाम जाहिए धा, छिपान से सर्विध के लिए:

अत: बब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिमित व्यक्तियों. अर्थात :---- श्री दीपक कुमार पिता स्व० श्री बलराम संगन, निवासी-87, नर्बंदा रोड, जवलपुर।

(श्रन्तरक)

(2) टा० छे कंबल चन्द फिता श्री णील चन्द जैन, निवासी-995, . राईट टाऊन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ब्यक्तियों में से किसी अविध दुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिहत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा शकारे।

स्वक्रीकरणः - - इसमें प्रयुक्त भन्नी और पन्नी का, जा उक्त द्यिभित्यम के अध्याय 20-क में परिशांबित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा मना है।

ममुस्यी

मकान (बंगला नं० नया 459 पुराना 169, प्लाट नं० 8/1, 10/1, 11/1, 12/2, 13/2, 14/2, 15/2, 39/2, प्लाट नंबर 1 गीट नं० 138 सिविल स्टेणन, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, गंगोली क्षित्डिंग, चौथी मंजिल टी०टी० नगर भोषाल

नारीख : 7-6-1984

प्ररूप भार्द. टी. एन्, एस्.-----

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० श्रार्ड० ए० सी०/श्रर्जन/भोपान/4786—यतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजा अपूर्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 49 है तथा जो जल विहार कालोनी, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्या, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक कप से अधिक गृहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने भवने में सविभा के निए; भीर/ए।
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने से स्विधा औ सिक्;

भेतः प्रवं, उस्त विधिनियमं की बाद्य 269-व की सन्तर्भ में, में, उस्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 40—156 GI/84 कुमारी मकुन्तला यदु वल्द श्री यमुना प्रसाद यदु, मु० खा० श्री राजीव वल्द श्री जमुना प्रसाद यदु, निवासी-वैरन बाजार, रायपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला पिजानी जौजे श्री एच० एल० पिजानी, निवासी-जल विहारकालोनी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्य होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

धनुस्ची

भूमि प्लाट नं० 49 तथा मकान, जल विहार कालोनी. रायपुर में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा संस्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित है।

> देवपिय पत्न सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 7-6-1984

श्रुरूप भाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपान/4787-यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० भूमि ख० नं० 15/1 का भाग है तथा जो मौजा भनपुरी, जिला रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पृथांक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्तायत स्पत्ति का जिल्ला बाजार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल में एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व भं कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तिर्यों दूर्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए या कियान में सरिज्या के किया।

अत: अब उक्त अधिनियम की धार 269-म के अवस्थिम मों, भी, उत्रत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, निर्मिन

(1) श्री छगन साल वल्द श्री प्रभूभाई पटेल, निवासी-फाफाडीह, रायपुर इतरा मु० खास श्री हरी भाई पटेल बल्द श्री नाथूभाई पटेल, निवासी-एम० जी० रोड, रायपुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) मैं । सी । पी । इन्टरप्राइजेस, फाफाडीह, रायपूर, द्वारा भागीदार :
 - श्री हरीलाल परमार बल्द श्री नारायण भाई परमार।
 - 2. श्रीबसन्त नानजी चावड़ा।
 - श्रीमुकुन्दलाल चावड़ा वल्दश्रीनान जी चावड़ा।
 - श्री एम० एल० चावड़ा वल्द श्री नानजी चावड़ा, निवासी-अंकुर हास्पीटल के पास, फाफाडीह, रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

नगुसूची

भूमि खा० नं० 15/1 का भाग, मौजा भनपुरी, जिला रायपुर में स्थित है। जिसका त्रिवरण श्रन्तरिती द्वारा संस्थापिक्ष फार्म नं० 37—जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर आयुक्प (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मॉजल, टी० टी० नगर, भोपाल

नारीख: 7-6-1984

प्रारूप नाइ. टी. एन. एस. ------

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरक्षिण) ग्रार्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4788—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

भायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त मिश्रीनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 390/1 का भाग है तथा जो गभरापारा उर्फ टिकारापारा, रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, रायपुर में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन ताराख श्रवनुबर, 1983 को

पूर्वांक्त सम्पत्ति के उभित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्में यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसमें सर्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निस्थित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।
- सत का अवत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:---

(1) श्री मंगल वल्दश्री धनऊ,निवासी टिकारापारा,रायपुर।

(भ्रन्तरकं)

(2) श्रीमती सुशीला देवी जीजे श्री मदन लाल पारख निवासी जगदल पुर, (बस्तर)। 2. प्रवीण कुमारी वल्द श्री कस्तूर चन्द पारस, निवासी रायपुर।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां श्रष्ट करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकारी।

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों अग्रैर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नम्स्यौ

भूमि खसरा नं० 390/1 का भाग, मीजा गभरापारा उर्फ टिकारापारा, रायपुर में स्थित है । जिसका विवरण प्रन्तीरा द्वारासन्यापित फार्म न० 37 जी में निहित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोवाल

तारोख : 7-6-1984

मोहरः

प्रस्प बाइ. टी. एन. एस. -----

बायुकड़ ब्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260 घ (1) की गामि सुन्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 जून 1984

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4789—ग्रतः मुसे, देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उमर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 390/1 का भाग है तथा जो मौजा गभरापारा उर्फ टिकारापारा, रायपुर में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन अन्तूवर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण सं हुइ किसी आय की बाबत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- गार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः स्वयं, उक्त स्विधिनयमं की धारा 269-गं के अनुसारण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मंगल वरूद धनऊ साहु, निवासी-टिकारापारा, रायपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गजराज पगारिया वरूद श्री मांगी लाल पगारिया, निवासी-विवेकानंद नगर, रायपुर। 2. श्री सुणील कुमारपगारिया वरूद श्री सुमेरमल पगारिया, निवासी-विवेका नन्द नगर, रायपुर।

, (भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कांड भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्टाक्षर? को पास दिलीखत में किए था सकोगे।

स्पथ्डीकरण: इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है !

वन्स्भी

भूमि खसरा नं 390/1 का भाग, गभरापारा उर्फ टिकारा— पारा, रायपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37—जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-6-1984

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4790—म्रत. मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (190, का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 390/1 का भाग है तथा जो गभरापारा उर्फ टिकारापारा, रायपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर. 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार आथानयम, 1977 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्तारती कृता प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थास्ः— (1) श्री मंगल नल्द श्री धनऊ साहू, निवासी टिकारापारा. रायपुर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती किरण देवी पिता श्री मैंज राम पारख, कोतागुडम, (ग्रांध्र प्रदेश)।
 - श्रीमती ममता पिता श्री भेरूदान कोचर, निवासी बालाघाट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में काई भी आक्षण :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मप्तूची

भूमि खसरा नं० 390/1 का भाग, भौजा गभरापारा उर्फ टिकारापारा, रायपुर में स्थित है ।

देवप्रियपन्त

सक्षम प्राविकारो

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख**ः 7—6—1984

प्रकृत कार्द . टी . एन . एस . ------

बायकर निर्मितवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4791——ग्रसः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर शिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं भूमि खसरा नं 390/1 का भाग है तथा जो गभरापारा उर्फ टिकारापारा, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री— कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, श्रक्तूबर, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमन श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिङ में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया निया दिन्दी जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री मंगल बल्द अनऊ साहू, निवासी-टिकारापारा, रायपुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्रोमती मंगलादेवी पारख जौजे पुखराज तारख, निवासी-जगदलपुर, (वस्तर)।
 - श्री प्रकाण चन्द बल्द समीरमल बरइ, निवासी-रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 390/1 का भाग, मौजा गमरापारा उर्फ टिकारापारा, जिला रायपुर में स्थित है। जिसका विषरण प्रन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जो में निहन है। देवप्रिय पन्त

सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-6-1984

माहर :

प्रकथ बार्च, दी. एन., एत्.,-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 जून 1984

निर्देश सं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4792:--अत: मुझे देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ह^{*}

श्रीर जिसकी संख्या भूमि खं० नं० 338/1/1, 337 है तथा जो ग्राम बावड़िया कला जिला भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, 24 अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बापार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरि('तयाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप संकिथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स्व) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अट, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. श्री जमना प्रसाद
 - छोगमल
 - 3. कैलाश

निवासी-ग्राम बार्वाडया कला

जिला-भोपाल ।

(अन्तरक)

2. पुष्प गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादिम भोपाल द्वारा चेयरमैन श्री एस० एन० गुप्ता आत्मज श्री पी० एन० गुप्ता निवासी 387, सेक्टर 3, णक्ति नगर, भोषाल।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यन्नाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 4.5 विन की अविधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो लक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, बही अर्थ होगा घी उस मध्याय में दिया नया 🗗 ।

नगसची

भूमि खं० नं० 338/1/1, 357, ग्राम बावड़िया कला जिला भोगाल में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय पन्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 7-6-1984.

मोहर 🗈

त्रकप्त आहें , टी. एत् , एस्त , -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून, 1984

निर्देश सं०आई०ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4794:—अत: मुझे देवप्रिय पन्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाहार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान व मकान से लगी हुई भूमि ख० नं० 81, 87 है, तथा जो मौजा रानीपुर, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तुबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित महीं किया ग्या है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्त्रयाँ को, जिन्हें भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मोंं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (†) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जगत सिंह बल्द हीरा लाल लोधी मदन महल, जबलपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री श्रोम प्रकाश निवासी-मदनमहल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगर की

मुकान व मकान से लगी हुई भूमि खं ० नं ० 81, 87, रानीपुर जबलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जाबुक्त (निराद्धण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 8-6-1984

प्ररूप लाई दी एन् एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ् अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 4795:—-अतः मर्झे देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या भूमि खं नं 209, 215, 216, 217 है, तथा जो मीजा मुंडवारा में स्थित है (भीर इससे उपाबड़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कटनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ जिल्ही जाव की वावता, जनक अधिनियम को जभीन कर वोर्न के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा ओ लिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा की लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) व्याधीन निम्निकित व्यक्तियों जिल्लाह क्रिक्ति व्यक्तियों जिल्लाह क्रिक्ति क्र

- 1. श्री चन्दन सिंह
 - फूल सिंह
 - खंड्ग सिंह उफं मुक्ता सिंह बिल्द गुलजार सिंह क्षत्नी निवासी-विनोबा बाई मुड़बारा∮ जिला जबलपुर।

(असरक)

- 2. 1.श्री किशनलाल
 - 2. राम प्रसाद वल्द झुलई राम
 - 3. नरोत्तम कुमार नाबालिय बल्द झुलई रामबली गां० मुस० शान्ती बाई मुस० शान्तीबाई जोजे झुलईराम कुम्हार बिवासी-छकोड़ी लाल पाठक वाडंक कटनी, मुझ्बारा जिला जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्तियां करता हो।

इवत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उसत् अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू**ची**

भूमि ख़ नं 209, 315. 216, 217, मौजा मुंडवारा जिला जबलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्वापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायन आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

बार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निर्देश में अाई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल 4796:—अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अधिनियम ॄ1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं 438/बी, जो प्लाट नं 217 के भाग पर है, तथा जो माकोताल, चेरीतालवार्ड, जंबलपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अंबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उत्तित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान पतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास फरने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीय ऐसे प्रक्षरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निक्मितिश्वित इंद्रेश्य से उत्तर बन्तरण सिश्चित में बास्तविष्ठ कुप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

 श्री हिरमोहन बास टण्डन पिता स्व० मनमोहन दास टण्डन रानी मण्डी इलाहाबाद द्वारा मु० मनमोहन लाल खन्ना पिता श्यामलाल खन्ना निवासी इलाहाबाद, जबलपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती वन्दना श्रीवास्तव पत्नी श्री एन० के० श्रीवास्तव निवासी नानाधाट आमला वार्ड, मण्डला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिकान नं 438/बी, जो प्लाट नं 217 के भाग पर, माढ़ोताल, चेरीताल बार्ड जबलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देव प्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आमक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-6-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अभीन सूचना

भा<u>रत</u> तरकार

कार्याल्य, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

🕙 भोपाल, दिनांक 11 जून 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4797:---अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि सर्वे नं० 1505/1, 1509/1 है, था जो इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

को गुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवृद्धित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) मृत्तारुण से हुए किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तुरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के दुन्ए; बार/पा
- (व) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर् अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः जब उक्त जीभीन्यम की भाग 269-म के जनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के जभीत, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अभीत् :—

 श्री शिवनारायण राव पिता श्री मफहारराव होलकर द्वारा मु० आम श्यामराव पिता कृष्णराव होलकर निवाली-85, रूपरामनगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

 स्वामी दयानंद नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमी० इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनुसूची

भूमि सर्वे० नं० 1505/1, 1509/1, इन्दौर में स्थिल हैं। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-6-1984

मोहंद 🕄

प्रसम् बाह्र . ट्री . एत् . एब् ुनगरनगण्यानस्वरतमस्वर

नाय्कर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निऱ्रीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4798:—अतः मुझै; वेवप्रिय पन्त,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से मधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या खण्डहर प्लाट है, तथा जो मों सूरजपोल रोड, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, रतलाम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एेसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मंं, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों अर्थात् :— श्री भगवती लाल पिता श्याम सुन्दर जी सोनी चांदनी चौक, रत्तलाम।

(अन्तरक)

2. मैसर्स हैदरी एण्ड कम्पनी, रतलाम के पार्टनर मुर्तजा अब्दुल तैय्यब सफदरी, चांदनी चौक, रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त रूपिता में अर्थन के सम्बन्ध में सोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख सें
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्स्ची

खण्डहर प्लाट मो० सूरजपोल रोड, रतलाम में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय**्र**पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 11~6─1984

मोहर 🛭

प्रस्थ बाह् . टी. एन. एस . -----

जानकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (१) के अभीन सुचना

भारतः सहस्कातः कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4799:—अतः सुप्ते देवप्रिय पन्त,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं 50 है, तथा जो खण्डवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खण्डवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1983

का पूर्वों करा संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्शित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब, की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा वै विष्; ब्रीड्/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या तकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के सिए;

अतः अव, उयत अधिनियम की भारा 269-य के अनुस्राण में, में, क्वन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ६श्रीं सन्तोष कुमार,
 आत्मज श्री हंसकुमारजी ठेकेदार,
 निवासी आनन्द नगर, खण्डवा।

(अन्तरक)

श्री भरतकुमार,
 आत्मज श्री दुलीचन्द जैन,
 65, परदेशीपुरा, रामेश्वर रोड,
 खण्डवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के सर्जन के विष् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 कि की अविध या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वां कर क्यां करों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारी **स** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबष्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमूं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में **दिया** गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 50, खण्डवा, में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-6-1984

मोहर:

प्रकृष् नार्के.टी.एत्.एस्. -----

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 जून 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4800:---अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर भिग्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परचात 'उक्त निधिन्यम्' कहा नया हैं), की चारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित् नाचार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सकान नं 87/3 (बी) है, तथा जो निलया बाखल, भरत मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूम्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिसूर तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में

नास्तिनक रूप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) ब्लाइल वे हुद जिल्ली बाद की बादत, काब विधिनियम के बादीय कांद्र बोने के अन्तरक के बादित्व में कमी कर्यों या पढ़ते यूचने में बृद्धिया के सिए; बॉट/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयु-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए चा, डिज्यान में सुन्धा के विए;

अत्य अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण भें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अभित् ः--- श्री मंगलकरन पिता राध्रेग्याम सोमानी निवासी-215, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्सरक)

2. श्री किशनलाल पिता लक्ष्मीलालजी सेठी निवासी—87/3, इतवारिया बाजार, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए एतदक्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी स्थितित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्योक्षा, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वका है।

नगृश्यी

मकान नं 87/3, (बी०), निलया बाखल (भरत नाग) इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-6-1984

मोहर:

प्र**रूप वार**्टी, एन, एस.----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 13 जून 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपान/4801—ग्रन: मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान नं० 562 का भाग जो कि प्लाट नं० 13/1 के भाग पर बिना है एवम् 12/1 है, तथा जो मिनिल लाईन्स, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तारण से हुन्द किसी जाय की वाबता, जनत जभितियम को अभीन कर दोने के जन्तारक की वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिये;

कतः कव, उक्त सिर्धानियम की भारा 269-व के जनसरण भों, मों, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् ए--- (1) श्रीमती उषा भागंव पत्नी श्री स्व० नीलमणि भागंव निवासी-862, नेपियर टाउन् । जबलपुर । 2 श्रीमती प्रतिभा नलवानी पत्नी प्रेमलान नल-वानी निवासी--कोट कल्ब, रोड़,

(अग्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला तिवारी पत्नी स्व० श्री मंगलजी प्रसाद तिवारी निवासी—गोड़पारा, विलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित । हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगत्त्री

मकान नं० 562 का भाग (प्लाट नं० 13/1, 12/1, स०नं०3) सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-6-1984

मोहर 🛚

प्ररूप जाइ. डी. एन. एव.-----

वायकर विभिनिस्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सृष्ता

भारत **स्टुब्स्**ड

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, भोगाल भोषाल, दिनांबा 13 जून 1984 निदेश मंब्याई०ए०मी०/म्रजीन/भोपाल/4802—मृतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 562 का भाग (प्लाट नं० 13/1 का भाग, 12/1 स० नं० 3 है, तथा जो सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, श्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम मया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि बित में बास्तिक इप में के शित नहीं किया गया है है करने

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, बचस बिधीनयम के अधीन कर योगे के अम्परक के काँबरव में कमी करने वा उधके बचने में बुविचा के सिए; बॉट/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया जाना चाहिये वा, छिपाने में सविधा के सिष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती उषा भागंव पत्नी स्व० नीलमणी भागंव निवामी:-862, निषियर टाउन, जवलपुर। 2. श्रीमती प्रतिभा ललवानी पत्नी प्रेमलाल लालवानी निवासी:--बोट बलव रोड़, पूना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भुवनेश्वरी देवी पत्नी एम०एम० दुवे जिला न्यायाधींश, हाल जगदलपुर।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पित में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त निधानियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नधीं होगा जो उन्न अध्याम में दिशा गया है।

वनस्ची

मकान नं० 562 का भाग (प्लाट नं० 13/1, 12/1, सं०नं० 3) सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारी**ख**: 13-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

, भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 जून 1984

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4803--ग्रतः मझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको संख्या मकान नं० 562 का भाग (प्लाट नं० 13/1 का भाग, 12/1, (सं्कृनं० 3) है, तथा जो सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन, ग्रक्त्वर 1983

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उप्पासे उक्त प्रतरण निखित में वास्त-विक रूप से कवित नर किया गए। है ---

- (न) अन्तरण से हुई निशे भाष की बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्सरक के बाधित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए। धीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, क धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं िता गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने मे सविधा के लिए:

अतः अव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, कथीत :--

42-156 GI/84

(1) श्रोमना उवा भागव पत्नो स्व० नोलमणि भागव निवास)-862, नेपियर टाउन, जवलपूर । 2. श्रोमती प्रतिभा ललवानी पत्नी प्रेमलाल लल-निवासो—-बोट क्लव रोड. प्रना ।

(ग्रन्तरक)

(2) थीं मध्य मोहन दुबे पिता स्व० श्री के०एन० दुबे जिला न्यायाधीश, - हाल जबलप्र।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके.पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारी**व से 45** दिन की अवधि या तत्संवंधी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वाकर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही जा हागा जो उस अध्याय में दिया

अन्सूची

्र मकान नं० 562 का भाग (प्लाट नं० 13/1, 12/1*,* सं ० नं ० 3) सिविल लाईन्स, जबलपूर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 13-6-1984

मोहर:

प्ररूप काइरं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

निदेण मं०ब्राई०ए०मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4804---ग्रतः मुझे. देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विद्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान स्यु० नं० 556 का भाग है, तथा जो मौजा एवमं वाई भरतीपुर तह० व जिला जबलपुर में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्सी ग्रिधिकारी के कार्यालय, जवलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए कन्तरित की गई है और मृन्से यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिश्वल उद्देष्य से उथल अन्तरण कि लिल में बाल्य- विक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (भ्क) लक्तराभ ने हुई किसी जाय की बातन उक्त अधि-नियम के सभीन कर दोने के क्लारक के दायित्व में जाबी करने या उससे सभने में सुविका के किसे; और या/
- (क) ऐसी किसी अस्य सा किसी अन सा क्षम्य गानित्यं की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उकत सिंधिमियम, पा भाव आय किसी मियम, पा भाव आय की मियम, 1957 (1957 का 27) अहे असे अन्यासी अन्यासी द्वारा प्रकट नहीं जिल्हा गता का बा सा किसा जाना चाहिए था, खिलाने में सुक्रिजा से सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यिवितयों, अधीत :--- (1) श्री पटमलाल (राजकुमार काशको) पिता हरनामदाम निवासी—फर्राणखाना क्वार्टर नंबर 40, रामपुर यू०पो० द्वारा मु० ग्राम श्री बालमुकून्द पिता श्रो हरनामदास ।

(2) श्रो इगरनश्रला पिता श्री सैयद मकसूद श्रली निवासी—छोटी घोमती, जबलपुर।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना बारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पृत्रीक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो स्वस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गन्ना हैं।

अनुस्ची

मकान म्यु० नं० 556 का भाग, मौजा एवमं बार्ड भरतीपुर तह० व जिला जबलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित हैं।

देवप्रिय पन्त गक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 15-6-1984

मांहर:

प्रक्ष आहू¹. टी. एन. **एस्.-----**भायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भाषाल

भोपाल, दिनांक 10 जून 1984

निदेश सं० आई०ए०र्स(०,अर्जन/भोपाल/4805→-अतः मूझे, देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिनेका संख्या मकान नं 556 का भाग है, तथा जो मौजा एउम् कर्ड, भरतीपुर तहर व जिला जबलपुर में स्थित हैं (ओर इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण इप में विणित है) रिजस्ट्राक्सी अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्राक्सण जीविनयम 1908 (1908 का 16) के अर्थान, अक्तूबर 1983

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम की अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, आहे/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारताय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

भतः मुत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- (1) श्री पदमतील (राजकुमार काबली) पिता श्री हरनामदास निवासी-फरोजखाना क्याटर नं० 40, रामपुर (यु०पी०) द्वारा मू० आम श्री वालमूकुन्द पिता हरनामदास (अन्सरक)
- (2) श्री सरदार रिवन्द्रसिंह पिता सतसिह निवासी:-छोटी ऑमती, जबलपुर।

(अन्तरितीः)।

को यह सूचना अत्या करक प्याविध सम्बक्ति कः अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्योक्तमों पर मूझना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रोक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उवन स्थावर संपत्ति म हिन्त- बद्ध किसी अन्य न्युक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निर्मित मो निरम् जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बरस सी

मकान, नम्बर 556 का भाग, मौजा व वार्ड भरतीपुर तहरु व जिला जबलपुर में स्थित है। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फर्म नम्बर 37-जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त १तन प्रतिकारी सहायन अन्यक्षर श्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल ।

तारीख .15 -6--1984

मोहरः

प्ररूप आह्र , टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंग, भीषाल

भाषाल, दिनांक 10 जून 1984

निवेश सं० अहि० ए० सं०/अर्जग/भोषाल/48-अर्थः मुझे, देव प्रिय पन्त

मार्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा यया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षन प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका लिखत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मशान नं० 556 वा भाग है, तथा जो मीजा व वार्ड भरतपुर तह० व जिला जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीश्चर्ता अधिकारी के आयिल्य, जबलपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

का पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रममान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत्रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) असरण से हुइ किसी आय को आनत्, जनत् कांभिनियम की अभीत कर दोने को अन्तरक की वाचिरव मों कमी करते ।। त्यासे जनते मों स्विद्याः के सिए; शोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में स्थिमा के सिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उवस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित इयिन्तरों, अर्थात :---

- (1) श्री पदमलाल (राजकुमार काबली) पिता श्री हरनामदाय नित्रामी—फरीशखाना क्वार्टर नं० 40, रामपुर यु०पी० द्वारा मू० आग श्री बालमूकुन्द पिता हरनामदास। (अन्तरक)
- (2) श्री अरदार रशिन्द्रसिंह पिता सरदार संतोपसिंह निवासी—छोटी ओमता, जबलपुर।

(अन्ति रिती)

को यह स्थान जारी करके प्वाँक्त सम्परित के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां भूफ करता है।

उपत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी क्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रणष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

,अनुसूची

मकान, नम्बर 556 का भाग, मौजा एवम वार्ड भरतीपुर तह० व जिला जबलपुर में स्थित है। जिल्हा विवरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फर्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल।

तारीख: 15-6-1984

मोहर 🤚

परूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की • भारा 269-घ (1) डो अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भौपाल, दिनांक 10 जून 1984

निवेश में० आई०ए०मा०/अर्जन/भोपान/4807---अतः मुझे, वेबिप्रिय पन्त

क्षायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या मधान नं 556 का भाग है तथा जो मीजा एवम् वार्ड भरतीपुर अवलपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वी में पूर्ण व्य से विणित हैं) रिजस्ट्रेंशिक्ती अधिकारी के बायरेल्य, जंबलपुर में रिजस्ट्रेंशिक्ता अधिकारी के बायरेल्य, जंबलपुर में रिजस्ट्रेंशिकारण अधिकियम 1908 (.908 का 16) के अधान, अक्तूबर 1983

का पूर्वीकत सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के इश्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गर्त हैं और एक यह निक्याम करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की नावस, सबस किंपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; कीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) € अधी।, निम्तिलियिक व्यक्तियों, अर्थात "—— (1) श्री पदमलाल (छ राजकुमार काबर्ली आत्मज श्री हरनाम दाल निवासी-हाल मुकाम फर्राणखाना क्वार्टर नं० ६० रामपुर यू०५० की तरफ से बहैस्यित मूखत्यार आम श्री बालमूकुन्द आस्मज श्री हरनामदास निवासी--फर्राणखाना क्वाटर नं० ६०, रामपुर यू०पी।

(अन्तरक)

(2) श्री अतहर अली आत्मज श्री सैयद मकसूद अली छोटी गोमती, जबलपुर ।

(अन्तरितंत)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, 'जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—हरामं प्रयानत शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उरा अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

मकान म्यू० नं० 556 का भाग, मांजा एवमं वाई भरतीपुर तह० व जिला जवलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरितं। द्वारा सत्यापित फर्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> दैप्रप्रिय पनः सक्षम प्राधिकारी [सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीव : 15--6--1984

मोहर 🛭

शक्य बाइ . टी. एन. एस . ------

द्धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जून 1984

निर्देण मं०आई०ए०सं:०/अर्जन/भोषाल/4808---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि खंबन व 469: 1 है, तथा जो मौजा करमेत जिला जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विणत हैं) रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया की

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या शा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुनिचा की लिए;

अत. उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण के, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थीस्:---

(1) श्रा लालचन्द, रामचन्द, चन्द्रशेखर, वंत्रेन्द्र अरूण कुमार, कमलेशबाई निवासी—भरतापुर, जबलपुर।

(अन्तरका)

(2) मेसेर्स आंदर्श औद्योगिक प्रशिक्षक कर्मचारं सहकारी गृह निर्माण समीति मर्यादित, माढ़ोताल, जञ्जपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासींच से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दित-ब्द्भ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे ।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

भुमि ख०नं० 469: 1, मौजा करमेता तह० व जिला जबलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरित। द्वारा सन्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> द्वाप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयजर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, भोषाल

नारीख: 15-6-1984

मांहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4809---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि खं नं 462 है, तथा जो मौजा करमेता जिला जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रांकर्सा अधिकारी के आर्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम 1008 (1908 क्या 16) के अधीन, अक्तूबर 1983 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उपात बाजार मृस्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः सन्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) कें अभीतः, निम्निनिष्णं व्यक्तियों. सर्थात् :---- (1) श्री लिखमन बल्द वर्णालाल सोनकर भरतीपुर, जबलपुर

(अन्तरः)

(2) मेमम अदिश औद्योगिक प्रशिक्षक कर्मचारी सहसारी गृह निर्माण समिति मर्यादित, माढ़ोताल, अवलपुर।

(अन्तरियः)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध यें कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज (सकेंग)

स्पद्धीकरणः — इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

भूमि खं ० नं ० 462, मौजा करमेता तह । त्र जिला जबलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित हैं।.

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारे। सहस्यक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) प्रशन रेंज, भौषाल

नार्खाः 15−6−1984

मोहर 🐰

प्ररूप ऑहे.टी.एन.एम. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 जून 1984

निर्देश सं० श्राई०ए०मी०/अर्गन भोषाल 8410-श्रनः मुझे, देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी पद्धा भूमि खं जनं 462 है, तथा जो मौजा कैरमेता तहर व जिला जवलपुर में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालग, जवलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनिगम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर 1983

को श्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के दिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशिस उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक कप से स्थित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हाड़ किसी आय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें क्वने में मृजिधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 ना ११) या नास्त्र अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं विद्या प्रया था या किया जाना नाहिए था, क्षिपाने में मुख्यि के लिए।

जत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनिस्त व्यक्तियों, प्रथति :--- (1) श्री अठमन पिता श्री यंगीलाल सोनकर भरतापुर, जवलप्र।

(अन्त्रतः)

(2) मैसर्स आदेश औद्योगिक प्रशिक्षक कर्मभारी महेकारी गृह निर्माण मभिति मर्योदिन, माढोताल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निग् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन की सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस गुजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर मृषना की तामील से 30 दिन की अविधि, जॉ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए णा सकींगे।

स्मृष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ दोना जो उस सक्याय में दिया गया है।

भुमि ख०नं० 462, मौजा करमेता तहर व जिला जवलपुर में स्थित हैं। जिसका विवरण अन्तरिता द्वारा गत्यापित फार्म नं० 37 की में निहिता है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्ट आयूक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

नारीखः: 15--6--1984

भोहार 7

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-थ (1) के अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आधकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोषाल

भोपाल, विनांक 15 जून 1984

निदेश सं०आई०ए०सी(०/अर्जन)भोषाल/4811---अनः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिश, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसेका सख्या भूमि खा० नं० 468 है, तथा जो मौजा करमेता तह० व जिला जबलपुर में स्थित हैं और इससे उपब्रह अनुसूत्रों में और पूर्ण के रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारा के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में मिबधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम 1927 भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में स्थिधा के लिए;

(1) श्री लालजन्द, रामजन्द, चन्द्रशेखर, वीरेन्द्र, अरूण कुमार, कमलेणबाई भरतीपुर, जबलपुर।

(अन्तर्रकः)

(2) अदर्श अँद्योगिक प्रणिक्षक कर्मचारी सहकारी गृह निर्माण समिति, मर्योदिन, माहोनाल, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्विपा शरु करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी कैं पास सिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया हैं।

अनुसूची

भूमि खार्जार 468, मीजा वारमेता तहर व जिला जबलपुर में •िस्थत हैं। जिपका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देशप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायत आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल।

नारीख: 15-6-1984

मोहर:

प्ररूप आइ". टी. एन. एस. - - -

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, धिनांक 5 जून 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4577--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 14 है, तथा जो डायमंड कालोनी, डा॰ रोशनसिंह मंडारी मार्ग, इन्दौर में स्थित हैं और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित हैं) रिजर्स्ट्रा एसी अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजर्स्ट्रा करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान, अक्टूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास वाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरित्यार्गे) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारी 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलि**सित व्यक्तियों, अर्थात्**— (1) श्रीमती इन्द्रा कुमारी पत्नी श्री कमल कुमार बङ्जात्या निवासी—16. डागमंड कालोनी. जहंदीर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रम्हदेव झा पिता श्री सूम देव झा निवासी -39/2, न्यू पलामिता, इंदीर। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जभूमि व भवन नं० 14, डा० रोशनसिंह भंड़ारी मार्ग इंदौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्कापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा : 5-6-1984

मोक्टर ;

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-र्ष (1) के अधीन स्पना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जून 1984

निदेश सं० आई०ए०सा०/अर्जन,भोपाल, 4771---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान है, तथा जो मोतिया पार्क, निकट ओल्ड़ सब्जी मंडी, भोपाल में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूधी में और पूर्ण रूप से धीणत हैं) रिजर्स्ट्र(कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजर्स्ट्र(करण अधिनियम 1908 (1908 था 16) के अधीन, अक्टूबर 1983 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिखत उद्देश्य से उक्त धंतरण मिलिट में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्दरण व हुई किसी जान की नावत उनत निध-ज़िनक के नधीन कर वोने के मन्दरक के वायित्य में कभी करने या उससे नचने में. सुविधा के लिए; क्षेट्र/ना
- (क) एरी किसी नाम मा किसी भन् या नम्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत निधिनियम या भन् कर्ड अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के विद्य;

जतः जन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण रें, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, संगति हिन्स (1) श्री नफीस उद्दीन पिता काजी कमरूद्दीन निवासी—मोतिया पार्क, औरुड सब्जी मंडी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री इक्ष्याल अब्तर पिता हाजी गुलाम मोहम्मद सिटी कोतवाली, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पृबोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

मकान, मोतिया पार्क, निकट औल्ड सङ्गी मंडी. भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पंत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 8-6-1984

मोहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 29th May 1984

No. A 12034/2/83-Admn.H.—In continuation of this effice notifications of even number dated 23rd January, 1984 and 17th May, 1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following ad-hee 30 research Officers (Lang.)/Research Assistant (Lang., 16 the upgraded posts of Research Officer on ad-hee basis for a further period w.e.f. 13-4-1984 to 12-10-84 or until further orders whichever is earlier.

| S. No. | Name | | ~ | | Designation |
|---------|----------------|------|-----|------|---------------------------|
| 1. Km | . K. Bandyopa | dhya | У , | | Ad-hoc, J.R.O. (Lang.) |
| 2. Shri | i M.L. Varadp | ande | | | Do. |
| 3. Shr | i B. Ghosh | | | | Do. |
| 4. Shr | i S.B. Kodad | | | | Do. |
| 5. Shr | i A.N. Sarma | | | | Do. |
| 6. Sm | t. Manjeet Sin | gh | | , | R.A. (Lang.) |

The appointments of the above mentioned Officers as Research Officer is purely on ad-hoc basis and will not confer upon them any title for regular appointment of sementy to the post of Research Officer.

M.P. JAIN,
. Under Secy. (Admn.),

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 2nd July 1984

No. 19[4]84-AJmn.—Consequent on her selection to the Tenth Advanced Professional Programme in Public Administration, being held by the Indian Institute of Public Administration, New Delhi from 2nd July, 1984 to 30th March, 1985, Smt. Malo Srivastava, IAS (MP-71), Commission for Departmental Inquiries, Central Vigilance Commission is relieved of her duty with effect from the torenoon of 2nd July, 1984 to participate in the above training programme.

K, L. MALHOTRA Under Secy.

tor Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th June 1984

No. K-5/70-AD.V. -Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri K. Rahman, a Prosecutor from Assam, on transfer as Public Prosecutor (Group B' Gazetted) in the Central Bureau of Investigation in substantive capacity with effect from 3rd April, 1984.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 25th June 1984-

No. O.II-1521|80-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. Anil Kumar, GDO Grade-II (Dy. S.P.|Coy. Commander) in the CRPF with effect from the afternoon of the 19th March 1984.

No. O.II-1792|83-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. B. N. Mallik, GDO (Dy. S.P.|Coy. Commander) in the CRPF with effect from the afternoon of the 20th Dec. 1983.

The 29th June 1984

No. O.II-1823[83-Estl.—The President is pleased to relieve Dr. Ashok Tyagi, GDO, Grade-II of Group Centre, CRPF, Bantalab, with effect from the afternoon of 9th June, 1984 on expiry of one month's notice under rule 5(1) of CCS(TS) Rules, 1965.

No. O.II-1888 83-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. D. R. Singh, GDO Grade-II of 13th Battalion, CRPF, with effect from the afternoon of the 11th June 1984 on expiry of one month's notice under rule 5(1) of CCS (TS) Rules, 1965.

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt.)

S.V.P. NATIONAL POLICE ACADEMY Hyderabad-500 252, the 16th May 1984

No. 15027 83-Estt.—Dr. (Mrs.) Purnima Agarwal, Lecturer, Department of Psychology, University of Lucknow joined duty at this Academy as Reader in Behavioural Science on the forenoon of the 1st May, 1984.

Dr. (Mrs.) Purnima Agarwal will be on deputation to this Academy as Reader in Behavioural Sciences for a period of 3 years in the first instance from the 1st of May, 1984 and will draw pay in the scale of Rs. 1100—50—1600 plus other allowances as admissible under the Central Government Rules.

The appointment of Dr. (Mrs.) Purnima Agarwal as Reader in Behavioural Sciences in the Academy has been made in consultation with the Union Public Service Commission. (Reference: Union Public Service Commission, New Delhi, Letter No. 3|24(25)|83-83-AUVI, dated the 7th of February, 1984.

G. C. SINGHVI, Director.

MINISTRY OF, WORKS AND HOUSING DIRECTORATE OF LISTATES

New Delhi, the 11th July 1984

No. A-12026 184-Adm. B.-The President is pleased to appoint Shri T. K. Gudoo, a permanent Assistant (Legal) in the Department of Legal Affairs, Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Government of India., New Delhi to the post of Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates with effect from he forenoon of he 4th July 1984 until further Litigation) relinquished charge vice Shri P. N. Mago, Assistant Director of Estates (Litigatof the post with effect from the forenoon of the 28th March, 1984

VEENA BRAHMA Deputy Director of Estates (E)

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 11th June 1984

No. N-77-N|27|S.—The General Manager, Currency Note Press is pleased to appoint Shri C. V. Paranjpe and Shri H. S. Ballal (SC) I.C. C.N.P. to the post of Deputy Control Officers on regular officiating basis with effect from 5th June 1984 and 6th June 1984 respectively until further orders.

S. D. IDGUNII, General Manager, Currency Note Press.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I. UTTAR PRADESH

Lucknow, the 15th June 1984

No. Admn. |11-144| Not $\ln |2104.$ —Sri Babban Lal, Audit Officer, on attaining the age of superannuation, has retired from the Government service with effect from 31st May, 1984 (Λ .N.).

B. K. CHATTOPADHYAY, Sr. Dy. Accountant General (A).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 27th June 1984

No. AN[I]1548[5]1.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Chhaju Ram Rana, a probationary officer of the Indian Defence Accounts Service with effect from the 3rd March 1984.

The 29th June 1984

No. AN[1]1174[1]11.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that Service, with effect from the dates shown against their names, until further

- S. No., Name and Date 1
- J. Shri Sanjay Babel--07.06.84.
- 2. Shri Yashwant S. Negi-16.05.84.
- 3. Shri Kaihau Vaiphei-08.05.84.

A. K. GHOSH Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-69, the 25th June 1984

No. 12.—The D.G.O.F. is pleased to promote Shri E. V. Ramakrishnan, Stenographer Gr. B|Sr. PA as Stenographer Gr. 'A'|P.S. (Group 'B' Gazetted) in Offg. capacity in an existing vacancy from 1st June, 1984, until further orders.

D. R. IYER. DDGOF Personnel. for Director General, Ordnance Factories.

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 25th June 1984

No. 29 G 94. Shri S. K. Ramanathan, Offg. Works Manager (Substantive and Permanent Asstt. Works Manager) voluntarily retired from service with effect from 11th May, 1984 (AN).

> V. K. MEHTA, Director Estt.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delbi, the 5th June 1984

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1|3|82-Admn(G)|5420.—The President is pleased to appoint Shri Krishan Murari Gupta, a Grade IV Officer of the Indian Economic Service as Assistant Director in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the forenoon of the 21st May, 1984.

2. Shri Krishan Murari Gupta will be on probation upto 31st August, 1984.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports, for Chief Controller of Imports and Exports.

DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 22nd June 1984

No. CER|4|84|6.—In exercise of the powers conferred on me by sub-clause (2) of Clause 23 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER[4]65, dated the 24th April, 1965, namely:-

In the said Notification,

1. After the existing proviso below sub-paragraph (3) of paragraph 1, the following further proviso shall be added namely:

"Provided further that in respect of Controlled Shirting as defined in sub-paragraph (d-2) of paragraph 2 of the Textile Commissioner's Notification No. CER 168, dated the 2nd May, 1968, true and accurate information shall be furnished to the authorities and in the manner specified in items (1), (2) and (3) above in Form-B annexed hereto after Form-A".

2. After Form-A, the following shall be added, namely:---

"FORM---'B'

[sec second proviso after sub-para (3) of Para 1]

Form of particulars to be furnished in respect of each quality of (mill manufacture) controlled shirting as defined in sub-paragraph (d-2) of paragraph 2 of the Textuc Commissioner's Notification No. CER 168, dated the 2nd May, 1968.

| Price Fixation (| or the qua | rter | | | |
|------------------------------------|----------------------------|---------------|--------------|---------------------|-------------------|
| Name of Mill | | | | | |
| Location: | | | | | |
| 1. (a) Mill Ser | lal No. as s | stamped | on | | - |
| cloth | | | | | |
| (b) Code No | with suffix | x, if any | | | |
| 2. Full descript | lion of clot | h. | · | | |
| (in final finis | hed state | | | | |
| 3. (a) Distingu | ilshin <mark>g m</mark> ar | k, if any | | | |
| (b) Trade ma | | | aný | | |
| 4. Dimensions | | | STATE | CALE | NDERED INISHED |
| (a) Width in | Charlestal | | | | |
| (b) Length i | | 62 | | | |
| (c) Weight it | | | | | |
| 5. Reed per in | • | | . - · | | |
| • | • | - | | | |
| 6. Picks per ind 7. Average cou | | | | | |
| Count) | nu (Eughsu | ı | | | |
| 8. Reed space | in Cantima | <u></u> | | | |
| 9. Tape Lengt | | | | | |
| - | | | | | |
| 10. No. of ends | , () | rey | Bld. | | Coloured |
| (i) Warp | | | | | |
| (ii) Solvedge | | | | | |
| 11. DESCRIP- | | Counts | Calcı | lation | Remark : |
| TION - | In French | | - Wei | ght of | |
| | count | valent | yar | n in | |
| • | | English count | . Kilc | grams p e (actua | er 1 |
| | | Count | | out ad | |
| | | | | on for | |
| | | | was | tage) | |
| (a) Blend per- | | | | | |
| centage | & 48 % <u>1</u> | polyester | | | |

(Over all in the

fabric)

| (b) Warp: | |
|--|-------------------------|
| (c) Weft: | |
| (d) Selvedge Yarn. | |
| (e) Special yarn, if any, used. | |
| Total | |
| 12. Type of processing: | |
| Mercerising: | |
| Whother mercerised, if so, state the str | rength of Caustic Scda |
| and whether bleaching done before ar | nd after mercerising is |
| done. | |
| 13. Date of commencement of packing of | f |
| cloth | |
| 14. If the variety is not in conformity with | țh. |
| Production Control Order or if it is | |
| reserved for Handloom Industry: | |
| (a) No. and date of permission | |
| granted by Textile Commissioner | |
| for production | ~ ~ |
| (b) If no permission is granted, state | e |
| the reason for production and the | |

to be produced 15. Price calculation as defined in para I (ix) of Textile Commissioner's notification No. CER/1/68 dated 2-5-1968 as amended and Notification No. CER/3/69 dated 19-9-69 as amended.

quantities produced or expected

Sl. No.

Code No.

Description:

- (a) Maximum NTC cost per metre
- (b) Maximum Retail price per metre inclusive of all taxes.

I hereby certify that the particulars given above are true and in accordance with facts and that the fabric referred to in this form has actually undergone the various treatments. processes mentioned in the form and that the price stamped on the cloth is in accordance with the declarations made in form.

Station:

Date:

Signature of Mill Manager/Secretary"

S.R. RAY

Jt. Textile Commissioner

ICC/Tech/NTC/GEN/84/Vol. III

Bombay-400020, the 30th June 1984

No. 5(5) Est.I | 84 | 3724.—The President is pleased to appoint with effect from 26th April 1984 (FN) and until further orders, Shri J. S. Pandit, an ad-hoc Deputy Director (P&D) in the office of the Textile Commissioner, as regular Deputy Director (P&D) in the same office.

R. K. KULKARNI Joint Textile Commissioner.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDICRAFTS

New Delhi-110 066, the 8th June 1984

SRO No. HB|DS|Adv.Cottee|81-82|Admn.VI.-The gional Design & Technical Development Centres under this Office at 43, Industrial Estate, Okhla, New Delhi, at 8 Church Street, Bangalore and 32 Victoria Road, Bangalore are hereby transferred to function under "RANGATANare hereby transferred to function under "RANGATAN-TRA", the Design Society with effect from 1st of July, 1984.

SHIROMANI SHARMA.

Development Commissioner for Handicrafts.

MINISTRY OF INDUSTRY

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-11, the 2nd July 1984

No. A-19018 668 82-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri K. C. Srivastava I.A.S. (MH 66), Joint Development Commissioner in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Executive Director in the National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development, New Delhi in the rank of Joint Secretary with effect from the forenoon of 25th June, 1984 until further orders.

Consequent upon his appointment as Executive Director in the National Institute for Entrepreneurship and Small Business Development, New Delhi, Shri K. C. Srivastava relinquished the charge of the post of Joint Development Commissioner in the Office of the Development Commissioner of Small Scale Industries) New Delhi, on the forenoon of (Small Scale Industries), New Delhi 25th June, 1984. on the forenoon of

> S. K. PURKAYASTHA. Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPO-

(ADMIN. SECTION-6)

New Delhi-110001, the 28th June 1984

No. A-17011 286 84-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. Hamsa, Examiner of Stores (Engineering) in the Madras Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on adhoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 26.5.84 until further orders.

> S. L. KAPOOR, Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 28th June 1984

4558|B-32014(2-AG)|79-19B.--The No. following No. 4558[B-32014(2-AG)]/9-198,—The following Sr. Tech. Assistants (Geophysics), Geological Survey of India, have been appointed on promotion to the post of Assistant Geophysicist in the same Department by the Director General, Geological Survey of India, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—(35—880—40—1000—EB—40—1200)—in officiating capacities with effect from the determinant contact are interest. ties with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

- 1. Shri Srikant Misra, w.e.f. 10.1.1984 (FIN).
- 2. Shri G. Jawahar, w.c.f. 23.1.1984 (FN).
- 3. Shri C. Veerabrahman, w.c.f. 25.2.84 (F|N).

A. KUSHARI, Director (Personnel), Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 26th June 1984

No. Λ-19011(58)|77-Estt.A.Vol.V.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. Venkata Ramaiah, Officiating Regional Mining Geologist (ad hoc), has been promoted to the post of Regional Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from forenoon of 7th May,1984.

> B. C. MISHRA, Head of Office

Nagpur, the 27th June 1984

No. A.19012(113)]79-Estt.A.—Shri M. G. Aurangabadkar, Mineral Officer (Statistics), Indian Bureau of Mines, is appointed to officiate as Assistant Mineral Economist (Statistics) upto 30.6.1984 in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 8.6.84, in the leave vacancy caused by Shri P. R. Sarkar, Assistant Mineral Economist (Statistics).

P. P. WADHI, Administrative Officer, for Controller General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 14th June 1984

No. P. 8-9|83-Estt.—Sh. Shoorvir Singh, Temporary Asstt. Chemist (Gr. I) is appointed as scientific Officer in the National Archives of India, Bhopal in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from 5-6-1984 (FN) until further orders.

The appointment of Sh. Shoorvir Singh as Scientific Officer in the National Archives of India, Bhopal is without prejudice to the claim of his senior Sh. B. L. Razdan, a permanent Asstt. Chemist (Gr. I) and presently on deputation to the Sultanate of Oman Muscat to the post of Scientific Officer in the Department.

No. F. 8-9|83-Estt.—Sh. B. L. Razdan a permanent Asstt. Chemist (Gr. I) and presently on deputation to the Government of Sultanate of Oman, Muscat is appointed on proforma promotion to the post of Scientific Officer in the National Archives of India, Bhopal in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1209 in an officiating capacity under 'Next Below Rule' with effect from 5.6.84 (F.N.) until further orders.

DR. R. K. PERTI, Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th June 1984

No. 9|20|84-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri P. K. Mukherjee, Senior Stenographer. News Services Division. All India Radio, New Delhi to officiate as Reporter (Monitor) at News Services Division. All India Radio, New Delhi with effect from 14.5.1984.

MOHAN FRANCIS,
Deputy Director Administration,
for Director General.

New Delhi-1, the 2nd July 1984

No. 4(38)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri C. N. Ramachandra as a Programme Executive at All India Radio, Bhadravati in a temnorary capacity with effect from 7th June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(45) 84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Debendra Nath Basumatari as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from 5th June, 1984, and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200.

No. 4(50)|84-SL.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. R. Barman as a Programme Executive at All India Radio, Silchar in a temporary espacity with effect from 4th June, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-PB-35-880-40-1000-ER-40-1200.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 23rd June 1984

No. A.12025 3 83-Estt.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Sh. Ripudaman Singh Rawat as Senior Artist in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 in this Directorate in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14-6-84, until further orders.

2. Shri Rawat will be on probation for a period of two years from the date of appointment which may be extended at the discretion of the appointing authority.

G. P. BHATTI
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 18th June 1984

No. M|834|Estt.II|3224.—Shri Vaidyanathan Krishna Murthy relinquished charge of the post of Security Officer on 30-4-1984 (FN) consequent on Voluntary Retirement.

R. L. BATRA Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 18th June 1984

Ref. No. PA|80(10)|82-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Lucas Menezes, permanent Asstt. Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forencon of May 1, 1984 until further orders.

The 19th June 1984

Ref. No. PA|73(4)|84-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Smt. R. B. Mistry, permanent Sister-in-charge and officiating as Asstt. Matron in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Matron in this Research Centre with effect from the forenoon of May 22, 1984 until further orders.

J. RAMAMURTHY Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 29th June 1984

No. NAPP|Rectt.|11(6)|84-S|4734.—Project Director, Narora Atomic Power Project appoints Shri S. M. Mishra, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts in Heavy Water Project, Kota to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 22, 1984 until further orders

R. K. BALI Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 19th June 1984

Ref. No.: DPS|2|1(3)|82-Adm.|14639.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy, appoints Shri T. G. Gopalakrishnan, a permanent Storekeeper, to officiate as Assistant Stores Officer, on regular

basis in he scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-4-1984 (FN) until further orders in the same Directorate.

The 22nd June 1984

Ref: No. DPS[41]17]83-Adm. 14897.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Meenathoril Raghavan Prakash a permanent Jr. Storekeeper and temporary Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 16-4-84 (FN) to 2-6-84 (AN) in the same Directorate vice Shri P. K. Radhakrishnan, Assistant Stores Officer granted leave.

Ref. No. DPS|41|2|83-Adm.|14902.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Baliram Gopal Bane a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200]- from 9-4-84 (FN) to 18-5-84 (AN) in the same Directorate vice Shri K. Chandrasekharan, Assistant Stores Officer promoted as Stores Officer (ad hoc).

P. GOPALAN
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 22nd June 1984

No. PAR|0704|1682.—Further to this office notification No. PAR|0704|1407 dated 23-5-1984, the appointment of Sti C. R. Prabhakaran, Asst. Accountant, as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960|- on ad hoc basis is extended upto 22-7-1984 or until further orders, whichever is earlier.

No. PAR|0704|1683.—Dy. Chief Executive (A), NFC, appoints Shrl V. R. N. Iyer, Selection Grade Clerk, to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs.650—30—740—35—880—EB—40—960|- on ad hoc basis from 22-6-1984 to 31-7-1984 or until further orders whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Administration

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 23rd June 1984

No. MAPP/18(136)/83-Recti—The Project Director, Madias Atomic Power Project is pleased to appoint the fellewing efficials of this Project to the grade mentioned against each, in the sme Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1984 until further order:

| S. No. | Name | Present grade | Grade to which appointed | | |
|--------------------|-----------------------|----------------------------|--|--|--|
| 1 2 | | 3 | 4 , | | |
| S/Si 1. M. | ari Chandrasekaran | . Scientific Assistant 'C' | Scientific Offi- cer/Engineer 'SB' | | |
| 2. S. Abdul Haroon | | . Scientific Assistant 'C' | Scientific Offi- cer/Engineer 'SB' | | |

V. K. SANTHANAM, Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE. VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 20 June, 1984

No. VSSC/EST/F/1(17) - The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned officials in the Vikiam Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of April 1, 1984 and until further orders:

| Sl. No | o, Name | | | | Division/Project |
|--------|-------------------------|-----|---|---|------------------|
| 1 | 2 | | , | | 3 |
| 1. Sr | nt. Rachel Thomas . | | | | ARD |
| 2. Si | ıri MK Appukutta Kur | up. | | | ATTF |
| 3. SE | iri N Rajasekharan Naii | | | | EFF |
| 4. Sh | ri John I Kurian | | | | EFF |
| 5. St | ri C. Ramachandran | | - | | ILD |
| 6. Sh | ri KK Subramanian | | | , | PFC |
| 7. Sh | ri PJ Chacko . | | | | MAC |
| 8. Sh | ıri S. Adal Arasu | | | | QCD |
| 9. Sh | ıri KS Raghunathan | | | | RPC |
| 10. Sl | ri J Sasi | | | | TERLS/IREX |
| 11. Sb | ri TV Krishnankutty | | , | | EMD |
| 12. Sr | nt, SJ Prasannakumari | | | | PSLV |
| 13, Sr | nt. S Savithri Amma | | | | PSLV |
| 14. Sh | ri R Loganathan 🔻 . | | , | | SMP |

KPR MENON.

Senior Administrative Cffcer, for Director, VSSC

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 4th July 1984

No. E(I)05865.—Shri K. Subba Rao, Officiating Meteorologist Grade I, India Meteorological Department, has volunturily retired from the Government service with effect from the forenoon of 1-6-1984.

K. MUKHERJEE Meteorologist (Establishment) for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th June 1984

No. A. 32014/7/82-EC(.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned Assistant Technical Officers for a further period up to 27-10-1983:—

| Sl. No. | Name | | | |
|------------|------|------|-------|---|
| 1 | 2 | | , | · |
| | | | | |

S/Shri

- 1. Jog Dhan Rastogi
- 2. K.K. Sandilya

| Sl. No. Name No. | Sl. Nme No. |
|---|--|
| 1 2 | 1 2 |
| S/Shri | S/Shri |
| 3. H.S. Dua | 64. Lakshman Ram |
| 4. Ram Saran Singh Lota | 65. C.S. Prasad |
| 5. P.K. Sarkar | 66. Prithpal Singh Jolly |
| 7. B.K. Bhasin | 67. Beant Singh |
| 8. S.N. Sengupta | 68. J.S. Dhillon |
| 9. R.S. Randhava | 69. V.V. Krishnamoorthy |
| 10. V.C. Kulshreshta | 70. M.D. Bhor |
| 11. Biswanath Dutta | 71. K.K. Srimali |
| 12. Haripada Ghosh | 72. S. C. Gopinath |
| 13. P.T. Gujarati | 73. P.S. Khan |
| 14. Savinder Singh Kang 15. M.V. Nambiar | 74. M.C. Sharma |
| 16. Yogesh Kumar Kaushik | 75. S.C. Dutta |
| 17. Gopal Misra | 76. K.C. Tanwar |
| 18. K.M. Suryanarayanan | 77. N. Venkataraman |
| 19. G.N. Saha | |
| 20. B.D. Bengali | 2. The Director General of Civil Aviation is also pleased |
| 21. N. Jayaram | to continue the ad-hoc appointment of the undermentioned |
| 22. M.L. Saini | Assistant Technical Officers for a further period upto 31-12-1983 |
| 23. K.K. Bhanot | or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier. |
| 24. S.V. Pillai | |
| 25. V.S. Nanda | Sl. Name |
| 26. T.K. Ghoshal | No. |
| 27. K.L. Bajaj | 1 2 |
| 28. M.S. Warrier | |
| 29. T.S. Nair | S'Shri |
| 30, M.S. Motwani | 1. H.R. Khundra |
| 31. R.K. Verma | 2. S. Ramaswamy |
| 32. K.L. Bhatia | 3. A.C. Dutta |
| 33. K. Aenkataraman | 4. M.N. Dhasmana |
| 34. Nag Narain Singh | 5. H.N. Adhikari |
| £5. A.N. Paranjpe | 6. S.N. Iyengar |
| 36. M.S. Chauhan | 7. K.S. Debnath |
| 37. Ram Nath | 8. M.K. Gupta |
| 38. D.S. Jahagirdar | 9. A.M. Gupta |
| 39. Jagjit Singh | 10. M.M. Chakravorty |
| 40, B.S. Khunan | 11. P.K. Kakaria |
| 41. K.C. Goswami | 12. H.S. Bhatia |
| 42. Amalandu Dutta | 13. M.A.S. Prakasa Rao |
| 43. D.K. Taneja | 14. N.D. Kapoor |
| 44. H.C. Sachdeva | 15. L.R. Sachdeva |
| 45. Harbhajan Singh | 16. P.M. Gupta |
| 46. M.K. Narasimha Iyengar | 17. T.C Verma |
| 47. A.N. Bhatia | 18. V.R.K. Sharma |
| 48. Mohd. Manzoor Ali | 19. C.J. Udeshi |
| 49. S.P. Dhall | 20. S.R. Kalia |
| 50. G.D. Dubey | 21. E.K.V. Babu |
| 51. S.N. Gupta | 22. Bhoj Raj |
| 52. K.K. Namboodiri | 23. Jagan Singh |
| 53. T.S. Dhunna | 24. P. Kishan |
| 54. Roop Narain Mehta | 25. S.V. Subba Rao |
| 55. K.K. Saxena | 26. K. Anjaneyalu |
| 56. P.S. Sangara | 27. M.P. Rao |
| 57, Bishambar Lal | 28. S. Krishnan |
| 58, A.K. Abhayaankar | 29. Ramesh Chandra |
| 59. Arbindar Singh | 30. U.K. Yadav |
| 60. M.K. Pardeshi | 31. Mrinmoy Mallick |
| 61. Joginder Pal Singh Channa | 32. P. Viswanathan |
| 62. J.R. Sethi | 33. B.S. Jujuha |
| • | 34. A. Sriniyasan |
| 63. K.V.G. Rao | 35. P.K.K. Nair |

2

- 36. C.K. De
- 37. V. Srinivasan 38. S.D. Kulkarni
- 39. Onkar Singh
- 40. D.L.N. Murthy
- 41. P.V. Rao
- 42. O.P. Khurana
- 43. A.S. Dholke
- 44. D.K. Gupta
- 45. Avinash Chander
- 46. K.P. George
- 47. J.S. Saib
- 48. A.V. Kulkarni
- 49. N. Tulsıraman
- 50. A.S. Kaler
- Swaran Singh
- 52. H.S. Dhaliwal
- 53. J.K. Nath
- 54. C.M. Gairola
- 55. R.K. Deshpando
- 56, R.O. Reguha
- 57. S.K.N. Pillai
- 58 M.T. Rajani
- 59. A.K. Narang
- 60, K.B. Barve

O.P. AGGARWAL,

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 22nd June 1984

No. A. 32013/13/82-EI,—In continuation of this Office Notification No. A. 32013/13/82-FI dated the 18-7-1983 & 9-8-83 the President is pleased to continue the adhoc appointment of the following Officers in the grade of Director of Air Routes & Aerodromes/Director of Aerodromes for the period indicated against their names::—

| Names | Period | | | | | |
|-------------------|--------|---|---|--|--|--|
| 1 | 2 | | | | | |
| S/Shri | | • | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | | |
| 1. Shri Prem Nath | | | . 11-11-83 to 31-5-84 | | | |
| 2. S.H. Sontakke | | | 29-1-84 to 31-5-84 | | | |
| 3. George Lakra | | | . 25-1-84 to 31-5-84 | | | |
| 4. J.N. Manon | • | - | . I-1-84 to 29-2-84 upto the date of this retire- ment. | | | |

The 23rd June 1984

No. A. 32013|5|83-EI.—The President is pleased to appoint Shri F. C. Sharma, Senior Scientific Officer to the post of Dy. Director (Research & Development) on an ad hoc basis for a period of six months from 12th June, 1984 (FN) or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

New Delhi, the 29th June 1984

No. A. 32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to approve the continuance of ad hoc appointment of Shri G. N. Mehrotra, Superintendent, as Administrative Officer for a further period of One day i.e. 30-6-84 in the office of the Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad.

B. BHAUMIK Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 29th June 1984

No. 16|241|75-Ests-I.-The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has accepted the resignation tendered by Dr. Padmakar Pande from the post of Research Officer at the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the afternoon of 2-4-1984.

No 16|242|75-Ests-I.—The services of Shri Y. P. Singh an officer of M. P. Forest Department who has been working as Assit. Instructor, N.F.R.C. under Forest Research Institute & Colleges, Dehradun are replaced at the disposal of Govt. of M.P. with effect from 30-4-1984 (afternoon).

G. S. GROVER Registrar,

Forest Research Institute & Colleges

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 27th June 1984

No. A-19012|1043|83-Estt. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri S. B. V. Somayajulu, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200|with effect from the forenoon of 8-6-1984 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D. A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secy.

Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Asia Electric Lamp Co. Private Limited

Calcutta, the 25th June 1984

No. 9802|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Asia Electric Lamp Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off!he Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sanjay Petro Chemical Works Private Limited

Calcutta, the 25th June 1984

No. 27743|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sanjay Petro Chemical Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Neel Sagar Farms Private Limited

Calcutta, the 25th June 1984

No. 30793|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date bereof the name of the Neel Sagar Farms Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Form Coke (Irdia) Private Limited

Calcutta, the 25th June 1984

No. 31829 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Form Coxe (India) Private Limited,

unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

DHAN RAJ
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. Popular Paper Mills Limited

Patna, the 29th June 1984

No. 1562|58|560|1916.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Popular Paper Mills Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Bihar, Patna

FORM ITNS----

(1) Dr. Kannubhai M. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Saroj Bhuwania

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR.-I 37EE 1108 83-84.—Whereas, I, B. G.

AGARWAL

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1 lat No. 88, 15th floor. 'Dariya Mahal 'A'

Garage No.

Nepeansea Road, Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 88, 15th floor, and Garage No. 28, Dariya Mahal 'A' 80, Nepeansea Road, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I 1032 83-84 dated 5-10-1983.

> B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-6-1984

FORM TINS (1) Mis Satellite Auto Industries (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) India Family Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.-I[37EE]636]83-84.—Whereas I, B. G.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. Office No. 702, Bldg. No. 3 of Navjivan Society, Laming-

ton Road, Bombay-400 008 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under Section 269AB of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 31-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair, market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 702, Bldg. No. 3, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-1 Deemed. 15 83-4 dated 31-10-193.

B. G. AGARWAL Competent Authoriti Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-6-1984

Scal:

(1) Mrs. Niranjana Dhirailal Kothari Mr. Dhirailal Nanalal Kothari

(Transferor)

(2) Mr. Shyamlal Rambhajan Gupta Mrs. Premlata Shyamlal Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.I|37EE|889|83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 23, 6th floor. Navjivan Co-op. Housing Soc. No. 11, Lamington Road, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 6th floor, Navjivan Co-op. Housing Society Ltd. Building No. 11, Lamington Road, Bombay-8.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|930|83-84 dated 6|10|1983.

B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

(1) Mrs. Sarala M. Joshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. Manishkumar Kantilal Kapadia Manishkumar Kantilal Kapadia
 Mrs. Rekhabe Manishkumar Kapadia.

(Transferce)

(3) Self occupied

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR-I 37EE 926 83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 14, 3rd floor, Punam Co-op. Housing Society

Ltd., 67, Nepean Sea Road, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, Punam Co-op. Housing Society Ltd., 67, Nepean Sea Road, Bombay 400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sedial No. AR.-I/843/83-84 dated 17/10/1983.

> B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 13-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Dharamdas Arjansing Malkani

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs) Aruna A. Banker.

(Transferee)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this netice Official Gazatta.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-P. BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1130/83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000'- and bearing

No. Flat No. 12, 1st floor, Shyam Niwas Building No. 9. Shyam Nivas Co-op. Housing Soc. Ltd., Bhulabhai Desai Road. Bombay 26

(and more fully described in the Schedule annued hereto), has been transferred

under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, Shyam Nivas Bldg. No. 9, Shyam Nivas Co-op. Housing Society Ltd., Bhulabhai Desai Road, Bombay 26. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 1144 83-84 dated 13-10-1983.

> B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-6-1984

(1) Smt. Sudha Rajendra Rangwalla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nilesh Praveen Barfiwalla Smt. Chandrika Praveen Barfiwalla,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1067|83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Flat No. 11, 7th floor, Nutan Pushpanjali CHSL, 108-A, Walkeshwar Road, Bombay-400 006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45—156 GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 7th floor, Nutan Pushpanjali CHSL, 108-A. Walkeshwar Road, Bombay-6. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.I | 1059 | 83-84, dated 3-10-1983.

B. G. AGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-6-1984

(1) Shri P. V. Prabhu

(Transferor)

(2) M|s. Domus Enterprises

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1088|83-84,---Whereas, I, B. G. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land bearing C.S. Nos. 26.1|26-27-28, 1|28, 29 & 30 of Sion Division, Slon|Duncan Causeway, Sion, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269 AB of the the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following person namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquigition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing C.S. Nos. 26.1|26-27-28, 1|28,29 & 30 of Sion Division, Sion|Duncan Causeway, Sion, Bombay-22.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I]1041|83-84 dated 3[10]1983.

B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 13-6-1984

(1) Mrs. Hari Udharam Bharwani

(Transfrore)

(2) Mr. Lavleen Singal

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.-1|37EE|1082|83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 5-B, Sagar Sangeet Building, 58, Shahid Bhagat

Singh Road, Colaba, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions ued herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5B, 'Sagar Sangect' Bldg., 5th floor, 58 Shahid Bhagat Singh Road Colaba, Bombay-5. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. AR-I 1063 83-84 dated

3-10-1983.

B. G. AGARWAL Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Syed Kamaluddin Zaheeruuddin Nagmia

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mrs. Yasmin Iqbal Mr. Iqbal Usman Khan

(Fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1028|83-84.—Whereas, J. B. G. AGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 410, Floor No. IV-C, Baitul Aman Building, 2nd Duncan Road, Bombay-8

(and more fully described in the schedule annexted hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26th October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyn or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objection if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 410, Floor No. IV-C, Baitul Aman Building, 2nd Duncan Road, Bombay-8.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I |905|83-84 dated 26-10-1983.

B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1984.

(1) M/s Dhanraj Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-J. BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.I/37EE/1157/83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.
Gala No. 211 in 'Al' Bunidling, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent

at Bombay on 14th October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(12) Master Ashish Popatlal Gandhi Guardian Shri Popatlal Gandhi Master Amit Pyarelal Gandhl. Guardian Shri Pyarelal Motilal Gandhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Gala No. 211 in 'AI' Building, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13. No. AR.I 1088 83-84 dated 14-10-1983.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I 1088 83-84 dated 14-10-1983.

> B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 14-6-1984

(1) Shankar Narayan Tarke and Mrs. Shantabai Shankar Tarke

(Transferor)

(2) Natwarlal Mangaldas Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1168|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 501, C. Laxmi Niwas Lady Jehangir Road Parsec Colony,

Bombay-14.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Competent Authority

at Bombay on 14th Oct., 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, C, Laxmi Niwas, Lady Jehangir Road, Parsee Colony. Bombay-14. Bearing new Survey No. 1110(part) Cadestral Survey No. 615B|10 of Matunga Division.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.-I|37EE|1078|83-84 dated 14-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 4-6-1984.

FORM No. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Rcf. No. AR.IV|37EE|2445|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flot No. A]38, Sonal Apartments, 3rd floor, Mount Poinsur, Borivli West, I. C. Colony, Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14th October 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mulanjur Achutan

(Transferor)

(2) Shri Marcel Pinto

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A|38, Sonal Apartments, 3rd floor, Mount Poisur, Borivli (W) I. C. Colony, Bombay-82. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV|2445|83-84, dated 14th October, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 15-6-1984.

(1) M/s Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) M/s Kokil Traders

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ret No. AR.-I|37EE|IIII|83-84.-Whereas, I. B. G. AGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.
Unit No. 319, on 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A1-I ower Parel, Bombay-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay, on 13th October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 319, 3rd floor, Shah & Nahar Industrial Estate A 1, Lower Parel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 1231 83-84 dated 13-10-1983

B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14-6-1984

- (1) Shri Ramesh Harikishin Manglani.
- (Transferor)
- (2) Smt. Malati Madhukar Randiyvdekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.-I[37EF]1113]83-84.—Whereas, I. B. G. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Room No. 1/202, Naviivan Co-op. Housing Society. Lamington Road, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

Bombay on 13-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—156GI/84

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1/202, Navjivan Co-op. Housing Society, Lamington Road, Bombay-8.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-1|1237|83-84 dated 13-10-1983.

B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition. Range-I Bombay

Date: 14-6-1984.

(1) M|s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Subhangi Satish Nadkarni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. AR.-I|37EE|1188|83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Unit No. 233, 2nd floor, Shah & Nahar Industrial Estate (A2) Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-13

(and more fully described in the Schedule annexted hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act ,I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 233, 2nd floor, 'Shah & Nahar Industrial Estate (2A) Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parcl, Bombay-13.

Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I 1262 83-84, dated 14-10-1983.

> B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

'Date: 14-6-1984.

Smt. Kamla Santumal Manghani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natwarlal Ramanlal Gandhi. Smt. Chandrikaben Natwarlal Gandhi Shri Sanjay Natwarlal Gandhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.-1|37EE|1092|83-84.—Whereas, I, B. G. **AGARWAL**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 21, 6th floor, Bldg. No. 13 of Navjivan Co-op. Housing Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 7-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as green in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 6th floor, Bldg. No. 15 of Navjivan Co-op. Housing Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I 1040 83-84 dated 7 10 1082

7-10-1983.

B. G. AGARWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-6-1984.

(1) Shri Kundandas Watumal Parwani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manilal Ratausi Chheda. Smt. Mrudula Manilal Chheda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 16th June 1984

Ref. o. AR.I|37EE|1212|83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 4. 1st floor, Bldg. No. 7 A, Lamington Road Scheme of Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Building No. 7|A, Lamington Road Scheme of Navjivan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-I 1099 83-84 dated 14-10-1983.

> B. G. AGARWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said . Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-6-1984.

(1) Mis Omex Builders & Contractors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Y. K. Ashar & Mrs. D. Y. Ashar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bobay, the 13th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7416|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 3 Ground floor, Akal Co. operative Housing Society Ltd., Andheri (East), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, Akal Co. operative Housing Society Ltd. Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7416 83-84 dated 17-10-1983.

> SM. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Atmaram Peshwani

(Transferor)

(2) Shri Sanjiva K. Shetty, Shri Prabhakar S. Shetty and Shri Sudhakar S. Shetty,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. ARJI|37EE|2902|83-84.-Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 8 Cosmos Commercial Centre, 3rd Road. Khar (West), Bombay 400 052 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28th Oct., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 New Cosmos Commercial Centre, 3rd Road Khar, Bombay 400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 2902 83-84 dated 28-10-1983

> S.H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 8-6-1984

(1) Mr. Subramaniam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. M. Iyer

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'S COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR. 11|37EE|7503|83-84.--Whereas, 1, S. H. ABBAŞ ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Flat No. 31 Bldg LT. 14, Larsen Toubro Group of Companies Employee's Co. op. Housing Society Vijay Nagar Marol Maroshi Road, Andheri(East) Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31 Building LT 14, Larsen Toubro Group of Companies Employee's Co. operative Housing Society Vijay Nagar Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7503|83-84 dated 11-10-1983

S.H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay,

Date: 14-6-1984

FORM ITNS----

(1) Mr. Pahlajsing Hassasing Bajaj

(Transferor)

(2) Mrs. Madhu Lal Mirani

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-JI BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3553|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. Flat No. 12, 3rd floor, Khan Deep, 1st floor, (Khar Danda Road) Plot No. 374, Khar Bombay 400 52.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

parties has not been truly stated in the said instrument of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd floor, Khar Deep, 1st Road (Khar Danda Road) Plot No. 374, Khar, Bombay 400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3553|83-84 dated 3-10-1983.

S.H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay,

Date: 14-6-1984

Scol:

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Dinesh S. Malhotra Mr. Rajesh S. Malhotra

(Transferee)

(4) M|s. Rakesh S Malhotra & Master Manish S. Malhotra (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR.II[37EE]7315[83-84.—Whereas, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No.

Sanjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village Andheri-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-10-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Santjeev Towers, Behram Baug, Oshiwara Village Andheri-Versova.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7315 83-84 dated 11-10-1983.

> S.H. ABBAS ABIDI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, masnely :-

Date: 13-6-1984 Seal:

47-156 GI 84

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Dinanath J. Hoderkar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|8383|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Jeevan Parag Co-operative Housing Society Ltd., 127 Prabhat Colony Road No. 2 Santacruz (East) Bombay 400 055

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay 7-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Mrs. Chhaya Chaturbhuj Savarla Mr. Chaturbhuj Harilal Savaria

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Jeevan Parag Co-op. Housing Society Ltd.

(Person whom the undersigned to be interester in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the skid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat in a Co-operative Society known as Jeevan Parag Co-operative Society Ltd., 127 Prabhat Colony Rd. No. 2. Santacruz (E), Bornbay 400 055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 8383 83-84 dated 7-10-1983.

S.H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II Bombay.

Date: 14-6-198/

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Rof. No. AR.II|37EE|3593|83-84.—Whereas, I. S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 24A. Nemnath Apartment & Nehru Market Kambliwadi, Vile Parle East, Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mukund Chandulal Sheth.

(Transferor)

(2) Rajesh Maganlal Tankaria.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 24A, Nemnath Apartment and Nehru Market Kambliwadi, Vile Parle East, Bombay 400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 3593 83-84 dated 10th October, 1983.

S.H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date . 8-6-1984

(1) M/s. Inderfit properties Pvt,. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Sharma.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II[37EE]7417[83-84,--Whereas, I,

Ref. No. AR.II|37EE|7417|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. Shop No. 7 Ground floor, In Twin Towers, Plot 8A & 8B at Village Oshiwara, Four Bunglows Off J. P. Road, Versova Andheri (West), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, Twin Towers, Plot 8A & 8B S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara, Four Bungalows, Off. J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]7417[83-84 dated 17th October, 1983.

S.H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax · Acquisition Range-II Rombay

Dated: 17-10-1983

(1) Shri Jagdish D. Narang.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash Balchand Sakhrani & Shri Balchand K. Sakhrani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3557|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 8, Raj Sarovar Niketan Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 315-A, Linking Rd. Khar, Bombay-52, (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is rgistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 8, Raj Sarovar Niketan Co-operative Housing Society Ltd. Plot No. 315-A, Linking Road, Khar, Bombay 400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3557|83-74 dated 5-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rango-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

ated: 14-6-1984

(1) Ms. Aarti Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Shantaram Balkrishna Sament.

(Transferee)

(4) Ms. Acme Bobbins & Shuttles P. Ltd.

Ms. Arihant Builders, The Panchvati Co-optrative Credits Society Ltd.

> (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7520|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. All that piece of parcel of land or ground situated at Marol Plot No. 159, Hissa No. 2 (Part) of Marol, S. No. 7, Hissa No. 1 (Part) of Parjapore. (and more ully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facinitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land or ground situate at Marol Plot No. 159, Hissa No. 2 (Part) of Marol, S. No. 7 Hissa No. 1, (Part) of Parapore.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7520|83-84 dated 21-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7148|83-84.-Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 3, Ground floor, CTS No. 1323 4 Village Versova,

Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred

and the agreement is rgistered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment o fany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. National Enterprises,

(Transferor)

(2) Shri Sandeep J, Verenkar.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3. Ground floor, CTS No. 1323 4 Village Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7148 83-84 dated 3-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 8-6-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Inderjit Properties Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ramesh Roni Premnath Gupta, Mr. Rajesh Kumar Premnath Gupta,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7404|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25.000; and bearing

Re. 25,000|- and bearing
Shop No. 14, Ground floor, Twin Towers, Plot 8A, 8B, S. No. 41(Part) at Village Oshiwara Four Bunglows, Off.
J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-10-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°L) of he said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Ground floor, Twin Towers, Plot 8A, 8B, S. No. 41 (Part) at Village Oshiwara Four Bunglows, Offfi J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombuy under Serial No. AR.II|37EE|7404|83-84 dated 14-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.II|3712E|3646|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 10 'Alok' Street, Plot No. 104-105, TPS, IV, Santacruz West, Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-10-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—156 GI|84

(1) Nannayala Chaganlal Chaurasia, Smt. Shushilarani Nannayalal Chaurasia.

(Transferor)

(2) Yacoobhai Valibhai Balasinorwla Yusuf Yacoobhai Balasinorvala,

(Transferce)

(3) Transferor).

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Alok, Plot No. 104-105, TPS VI, Santacruz (West) Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3646|83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Daated: 14-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3391|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 2, 4th floor, Bldg. No. 8/3, (of M/s, Khira, Mehta, Shah & Associates) 4th floor, S. V. Road, Santacruz (West).

Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-10-1983,

tor' an apparent consideration which is less than' the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The second secon (1) Mr. Vijay M. Shah. Mrs. Meena V. Shah.

(Transferor)

(2) Mr. Deepak Chhotalal Gheewalla, Mrs. Kusumben Chhotalal Gheewalla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires lactr:
- (b) by my other person interested in the said immo-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2. 4th floor, bldg. No. B|3, 4th floor, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3391|83-84 dated 7-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 8-6-1984

FORM ITNS--- (1) M/s. Maneklal Enterprises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mis. Ujamben Mohanlal Vithlani & Shri Ajay Shantilal Vithlani,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7411|83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hanny a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing

industrial Gala No. 26, at Sarvodaya Industrial Premises Coop Society Ltu., Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay 400 093.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-10-1983, which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FIAPIANYDON :==The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 26, situated at Sarvodaya Industrial Premises Co-operative Society Ltd., Mahakali caves Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7411 83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Dated 13-6-1984 Seal:

(1) Ms. Nirman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narayan C. Salian.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.II 37EE 7507 83-84.—Whereas, 1,

Ret, No. AR. II | 7EE | 7507 | 83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No.

Shop No. 6 on Ground floor in 'Nirman Vihar' 'A' Wing, Pump (House Andheri (F))

Pump House, Andheri (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other selects which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresain persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6 on ground floor in 'Nirman Vihar', 'A' Wing,

Punp House, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7507|83-84 dated 21-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-6-1984

 Chhaganlal Narayandas Lavana and Hemantkumar Chhaganlal Lavana.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) Tarunkumar Parbat Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3569|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. F. P. No. 676, TPS, Bombay City No. V (Mahim Area) Part of Cadestral Survey No. 334 Mahim Division, Off Ranade Road, situated at Mahim Bhandarwada Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

Bombay on 6-10-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

1908) in the Office of the Registering Officer at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; for the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires their

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the used Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1839|81, and registered with the sub-Registrar, Bombay on 6-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 13-6-1984

Scal:

(1) Mrs. Mani R. Guzder, Miss Zarin R. Guzder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jawahar Lal Dhawan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th June 1984

Ref. No. AR, II | 37EE | 3735 | 83-84.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900|- and bearing No. Flat No. 512, Chetak Co-op. Housing Society Ltd., Manju Mahal, 5th floor, D-Wing, 35 Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is resistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority Bombay on 14-11-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chetak Co-op. Housing Society Ltd. Manju Mahal, Flat No. 512, 5th floor, D-Wing, 35 Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3735|83-84 dated 14-11-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Audit rity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 6-6-1984

Sen1 :

(1) M|s. Maneklal Enterprises Pvt. Ltd.

(Transferor)

16657

(2) Shri Hasmukh Mohanlal Vithlani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIÓN RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR, II|37EE|74-10|74-10|83-84.—Whereas, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 0001- and heaving No.

Rs. 25,000]- and bearing No.
Industrial Gala No. 25, Sarvodaya Industrial Premises Co-op.
Society Ltd. Mahakali Cavees Road, Andheri (East),

Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 25, situated at Sarvodaya Industrial Premises Co. op. Society Ltd., Mahakali Caves Road. Andheri (E), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 7410 83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3652|83-84.--Whereas. I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office No. 25, 2nd floor, Veena Been Shopping Centre Premises Co. operative Society Ltd., Turner Road, Bandra Bombay-400 050.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Krishnakumar H. Aswani.

(Transferor)

(2) Mrs. Villoo K. Shroff.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 25, 2nd floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Co. operative Society Ltd. Turner Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|3652|83-84 dated 17-10-1984

S. II ABBAS ARIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-6-1984

(1) Aaron Dani el Abraham

(Transferor)

(2) Mrs. Sarah Mohiuddin Sony.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|2881|83-84,---Whercas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

124, Rebello Road, Bandra (West) Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons ramely in49—156 GI[84]

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

124. Rebello Road, Bandra (West), Bombay-400 050. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|2881|83-84 dated 10-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 4-6-1984

FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|7581|83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Piece or parcel of land or ground situate lying and being at Marol, Maroshi Road at Andheri Survey No. 159, Hissa No. 2 of Marol Survey No. 7, Hissa No. 1 (Part) of Parjapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Shantaram Balkrishna Samant

(2) M/s. The Panchayati Co-op. Housing (Transferor) Society Ltd. (Transferee)

(3) Ms. Acme Bobbins & Shuttles P. Ltd.

Ms. Arihant Builders. Ms. Arti Construction Co.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground situate lying and being at Marol, Maroshi Road at Andheri Survey No. 159, Hissa No. 2 of Marol Survey No. 7, Hissa No. 1 (Part) of Parlapore.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7581|83-84 dated 28-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 14-6-1984

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th June 1984

Ref. No. AR II | 37EE | 3612 | 83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 7-A Sai Dhan, Bldg, Plot No. 499, 3rd floor, 16th Road, Khar (West), Bombay-400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section $269\Lambda B$ of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Mrs. Sweta Deepak Orhi Alias Hem Rasiklal Dave

(Transferor)

(2) Shri Sharda Pandey & Mrs. Anuradha Pandey.

(Transferee)

(3) Transferors & Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-A, 'Sai Dhan' Bldg., Plot No. 499, 3rd floor, 16th Road, Khar (West) Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|3612|83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-6-1984

- (1) Mr. Prem H. Lalwani.
- (Transferor)
- (2) Mr. Vasudco P. Chitnis.
- (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

New Delhi, the 15th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3604|83-84.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a few market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 2, Woodland Apartment F.P. 577, Opp. Mori Road

Municipal School, Sonawala Agyari Marg, Mahim

Bombay-400 016.
(azd more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometars Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1983

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Woodland Apartment, F.P. No. 577, Opp. Ori Road, Municipal School, Sonawala Agyari Marg, Mahim, Bombay-400 016,

The agreement has been registered by the Authority, Bornbay under Serial No. AR.II 37EE 3604 83-84, dated 5-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 6th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3613|83-84.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 3 on Ground floor in New Apollo Co.op. Housing Society Ltd. 14th Road, Khar TPS III, Bombay-52, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value o fitte property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the wansfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following a persons, namely:—

(1) Smt. Silwanti N. Mansharamani.

(Transferor)

(2) Smt. Kamala G. Satwani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 Ground floor in New Apollo Co.6p. Housing Society Ltd. Plot No. 466, 14th Road, Khar, TPS III. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|3613|83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 6-6-1984

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay on 8th June 1984

Ref. No. AR.II|37EF|3619|83-84.--Whereas, 1, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 11, 3rd floor, Natraj Building, 11th Road, Khar, Bombay-400 052

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shamdas K. Bajaj Shri Bhagwandas K. Bajaj.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Tikamdas Lalwani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Natraj Building, 11th Road, Khar, Bombay-500 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II 37EE 3619 83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI Bombay

Date: 8-6-1984

FORM ITNS----

(1) Inderjit Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. B. Singh, Shri Raj Mangal B. Singh & Shri Ashok Kumar B. Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 8th June 1983

Ref. No. AR.II|37EE|7246|83-84.-Whereas, I,

S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Shop No. 1, Ground floor in Twin Towers, Village Oshiwara, Four Bunglows, Off. J.P. Road, Versova, Andheri

(West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27' of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, in Twin Towers, at Village Oshiwara, Four Bunglows. Off. J.P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|7246|83-84 dated 6-10-1983.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

Date: 8-6-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 13th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3576|84-85.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Final Plot No. 675 of Town Planning Scheme No. IV.

Scheme No. IV.
Mahim area, C.S. No. 334 Mahim Division, situated at Mahim Bandarwada Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Chhaganlal Narayandas Lavana &
 2. Hemantkumar Chhaganlal Lavana.

(Transferor)

(2) Tarunkumar Parbat Patel
Proprietor of Welcon Builders.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 295|83 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 6-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 13-6-1984

FORM I.T.N.S.

(1) M|s. Navbharat Develp. Corporation

(Transferor)

(2) Mrs. Fatima M. Sequira

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th June 1984

Ref. No. AR.II|37EE|3636|83-84.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.:—Flat No. 102-A, 1st floor, Kalpana Apartments 'A' Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arming from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(a) has now ad the adversarial manner while a second of

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other sman interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used been as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 102-A, 1st floor, Kalpana Apartments, 'A' Sherly Rajan Road, Bandra, Bombay-50.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.IIJ37EEJ3636J83-84 dated 17-10-1983.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-6-1984

Seal :

50---156GT|84

(1) M/s. Modern Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhanushali K. Prabhudas

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3712|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable No. Flat No. 7, Plot No. 46. Kanjui Coop. Hsg. Soc. Ltd. Kanjur Marg, Bmobay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

nt Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the end instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 46, Kanjur Coop, Hsg. Soc. I.td. Kanjur Mage, Bombay-78.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay. Vide sorial No. AR.III 37EE 1472 83-84. dated 3-10-83,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 14-6-1984

Scal:

(1) Shri Zaverchand L. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amarjit Kaur Joginder Singh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III[37EE]3544[84-85.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 28, A-Wing, 6th flr. Siddharth Nagar, Santacruz (E), Near St. Anthony's Ghurch, Bombay.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any is the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period oxpites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 28, A-Wing, 6th floor, Siddharth Nagar, Santacruz (East, Behind St. Anthony's Church, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1451|83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

FORM_ITNS-

(1) Mrs. Shiela G. 'Katre

(Transferor)

(2) Mr. Hejmadi Srinivas Gadiyar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.111|37EE|3395|84-85,-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. Flat No. 9, Vakola Sandeep Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Near

Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the samt meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Vakola Sandeep Coop, Hsg. Soc. Ltd. Neat Vakola Bridge, Santacruz (E), Bombay-55.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1446|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date . 14-6-1984

(1) Ms. Goldcoin Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mushtaque R. Mirajkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Rof. No. AR.III|37EE|3539|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. B-20, CTS Nos. 694 to 699, Village Kole Kalyan, Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

situated at

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-20, CTS No. 694 to 699, Village Kole Kalyan Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay. Vide serial No. AR.III|37EE|1430|83-84. dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 14-6-1984

Scal :

(1) Kukrela Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gurcharan Singh Dhaliwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3374|84-85.--Whereas, I,

A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, D-Wing, Tolaram Apartments Chembur Camp, Bombay-74.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as tere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, D-Wing, Tolaram Apartments, Chembur Camp, Bombay-74.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1443 83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date . 14-6-1984

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3534|84-85.—Whereas, 1, A. 1.AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|1 and bearing No. Flat No. 12, Bldg. No. 7-B, Nityanand Baug Co-operative Housing Society Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely the

(1) Shri Rajkumar Sitaram Kataria

(Transferor)

(2) Vashdev Dwarkadas Ruparel & Smt. Rajkumari Vashdev Ruparel

(Transferee)

(3) Transferdes

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12 in Building No. 7-B, Notyanand Baug Co-operative Housing Society Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay. Vide serial No. AR.III 37EE 1479 83-84. dated 3-10-1983.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date 14-6-1984

Scal :

FORM LT.N.S.---

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TV INCOME-TAX AUT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Juliet Anna Considves

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR,III/37/EE/3407/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 404, 4th fir., Ajit Park, Somwar Bazar Roud, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 40%, 4th floor. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR III 37EF 1502 83-84. dated 3-10-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date 14-6-1984

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Bapuram N. Khadya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF EVIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III[37EE/3421]83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 105, 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51---156GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st flr. Ajit Park, Somwar Bazar Road., Malad (W), Bombay-64, The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1513|83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

Seal

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shyma Prasad Ray

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3401|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Flat No. 4, Ground floor, Afit Park, Somwar Bazar Rd., Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered un' section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Ajit Park, Somwar Bazat Road, Malad (W), Bombay-64.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III/37EE/1516/83-84. dated 3-10-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3346|84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHRI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Sub-plot No. 14|15, Plot A, of M|s. Basant Gardens Estates Pvt. Ltd. Sion Trombay Road, Ghatala Rd. Junction, Union Park, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Navratna Builders Pvt. Ltd.

(2) Dr. Sunil Prabhakar Wagh

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub Plot No. 14|15, Plot A of M|s. Basant Gardens Estates Pvt. Ltd. Sion Trombay Road & Ghatla Road In. Opp. Union Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1500 83-84 dated 3-10-1983.

> A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. ARIII|37EE|3552|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

Shop No. B-7, Building No. 4, Vijay Vihar Co-operative Housing Society Ltd., Opp. Sandu Brothers Sion-Trombay Road, Chembur Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Narasimhan Shankarnarayan

(Transferor)

(2) Rajesh Bansidhar Aggarwal

(Transferee)

(3) Smt. Rachna Rajesh Aggarwal
(Person whom the undersigned knows to be interested
in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-7, Building No. 4, Vijay Vihar Co-operative Housing! Society Ltd., Opp. Sandu Brothers Slon-Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1481|83-84 Dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 14-6-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|83-84.-Whereas. I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000 and bearing exceeding

Flat No. 207, 2nd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad West, Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Madhav Manohar Bhurke

(Transferee)

(3) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property) (4) Shri L. R. Nervekar

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given: in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd floor. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad West, Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1503 83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Date: 15-6-1984

FORM I.T.N.S.

(1) Modern Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mathias S. Norbert.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3699|84-85.-Whereas, L. A. LAHIRI,

being the Competent Amhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

Flat No. 4. Plot No. 48, Kanjur Coop. Hsg. Soc., Kanjurmarg, Bhandup, Bombay-78.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Plot No. 48, Kanjur Coop. Hsg. Society, Kanjur Marg Bhandup, Bombay-78. The agreement has been registered with Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1456|83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followthe persons namely:-

Date: 14-6-1984

(1) Mishrimal Navaji

(Transferor)

(2) Khetankumar M. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3681|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Bhandup Vishal Ind. Premises, Village Road, Bhandup (W), Bombay-78, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhandup Vishal Industrial Premises, Village Road Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1493 83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 14-6-1984

Scal :

FORM ITNS---

 N. K. Chhabria, Prop. of M|s. Rajkamal Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Matharu Engineers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III[37EE]3449[84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Gala in Malad Industrial Units Co-operative Society Ltd., Malad Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have treason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala in Malad Industrial Units Co-op. Society Ltd. Malad Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1500 83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

FORM ITNS----

(1) Build Quick

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hemal Enterprises

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR III]37EE[3479]84-85.--Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovhas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority S. No. 85, H. No. 5(P) CS No. 19(P) village Mawani,

Tal: Borivadi, Bombay

situated at **Bom**bay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor- than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J'YPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 85, H. No. 5(P), C. S. No. 19(P), village Mawani Tal, Borivali, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR-III|37EE|1450|83-84 dated 3-10-1983.

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely !---52-156QU84

Date: 14-6-1984

(1) Shri Bhogi Lal Gopal Dass Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Ali Mohd. Hanif.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE| 84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000] and bearing No.

Flat No. 15, Ground Floor, Sahkar Apartment, 657 S.V. Road of Babulin, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 fll of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

Flat No. 13, Ground floor, Sahakar Apartment 657, S. V. Road, Opp. Babulin, Malad(W), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE-1429/83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sect on 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-6-1984

FORM ITNS ...

(1) Jamnaram Coop. Hsg. Soc.

(Transferor)

(2) Mr. Shailendra R. Shah & Mrs. Manjulaben R. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3311|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 14, Swami Narayan Darshan, Dr. R. P.

Mulund(W), Bombay-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XMA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 14, Swami Narajen Darshan, Dr. R. P. Road. Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III]37EE|1425|83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III

BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.IV[37FE[2311]83-84.--Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25.000; and bearing

Flat No. 52, 3rd floor. Satyam Building, Fatch Baug, Kandivli (W), situated at Kandivli Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB(2) of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent

at Bombay on 10th October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (1) M/s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

- (2) Mr. Sunil Babubhai Shah
- (3) Transferor & Transferee.

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used become at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as goodin that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 3rd floor, Satyam Building, Fatch Baug, Kandivki (W) Bombay-67. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. AR-IV[2311]83-84, dated 10th October, 1983.

A. LAHIR! Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111 Bombay.

Date: 14-6-1984

(1) D. M. PAWAR.

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Secta R. Chavan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3649|84-85.—Whereas. I, A. LAHIRI

heing the Competent Authority under Section 269B of the encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imvaovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 3, Ground floor. Mrugyuk Sahkar

Nagar I, Chembur, Bombay-71

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oeneve that the fair market value of the property as aforesant exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1952):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section in of Section 269D of the said Act to the following persons, amely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor. Mrugyuk Sahakar Nagar 5, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay, vide serial No. AR.III/37EE/1499/83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I New Delhi

Date: 14-6-1984.

(1) A Prabhakar Rao.

(Transferor)

(2) Jeevan Usha Co-op. Housing Soc. Ltd.

(Transferce)

(3) A Prabhakar Rao.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3711 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Flat No. 21, Ground floor, Jeevan Usha Co-op. Housing Society, 21st Road, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, Ground floor, Plot 89, Jeevan Usha Co-op. Housing Society, 21st Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Author? 19 1000bay, vide serial No. AR.III 37EE 1468 83-84. dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-6-84

(1) Smt. Shardaben Maganlal Patel Shri Maganlal Ravjibhai Patel.

(Transferor)

(2) Prabhaker Rasiklal Sheth.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2265|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. Block No. B-1-203, Ganpati Apartment, L.T. Road, Borivli (W) Bombay-9 situated at Borivli

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office the Competent Authority at Bombay on 29-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. B-1-203, Ganpati Apartment, L.T. Road, Borivli (W) Bombay-92. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV|2265|83-84 dated 29-10-83.

VIIAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-6-84

(1) Mrs. Swarn Sethi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena Ahuja,

(Transferee)

(3) Mr. Meena Ahuja.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3708|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, Rajiv Niwas, Laxmi Colony, Mahul Road, Chembur, Bombay-74 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undesection 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201. Rajiv Niwas, 2nd floor, Laxmi Colony, Mahul Road, Chembur, Rombow, 74

Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide Serial No. AR.III/37EE/1457/83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-84

- (1) Sh. Vinod P. Goswami.
- (Transferor)
- (2) Sh. Radheshyam Karnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR,III|37EE|3468|84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 10, Bldg. No. A-7, Balratna Coop. Hsg. Soc. Ltd., S.V. Road, Goregaon (W). Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the feir

the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1387|83-84, dated 3-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 14-6-84

Scal:

53-156 GI|84

- (1) Deshmukh Builders Pvt. I.td.
- (Transferor)
- (2) Sh. Sudhir V. Rane & Others,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3764|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 409, 4th floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of two nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 409, 4th floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide Serial No. AR.III 37EE 1511 83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-6-84 Scal;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Mantri Development Corpn.

(Transferor)

(2) Shri Govindrajpuram S. Krishnan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3340|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 2, Ground floor, 'Abhilasha Apartments', J. N. Road, Mulund (West), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 daysy from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, 'Abhilasha Apartments' Off. J. N. Road, Mulund (West), Bombay-80.

'The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III 37EE 1382 83-84

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 14-6-84

dated 3-10-83.

(1) Smt. Rita S. Philip Rodrigues & Others.

(Transferor)

(2) M/s, Rao & Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37f(E|3551|84-85,--Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No.

Plot No. 1857, Village Kole Kalyan, Kadam Wadi, and S. No. 336A Kalina, Santacruz (E), Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the tain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1857, Village Kolc Kalyan, Kadam Wadi, S. No. 336A Kalina, Santacruz (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III [37EE] 1452 [83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III]37EF|3514|84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3, CTS No. 5653, Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-29

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s, Golden Construction.

(Transferor)

(2) Mr. Harilal Hukamchand Asrani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, CTS 5653, Village Kole Kalyan, Kalina, Bombay-29.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1448|83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6 84

(1) Mls. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III(37EE[3400[83-84,--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 308, 3rd floor, Ajit Park, Somewar Bazar Road, Malad (West), Bombay-64

situated at Malad (West)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Dilip Shankar Pawar.

(Transferce)

(3) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri L. R. Marvekar.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, 3rd floor, Ajit Park, Somewar Bazar Road, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1519[83-84 dated 3-10-83.

A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-6-84

(1) M/s. Shree Anand Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chhaya Kashmiri,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III]37EE]2707]84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]- and bearing Industrial Unit No. 129, 1st floor, Ramgopal Industrial Estate Premises Co-op. Society Ltd., situated at Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund situated at Muland (W), Bombay-90 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

of the Competent Auhority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 129, 1st floor, Ramgopal Industrial Estate Premises Co-operative Society Ltd., Dr. Rajendra Prasad Road, Mulund West, Bombny-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide scrial No. AR.III|37EE|1464|83-84 dated 3-10-83,

A, LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-84

FORM ITNS-----

(1) Mls. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Shambhu S. Kothari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3419|84-85.—Whereas, I. A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 205, 2nd floor, Ajit Park, situated at Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Auhority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

TIBE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad, (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III]37FE]1515[83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date · 14-6-1984

(1) Mr. Anthony J. Patlathu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vitavan Pillai, Shri S. Pillai, (V. S. Pillai).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3445|84-85.--Whereas I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 30, situated at 4th stoor, Bldg, No. 2, Green Park Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Survey No. 28, Hissa No. 4(P) Linking Road, Orlem, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of suck apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- *(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in rospect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 4th floor, Bldg. No. 2, Green Park Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Survey No. 28, Hissa No. 4(p), Orlem, Linking Road, Malad (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1433 83-84. dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

Scal:

54---156 GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Subhash V. Sawant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3405|84-85,---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 1, Gr. flr., Ajit Park, Somwar Bazar Road., Malad (W), situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Maled (W), Bombay-64. The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III/37EE/1508/83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

16701

FORM ITNS-

(1) Shri V. D. Parekh.

(Transferor)

(2) Shri Satish C. Dalal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3671|84-85.--Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Gala No. 222, 2nd floor, Vinay Industrial Estate, S. No. 428]1, Dahanukar Wadi, Chinch Bunder Road, Malad (W) situated at Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 222, 2nd floor, Vinay Industrial Estate, S. No. 428|1, Dahanukar Wadi, Chinch Bunder Road, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III|37EE| 1490|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) M/s. Gold Coin Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Shilpa Gurunath Satardekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 14th June 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III|37EE|3528|84-85.—Whorea—1, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomce-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as he 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat No. 14, Shiv Ganga Vakola, Kole Kalyan situated at Bombay-55

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombny on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Shiv Ganga, Village Kole Kalyan, Vakola, Bombay-55. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.IJI|37EE| 1478|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

(1) Mr. Raikumar S. Katarla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vashdev D. Ruparel & Smt. Rajkumari V. Ruparel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3353|84-85.--Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 12, Bldg. 7-B, Nityanand Baug Co-op. Hsg. Socy.
Ltd., R. C. Marg. Chembur situated at Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Bldg: 7-B, Nityanand Baug Co-op, Hsg. Socy, Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74. The agreement hat been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III|37EE|1441|83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

(1) Smt, Anusaya Bharat Shah.

be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lugani Knitwcar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III[37EE|3537|84-85.--Wheeras, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 15 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

D-217, Agra Road Ind. Premises Co-op. Society Ltd., Ghat-

kopar situated at Bombay-86.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in

Objections if any, to the acquisition of the said property may

- the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, thin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-217, Agra Road Ind. Premises Co-op. Society, Ghatkopar, Bombay-86. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III 37EE 1484 83-84, dated 3-10-83.

> A. LAHIRU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of that notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followpersons, namely

Date: 14-6-1984

Scal :

FORM ITNS----

(1) Shri Motilal B. Mehta & Shri N. M. Mehta.

(2) Shri Dwarkadas Lokasingh Bajaj & Shri Ashok Lokasingh Bajaj. (Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 14th June 1984

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ref. No. AR.III|37FE|3529|84-85.—Whereas I, A. I AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43°of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Gala|Unit No. 8, Bldg. No. B' in Sidhpura Co-operative Industrial Estate Ltd., Village Ghatkopar, Turft Trombay, situated at Bombay

(and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala|Unit No. 8, Bldg. No. 'B' in Sidhpura Co-op. Industrial Estate Ltd., Village Ghatkopar, Turft Trombay, Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III|37EE|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

Scal:

- (1) Smt. Rama S. Kanunga,
- (Transferor)
- (2) Kapoor Family Trust,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3655|84-85.—Whereas 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. A 603, 6th Floor, Veena Nagar, Malad (W) situated at Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned:—

"Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-603, 6th Floor, A. Wing, Veena Nagar, Malad (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III | 37EE | 1488 | 83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

(1) Ms. Sheth Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Dulcin Mendonca.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3530|84-85.-Wherens I. 1. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Flat No. 25, 2nd floor, Plot No. Fl. L. B. S. Marg, Ghatherer of inverted at Borrhy 400 086

kopar situated at Bombay-400 086 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

55--156 GI[84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 2nd floor, Bhagirathi Villa Plot No. F-1, I. B. S. Marg, Ghatkopar, Bombay-400 086.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III|37EE|1420|83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) Mis. Tolaram & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Bombay, the 14th June 1984

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQQUISITION RANGE-III, BOBAY

Ref. No. AR.III 37FF 3471 84-85.—Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Shop No. 5 with half basement on Gr. floor, Shakti Shopping Arcade, Agra Road (W). Bhandup (W) situated at Bombay-78

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), bay been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the coresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following authors, nomely o

(2) Mr. Phavamji Shamji Shah & Shri Manilal Velji Gosar.

(3) Transferor.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 with half basement on Ground floor, Shakti Shopping Arcade, Agra Road (W), Bhandup (W), Bombay-78. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR III 37FF 1482[83-84]83-84, dated 3 10-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3710|84-85,---Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 21, Ground floor, Jeevan Usha Co-op. Hsg. Socy., 21st Road, Chembur situated at Bombay-71.

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jeevan Usha Co-op. Housing Society.

(Transferor)

(2) Dr. V. V. Karkare.

(Transferce)

(3) Dr. V. V. Karkare, Mrs. Neela V. Karkare, Master Nakul V. Karkare & Master Nikhul Karkare.

(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. Sheelu Aranke

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 21, Ground floor, Jeevan Usha Co-op. Hsg. Socy., 21st Road, Chembur, Bombay-71. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide Serial No. AR.III 37EE 1467 83-84, dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) Shri B. Arunkumar & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Falcon Labs.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3653|84-85.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Unit No. 224, 2nd floor, situated at Village Dindoshi, Gore-

gaon (E), Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. A-224, Village Dindoshi, Virvani Industrial Estate, Goregaon (E), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III|37FE|1487|83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely-:—

Date: 14-6-1984

Scal:

(1) Shri Premjibhai D. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohanlal Chitroda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3398|84-85.—Whereas I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Gala in Malad Industrial Units Co-op. Socy. Ltd., Ramchandra Lane Extn., Malad (W), situated at Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the or lideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala in Malad Industrial Units Co-op. Socy. Ltd., Ramchandra Lane Extn., Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Sorial No. AR.III|37EE|1445|83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisoner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date 14-6-1984

(1) D. K. Builders & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) QF 1961) (2) Shri Bhawarlal N. Khandelwal & others, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IJI, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3696|84-85,---Whereas 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Unit No. 10. Ground floot, 'Shree Diamond Centre Plot No. 13, CTS No. 18 & Sur. No. 99 (part), Hariadi Village, LBS Marg, Vikhroli situated at Bombay-83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 10, Gr. fit., Shree Diamond Centre, Plot No. 13, CTS No. 18 & Survey No.. 99 (part), Hariali Village, LBS Marg, Vikhroli, Bombay-83. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Vide Serial No. AR.III|37EE|1453|83-84, dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

(1) Shri R. Srinidhi Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pravinchandra Pranlal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3318|84-85,—Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. A-12, Jeevan Tarang Co-op, Hsg. Socy.. Garodia Nagar, Ghatkopar (E), situated at Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income axising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely the said Act.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-12, Jeevan Tarang Co-op. Hsg. Socy., Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, Videser, at No. AR III/371 E/1365/83-84, dated 3-10-83.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Pombay

Date: 14-6-1984

(1) M|s. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.,

(Transferor)

(2) Mr. Robert D'Souza

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3417|84-85.--Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 203. 2nd floor. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West), Bombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3rd Octboer, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-III|37EE|1496|83-84 dated 3-10-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range-UI
Bombay

Date: 14-6-1984.

(1) Mls. Mahesh Builders.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Gopal Damle.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3697|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. 2, Gr. floor, Sai Apartment, LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the competent

at Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mean ng as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability we the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2 Ground floor, Sai Apartment LBS Marg, Ghat-

kopar (W). Bombay-86.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide Serial No. AR.III|37EE|1454|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Seal

Date: 14-6-1984.

56-156GI|84

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Kantilal J. Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kfishanlal C. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3665|84-85.—Whereas, I.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

mo able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7, Malad Friends Coop. Soc. Ltd., 2nd floor, Liberty Ga.den, Malad (W), Bombay-64, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

nas been transferred and the typeement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Au tority at Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration, which is less than the fair matrict value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exce do the apparent consideration therefor by more cent of such apparent consideration and that that fiftee i per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Malad Friends Co-op. Soc. Ltd., 2nd floor, Liberty Garden, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR-III|37EE|1489|83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2266|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

bing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. B-L-204, Ganpati Apartment, L. T. Road, Borivli (W) Bombay-92, situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1861, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 29th October, 1983

for \$\frac{1}{2}\$ apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kusumben Parsho(tambhai.

 Patel & Shri Parshottambhai Virjibhai Patel

 (Transferor)
- (2) Smt. Shantaben Prabhakher Sheth

(fransferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Sizzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. B-L-204, Ganpati Apartment, I. T. Road, Borivli (W) Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, vide Seriel No. AR-IV|2266|83-84, dated 29th October, 1983

A. LAITIEI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax
Acquisition Range-IN
Bonaboy

Date: 15-6-1984,

(1) Smt. Rita Samson Philip Rodrigues & Others. (Transferor)

(2) Rao & Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3475|84-85. -- Whereas, I,

LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 336, Hissa No. 3, CTS No. 1880, Kole Kalyan, San tacruz (E), Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 336, Hissa No. 3, CTS No. 1880, Kole Kalyan,

Santacruz(E). Bombay.
The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-III|37EE|1483|83-84

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-6-1984.

(1) M(s. V. S. Mohe

(Transferor)

(2) Mr. Lalitkumar Poddar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3676 84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 7, Bldg. 11, Rani Sati Nagar, S. V. Road, Malad

(W), Bombay-64,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Englanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Bldg, 11, Rani Sati Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR-III 37EE 1492 83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14-6-1984.

FORM ITNE

(1) M[s. Bhadar Dyes

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Autofil Machines Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III.

BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37FE|3553|64-85.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing Gala No. 120, B-Block, 1st floor, Ghatkopar (W), Industrial

Estate, LBS Marg, Bombay-77,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

may be made in writing to the undersigned-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dass from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 120, B-Block, 1st floor, Industrial Estate, Ghatkopar(W), Bombay-77.

The agreementhas been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR-III[37EE]1414[83-84, dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14-6-1984.

(1) Shri R. U. Patel, Trustce of S. P. Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. B. Industries

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III.

BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE;3675;84-65.—Whereas, I, A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Off Aarey Road, Dindoshi Village, 2nd floor, In Pravasi Estate

Goregaon (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Bombay on 3rd October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made he writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Off Aarey Road, Dindoshi Village, 2nd floor, Pravashi Estate, Goregaon (E), Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-III/37FE/1491/83-84, dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 14-6-1984.

(1) M. P. Motioni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kapoor Family Trust.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE-III, BOMBΛΥ

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EF|3656|84-85.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1951 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00]—and bearing

Flat No. B|301, Veena Nagar, Malad (W), Bombay-64, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Bombay on 31d October, 1983

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B]301, Veena Nagar, Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR-III|37EE|1486|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice -under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-84

Scal:

(1) M/s Kukhreia Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Asha R Sahani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
ROMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3701|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. Flat No. 2, Ground floor, D-Wing, Tolaram Apartments, Chembur Colony, Bombay-74

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

57—156 GII84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, D Wing, Tolaram Apartments Chembur Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1458|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 15-6-1984

(1) MEHTA BUILDERS

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) MR. ROBERT JEROME LEWIS

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3659|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Shop No. 8, Ground floor, Rajendra Vihar Plot No. 28, Survey No. 26, Village Valnai Malad, Marve Road, (Malad (W), B-64, situated at (and more fully described in the schedule annexed heroto) has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed heroto has been transferred and the schedule annexed heroto heroto has been transferred and the schedule annexed heroto has been transferred and the schedule annexed heroto he

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration apparent as aforesaid agreeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Ground Boor, Rajendra Vihar, Plot No. 28, Survey No. 26, Village Valnai Malad Marve Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1477 83-84 dated 3-10-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tramely :-

Data: 14-6-1984

FORM ITNS----

(1) Smt. Hiraben Nandlal Mandvia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balram N. Motiramani

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3603|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop No. 49, Gr. Floor, Malad Shopping Centre, Off Swami Vivekanand Road, Malad(W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 49, Ground floor, Malad Shopping Centre, Off Swami Vivekanand Rd., Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1485|83-84 dated 3-10-83.

. A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Data: 14-6-1984

(1) Giriraj Construction Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh Chandra Mohanlal Desai & Mrs. Sorajben R. Desai. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.IV[37EE]2219[84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra 25,000|- and bearing

No. Village Kandivli Te Maurin St., M. G. Road, Kandivli

Bombay-67 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Kandivli Te; Maurin Street, M. G. Road, Kandvili (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.IV|37EE|2219|83-84 dated 4-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 15-6-1984

(1) Mr. Shaukat M. Mavani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rawatappa R. Banuatti.

(Transferez)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III 57LE 3341 84-85.--Whereas, I. A. LAHJRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 0001, and beaving

25,000|- and bearing
No. Flat No. C-2, 3, 5th ifoor, Nava Swagharkul Sanakari
Charbundhani Sanstha (Maryadit), Siddarth Nagar, Behind

Vakola Church, Santacruz(E). Bombay-55. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ~- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-23, 5th floor, Navan Swagharkul Sabakari Charbundhani Sanstha (Maryadit), Siddharth Nagar, Behind Vakola Church, Vokola, Vakola, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1376|83-84 dated 3-10-83.

> A. LAHIRI Competent Authority, Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesals property by the issue of this notice under sub-section (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Data: 14-6-1984

(1) Kukreja Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok Kumar Sharma

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ket. No. AR.III|37EE|3714|84-85.---Whereas, I. A. LAHIRL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-

and bearing No.

No. Flat No. 301 3rd floor, A-Wing, Tolaram Apartment,

Chembur Camp, Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, A-Wing, Toloram Apartment Chembur Camp. Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37EE/1469/83-84, dated 3-10-83

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Lecome-tex.
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Data: 14-6-1984

has been transferred

and/or

FORM ITNS

(1) J Dossa Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kirti kumar M Doshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 15th June 1984

(a) by any of the aferencid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. $\Delta R.III_137EE[3702]84-85$.—Whereas, L, A. LAHIRL

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 4 (B-1) 6th floor, Himmat Apartments, Dr. R. Pa-Road, Mulund West, Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in

Flat No. 4(B-1) Ctn floor, Himmat Apartments, Dr. R.P. Road, Mulund West, Bombay-80.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III]37EE|1459]83-84 dated 3-10-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

respect of any income arising from the transfer;

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III

Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Act, 1957 (27 of 1957);

Date: 15-6-1984

Scal:

(1) D. K. BUILDERS & ASSOCIATES

(Transferor)

(2) Madan & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3716|84-85,--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 8s. 25,000; and bearing No.

Unit No. 6, Plot No. 13, CTS No. 18 & Survey No. 99(P) Hariali Village, LBS Marg, Bombay-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inclian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 6 Plot No. 13, CTS No. 18 & Survey No. 99(P) Hariali Village, LBS Marg, Bombay-83.

Authority Bombay vide serial No. AR.III.37EE/1471/83-84 dated 3-10-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Competent Authority Acquisition Range-III Bombay.

Data: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3698|84-85.-Whereas, I, I. A. I.AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-Flat No. 4. 1st floor, Parekh Market, M.G. Road, Ghakoparkopar(E) Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the fransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely_;---

58-156 G1[84

- (1) 1. Smt. Ramaben S Kumbhani
 - 2.Shri Bharat S Khumbhani
 - Smt. Jyotsna B. Kumbhani
 - 4. Shri Pankaj S Kumbhani Smt. Chandrika P Kumbhani
 - 6. Shri Kirit S Kumbhani

(Transferors)

(2) Shri Mahesh Maganlal Shah

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Parekh Market, Opp. Udipi Restaurant, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1455/83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Date: 15-6-1984

Senl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-III 37EE 3703 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. B 17, Rajakuni Co-op. Housing Society, Mahul Road, Chembur, Bombay-400 074 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ta under the said Act in respect of any income arising from the .transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Kakhmichand Vensimal Gehi

(Transferor)

- (2) Shri Satwant Singh Ranjit Singh' Bhabrati
- (3) Transferee, (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-17, Rajkunj Co-op. Housing Society, Mahul Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III/37EE/1460/83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority
Acquisition Renge-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s Vikrant Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Surender Kumar B Sharma

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARJII/37EE/3705/84-85.--Whereas, I. A. LAHIRL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 14 3rd floor in Building B, Plot No. 4, near Amar Theatre, Deonar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor in Building B, Plot No. 4, Near Amber Theatre Deonar, Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|1462|83-84 dated 3-10-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 15-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

· GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III]37EE|3414|84-85.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing

No. Flat No. 5, Ground floor, Ajit Park Somwar Bazar Road Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, c- the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) DESHMUKH BUILDERS PVT. LTD.

(2) Shri Vijay Krishna Sawant

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Autority Bombay vide serial No. AR.III 37EE 1458 83-84 dated 3-10-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 15-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III]37EE|13410|83-84.-Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 208, 2nd floor Ajit Park, Somwar Bazar Road,

Malad West, Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11- of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Battatraya Karandikar

(Transferce)

(3) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri L. R. Nervekar

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, 2nd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad West, Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III 37EE 1523 83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-6-1984

Scal :

(1) Smt. Rita Samson P. Rodrigues

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Rao & Associates

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3715|84-85.—Whereas, I , A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Sur. No. 336, Hissa No. 9, CTS No. 1881 situated at Village Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay, situated at

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 336, Hissa No. 9, CTS No. 1881, Village: Kole Kalyan, Santacruz (e), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1470|83-84. dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

THE RESERVE AND PERSONS ASSESSMENTS

FORM ITNS ---

(1) Kantaben Nanjibhai Patel

(Transferor)

(2) Smt. Jayshree Rameshchandra Shah

(Transterce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3706|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 31 3rd floor, Prafull Jyoti Bldg., situated at Garodia Nagar Vallabhbaug Lane, Ghatkopar, Bombay-77, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, 'Prafull Jyoti' Bldg. Garodia Nagar, Vallabhbaug Lane, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1463|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-5-1984

Scal :

FORM ITNS----

(1) Deshmukh Builders Pvt. Utd.

(Transferor)

*Office Under Section 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3402|83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 6, Greund floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road Malad (West) Bombay-64, situated at Malad (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trensferr i and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Rombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Kishore Laximan Tippnis Mrs. Leena K. Tippnis

(Transferee)

(3) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri L. R. Nervekar

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Ground floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (Wes!) Bombay-64,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1521|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-6-1984

FORM ITNS----

(1) Shri P. G. Naik

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. B. Inamdar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,.
BOMBAY

Bombay, 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3518|84-85.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and

bearing No. Flat No. B-42, 4th floor, Parijat Coop. Hsg. Soc. Ltd., Naik Wadi, Aarey Road, Goregaon (E). Bombay-63, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-42, 4th floor, Parijat Coop. Hsg. Soc. Ltd. Naikwadi, Aarey Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1495|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

Scal:

(1) M|s. Ganesh Builders

(Transferor)

(2) Shrl T. R. Mani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. III|37EE|3704|84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. Flat No 63 in Wing 'B', 6th floor, Neelima Apartment, Jangal Mangal Road, Chandup, Bombay-78. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 63 in Wing 'B' 6th floor, Neelima Apartment, Jungle Mangal Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III]37EE|1461|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-6-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Cudalore Krishnaswamy Vasudevan Mrs. Hemalatha Vasudevan

(Transferce)

(3) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

(4) Shri L. R. Nervekar

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3420|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. Flat No. 2, Ground floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road,

No. Flat No. 2, Ground floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W) Bombay-64.

situated at Malad (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR.III|37EE|1504|83-84 dated 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1984

(1) Ms. Vaibhav Biulders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Desai Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2314|83-84.-Whereas, F. VIJAY **RANJAN**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. City Survey No. 2214 of Village Eksar Taluka Borivli, Survey No. 225, Hissa No. 6A, adm. 3055 sq. yds. situated at Eksar Village, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4th October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing City Survey No. 2214 of Village Eksar, Taluka Borivli, Survey No. 225 Hissa No. 6A, admeasuring 3055 sq. yds. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV 2314 83-84, October, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-6-84

Scal:

FORM LT.N.S.

(1) M|s. Nitesh Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(t) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. A. H. Khan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3677|84-85.—Whereas, I A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act')
have reason to believe that the immovable property, having

9 fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 203, 2nd floor, Akash Ganga Bldg., Bachant

Nagar Rd., Malad (E), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eacht to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Akash Ganga Bld., Bachant Nagar Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.III|37EE|1498|83-84 dated 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Date: 14-6-84

TION 260D(1) OF THE INCOME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3418|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Flat No. 204, 2nd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W) Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Gurjit Singh Dhumi

(Transferce)

(3) Deshmukh Builders Pvt, Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri L. R. Nervekar

(Person whom the undersigned knows to be (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 .days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West) Bombay-400 004. The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide Serial No. AR-III|37EE|1522|83-84 dated 3|10|1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-FII, Bombay

Date: 15-6-1984

(1) Ms. Madhukar Nanji Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Nintin Naranji Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR. RII | 37EE | 3546 | 84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 | and bearing

No. Flat No. 23-A, Vipul Apartment, Coop. Housing Soc., R.P. Road Mulund, Bombay

R.P. Road Mulund, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transitree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23-A, Vipul Apartment Coop. Hsg. Soc. R.P. Road Mulund, Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III[37EE] 1494-83[84] dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of It.come-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-84

Seal

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kavita P. Tikam & Others.

(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3404|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 0001- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 109. 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad(W), Bombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109,, 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1514|83-84 dt. 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

(1) Mrs. Alka Ulhas Katade

(Transferor)

(2) Mr. G. Suryanarayana

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. Al 1. A. LAHIRI, AR.III | 37FE | 2984 | 84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. Flat No. 38, Bldg. No. 2, Sahakar Nagar No. 5, Chembur Vaibhav Coop. Hsg. Soc. Ltd., Shell Colony Rd., Chem-

bur, Bombay-71

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-60-156GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used betein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning are given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38, Bldg. No. 2, Sahakar Nagar No. 5 Chembur Vaibhay Coop. Hsg. Soc. Ltd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1497 83-84 dt. 3-10-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) Motiram Tolaram

(Transfetor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mumtaz S. Hakimji

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3713|84-85.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-max Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Gala No. 6, Gr. Flr., Gautam Udyog Bhayan, Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 6, Ground floor, Gantam Udyog Bhavan, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1473 83-84 dt. 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) Space Builders Pvt. Ltd

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Hemraj Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-TV, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Rof. No. AR.III|37EE|2433|84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Shop No. A-1—A-2|4 of Chhatrapati Shivaj Marg,

Dahisar(E), Bombay situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 29-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. AI-A2|4, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.IV|37EE|2433|83-84 dated : 29-10-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

FORM ITNS ---

(1) D. K. Builders & Associates

(Transfero)

(2) Khandelwai Engg. Corpn.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION. RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III 37EE 3717 84-85.—Whereus, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Unit No. 9, Gr. floor, Shree Diamond Centre, Hariali Village, Vikhroli, situated at Bombay-83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ns agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; end/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 9, Ground floor, Shree Diamond Centre, Hariali Village, LBS Marg, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1474 83-84 dt. 3-10-1983,

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984,

FORM ITNS ---

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Sebastian A. D'Souza' Others

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.HI|37EE|3403|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 104, 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1517|83-84 dt. 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

FORM TINS-

(1) Anup Family Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. S. M. Pen Products

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3637|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. E|414, Boosa Apts., S. T. Road, Santacruz(W), situated at Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E|414, Boosa Apartments, S. T. Road, Santacruz(W), Bombay-54.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|1436|83-84 dt. 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) Surendra Shantaram Mashelkar

(Transferor)

(2) Mrs. Sugandhi Shanker Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2420|84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Flat No. 1, 1st floor, Guru Prasad Vasanji Lalji Road, Kandivli(W), Bombay-67 situated at Kandivli(W) Bombay on 18-10-83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely-

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of the

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Guru Prasad Vasanji Lalji Road, Kandivli(W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay. Vide Serial No. AR-IV 37EE 2420 83-84 dated 18-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

FORM HINS-

(1) M/s, Jöshi Builders

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Dattatraya Masurkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3718|84-85.—Whereas, I,

Bombay on 3-10-1983

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Survey No. 387, S. No. 288, Hissa No. 1(Part) Cementry Road, Chunabaţti, Kurla, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 387, S. No. 288, Hissa No. 1 (Part) Cemetry Road, Chundbatti, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1475 83-84 dt. 3-10-1983.

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

- (1) Mls. Vikrant Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Smt. Meena Kamalkumar Khanna

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3709|83-84.—Whereas, I, A: LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Flat No. 13, 3rd floor, Bldg. B, Plot No. 4, Near Amar Theatre, Deonar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market avlue of the aforestaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd floor, Bldg. B, Plot No. 4, Near Amar Theatre, Deonar.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III 37EE 1466 83-84 dt. 3-10-1983,

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-61-156GI 84

(1) Deshmukh Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Gopinath V. Bhatt

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3399|83-84.---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000- and bearing

No. Flat No. 304, 3rd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad(W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official (azette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide Serial No. AR.III|37EE|1518|83-84 dt. 3-10-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

Scal ;

(1) M|s. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3409|83-84.—Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No.

Flat No. 309, 3rd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64, situated at Malad (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3,10.1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Saldenha Florence Elizath, Smt. Virgina Gonsalves.

(Transferce)

(3) M|s. Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri L. R. Narvekar.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 309, 3rd floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (West) Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR III]37 EE|1520|83-84 dt. 3.1.1983.

A, LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombar

Date: 15,6,1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-IV|37-K|20|83-84.---Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot bearing F.P. No. 276, S. No. 47 (pt) of T.P.S. III,

situated at Eksar.

Borivli (West), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

20.10.1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

(1) Shri Jaichand Virchand Shah, Bapanbhai C. Patel, Chandrakant B. Patel, Dinkar P. Patel, M. P. Patel, Navinchandra Jaichand Shah, Prakash Shantilal Shah.

(Transferor)

(2) M/s. Charu-Saurabh Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 687|80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 20-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15.6.1984.

(1) M|s, K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Fransferor)

(2) Smt. Budhimati M. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY.

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.IV[37EE]2416]84-85.---Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

311-B, Nand Dham, 3rd floor, L. T. Road, Barivli (W), situated at Borivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311-B, Nand Dham, 3rd floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III[37EE]2416]83-84, dated 29.10.83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15.6.1984.

Scal

FORM ITNS----

(1) M/s. Space Builders Pvt. Ltd.

(Transferred)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamlavati P. Majithia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 15th June 1984

Rcf. No. AR.JV/37EE|2414|84-85.-Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No.

Shop No. A63-A64|12 & 13 of Chhatrapati Shivaji Marg,

Dahisar (E), Bombay situated at Dahisar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the 'Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A63-A64 12 & 13, Chhatrapati Shivapi Marg, Dahisar (F), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.VI]37EE[2414|83-84, dated 22.10.83.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Date: 15.6.1984.

(1) Ms. Giriraj Construction.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY.

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.IV[37EE|2315|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

C.T.S. No. 1065, Maurin St., Village Excor Teh. Maurin St, M. G. Road, Kandivii (W), Bombay-67, situated at Kandivii (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mrs. Shanta Sen K. Doshi & Mr. Vijay K. Doshi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Excor Te: Maurin Street, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay under serial No. AR.IV] 37EE 2315 83-84 dt. 11.10.83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15.6.1984.

may be made in writing to the undersigned :--

ever period expires later;

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Pannalal Bhatia.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. ARJV|37EE|2317|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Flat No. 32, 3rd floor Shreeji Palace, Survey No. 47 & 68 Village Kandivli S. V. RD Kandivli (W), Bombay-67 situated

at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) M|s, Dattani Developments.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to be the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

the service of notice on the respective persons, which-

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor Shreeji Palace, Survey No. 47 & 68, City Survey No. 99 of Village Kandivli S. V. Rd., Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under serial No. AR.IV 37EE 2317 dt. 24.10.83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16.6.1984.

==:=

FORM ITNS---

(1) Smt. Hemlata Arvindkumar Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(2) Mr. Albart Bona Mendona.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2422|84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 2, at Mahavir Nagar No. C|2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli (West) (and more ully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the causideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 'Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—156 G184

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Mahavir Nagar No. C|2, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.IV|37EE|2422|83-84 dt. 10.10.83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12.6.1984. Seal:

FORM ITNS——

(1) M/s. Bhurbhai Arogya Bhuvan Trust.

(Transferor)

(2) Shri B. C. Sani & Shri V. C. Sani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2447|83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market viaue exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. A 403, 4th floor, Andrash Co-op. Hsg. Society, Mathuradas Rd., Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli,

(and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (h) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A. 403, 4:h floor, Aadrash Co-op. Hsg. Society, Mathuradas Rd. Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.IIV|37-EE|2447|83-84 dt. 11-10-83.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 14.6.1984.

- (1) Dr. Abbashhai T. Doctor.
- (Transferor)
- (2) Mr. H. R. Mehta & Mrs. Minaxi H. Mehta. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2234|84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000

and bearing No.

Survey No. 9 ,Hissa No. 4 1 D.V.T.C. No. 40 Village Mandpeshwar Taluka, Borivli, situated at Borivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at 18.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 9, Hissa No. 4|1 D.C.T.C. No. 40 of Village Mandpeshwar, Taluka Borivli.

The agreement has been registered with the Compe ent Authority Bombay, Vide serial No. AR.IV|37EE|2234|83-84 dt. 18.10.83.

> VUAY RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15.6.1984.

ert fari

FORM ITNS-

(1) M|s. United Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Jyoti P. Sadhanani & Mr. P. T. Sadhanani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2372|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Fiat No. 113, 11th floor, Shreeji Darshan C.T.S. No. 100, Survey No. 96, Malad, S. V. Rd., Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at 24.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazate.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 114, 11th floor Shreeji Darshan C.T.S. No. 100 Survey No. 96, Malad, S. V. Rd., Kandívli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. AR,LV|37EE|2372|83-84 dt. 24.10.83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tal
Acquisition Range-(V, Bombay

Date: 16.6.1984.

(1) M|s. Vikram Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nanubai Jiwanbhai Kansara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2358|83-84.--Whereas. I. VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 12, 1st floor, Vikram Apartments, L.T. Marg,

Borivli situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at 1.10.1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, 'Vikram Apartments, L. T. Marg. Borivli, Bombay (W), Bombay. The Agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay, vide Serial No. AR-IV 2358 83-84, dated 1-10-1983,

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15.6.1984.

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Hawabi Kadar Rajpkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrì Mahesh M. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.IV|2402|37EE|83-84.—Whereas, L. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 5, ground floor, Vishwadeep Co-op, Hsg. Society, Dhanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67 situated at

Kandivli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

20.10.83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Vishwa deep Co.op. Hsg. Scty., Dhanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.IV|37EE|2402|83-84 dated 22-10-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 14.6.1984.

Seal

(1) M|s, Tahmi Darabsha Chichgur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Vandana Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY.

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|2410|84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 0001- and bearing

Rs. 25,000]- and bearing Plot Nos. A-5, A-6, Survey No. 81 Hissa No. IA, Kandivli,

Taluka Borivli,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

22.10.83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. A-5, A-6, Survey No. 77, Hissa No. 1, Kandivli,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay. Vide serial No. AR.III/37EE/2410/83-84 dt. 22.10.83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14.6.1984.

Seaf :

(1) M/s. United Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishore Devji Sagar & T. K. Sagar (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2370|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 12, 1st floor, 'S' Tower Shreeji Darshan survey No. 96, Hissa No. 3, Malad, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at at Bonbay on 24th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, S. Towr Shreeji Darshan, Survey No. 86, Hissa No. 3 of Malad S. V. Rd., Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay under serical No. ARIV 37EE 2370 83-84 dt. 24-10-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 45-6-84.

FORM ITNS ---

(1) Smt. Bharatiben Kishor Sanghvi

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Panalal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY
Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR IV.,37EE;2273[84-85,—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 16, ground floor, Ganjawala Apartments, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-83.

situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 21-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inc. ate-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, ground floor, Gajwawala Apartments, S. V. Ratel Rd., Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been constant with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial o. AR.IV|37EF|2273|83-84 dt. 21-10-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

63---156 GI 84

Date 14-6-84

(1) Space Builders Pvt. LtJ.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-IV]37EF|2342|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. A3-A47, Anand Nagar, Chhatrapati Shivaji Marg, Dashisar (E), situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the 3chedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Acr, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(2) Shri Amar Bhadursingh R Swaroopsingh &

Shri Laljisingh Namovarsingh.

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A3-A4|7, Anand Nagar, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar (E) Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-1V|2342|83-84, dated 22-10-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 15-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-IV[37EE]2398[83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaffer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 5, Ground floor, Vivek Nagar, Co-op. Housing Society Ltd., 56, S. V. Road, Borivli (W) Bombay situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) (acclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

(1) Rameshchandra H. K.oya

(2) Shamjibhai Valeri Soni

(Transferor)

(Transferce)

(3) Shantilal Shamji Soni

(Person in occupation of the Property)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Vivek Nagar Co-op. Housing Society Ltd., S. V. Road, Borivli (W) Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Seriel No. AR-IV|2398|83-84 dated 7th October, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Date: 15-6-84

(1) Mrs. Minaxi Anil Purecha --

(Transferor)

(2) Mr. Jayantha Nayak

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARIV|2283|37EE|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Shop No. 6. Ground floor Eltee Apartment, Sai baba Nagar,
Borivli (W) situated at Borivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-10-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Elcee, Apartment, Saibab Nagar, Borivli (W)—The Agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|37EE|2283|83 dt. 3-10-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 15-6-84

(1) S. Vindi Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suresh Vanmali Salanki

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV вомвлу

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARIV;37EE,2237;84-85.—Whereas, I.

Ref. No. ARIV;37EE,2237;84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imx, ovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 5, Ground floor, 'C' Building in Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Rd., Dahiser East Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-83

at Bombay on 10-10-83

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesald property and I have reason to believe that the lair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5 ground floor C building, Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar, Bombay-68. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, side serial No AR.IV|37EE|2237|83-84 doied 10-10-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 12-6-84 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 1th June 1984

Fef. No. AR-IV | 37EE|2448|84-85.--Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

able property having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing
Flat No. 103, B-Wing, 1st floor, Sumer Nagar, S. V. Rd., Borivli (W), Bombay-92, situated at Borivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govindohai K, Malvi & V. P. Malvi

(Transferor)

(2) Shri S. S. Shah' and 3 others.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, snall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, B-Wing, 1st floor, Sumer Nager, S. V. Rd., Borivli Bombay-92. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.IV|37EE|2448|83-84 dated 11-10-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 14-6-1984

Carlo and the member of the first terminate the second sec

FORM ITNS

(1) M/s. M. J. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri M. M. Chudasama

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-JV|37EE|2413|83-84.--Whereas J. VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing Shop No. 31 Nityanand Aptts., S. V. Road, Borivli (W)

Shop No. 31 Nityanand Aptts., S. V. Road, Borivli (W) situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the argeement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ifability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealts-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Nityanand Apartments, S. V. Road, Borivli (W). The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|2413|37EE|83-84 dt. 14-10-1983.

VIJAY RANJA'N
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-84

(1) M/s. K. Patel & Co. P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Shailesh D. Kurani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2287|83-84.—Whereas, I, VIIAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000.

Flat No. 101-A, Nand Dham, 1st floor, L. T. Road Borivli (W) Bdmbay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority of Bombay on 29-10-1983.

for an apparent consideration which is less than the fak marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Publity of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income acising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of bection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101-A Nand Dham, 1st floor L.T. Road, Borivin (W). Bombay-92. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay under serial No. ARIV 2287 37EE.83-84 dt. 29-10-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-IV
Bomba/.

Date: 15-6-84

S at :

(1) Mrs. Kulusmbai Abbashhai Doctor

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th June 1984

Rcf. No. AR.IV|37EE|2235|84-85.--Whereas, I. VIJAY, RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 10, Hissa No. 5-BCTS No. 38, Village Mandapeswar Taluka, Borivli,

situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--64—156 GI|84

(2) Mr. Hemendia R. Mehta & Mis. N. H. Mehta

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

(4) 1. M. H. Mehta 2. N. H. Mehta 3. B. H. Mehta & Bhavna H. Mehta.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 19, Hissa No. 5-B, C.T.S. No. 38 of Village Mandapeshwar Taluka, Borivli. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide scrial No. AR.IV|37EE|2235|83-84 dated 18-10-83.--

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-6-84

FORM JTNS--

(1) K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jayotsana C. Gandhi & Shri R. C. Gandhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 11th June 1984

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

Ref. No ARAV 37EE 2419 84-85.--Whereas, I, VIJAY

that Chapter.

RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-trix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

shall have the same meaning as given in

Flat No. 111-B. Nanddham, 1st floor, I., T. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of

the Competent Authority

ot Bombay on 14-10-83 for an apparent consideration which is less them the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: tod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 111-B, Nand dham, 1st floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, vide serial No. AR.IV|37EE|2419|83-84 dated 14-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-6-84

(1) M[s. Arun International

(Ttansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Yashwant C. Shrimankar

('l ransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR, IV | 37EE | 2236 | 83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. A-5, 2nd floor, Sai baba Dham, Off S. V. Rond, Borivli (W) Bombay-92

situated at Borivli (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bomaby on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A[5, Saibaba Dham, Off S. V. Road, Borryli (W), The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|37EE|2236|83-84 dated 14-10-1983.

VIJAY RANIAN
Competent Anthorit.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-6-1984

(1) M/s. Saikrupa Construction

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. L. Kamath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. AR IV 2274 37EE 83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 301, Sai Smurthi, Kasturi Park Shimpoli Rd, Borivli (W) Bombay

situated at Borivii (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 4-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /oi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Sai Smruthi, Masturi Park, Shimpoli Rd. Borivii (W). The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.IV|37EE| 2274 83-84 dt. 4-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF .1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|2253|83-84.-Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovas the said Act, have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Flat No. Fl11, Saibuba Dhara, Borivli (W), situated at Borivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating me concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Uma Bhadresh Jhaveri.

(Transferor)

(2) Sri Prawindkumar Shambhai Choksi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. F|11, Saibaba Dham, Borivli (W), Bombay-92. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. AR-IV|2253|83-84, dated 1-10-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR. IV|37-V-21|83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Land No. R-4835(1)(A) 331, CTS 1959 and 1960, situated at Village Eksar, Borivli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombuy on 28-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chapsi Ramji,

(Transferor)

(2) Shrı Khetsi Bhimji.

(Transferce)

(3) Shri Khetsi Bhimji.

(Person in occupation of the property)

(4) Manashi Bhimji.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the cervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2015, 1971 and registered on 28-10-1983 with the Sub-Regi trar, Bombay.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-6-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Mahableshwar K. Bhat.

(Transferor)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Vishwas Ganpat Desai.

(Transferee)(s)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR. XIV|37EE|2396|84-85.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 11, Bank of Baroda Employees Shubhanandnvan. Co. op. Hsg. Society Ltd. Plot No. 14, Odhavnagar, Borivli (E), Bombay-66, situated at Borivli (E), Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Bank of Baroda Employees Shubhanandanvan Co. op. Hsg. Scty. Ltd, Plot No. 14, Odhavnagar, Borivli (E),

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR. IV|37EE|2396|83-84 dated 14-10-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-84

(1) Shri Guru Ashish Construction,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chandkumar Dhanoki.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION KANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref, No. AR VIJAY RANJAN, AR-IV|2326|37EE-84-85.—Whereas J,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 5-A, 5th floor, Aakash Apartment, Dahisar

situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-A, 5th floor, Akash Apartments, Dahisar. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|37EE|2326|83-84 dated 1-10-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following process. ing persons, namely:-

Date: 15-6-1984

(1) M/s. Arun International.

(Transferor,

(2) Shri Kotaiah L More.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

New Delhi, the 15th June 1984

Ref. No. AR VIJAY RANJAN, AR-1V|37EE|2328|83-84.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. E|2. Ground floor, Saibaba Dham, Off S. V. Road,
Borivli (W), situated at Borivli, Bombay-92

(and more fully described in the Schedule ammexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office or the Competent Authority at Bombay on 1-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Script No. AR-IV 2328 83-84, dated 7-10-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-6-1984

Scal:

65---156 GI 84

(1) Shri Shantilal Amritlal Mody.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. S. M. Shah and Shri Saileshkumar S. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR VIJAY RANJAN, AR-IV|37EE|2403|83-84,—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. A-3, Ground floor, Modi Na Kandivli situated at Kandivli (W) Nagar, Mathuradas Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said îmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. -A-3, Modi Nagar, Mathuradas Road, Kandivli

(W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority under scried No. AR-IV 2403 37EE 83-84 dated 14-10-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ton Acquisition Range-IV. Eombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-6-1984

(1) Smt. Ranu Grover.

(Transferor)

(2) Shri Rameshehandra Chimanlal Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

AR-III 37EE 2280 84-85.-- Wherens I, No. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 104, 1st floor Chikhal Apartments, 'B' Wing 99,

L.T. Road, Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Chikhal Apartments, 'B' Wing, 99 L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, Vide serial No. AR. IV 37EE 2280 83-84 dated 2-10-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Tarachand H. Joshi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref, No. AR VIJAY RANJAN, AR-IV|2418|83-84,---Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 6-A, Nand Dham Bldg. Ground floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fadr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-A, Nand Dham Bidg., Ground floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV|2418|83-84, dated 14-10-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-6-1984

(1) Mrs. Prabibhaben J. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. P. Mehta & Mrs. M. T. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

AR-IV|37EE|2399|84-85.---Whereas Ref. No. AR-VIJAY RANJAN,

vijax Kanjan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing Flat No. 207, 2nd floor, Girnar Apartment, Off Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli

situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-10-1983

persons, namely ----

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd floor, Girnar Apartments, Off Mand-peshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay. Vide scrial No. AR. IV 37EE 2399 83-84 duted 7-10-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) M|s. United Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Pravinchandra Devji Sagar & B. P. Sagar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

Bombay, the 16th June 1984

Ref. No. AR-IV]37EE|2371|83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 11. B' Tower, Shreeji Darshan C.T.S. No. 100, Survey No. 96, Malad S.V. Ro: d. Kandivli (W),

situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-10-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 1st floor B. Tower, Shreeji Darshan, C.T.S. No. 100 Survey No. 96, Malad S. V. Roed, Kandivli (W), Bombay-77.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|37EE|2371|83-84 dated 24-10-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

ing Date: 16-6-1984 Seal:

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

AR. III[37EE[2469]84-85.—Whereas I. Ref. No. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. S. No. 23|1 a (part) C.S. No. 333B, Besar Village T.F.S. Plot No. 237, Ram Mandir Road, Babhai, Borivli (W) Bombay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:--

- (1) Shri V. G. Nene & Smt. S. V. Nene,
- (Transferor) (2) Om Laxmi Govind Cooperative Hsg. Scty.
- (Transferee) (3) Same as above.
 - (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 23|1 a (part) C.S. No. 333 B, Eksar Village, T.P.S. Plot No. 237, Ram Mandir Road, Babhai, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, Vide serial No. AR. III 37EE 2409 83 84 dated 29-10-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

AR. IV[37EE]2304[84-85.—Whereas I, No. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 33, 3rd floor, C-4, Manek Nagar, Chadawarkar Road Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :-

(1) Smt. Kamlesh T. Jain.

(2) Ambalal S. Patel.

(Transferor)

(Transferee) (3) Ms. Manek & Associates, Builders, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor, C-4, Manck Nagar, Chandawarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR. IV|37EE|2304|83-84 dated 22-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-6-198 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARIV|2238|37EE|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. A-63-A-64 at Chhatrapati Shivaji Marg, Dahlsar (E), Bombay situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 22nd June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
66—156G184

- (1) Space Builders P. Ltd.
- (2) Mr. Hemendra P. Majitnia

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A-63-A-64|3 at Chhatrapati Shivaji Marg Dahisar (E), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|37EE| 2238|83-84 dated 22-10-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-6-1984

(1) Giriraj Construction Corporation

(Transfror)

(2) Shri Shashikant K. Thakkar & Smt. U. S. Thakkar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|220|84-85.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Village Kandivli C.T.S. 1065, Mewan St, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the said (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Kandivli, C.T.S. No. 1065, Mewan Street, M. G.

Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.IV 37EE 2220 83-84 dated 7-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date , 12-6-1984

(1) Space Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2 Shri John Sunny D'souza

(Transfice)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2415|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. A I-A-2|9, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahlsar

situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 22-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. A-I-A-2]9, Chhatrapati Shivaji Marg, Dahisar(E) Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 37EE 2415 83-84 dated 22-10-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1984

(1) M/s. Giriraj Construction Corpn.

may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shantaben K. Doshi & Mr. Vijay K. Doshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2318|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. C.T.S. No. 1065, Village Excor Ta: Maurin St. M. G. Rd, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 11-10-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the mid immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

At Village Excor, Ta: Maurin, St, M.G. Road, Kandivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|37EE|2318|83-84 dated 11-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 15-6-1984

(1) M|s. K. Patel & Co. P. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rarishchandra M. Bhatt

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2432|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 401-B Nand Oham, 4th floor, L. T. Ro (ad, Vorivli (W), Bombay-92 situated Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401-B Nand Dham, 4th floor, L. T. Road, Borivli, (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|37EE|2432 83-84 dated 14-10-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 15-6-1984

(1) Atul Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hiralal Udayraj Mehta & Ratanben, H. Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2221|84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 202, 2nd floor, Vanita Niketan, L. T. Road, Opp. Diamond Talkies, Borivli (W), Bombay-92. situated at Borivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 7-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Vanita Niketan, L.T. Road. opp. Diamond Talkies, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide scrial No. AR.IV|37EE|2221|83-84 dated 7-10-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 12-6-1984

FORM I.T.N.S.----

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Bhauram Keny

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, 14th June 1984

Ref. No. AR.III|37EE|3416|84-85.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 103, 1st floor, Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Ajit Park Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37EE|83-84. dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) M|s. Rajnikant Constructions

(Transferor)

(2) Shri Jitendra B. Trivedi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. ARIV|37EE|2321|83-84.---Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. C-12, 2nd floor, Saraswati Apartment. Laxmi Nagar Project, 3rd Kasturba Rd, Borivli (E)

situated at Borivli

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cupht to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-12, 2nd floor, Sarsawati Apartment, Laxmi Nagar Project, 3rd Kasturba Rd, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay under scrial No. ARIV 37EE 2321 83 dt. 10-10-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 15-6-1984 Seal:

FORM ITNS ...

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Salvador Pereira

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, 14th June 1984

Ref. No. AR.HII/37EE/3415/84-85.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Compettent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 401, 4th fir. Ajit Park, Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-83

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

67—156GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazutte.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Ajit Park, Somwar Bazar Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III|37FE|83-84 dated 3-10-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 14-6-1984

(1) M|s. Jay Pali Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shankuntala S. Shetty

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 15th June 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|2355|84-85.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Shop No. 3, Gr. floor, Susheela Apartment, Vazira Naka, Borivli (W).

situated at Borivli (W)

has been transerred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, Susheela Apartment, Vazira Naka, Borivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay, Vide serial No. AR.III/37EE/2355[83-84 dated 11-10-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1984

Ref No. RajlIAC(Acq)|2410.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

Plot No. 111-A situated at Jodhpur

(and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 19-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Snit. Guli Bal Wo Shri Mangha Ram Malkani, Sindhi Colony, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Soo Shri Daulat Ram 111-A, Sindhi Colony, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property in Plot No. 111-A, Sindhi Colony situated in Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3048 dated 19-10-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-6-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1984

Rcf. No. Raj|IAC(Acq.)|2411.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Plot No. 111-A situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 19-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Guli Bal W|o Shri Mangha Ram Malkani, Sindhi Colony, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini Devi Wlo Shri Daulat Ram 111-A, Sindhi Colony, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property in Plot No. 111-A, Sindhi Colony situated in Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3047 dated 19-10-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Jaipur

Date: 13-6-1984

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1984

Ref. No. Raj|IAC(Acq.)|2412.-Whereas, L MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Portion 'A' situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 31-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) Shri Mukandas Slo Shri Sukhdeo Maheshwari Mundra, Mundrao ki Gali, Near Oswal Nyati Nobra, Jodhpur.

(Transferor)

(2)Shri Manohai Lal Slo Shri Javri Lalji Through Durga Arts, Katla Baar, Near Achal Nath ka Mandir, Jodhpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Part 'A' of property situated in Katla Bazar, Jodhpur and morefully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3201 dated 31-10-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1984

Ref. No. Raj[IAC(Acq)]2413.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement of the said Act's have reason to believe that the immovement of the said Act's having a fair market value exceeding able property, having a fair market Rs. 25,000 and bearing No. Portion C situated at Jodhpur value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Jodhpur on 31-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mukandas So Shri Sukhdeo Maheshwari Mundra, Mundrao ki Gali, Near Oswal Nyati Nohra, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal So Shri Javri Lalji Through Durga Arts. Katla Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion 'C' of property situated in Katla Bazar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3102 dated 31-10-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jainur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj|IAC(Acq.)|2414.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Portion 'D' situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Jodhpur on 31-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Munkandas Slo Shri Sukhdeo Maheshwari Mundra, Mundrao ki Gali, Near Oswal Nyati Nohra, Jodhpur,

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Slo Shri Javri Lalji Through Durga Arts, Katla Bazar, Jodhpur.

(Transferee)

Achalnath Ka Mandir, Jodhpur

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Portion 'D' of property situated in Katla Bazar Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3203 dated 31-10-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 13th June 1984

Ref. No. Raj IAC(Acq.) 2415.—Whereas. J., MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Portion 'D' situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 31-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Mukandas So Shri Sukhdeo Maheshwari Mundra, Mundrao ki Gali, Near Oswal Nyati Nohra, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Jai Narain Sjo Shri Javri Lalji Through Durga Arts, Katla Bazar, Near Achalnath ka Mandir, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion 'D' of property situated in Katla Bazar, Jodhpu: and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3204 dated 31-10-1983

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 13-6-1981

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2416.--Whereas. I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

House property situated at Jodhpur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Jodhpur on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid-expects the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

68—156GI/94

 Shri Mangilal, Slo Shri Sampatraj Oswal, Near Khapta, On the way to Kapra Bazar, Motj Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Umrao Kanwar Wlo Shri Sampatrai Oswal. Near Khapta, On the way to Kapra Bazar, Moti Chowk, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property situated near Khapat, Moti Chowk, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 2992 dated 6-10-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj|LAC(Acq.)|2417.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Jodhpur on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stransler with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Aor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mangilal. Slo Shri Sampatraj Oswal, Near Khapta, On the way to Cloth Market, Moti Chowk, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Sampatraj Oswal Slo Shri Khemchand Oswal. Near Khapta, On the way to Cloth Market, Moti Chowk, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House situated near Khapta, Moti Chowk Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar. Jodhpur vide Registration No. 2993 dated 6-10-1983.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1984

Seal ·

FORM ITNS (1) Shri Abdul

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Abdul Hafiz
 S|o Abdul Hafiz
 Plot No. 9, Meerji ka Bagh,
 Sansar Chandra Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh BaidS|o Shri Daulal173 Rambagh Road, Jaipur.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Rej. LAC(Acq.) 2418.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. C-60 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 to 1903) in the office of the Registring Officer at Jaipur on 31-10-83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 4957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-60 situated in Ramnagar, Nahari ka Naka,, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2506 dated 31-10-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ashok Kumar, So Shri Suvalal Yadav, B-17, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Rajdeví Wlo Shri Hari Vallabh Dangayach and Smt. Geeta Devl Wo Shri Jugalkishore Dangayach, E-112, Ambabari, Jaipur,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given

in that Chapter.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

'Ref. No. Raj. IAC(Acq.) 2419,--.-Whereas I.

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. D-27 situated at Jaipur tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 19-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. D-27 situated in Amba Bari, Jaipur and more

THE SCHEDULE

fully described in the sale deed registered by the uSb-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2354 dated 19-10-1983.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-6-1984

FORM ITNS .---

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj. IAC(Acq.) 2420.—Whereas I. MOHAN SINGH,

theing the Competent Authority under Section 269B of the Theometax 'Act, 1961 (43 of 1961) (Refeinalter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transforce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Milap Chand Sogani, Rlo Motisingh Bhomiaon ka Rasta, Ghat Darwaja, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Lal Sharma Slo Shri Nand Kumar Sharma, Secretary of National Cooperative Hsg. Socy. Ltd. L-185, Prem Nagar, Jhotwara, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the most intrinsivable property, within 45-stays from the date of the publication of this motion in the Official October.

Explanation:—The terms and expressions used herein as fare defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same; meaning as given the that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Aimer Road, in Mudrampura, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2339 dated 6-10-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj. IAC(Acq.) 2421.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. C-16 situated at Jaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 5-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforeaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under embection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nirmal Kumar (HUF) Karta House No. 1344, Audhika Bhawan, Ajabghar ka Rasta, Modi Khana, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Chand So Shri Champalalji C-16, New Grain Mandi, Chandpole Gate, Jaipur,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ind Floor of Plot No. C-16 situated in New Grain Mandi Chandpole Gate, Jaipur and more fully described in the sale deed registred by Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2316 dated 5-10-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1974

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2422.—Whereas 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

C-16 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 5-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amolak Chand slo Shri Moolchand and Shri Mukesh Kumar slo Shri Moolchand Jam. Rlo 2114, Jhalianio ka Rasta, Topkhanadesh, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Nanuram Jethmal Kasat, A-19, Madhu Ban Colony, Tonk Road, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of Plot No. C-16 situated in New Grain Mandi, Outside Chandpole, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No.>2315 dated 5-10-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1984

PORM ITNS

(1) Smt. Bhanwari Devi wio Shri Manohar Singh Ji, House No. A-103. Siwar Area, Lal Kothi, Jaipur. (Transferor)

(2) Smt. Seeta Devi wo Shri Sumer Singh, Plot No. 103-A, Siwar Area, Lal Kothi, Jaipur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj. JAC (Acq.) 2423. - Whereas. I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Part of Plet No. A-103 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed heerto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

faipur on 19-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concearment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 103-A situated in Siwar Area, Lal Kothi, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2398 dated 19-10-83

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-6-1984

Smal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACC: 1961 (13 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2424.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

House No. 182 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 19-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteon per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69-156GI/84

(1) Pandit Shri Damodarlal Bhargava, Advocate, Slo Shri Gajarmal ji Bhargava, Rlo Chaukri Purani Basti Kan Maharaj ka Bar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Hazarilal sjo Shri Shankarlalji Thekedar, R[†]o House o. 182, Bhrampuri, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 182 situated in Bhrampuri, Jaipur and more fully described in the sole deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2376 dated 19-10-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JAIPUR**

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj.|IAC(Acq.)|2425.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 25-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Kalyan Sahai Sharma, soo Shri Rameshwar Lal Ji Sharma, Roo Chaukari Purani Basti, Jaipur.

(2) Smt. Bedami Devi wo Shri Narainji, SjShri Gajanand Ji and Hari Prasad Ji Ssjo Shri Narain Ji Sharma, Rio Tankiyawaa Tahaii Distriction of the Sharma Sha

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in Rao ji ki Gali, Behind Godbo ki Haveli. Bhrampuri, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2467 dated 25-10-83.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj. IAC(Acq.) 2426.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 25-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that 'the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the axid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely •—

(1) Shri: Kalyan Sahai Sharma Rio Chah Jat, Purani Basti, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Govardhandas S|o Bhungra Mal, Bara Mori ka Rasta, Jaipur.

(Tránsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in Rawal ji ki Gali, Bara Mori ka Rasta, Bhrampuri, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2468 dated 25-10-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 14-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj.[IAC(Acq.)]2427.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Shop situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the otice of the registering officer at Jaipur on 31-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957: (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 Smt. Sharda Devi wo Shri Purshottam Das Jaipuria, B-9, Shiv Marg, Rani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Vecnu Mathur wio Shri Pradeep Mathur Rio Shyamnagar, Ajmer Road, Jaipur, (Transferee)

Objections, if any, to the apquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop situated on Sharma Building, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2491 dated 31-10-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaiput

Date: 14-6-84

Seaf;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sharda Devi Wo Shri Purshottamdas Jaipuria, Ro B-9, Shiv Marg, Bani Park. Jaipur

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj. [IAC(Acq.)]2428.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Shop situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer

at Jaipur on 31-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Smt. Recta Kushyap Wlo Shri Anil Kashyap Rlo 296, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop situated on Sharma Building, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide Registration No. 2490 dated 31-10-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 14 6-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, IAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj. IAC(Acq.) 2429.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000|- and bearing

No. Plot No. 4 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Shri Govind Singh S|o Shri Madan Singh Rajput R|o Dharasani and Shri Pratap Singh S|o Shri Nahar Singh Rajput R|o Goliyat Tehsil-Ahore, District-Jalore.

(Transferor)

(2) Shri Pahilaj Rai S|o Shri Dayaram Through M|s. Pahilaj Raj Dayaram, L-4, New Sabji Mandi, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, B-1, Deep Mary situated near Railway Colony, Rasala Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide Registration No. 3177 dated 27-10-83.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 14-6-1984

 Shri Govind Singh Slo Shri Madan Singh Rajput and Shri Pratap Singh Slo Shri Nahar Singh Rajput Ro Goliyat, Tehsil-Ahore, Distt-Jalore.

(Transferor) .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, IAIPUR

Jaipur, the 14th June 1984

Ref. No. Raj.]IAC(Acq.) 2430 83-84.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

mothan Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immediate property having a fair market value exceeding Ra. 25,000l- and bearing No. Plot No. 4-B-2 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-10-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Pahilaj Rai Sjo Shri Dayaram And Shri Lkhumal Sjo Shri Narayandas through Mjs. Pahilaj Rai Dayaram, L-4, Nai Sabzi Mandi, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 B-2. Deep Marg, Near Railway Colony, Rusala Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jodhpur vide registration No. 3178 dated 27-10-83.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 13th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|R-667|37EE|83-84|ACQ|B.—Where-

MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 603,
situated at Tumkur Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bangalore Under Document No. 620|83-84 on 11-10-1883
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 V. K. Lalco Pvt. Ltd. 1017/18 Dalam Tower, 10th floor, 211, Nariman Point, Bombay

(Transferor)

(2) Vijay Boolani Boolani Engineering Co-operation 402 Veer Savarkar Road, Bombay 25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X%A of the said Act, shall have the same meaning as given lu that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 620|83-84 Dated 11-10-83)
Flat No. 603, "Varsha Building" Final plot 221-224, Tum-kur Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistum Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 28th April 1984

Ref. No. C.R. No. 62|R-754|37EE|83-84|ACO|B,--Whereas. I.

MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. A-4

situated at Altinoh, Panjim, Goa under the Document No. 628|83-84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under the document No. 628|83-84 on 11-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name¹... 70-156GI/84

(1) 1,Shri Akbarali Karmali (Businesaman) So Karmali Virice and his wife 2. Mrs. Fatima Akbarali Karmeli, Dio Karmali Shamjee Residing at Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Ravindranath Raman Nair Clo. C. V. Raman Nair Scientist N.I.O. Dona Paule, Panaii. Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 628|83-84 Dated 11-10-1983) Flat No. A-4 in Akbarali Building at Altinho, Panaji, Goa.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-4-1984.

Scel;

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560001, the 13th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|R-779|37EE|83-84|ACQ|B,--Where-

as, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 116 in Taluka Revenue office situated at cusmona, Village of Chandravadi, Quepem, Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 634|83-84 on 12-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Vithal Pindalik Lotlikar. Quepem, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Ratnakar Vithal Raikar Prop. Mayur Builders, Near Casa Gomantak, Margao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 634|83-84 Dated 12-10-83)

A piece of land known as M. "Bibtimolo"-Two adjacement plots 272&292 Sq. mt. respectively situated at Quepen Town District of Goa.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following egrsons, namely:-

Date: 13-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 13th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|R-809|37EE|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

situated at Rajmahal Villas Extension I stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bangalore under Document No. 643|83-84 on 12-10-83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Shivaswamy
"Annapurna" High Ground,
Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Devraj H. Ranka Partners of M|s. Mamata Enterprises No. 3 Queens Road, Bangalore-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 643|83-84 Dated 12-10-83)

Site No. 217 I stage Rajmahal Villae Extension, Bangalore, Area 1385.25 sq. mts.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-6-1984.

FORM ITNS----

(1) Mr. Jose Augustino Salvadore Barreto and four others Mr. Joseph T. Smith Chembur, Bombay. (Transferor)

(2) M|s. Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Buildings, Panjim, Goa.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 13th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|R-829|37EE|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property known as "Terreno Naggola" situated at Near Municipal Garden, Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Document No. 673|83-84 on 29-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isamovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 673|83-84 dated 29-10-83).

All that property known as "TERRENO NAAGOLA" with an old house and a land area of 1705 sq. m. situated near Municipal Garden, Margao, Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assumant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th June 1984

Ref. No. CR. No. 62|R-879|37EE|Regn. No. 714|83-84| ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. S-1 situated at "Pearl Apartments", Socorro, Porvorim, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under document No. 714|83-84 on 25-11-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid approerty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in thes aid instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secvition 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) M|s. United Builders, M-35, Housing Board Colony, Alto Betim, Bardez, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Francisco Carvalho, Budget Rent and Car, P.O. Box 3292, Abu Dhabi, U.A.E. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 714|83-84 dated 25-11-83) Flat No. S-1 "Pearl Apartments", Socorro, Porvorim, Goa.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anthony D'Souza, Clo P.D. Oman, Supply Dept., SP|4, P.O. Box-81, Muscat

(1) M/s. United Builders, No. M-35,

(Transferee)

Housing Board Colony, Alto Betim, Bardez-Goa.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACOUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62R-880|37EE|Regn. No. 716|83-84| ACQB.—Whereas, I MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Flat No. F-1, I Floor situated at "Pearl Apartments", Socorro, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under document No. 716 83-84 on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (Registered Document No. 716|83-84 Dated 1-12-83)

THE SCHEDULE

Flat No. F-1 I Floor "Pearl Apartments", Socorro, Porvorim Goa.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesait property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 12th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40783|83-84|ACQ|B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/-

and bearing No. 169-1, 169-2A, 169-4A, 169-5A, 169-7A & 168-8A, situated Nadsal village, Udupi Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mulki on 15-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. L. Annaji Rao Slo M. Lakshminarayana Museraya "BEEDU", Nadsal village P.O. Padubidri (D.K.)

(Transferor).

(2) Shri M. Lakshminarayana Mogeraya Smt. Kalindhi w|o Sri M. Lakshminarayana "BEEDU", Nadsal village Mogeraya P.O. Padubldri (D.K.)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 377|3-84 dated 15-10-83) All that property bearing Sy. Nos. 169-1, 169-2A, 169-4A, 169-5A, 169-7A & 169-8A, situated at Nadsal village udupi Caluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act to the following mons, namely:—

Date: 12-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40571|83-84|ACQ|B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- bearing No. 109, situated at Prashanth Residential layout, whitefield, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South on Oct. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri E. V. J. Cunha & ten others No. 69, St. Johns church road Bangalore-560005. (Transferor)

(2) Shri M. E. Jamaluddin No. 56B, Mohanpura St. Tiruvannamalai N. A. Dist. Tamilnadu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereit are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3061|83-84 dated Oct. 83] All that property bearing No. 109 situated in Prashan residential layout Whitefield Blore-66.

MANIU MADHAVA
Competent Authori
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Bangale

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40573|83-84|ACQ|B.-Whereas, 1 MANJU MADEAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

10, situated at Prashanth residential layout whitefield B'lore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Taluk on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; ead/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely:---

71-156GI/84

(1) Shri E.V.J. Cunha & ten others No. 69, St. Johns Church road. B'lore-5.

(Transferee)

(2) A. Ahmed Basha Potharaj Koil Street Tiruvnnamalai, North Arcot Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3069 83-84 dated Oct. 83] All that property bearing No. 10 situated at Prashanth residential layout whitefield B'lore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT (1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

Re. No. C.R. No. 62|40570|83-84|ACQ|B.—Wheeras, I MANIU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 108, situated at Prashanth residential layout whitefield Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 o 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore Suoth on Oct, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri E.V.J. Cunha & ten others No. 69, St. Johns church road, Bangalore-560005, (Transferor)

 Chri B. Rawindra Reddy No. 313, Sadashiyanagar, Bangalore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3060]83-84 dated Oct. 83]

All that property bearing No. 108 situated at Prashanth residential layout, whitefield B'lore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62[40568]83-84[ACQ]B.---Whereas, I MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 122, situated at Prashanth residential layout,, whitefield Bangalore-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at B'lere South Taluk on Oct 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri E.V.J. Cunha & ten others No. 69, St. Johns church road, Bangalore-560005. (Transferor)
- (2) Shrimathi Prasanna V. Murthy Alembic Colony, Whitefield Bangalore-66

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette,

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3058]83-84 dated Oct. 83] All that property bearing No. 122 sintuated at Prashanth residential layout, whitefield, Bangalore-66,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-6-84

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE BANGALRE

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62[40569]83-84]ACQ|B.-Whereas, I MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 123, situated at Prashanth residential layout whitefield, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office

at B'lore South Taluk on Oct. 1983
fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri E.V.J. Cunha & ten others No. 69, St. Johns church coad, Bangalore-560005 (Transferor)

(2) Shrimati Nirmala Prasad, Alembic colony, whitefield Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3059]83-84 dated Oct 83] All that property bearing No. 123 situated in Prashant residential layout, whitefield, B'lore,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40576|83-84|ACQ|B.-Where-5, I, MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

11. situated at riganum: a sadential layout whitefield.

Bangalore

taid more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Office

at B'lore South Taluk on Oct. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri E.V.J. Cunha & ten others No. 69. St. Johns church road, Bangalore-560005. (Transferor)
- (2) Shrimati Indira No. 44 1F Fairfield layout Race Course road, Bangalore-1. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXAs of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document o: 3004|83-84 dated Oct. 83]

All that property bearing No. 11, situated at Prashanth layout whitefield, Bangalore,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

∋a⊬e : 8-6-84 Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BANGALORE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

C.R. No. 62|40887|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and bearing No. Sy. 44, 37 (East portion) situated at near Shankaranarayana D.K.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shankuranarayana. D.K. on 21-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair that ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri N. M. Abdul Salam, Balmata, Mangalore.

(Transferor)

 M|s. Ramapuram Plantations (P) Ltd. Director, Shri Emaual Thomas, Rampuram House, Hill Garagen, Nageri, Kankanady, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days period from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 145]83-84 dated 21-10-83]
Property hearing S. No. 44, 37 (East portion), situated at near Shankaranarayana, D.K.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax. Acquisition Range, Bangalore

Date :8-6-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

C. R. No. 62|40572|83-84|ACQ|B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

22. situated at Prashanth residential layout, Whitefield, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore South Taluk on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri E. V. J. Cunha, & ten others, No. 69, St. Johns Church Road, Bangalore-5, (Transferor)
- (2) Shri Venugopal Ravi, "Srinidhi' No. 37, 29th Cross, 7th Block, Jayanagar, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of Thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3662|83-84 dated October 1983] All that property bearing No. 224 situated at Prashanth residential layout, Whitefield, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date :8-6-84 **Seal :**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

C. R. No. 62|40728|83-84|ACO|B...-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- nad bearing No. RS. 2062A, TS. No. 49/2A situated at Attavar village, Milegies ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore City on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fail market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957):

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) Shri A. Nagappa, Merchant. Attavar Road. Mangalore.

(Transferor)

(2) A. Chandrahasa. Bank Manager, Vijaya Bank, Alke, Mangalore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 848183-84 dated October 1983]. Property bearing RS. No. 206[2A, TS. No. 49[2A] (west portion), situated at Attavar village. Milegres ward, Mangalote.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-6-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001. the 8th June 1984

C. R. No. 62|40782|83-84|ACY|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

360, situated at 1 Cross, Gandhinagar, Mandya has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mandya on 4-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
72—156GI/84

(1) Shrimati Saraswathanma, IV Cross, Bannur Exten., Mandya City.

(Transferor)

1. S|Shri M. Venugopal; 2. M. Sriram; 3. M. Pra-kash; 4. M. Chandru;—
 Behind Government High School, II Cross, Gandhingar, Mandya.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1827]83-84 dated 4-10-1983]. Property bearing No. 360, situated at V. Cross, Gandhinagar, Mandya.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisoner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date:8-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th June 1984

C. R. No. 62|40908|83-84|ACQ|B.—Wherens, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing No.

34]10 & 34|1 (old No. 34|6 & 34|A-1) situated at Bangiyappa Gardens, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 15-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Rachiel Anny Helen, 34|10, Bangiyappa gardens, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shri S. Raghurama Reddy, 34|10, Bangiyappa Garden, Akkithimmanahalli, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2804|83-84 dated 15-11-1983]. All that property bearing No. 34|10 & 34|1 (old No. 34|6 & 34|A-1) situated at Bangiyappa Gardens, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bangalore

Date: 13-6-84

Scal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TÂX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th June 1984

C. R. No. 62|40808|83-84|ACQ|B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. 15 (old 631) situated at 17th Cross, Malleseoaram, Bangalore-3

15 (old 631) situated at 17th Cross, Malleseoaram, Bangalore-3 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Rajajinagar on 15-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri K. Ranganathan, No. 296, XVI Cross, Sadashivanagar, Bangalore.

(2) Shri R. Sudharshan, No. 296, XVI Cross, Sadashivnagar, Bangalore. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any otner person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2880|83-84 dated 15-10-1983]. All that property bearing No. 15 (old No. 631) situated at 17th A Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bangelore

Date: 13-6-84

Scal:

(1) M/s. Kailash Builders, 4/123, Plain Street, Bangalore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 13th June 1984

C.R. No. 62|40872|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, MANIU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Infantry Road, Bangalore, situated at Shivajinagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 31-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) M|s. The Tara Apartment, Cooperative Housing Society Ltd. 132, Infantry Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

any n or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1967|83-84 dated 31.10.83) All that property bearing No. 132 situated at Infantry Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13.6.84.

(1) Shri M. K. Gajaraju, No. 37, Saurashtrapet, Bangalore City.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. V. Shivaprasad, Iyothi Milk Dairy, Bangarpet Road, Kurubarpet, Kolar Town.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 13th June 1984

C.R. No. 62|40805|83-84|ACQ|B.—Whereas, 1, MANIU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 2954, New No. 2954|23 situated at

I Cross Road, I stage D Block, Rajajinagar, Bangalore-10,

Rajajinagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 15-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2708|83-84 dated 15.10.83)
All that property bearing No. 2954, New No. 2954|23 situated at I Cross Road, ll Stage, D Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Daic: 13.6.84,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

C.R. No. 62|40814|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. 611 A, situated at 10th Cross, 7th Block West, Jayanagar, Bangalore-11, Jayanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar on 15-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the cobject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persuase, namely:—

 Shri A. M. Subramanyam, 611 A, 10th Cross, 7th Block West, Jayanagar, Bangalore-560082.

(Transferor)

(2) Shri V. Krishnamurthy, 16|A, 9th Main, III Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2307|83-84 dated 15.10.83)
All that property bearing No. 611|A, situated at 10th cross 10th Block West, Jayanagar, Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalere

Date: 8.6.84. Seal:

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M. L. Doraiswamy, 47, 1 Cross. Nehrunagar, Bangalore-20,

(Transferor)

(2) Sri Shantilal Dhani, Sri Rajanikant Dhani, 37, Basavanna Temple Street, Avenue Road Cross, Bangalore-20,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

C.R. No. 62|40856|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 47 (Old No. 39), situated at 1 Cross, Nehrunagar, Bangalore-20, Gandhinagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Candhinagar on 31-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a pernod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

. (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2069|83-84 dated 31.10.83) All that property bearing No. 47 situated at I Cross, Nehrunagar. Bangalore-20.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8.6.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

C.R. No. 62|40818|83-84|ACQ|B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 271 (Present No. 271|6), situated at 26th A Cross, 7th Block, Jayanagar, Bangalore-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar on 15-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri A. M. Ananda Murthy, No. 19, Krishnaraja Vanam, Mysore-8.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Panduranga Setty, alias D. R. Rangam, No. 18, Upstairs Shardanda Bhavan Road, Viswerwarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2422|83-84 dated 15.10.83). All that property bearing No. 271 present No. 271|6 situated at 36th A Cross, 7th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely:—

Date: 8.6.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

C.R. No. 62|402824|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

31|1, & 31|3, situated at

Chikkakannelli village Varthur Hubli, Bangalore South Taluk, (and more fully described in the Scheduled agreed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 15-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:—

73-156GI/84

 Shri K. Gopala Reddy & 10 others, Agara Village, Begur Hobli, Bengalore South Taluk.

(Transferor)

(2) Shri D. V. Sivaprasad Reddy, S|o D. Venkatanarasa Reddy, Gudur Village, Nellore District, Andhra Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5011|83-84 dated 15.10.83) All that property bearing Sy. No. 31|1 & 31|3 situated at Chikkakannelli Village Varthur Hobli, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8.6.84. Seal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 12th June 1984

C.R. No. 62|40847|83-84|ACQ|B.—Whreas, I,
MANJU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovnble property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
R.S. No. 12|A IB, T.S. No. 733|A-12,
situated at Kankanady Village, Mangalore Taluk,
(and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Mangalore City on 31-10-1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Louisa Pais,
 D|o U. B. J. Pais Vaslane, Mangalore-1. G.P.A.
 holder of David Edward Robert & Plorina alias
 Lorina Joseph Mary Robert.

(Transferor)

(2) Shri Leo Pinto, Clo Albert Pinto at Soudi Arabia represented by his G.P.A. Sri Jokim Pinto, Valencia Kankanady, Mangalore.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

d Document No. 952|83-84 dated 31.10.83).
All that property bearing No. RS No. 12|AIB, T.S. No. 733|
A-12 part, Kankanady Village, Mangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12.6.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 12th June 1984

S.R. No. 62|40732|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

67. S. No. 255|8, situated at Malpe, Kodavoor Village, Udupi Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udupi on 11-11-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beloive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following , namely:-

(1) Shri M. Krishna Raj, S|o U. Muthappa, Managing Partner, Mls. Vikram Fishing Company, Malpe.

(Transferor)

(2) (1) K. C. Baba Slo K. C. Chandy,
(2) Mrs. Elizabeth Ninan Wlo K. C. Ninan,
(3) Mrs. Sally Rajan Wlo K. R. Rajan,
(4) Mrs. Marlamma Thomas Wlo K. C. Thomas,
(5) Mr. John Verghese Slo K. G. Verghese,
Kelluville Thomassery

Kalluvilla, Thangassery, Quilon, Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used beloin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meamog as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 688|83-84 dated 11.11.83). All that property bearing No. 67, S. No. 255/8 situated at Malpe, Kodavoor Village, Udupi.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12.6.84.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 12th June 1984

C.R. No. 62|40787|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. 85, situated at

Avenue Road, Hotel Janatha, Bangalore-560002,

Gandhinagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 7-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Y. V. Thimmaiah,
2. Sri Y. V. Venkataswamy,
3. Sri Y. V. Venkatarangappa,
4. Sri Y. V. Venkatappa,
5. Sri Y. V. Parthasarathy,
6. Sri Y. V. Lakshmikanth,
7. Sri Y. V. Keshava Murthy,
8. Sri Y. V. Gajendra,
9. Sri Y. V. Lakshminarayana,
10. Sri Y. V. Seshadri,
No. 9, 14th Cross, Cubbanpet,
Bangalore-560002. Bangalore-560002.

(Transferor)

(2) Sri H. H. Subba Rao, So H. Srinivasa Rao, Partner Hotel Janatha, No. 85, Avenue Road, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1973|83-84 dated 15.10.83) All that property bearing No. 85 situated at Avenue Road,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 12.6.84. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 12th June 1984

C.R. No. 62|40790|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500 - and bearing No. 29, 29, situated at Cockburn Road, Bangalore,

Shivajinagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 3-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Janab wiohammed Hussain Khan @ Basha, 2. Janab Asrafunnisa, No. 42, D2 Etreet, Shivaji Road Cross, Shivajinagar, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Shri Syed Transcan Aga & others, Slo Syed Int az Aga, No. 29, Cockbarn Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a perion of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1731|83-84 dated 15-10-83). All that properly bearing Cor. No. 29 formerly No. 22 situated at Cockburn 100ad, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspection Asstl Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intuate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 12.6 84.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri E, V. J. Kunha & 10 others. 69, St. John's Church Road, Bangalore-5.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Savita Sharma, 21, Bentinck Street, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-560 001, the 8th June 1984

C.R. No. 62|40578|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing Plot No. 7, situated at Prashant Residential Layout, Pattandur Agrahara, Whitfield, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. in October, 1983

for an apparent consideration

which is less than the tair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2820|83-84 dated Oct, 83) Property bearing Plot No. 7, situated at Prashanth Residential layout, Pattandur Agrahara, Whitfield, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8.6.84.

(1) M|s Badjatiya Construction Company, R|o 146, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mithlesh Gupta Wo Dr. N. C. Gupta, R₁₀ (01, Ramsahay Marg, Nagda Junction, M.P. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acq.|Bp||4711.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 1 on Plot No. 106, Scheme No. 47 situated at Scheme No. 47, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ta 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on Plot No. 106 at Scheme No. 47, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-6-84

(Transferor)

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BEIOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4712.—Whereas, I, D. P. PANTA,

transfer with the object of : --

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 4 on Plot No. D-11 and D-12 situated at Varsha Apartment, Ratham Kothi Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as nareed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Rlo Hindalco Renukoot, Mirzapur (U.P.).

(1) Radharaman Slo Narayan Agarwal, R. 5-42, Sanyogitagani, Indore.

(2) Dankar Bhaskar Rishi Slo Shri Bhaskar Rao Rishi

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discloud by the transferre for the purposes of the Indian facometax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid AP, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 4 of Varsha Apartment constructed on Plot No. D-11 and D-12, which is situated at Ratlam Kothi, Indore. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferce.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 13-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4713.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House Muncl. No. 17 situated at New Palasia. Chainsingh Ka Bagicha, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in October, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

74—156GI/84

- (1) Ravindra 2. Shashikiran sons of late
 Sh. Sadashiv Borgaonkar
 3. Sou. Anjali Arvind Bhadbhade
 4. Sou. Vaijayanti Vivek Puranik
 through Attorney General Arvind Vinayak
 Bhandbhade Ro 17, New Palasia, Indore.
 (Transferor)
- (2) Chandrakanta Dabar Wo Shri Khurshiramji Dabar Ro 10/5, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Muncl. No. 17. situated at New Palasia, Chainsingh Ka Bagicha, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-6-84

(1) M|s Badjatiya Construction Company, 146, Jaons Compound, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sureshchandra So Nannulalji Jain, Ro 19, Shradhanand Marg, Indore,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. AC|Acqn|Bpl|4714.—Whereas, I, D, P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6 on Plot No. 106 situated at Scheme No. 47, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires hiters.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on Plot No. 106 situated at Scheme No. 47, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4715.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Shop in House No. 493
situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Smt. Sheelawatibai wdlo Jamiyatraiji
 Sh. Kanhaiyalal 3. Rameshkumar
 Kamalkumar, 5. Rajkumar sons of Sh. Jamiyatraiji
 - 6. Smt. Mohinibai wo Nandlalji
 - 7. Nirmalbai wo Harishkumar
 - 8. Lajwantibai w o Narayendas 9. Smt. Maya w o Devaji R o 34 1, Snehlatagani, Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Narayandas

 - 2. Lalchand 3. Ramchandra
 - 4. Lakshmandas all sons of Indomalji
 - Rlo 24, Allapura, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop in House No. 493 situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-6-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4716.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 7 on 3rd floor at Plot No. R-21 situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44 (Khatiwala Tank), Indore

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

M|s Mansukhani Constructions,
 Hathipala, Indore through partner
 Jagdish ansukhani S|o Sh. Jhamaklalji
 Mansukhani R|o 20, Hathipala, Indore.

(Transferor)

(2) Kaid Johar Stationwala Slo Sh. Shabbar Hussain Stationwala Rlo 35, Shankerbag, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on 3rd floor at Plot No. R-21 situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44 (Khatiwala Tank), Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-6-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC Acq. Bpl 4717.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000]- and bearing Plot No. 19-A situated at Prem Nagar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at

Officer at Indore on Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 ad/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Harjeetkaur Wo Sh. Sardar Harisinghji, R|o 15|3, North Raj Mohalla, Indore through Attorney General Harisingh S|o Sardar Laddhasinghji R|o 15|3, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferor)

16863

 Sardar Awatarsingh S|o Sardar Kartarsinghji
 Sardar Tilochansingh S|o Sardar Awatarsinghji R|o 9-A, Prem Nagar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meening as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 19-A situated at Prem Nagar Colony, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 11-4-84

FORM JTNS-

(1) Kalluprasad Sto Hiralalji Rlo 28, Godha Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Keshavdas 2. Boolchand Slo Tilloomalji Peswani Rlo 5, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th June 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4718.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House Constructed on Plot No. 183 situated at Bairathi Colony No. 2, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A part of House constructed on Plot No. 183 situated at Bairathi Colony No. 2, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings f T the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-84

(1) Mangilal So Hanumanji Prajapat, Ro Kamla Nehru Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Avatarsingh So Balwantsinghji Ro of House No. 17, Pagnispaga, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4719.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing House Constructed on Plot No. 40 situated at Triveni Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 40 situated at Triveni Colony. Indora.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopat.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by ythe issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-6-1984

 Hindusingh So Pannalalji Vaidhya, Advocate, Ro Sardar Patel Marg, Bajrangpura, Dewas, M.P.

(Transferor)

NOTICE UNIDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Anukul Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Dewas, M.P. Registration No. S.P.D. 195, through President Dineshkumar Nigam 1388, Bank Note Press, Dewas (M.P.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/4720.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

Land-Survey No. 682 & 683

situated at Gram Mendaki Chack, Teh. &

Distt. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at **Dewas** in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 682 & 683 situated at Gram Mendaki Chac Teh. & Distt. Dewas.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

Date: 11-6-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAY.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4721.—Whereas, I. D. P. PANTA,

wing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Land—Survey No. 683

situated at Gram Mendaki Chack, Teh. & Distt. Dewas (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas on October. 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair. market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

75-156GI/84

(1) Hindusingh Sio Pannalal Vaidya R'o Cardai Patel Marg. Dewas, M.P.

(Transferor)

(2) Anukul Giih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit. Dewas, M.P. Registration No. S.P.D. 395 through President Dineshkumar Nigam, 1388. Bank Note Press. Dewas, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 683 situated at Gram Mendaki Chack Teh. & Distt. Dewas.

D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal,

Date: 11-6-1984

Seal ·

FORM ITNS----

(1) Anwar Sjo Mamad Rjo Itawa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chitragupta Orih Nirman Sahkari Sanstha, 1307, B.N.P. Colony, Dewas

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 14th June 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl]4722.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/aud

bearing Land Kh. No. 12411,

situated at Gram Itawa, Teh. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at Dewas in Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which out to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 124.1 squated at Gram Rawa Teh-Dewas. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTĂ,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 14-6-84

(1) Shri Anwar so Mamad, Ro Itwa District Dewas.

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Chitragupta Nagar Grih Nirman Sah. Sanstha B.N.P. Dewas, Registration No. S.P.D. 392 dated 7-7-1981 through President Shri Mohindersingh Slo Sangatsingh, Dewas.

(Transfere)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE; BHOPAL, M.P.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bhopal, the 14th June 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4723.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

(b) by any other person interested in the and immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Land Kh. No. 124 situated at Gram Itawa District Dewas situated at

.6 tion of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dewas in Oct. 83

for an apparent consideration which is less than the fate market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

Explanation:—The terms and expressions used usions we defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 124/1 situated at Grah Itava. This is the immovable property described in Form No. 37-G*verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of ought to be disclosed by the transferee for the 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of be aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-6 1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 14th June 1984

Ref. No. IAC, Acqn. Bpl. 4724.—Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Land Kh. No. 124 I situated at Gram Itawa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Dewas on October, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

- (a) Inciditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Anwar slo Mamad, Rlo Itawa.

(Transferor)

(2) Chitragapta Nagar Grih Nirman Sah, Sanstha, Dewas through President Mohindersingh slo Sangatsingh, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice... in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 124'1 situated at Grah Itawa, Jeh Dewas. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANFIA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor. Gongoth Building
T. T. Nagur. Bhopal

Date: 14-6-1984.

FORM PINS----

(I) Shri Anwar slo Mamad, Rlo Itawa.

Dewas.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, EHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th June 1984

Ret. No. IAC Acqn. Bpl. 4725.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

Land Kh. No. 124/1 situated at Gram Itawa

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax.

 Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Chitragupta Nagar Grih Nirman Sah. Sanstha 1307,

N. P. Colony, Dewas, Reg. No. S.P.D. 392, 7-7-81 through President Mohindersingh sto Sangatsingh,

- (a) by any of the afercasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 124]1 situated at Grah Itawa Teh. Dewas. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. 4th Floor. Gongotri Building.
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-6-1984.

Senl:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT - COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st June 1984

Ref. No. IAC Acqu. Bpl. 4726.—Whereas, I. D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Dhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inflern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Bhagantibai w'o Maniram, 2. Mohanlal, 3. Sohaulal slo Maniram through Mu, Aum. Devnarayan and 4. Devnarayan slo Maniram Rlo

(Transferor)

- (2) I. Anilkumaı Jain Slo Samirmalji Jain, Rlo Dhar.
 - 2. Subhash Kumar Jain,
 - 3. Dinesh Kumar Jain,
 - 4. Mahendra Kumar Jain,
 - 5. Ashok Kumar Jain,
 - 6. Ajay Kumar Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Dhar. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 1-6-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4727.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Survey No. 381 situate dat Gram Mehatwas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer at at Ghachroud on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) The Gwdalior Rayon Silk Manufacturing (Weaving) Company Ltd., Birlagnam, Nagdu. (Transferor)
- (2) M's Titanium Equipments and Anode Manufacturing Co. Ltd., Team House, G.S.T. Road, Vendalur, Madras (Tamilnadu State).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 381 situated at Gram Mehatwas.

This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 11-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 1st June 1984

Ref. No. IAC|Acqn. Bpl. |4728.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

House No. 477 situated at Katju Nagar, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Ratlam on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. B. Vibhutee, Rio University, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Nagar, Klo Rum Nikunj, Paluce Road, Ratjam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No 477 situated at Katju Nagar, Ratlam

This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th 1 por. Gonzotti Building
T. T. Nagat, Bhopal

Date: 1-6-1984.

FORM TINS ... -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4729.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. One storied Pucca house, Muncl. No. 22 situated 2t Basant Colony, Jhabua

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering officer at Jhabua on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (15) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the zeroe of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

76—156 GI|84

(1) Anandsingh slo Darvavsingh Parmar, Rlo Ihabua.

(Transferor)

(2) Shri Vinodkumar slo Nathulalji Katlana, Rlo Mandsour.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovshle property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storied Pucca house bearing Muncl. No. 22 situated at Basant Colony, Jhabua.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 2-6-1984.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4730,—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing No.

House No. 21 situated at Bharava Ki Kui, Ratlam, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering officer at

Ratlam on October, 1983 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Iliyas s|o Ibrahimji R|o Pipe Road, Bombay-70, 2. Ayab Ahemad s|o Ibrahimji R|o 5|6, Jawahar Nagar, Indore, 3. Azaz Ahemad s|o Ibrahim R|o Pipe Road, Kerala, 4. Abdul Sattar s|o Sulemanii R|o 9, Bharave Ki Kui, Ratlam, 5. Mohd. Yakoob s|o Sulemanji R|o Jawahar Nagar, Indore.

 (Transferor)
- (2) Shri Akbarali s|o Yusufaliji R|o Chandni Chowk, Ratlam, 2. Smt. Sarabai w|o Akbarali R|o Chandni Chowk, Ratlam. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Double storied house bearing No. 21, Ward No. 10, situated at Bharava Ki Kui, Ratlam,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 2-6-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd June 1984

Ref. No. IAC Acqu. Bpl. [4731.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 21 situated at Bharava Ki Kui, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ratlam on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Mohd. Iliyas, 2. Ayuz Ahemad, 3. Azaz Ahemad slo Ibrahimji, Pipe Road, Kurba, Bombav-70, 4. Abdul Sattar slo Sulemanji Rlo Bharava Ki Kui, Ratlam, 5. Mohd. Yakoob slo Sulemanji Rlo Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Akbarali s|o Yusufali Bohta R|o Ratlam, 2. Sarabai w|o Akbaraliji Bohra R|o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the state of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house bearing No. 21, Ward No. 10 cituated at Bharava Ki Kui, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 2-6-1984.

HORM ITNS----

(1) Smt. Ambedevi wo Lalji Singh, Rlo Kripalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4732.-Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land No. 252|3|1 situated at Mouja Kolgava (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Satna on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Rameshchandra, L. Sureshchandra sio Shri Babulal Mangal, 3. Smt. Ramamangal woo Rameshchandra, 4. Smt. Uma woo Sureshchandra Mangal, 5. Purushottamdas sio Shardaprasad Katare, Satua, 6. Surastchandra da Kunjilal kais Satua, 6. Surastchandra da Kunjilal kais Satua, 7. Da Satua 6. Sumatchandra sjo Kunjilal Jaiq, Satna, 7. Dr. Rajvali sjo Sripal Jain Rjo Panagur, Jabalpur, 8. Rajshri wo Prakashchandra Jain Rlo Satna.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as age defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 252 3 1 situated at Mouja Kolgova. Satna this is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th June 1984

Ref. No. JAC Acqn. Bpl. 4733.—Whereas, I. D. P. PANTA. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ir movable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.
Land No. 252[3]1 situated at Kolgava, Satna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the office of the Registering officer at

Satna on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jaisingh so Shri Jagatbahadursingh. Rlo Kripalpur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Prabhadevi wlo Rajendrakumar Jain, 2. Rajeshkumar slo Rajendrakumor Jain, Satna. 3. Subhashchandra, 4. Anilkumar soo Ratanchandra Jain, Satna, 5. Subhashchand so Komalchand Jain, 6 Dr. Rajkumar s/o Hukumchand Jain, 7. Dr. Chhatrasal s/o Sripal Jain R/o Panagar, 8. Smt. Ratnamala w/o Rajkumar Gupta R/o Satna. (Tarnsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and bearing No. 252|3|1 situated at Mouja Kolgava, Satna This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongott Ruilling T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-6-1984.

 Shri Radhikaprasad slo Damodarprasad, Rlo Kotwali, Jabalpur.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kashiram Yadav soo late Babulal Yadav, Roo Niwardganj, Jabalpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Bhopal, the 5th June 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4734.—Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 45, 25,000|- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Land Kh. No. 22, 24. 31 situated at Madhotal, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Jabal on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the propety as afoesaid exceeds the apparent consideration theefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 22, 23, 24, 31 situated at Madhotal, Jabalpur. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor Gongotri ilden
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1984.

FORM ITNS ----

(1) Shri Radhikaprasad Sjo Damodarprasad R|o Kotwali, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Kashiram Yadav S|o Late Babulalji Yadav, R|o 652, Purvi Niwardganj, Jabalpur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4735.--Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Land Kh. No. 68, 68|2, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 81, 82, 85, 83, 84, 93 situated at Madhotel, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jabalpur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 68, 68|2, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 81, 82, 85, 83, 84, 93 situated at Monja Madhotal, Jabal-pur. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date . 5-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th June 1984

Ref. No. IAC|Acm|Bp||4736.—Wheras, I, D. P. PANTA.
being the Competent Authority under Section
269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Hounse No. 19|754 situate at Ratan Colony Nagar, Lashkar, Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at at Gwalior on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sou. Ved Arora Wlo Shri Jiwansingh Arora, Rlo Laxmigani Road, Lashkar, Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Prahladdas Slo Shri Lilloomalji Ahuja, Rlo Shitole Sahab Ke Pichhadi, Lashkar, Gwalior,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 19[754 situated at Ratan Colony, Gwallor,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-law
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4737.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 19/754

situated at Ratan Colony, Jiwaji Nagar, Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gwalior on October, 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to vey tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

77-156 GI 84

- (1) Smt. Sou. Ved Arora Wo Shri Jeewansingh Arora, Rlo Laxmigani Road, Lashkar, Gwalior.
- (1) Smt. Sou. Vidhyabai Wlo Lilloomalji Ahuja, Rlo Shitole Saheb Ki Pichhadi, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in their Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 19|754 situated at Ratna Colony Jiwaji Nagar, Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 14-6-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4741.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and hearing

and bearing
House No. 33 680 situated at Shitole Saheb Ki Pichhadi,
Lashkar, Gwalior,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gwalior on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Morandmal Kalada S|o Shri Nibalchand, Kalada,
 R|o Shitole Saheb Ki Pichhadi, Lashkar, Gwalior

(Transferor)

(2) Shri Jannumalji So Shri Chetumal Ro Shitole Saheb Ki Pichhadi, Lashkar, Gwalior

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 33|680 situated at Shitole Saheb Ki Pichhadi, Lashkar, Gwalior. (Part of a house).

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of reforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 5-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th June 1984

Ref. No. IAC|Acqq|Bpl|4742.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 33 680 situated at Shitole Saheb Ki Pichhadi,

Lashkar, Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) fasilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Morandmal Kalada So Shri Nihalchand, Kalada, (Ramatri) Picchadi Diyodi Ro Shitole Saheb Ki Pichhadi, Lashkar, Gwalior

(Transferor)

(2) Shri Chandraprakash Kukreja S|o Jamanumalji Kukreja, R|o Shitole Saheb Ki Pichhadi, Lashkar, Gwalior

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 33|680 situated at Shitole Saheb Ki Pichhadi, Lakshkar, Gwalior.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date . 5-6-1984

Sml:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC Acqu Bpl 4743.--Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House No. 33|604 situated at Chitragupgani, Opp. Gwalior

Talkies, Lashkar, Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gwalior on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to may tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast. (11 of 1922) or the said Act. or the West Act. 1957 (27 of 1957); 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Ganeshdutt Dube, So Shriram Dube, 2. Chi. Sharad Dube So Ganeshdutt Dube (Minor) Guardian father Ganeshdutt Dube So Shriram Dube Ro Chitraguptganj, Lashkar, Gwalior.

(lransferor)

(2) Shri Rangilal Agarwal So Shri Chimpalalji, Rlo Chitraguptgani, Lashkar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 33/604 situated at Chitraguptganj, Gwalior Talkies, Lashkar, Gwalior. Behind

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisiti on Range 4th floor, Gongotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date: ,6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4744.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a full market values. 25,000|- and bearing House No. 33|604 situated at Chitragupgani, market value exceeding

Lashkar, Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propetry as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the truly stated in the said lattument parties has been transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ganeshdutt Dube, So Shriram Dube, 2. Chi. Sharad Dube Minor So Ganeshdutt Dube Rlo Chitraguptgani, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

 Shri Devendrakumar Agarwal S|o Rangilel Agarwal,
 Smt. Parwatidevi W|o Rangilel Agarwal
 R|o Chitraguputganj, Lashkar, Gwallor. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 33[604 situated at Chitraguptagani, Opp. Gwalior Talkies, Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4746.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing House No. 62-C (New No. 60) situated at Jawahar Marg, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shankerlal Soo Ramlal Verma, Roo 39, Martand Chowk, Indore.
- (2) Shri Mohammad Idaris Slo Mohd. Shafi, Rlo 41, Nayapura, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereit as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 62-C (New No. 60) situated at Jawahar Marg, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gorgotti Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC Acqu Bpl 4747.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 'o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

House No. 62-D (New No. 59)

situated at Jawahar Marg, Indore.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Shankerlal Soo Ramlal Verma, Rlo 89, Martand Chowk, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Jamratbi Wo Mohd. Idaris. . Mohammad Jamil So Chandkhan. Rlo 41, Naya Pitha, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 62-D (New No. 59) situated at Jawahar Marg, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Buildin
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 8-6-1984

(1) Shri Shankerlal Slo Ramlal Verma, Rlo 39, Martand Chowk, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd. Mustafa Slo Vazir Mohammad. R|o 16, Kagdipura, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4748.--Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. House No. 62-A (New No. 62) situated at Jawahar Marg, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 62-A (New No. 62) situated at Jawahar Marg, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Re-4th Floor, Gongotti Bullding T. T. Nagar, Bhcpsl.

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4749.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

House No. 62-B (New No. 61) situated at Jawahar Marg, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ntteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--78-156 GI]84

(1) Shri Shankerlal Slo Ramlal Verma, Rlo 39, Martand Chowk, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Bilkishi Wo Mohammad Mustafa, Ro 16, Kagdipura, Indore.

(Manaferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 62-B (New No. 60) situated at Jawahar Marg, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 8-6-1984

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Shri Ramsingh S|o Shri Motiramji, R|o Gram Akakhoda Teh. Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishkumar 2. Ramniwas
 Ss|o Shri Tirethramji
 R|o Kothekarwadi, Ujjain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4750,—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

House and Open land—Munc! No. 6|1056 situated at Malhavnagar, Freeganj, Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uliain in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferre for the purnosse of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 2|3 of House and open land, Old Bada bearing Muncl. No. 6|1056 New No. 13 situated at Madhav nagar, Freeganj, Ujjain. This is the immorable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotti Building
T. P. Nagar, Bhopp!

Date: 7-6-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4751.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'aid Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land Survey No. 42 situated at Gram Nanukhedi, Teh. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deven in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of timbles with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hindusingh slo Pannalal Ved, Rlo 40, Sardar Patel Marg, Indore.

(Transferor)

Shanti Construction Company, Dewas
 Partners: 1. Kamalchand slo Amolakchand Jain,
 2. Smt, Premlata Wo Nemichand Jain Rlo
 37. Karamchari Colony, Dewas, 3. Punjabrao slo
 Krishanaji Pateil Rlo Dewas, 4. Smt. Kumkumbala
 Jain Rlo Khandwa
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day, from the date of the publication of this notice in the conficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-Survey No. 42 situated at Gram Nagukhedi Teh. Dewas. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor. Gongoiri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shautilal so Shri Nathulalji Maheshwari, Ro Gram Bag Distt. Dhar.

(Transferor)

(2) Mohansingh slo Shri Chamkasingh, Ro 118, Mechanic Nagar, Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4752.--Whereas, f, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. 932 & a Garage constructed thereon situated at Scheme No. 44 Indove Vilcos Bradbillynon Indove situated at Scheme No. 44 Indore Vikas Pradhikaran, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 932 and a Garage constructed thereon situated at Scheme No. 44, Indore Vikas Pradhikaran, Indore. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gongotrlii Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 11-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4753.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Godown constructed on Plot No. 325 situated at Traching Ground, Loha Mandi, Juni Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Messrs Manohar Brothers, 90, Sivaganj, felgali, Indore-through partner Shri Shantilal slo Shri Bhanwarlalji Dhakad, Rlo New Palasia-Bhawan, Indore

(Transferor)

(2) Shri Shamshuddin s|o Shri Noor Mohammad, R|o 35, Champabag, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown constructed on Plot No. 325 situated at Traching Ground, Loha Mundi, Juni Indore, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-6-1984

FORM IINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th lune 1984

Ref. No. [IAC]Acqn]Bpl]4754.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 16 and 17 in Bungtow No. 13 (Open Land) situated at Neemuch Cautt Pargana, Neemuch (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhupendrakumari wo Thakur Bhupendrasingh Rajpoot Ro Bungalow No. 18, Neemuch Cautt. Pargana, Neemuch.
- (2) Smt. Rani Keshar Raja wo late Shriman Raghuvirsingh Ro Premkuni, Bungalow No. 18, Neemuch Cantt Pargana, Neemuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16 and 17 (Open land) in Bungalaw No. 13 situated at Neemuch Cant Pargana, Neemuch. This is the immovable property described in Form No. 17-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotil Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-6-1984

Senl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|4755.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Land: No. 217, Bungalow No. 55 situated at Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Neemuch on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Babulal slo Mishrilal Lodha, Rlo Neemuch No. 2.

(2) Shii hyam Joshi c'o Bherulalji Joshi, Director, Joshi Uchtar Madhyam'k Vidhyalaya Neemuch Distt. Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing No. 217, Bungalow No. 55 situated at Neemuch No. 2. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisoner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-6-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4755.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property havings, a exceeding Rs. 25,000 and bearing fair market No. House No. 15 constructed on Plot No. 15, situated at Kalali Mohalla, St. No. 5, Sanyogitagani Mandi Up Prangan (New), Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Kishanohand soo Shri Narsumalji Roo 112, Katju Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kanchanbai wo Gendalali Ro House No. 19, St. No. 1, Mahesh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15 constructed on Plot No. 15 situated at Kalali Mohalla, Street No. 5 Sanyogitaganj, Mandi Up Prangan (New), Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4757.--Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land No. 218, Bungalow No. 55

situated at Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---79—156GI/84

(1) Shri Madhosingh slo Chhogalal Lodha. Ro Pali (Raj.)

(Transferor)

(2) Shyam Joshi sio Bherulalji Joshi, Director, Joshi Uchattar Madhyamik Vidhyalaya, Neemuch Distt. Mandsaur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land hearing No. 218, Bungalow No. 55 situated at Neemuch No. 2. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4758.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Land Kh. No. 328 with old house situated at Gram Sangar Distt. Dewas

rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-re persons, namely:—

- (1) Shri Himmatlal so Rewashanker 2. Smt. Annapurnabai wo Himmatlalji, both Rjo Dewas. (Transferor)
- (2) Saraswatibni wlo Rameshchandra.
 2. Smt. Narbadabai wlo Motilal alias Radheshyam both Rlo Dewas.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 328with Kachcha house, Well situated at Gram Bangar Distt, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tan
Acquisition Range
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nugar, Bhopa

Date: 6-6-1984

Seal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4759.--Whereas, 1,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Land Kh. No. 17

situated at Gram Tejpur Gabdabi Teh. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Chhogalal so Motiramji Ro Bijalpur through Attorney Gen. Dwaramal slo Shri Balchandji Rlo Katju Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Ahiliya Mata Sewak Sangh Grih Nirman Sahkari Sanstha, Registration No. D.R.I.D. R. No. 49 through Vice President Shri Damjibhai s o Pragji. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 17 situated at Gram Tejpur Gadbadi Teh. Indore. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Acquisition Range Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-6-1984

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 8HOPAL M. P. Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4760.-..Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Land Kh. No. 17

situated at Gram Tejpur Gallbadi Teh. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered.

has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shivmarayan soo Shri Ghisaji 2. Kesharbai woo late Ghisaji Roo Grani Bijalpur Teh. Indore through Attorney Gen. Dwaramal soo Balchandji Roo Katju Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Ahiliya Mata Sewak Sangh Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadt, Jawahar Marg, Registered Indore Sahikari Sanstha Registration No. R.I.D.R. through Vice President Shri Dhamjibhai slo Pragiibhai.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in his said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l.and bearing Kh. No. 17 situated at Gram Tejpur Gadbadi Teh. Indore. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferec.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-6-1984

(1) Shri Surendrasingh soo Sajjansinghji Rlo 44, Bima Nagar, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kamini Jain dio Suryapalji Jain, Rio 3/1, Old Palasia, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4761.—Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. Land Kh. No. 758|1 situated at Gram Khajrana, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 758/1 situated at Gram Khajrana, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax.
Acquisition Range,
Acquisition Range,
4th Floor. Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-6-1984

scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-

ACOUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4762.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Kh. No. 758|1 situated at Gram Khajrana, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Suvendra slo Shri Sajjansinghji Rlo 44, Bima Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt Sukhdevi wo Shri Devkumarji Jain, R o 3 1. Old Palasia, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kb. No. 75811 situated at Gram Khajrana, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, 4th Floor. Gongotri Building

Date: 6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sutendrasingh slo Sajjansingh Thakur Ro Bangali Disti. Dewas, House No. 44. Bima Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Ku, Ratna, Jain Do Shti Devkumarji Jain, Ro 3/1. Old Palasia, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4763.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Land Kh. No. 758 1 situated at Gram Khajrana, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 75811 situated at Gram Khajarana.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of the Income-tax Acquisition Range. 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4764.—Wherens, I D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. House No. 117,

situated at Telephone Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :---

(1) Vedprakash s|o Shri Bhimsen Baweja, R|o House No. 19|2, Jail Road, Indore.

(Transferor)

(2) Smt Usha wo Gajendrakumar Gour Gajendrakumar s o Moolchandji Gour, Rlo H. No. 117. Telephone Nagar Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117 situated at Telephone Nagar, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,
4th Floor. Gongotti Building
T. T. Nagar, BHOPAI

Date: 6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopat the 6th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4766.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing House No. Muncl. No. 33|2

situated at Chhoti Gwaltoli., Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the garties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
80—156GI/84 (1) Shri Devdutt slo Shri Narayanrao Palshikar, Rlo 33/2 Chhoti Gwaltoli, Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Dhannibai wlo Chhagaulal,
 - 2. Smt. Shantabai wlo Sureshchand
 - 3. Smt. Santoshbai wio Maheshchandra
 - 4. Smt. Arunabai wo Dineshchandra Mittal Rlo 111, Jaora Compound, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House-Muncl. No. 33/2 situated at Chhoti Gwaltoli, Indore. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee. (Part of a house.)

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4767.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Double storied house situated at Attashujakhan, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Messrs Paper Palace, Registered Firm, Marwadi Road, Bhopal, through partners, Shri Anilkumar S|o Shri Harishchandra, Marwadi Road, Bhopal, Self and Mu. Aum through Smt. Shakuntala Rani w|o Shri Harishchandra,
 2. Smt. Kailash Rani w|o Shri Amarchand.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Sahu Slo Shri Beniprasadji Sabu, Rlo Pandaipur, Presently: Manoj Traders, Azad Market, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house situated Attashujakhan, Bhopal, This is the immovable property described in Form No. 37-G, verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-6-1984

 Shri Nasiruddin S|o Shri Kazi Kamruddin, R|o Motiya Park, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Gulan City Kotwa

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Javed Akhtar S|o Shri Iqbal Akhtar through Guardian Shri Iqbal Akhtar S|o Shri Gulam Mohd. R|o City Kotwali, Bhopal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4769.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Motiya Park, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated at Motiva Park, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M. P.)

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.]4770.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000[- and bearing

House situated at Motiya Park, Old Subji Mandi, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Salimuddin S|o Shri Kazi Kamruddin, R|o Motiya Park, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Iftikhur Akhtar S|o Shri Iqbal Akhtar through Guardian Shri Iqbal Akhtar S|o Shri Gulam Mohd, R|o City Kotwali, Bhopal.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Motiva Park, Old Subji Mandi, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-6-1984

JIA, Hili Zhi

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC.|Acqn.|Bpl.|4772.-Whereas, I, D. P. PANTA,

1.2 July - 1822

وفهاهي

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing House situated at Motiva Park, Old Subji Mandi, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:— (1) Shri Fazaluddin So Shri Kazi Kamruddin, R|o Motiya Park, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Shabaj Akhtar S|o Shri Iqbal Akhtar through Guardian Shri Iqbal Akhtar S|o Shri Gulam Mohd. R|o City Kotwali, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House situated at Motiya Park, near Old Subji Mandl, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC. Acqn. Bpl. 4773—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No.

Bhawan situated at Noor Mahal, Gali No. 1, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weslth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Sultan Ahemad Quareshi S|o Shri Mohd. Ahemad, R|o Budhwara, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Mohammad Yunus Soo Shri Mohd. Jafar Saheb, Roo Ginnori, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (Bhawan) situated at Noor Mahal, Gali No. 1, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC. Acqn. Bpl. 4774. Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Bhawan situated at Noor Mahal, Gali No. 1, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at

Bhopal in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Sultan Ahemad Quareshi Slo Shri Mohd. Ahemad, Ro Budhwara, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Sajida Begum do Shri Vilayat Mohammadkhan, Rlo Ginnori, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

One house situated at Noor Mahal, Gali No. 1, Bhopal. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTΛ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gungotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 8-6-1984

(1) Shri Sultan Ahemad Quareshi Slo Shri Mohd. Ahemad, Ro Budhwara, Phpol.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Shri Mohd. Yunus S|o Shri Mohd. Jhafar, R|o Ginnori, Bhopal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC. Acqn. Bpl. 4775.—Whereas, I, D. P. PANTA.

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Bhawan situated at Noor Mahal, Gali No. 1, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House (Bhawan) situated at Noor Mahal, Gali No. 1, Bhonal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-6-1984

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|4780.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 18 situated at B Sector, Kohefiza, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following permons, namely:—81—156GI/84

(1) Smt. Maltidevi wlo Shri Mabeshkumar, through Mu. Aum Shri Awatram Slo Shri Ghunshyamdas, Rlo Katni Hall, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Ghanshyamdas Slo Shri Gunamal, Rlo Katni, Bhopal,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18 situated at B Sector, Kohefiza, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor. Gungotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 11-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M. P.)

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC.|Acqn.|Bpl.|4781.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Iflot situated at Karbala Road, Ahemadabad, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bhopal in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Musammat Munnawar Sultan Wlo Shri Mohammad Hussain Saheb, Bungalow No. 6, Mansab Manzil Road, Ahemadabad, Bhopal.

 (Teonsferor)
- (2) Shri Saiyad Riyaz Akbar Kazmi Slo late Shri Akbar Kazmi, Rlo Karbala Road, Ahemadabad, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Kaibala Road, Ahemadabad, Bhopal. This is the immovable property described in Form No. 37-G, verified by the transferce.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 11-6-1984

Seal: . . .

(1) Shri Shiv Balak Sjo Shri Shiv Balak Bra, Rjo Anantpur Teh. Hazur, Distt. Rewa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M. P.)

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC. Acqn. Bpl. 4782. - Mhereas, I,

D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000|- and bearing I and No. 1443|9, situated at Gram Anantpur, Distt. Rewa (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Rewa in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit. Anantpur through President Shri Bhagwatprasad Dube, Rlo Anuntpur, Teh. Hazur, Distt. Rewa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days (10m) the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 1443 9, situated at Gram Anantpur Teh. Hazur. Distt. Rewa. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gungotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M. P.)

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. 1AC. Acqn. Bpl. 4783.—Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Land, No. 1447 9, situated at Gram Anantpur, Distt. Rewa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rewa in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pursons, namely:—

(1) Shri Prannath Sahmatikarta Ramsajiwan S|o Shri Shiv Balak Bra, R|o Anantpur, Distt. Rewa.

(Transferor)

(2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryada, Anantpur, Rewa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing No. 1447/9 situated at Gram Anautpur Distt. Rews. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M. P.)

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC. Acqn. Bpl. 4784.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land: No. 1447 9, situated at Gram Anantpur Distt. Rewa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Rewn in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prannath Slo Shri Shiv Balak Bra, Rlo Anantpur Teh. Hazur Distt. Rewa.

(Transferor)

(2) Anantpur Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Anantpur through President Shri Bhagwatprasad Dube, Roo Anantpur, Distt. Rewa.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing No. 1443|9 situated at Gram Anantpur Teh. Hazur, Distt. Rewa. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gengotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-6-1984

, and the first through the state of

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M. P.)

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4785.--Whereas I. D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House (Bungalow No. New 459, Old 169, Plot No. 8|1, 10|1, 11|1, 12|2, 13, 2, 14|2, 15|2, 39|2, 1 Sheet No. 38) situated at Civil Station, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of registering Officer at Jabalpur on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideratios therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Deepak Kumar Slo late Shri Balram Sangan, Rlo 87, Narbada Road, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Dr. Kewalchand Slo Shri Sheelchand Jain, Ro 995, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (Bungalow No. New 459, Old No. 169, Plot No. 8|1, 10|1, 11|1, 12|2, 13|2, 14|2, 15|2, 39|2, situated at Plot I, Sheet No. 38, Civil Station, Jabalour,

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M. P.)

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|4786.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. $4\overline{9}$ situated at Jal Vihar Colony, Ralpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Raipur on October, 1983

and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shakuntala Yadu Do Shri Jamunaprasad Yadu through Attorney Gen. Rajiv So Jamunaprasad Yadu Ro Beran Bazar, Rajpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Pinjani wo H. L. Pinjani Ro Jal Vihar Colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lund—Plot No. 49 and a house situated at Jal Vihar Colony, Raipur. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M. P.)

Bhonal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|4787.--Whereas I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[bearing No.

Part of Land: Kh. No. 15|1 situated at Mouja Bhanpuri, Distt. Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Raipur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhagantal Sjo Shri Prabhubhai Patel, R[o] Fafadih, Raipur through Attorney Gen. Haribhai Patel Sjo Nathubhai Patel R[o M. G. Road, Raipur.

(Tronsferor)

(2) Messrs C. P. Enterprises, Fafadih, Raipur Partners: 1. Shri Harilal Parmar Slo
Shri Natuyanbhai Parmar,
2. Shri Basant Nanji Chawda,
3. Shri Mukundlal Chawda Slo
Shri Nanji Chawda,
4. Shri M. I. Chawda Slo
Shri Nanji Chawda,
Rlo Near Ankur Hospital,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Part of Land bearing Kh. No. 15|1 situated at Mouja Bhanpuri, Distt. Raipur. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gungotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-6-1984

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4788.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Part of land Kh. No. 390 1 situated at Gabharapara alias Tikarapara, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--.

82-156 GI 84

Shri Mangal
 Sho Shri Dhanau,
 Rlo Tikarapara, Raipur.

Ro Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sushiladevi Wlo Shri Madanlal Parakh, Rlo Jagdalpur (Bastar).
2. Smt. Pravinkumari Dlo Shri Kasturchand Parakh,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Par, of land bearing Kh. No. 390 1 situated at Gabharapara alias Tikarapara, Raipur. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bp||4789.—Whereas, I,
D. P. PANTA,
bring the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred
to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding
Rs, 25,000|- and bearing
Part of land Kh. No. 390|1 situated at Mouja
Gabharapara alias Tikarapara, Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Raipur on October, 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the sold instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Mangal
 So Shri Dhanau Sahu,
 Ro Tikarapara, Raipur.

(Transferor)

 Shri Gajraj Pagariya Slo Shri Mangilal Pagariya, Rlo Vivekanand Nagar, Raipur,
 Shri Sushilkumar Pagariya Slo Shri Sumermal Pagariya, Rlo Vivekanand Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land bearing Kh. No. 390 1 situated at Mouja Gabharapara alias Tikarapara, Raipur. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-6-1984

FORM LT.N.S.---

Shri Mangal
 Sho Shri Dhau, Sahu,
 Rho Tikarapara, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4790,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Part of land Kh. No. 390|1 situated at Cabbaranaya alias Tilearanaya Painaya

Gabharapara alias Tikarapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Smt. Kirandevi Dlo Shri Maijraj Parakh, Kotagudam (Andhra Pradesh).

Smt. Mamta
 Dlo Shri Bherudan Kochar,
 Rlo Balaghat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Land bearing Kh. No. 390|1 situated at Mouja Gabharapara alias Tikarapara, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3791.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Part of land Kh. No. 390 1 situated at

Gabharapara alias Tikarapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby 'addate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Mangal S o Shri Dhanau Sahu Rlo Tikarapara, Raipur,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Mangaladovi Parakh Wo Shri Pukhraj Parakh R|o Jagdalpur (Bastar) 2. Shri Prakashchand

Slo Shri Samirmal Burad, Rlo Raipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land bearing Kh. No. 390 1 situated at Mouja Gabharapara alias Tikarapara, Distt. Ralpur. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4792.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,00|- and bearing No. Land Kh. No. 338|1|1, 337 situated at Gram Bavadiya Kala Distt. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 24th October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. S|Shri Jamunaprasad, 2. Chhogmal 3. Kallash

(Transferor)

(2) Pushp Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit Bhopal through Chair,man Shri S. N. Gupta So Shri P. N. Gupta Rlo 387, Sector 3, Shakti Nagar, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 388[1]1, 337 situated at Gram Bavadiya Kala Distt. Bhopal. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-6-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4794.—Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House and land attached with the house, Kh. No. 81, 87 situated at Mouja Ranipur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Jabalpur on October, 1983 Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jagatsingh S|o Shri Hiralal Lodhi, R|o Madanmahal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kamleshrani W|o Shri Omprakash R|o Madanmahal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Land attached with the house bearing Kh. No. 81, 87 situated at Ranipur, Jabalpur. This is the immovable operty described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4795.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25(000)- and bearing

Land Kh. No. 209, 215, 216, 217 situated at Mouja Mundwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Katni on October, 1983

for an appear. Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

S|Shri 1, Chandansingh 2, Phoolsingh
 Khadagsingh alias Munnasingh
 S|o Shri Guljarsingh Shatri
 R|o Binoba Ward Mundwara,
 Distt. Jabalpur.

(Transferor)

Shri Kishanlal 2. Shri Ramprasad Slo Shri Jhulairam
 Shri Narottamkumar Minor, Slo Shri Jhulairam
 Guardian mother Shantibai
 Mus. Shantibai Wlo Jhulairam
 Kumhar Rlo Chhakodilal Pathak Ward Katni, Mundwara Distt. Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, v hichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 209, 215, 216, 217 situated at Mouja Mundwara Distt. Jabalpur. This is the immovable property described in the Form No. 37-O verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongo': Bui'ding
T. T. Nagar, Phopul

Date: 8-6-1984

NOTHEE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4796.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 438|B on Plot No. 217 (Part of plot) situated at Madhotal, Cherital Ward, Jabalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 191, is the Office of the Competent Authorty at Jabalpur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harimohandas Tandon
Slo late Manmohandas Tandon
Rani Mandi, Allahabad
through Attorney Manmohanlal Khanna
Slo Shri Shyamlal Khanna
Rlo Allahabad, Jabalpur,

(Transferor)

(2) Smt. Vandana Srivastava Wlo Shri N. K. Srivastava, Rlo Nanaghat Amla Ward, Mandla.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 438|B on part of plot No. 217 situated at Madhotal, Cherital Ward, Jabalpur. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferce.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

through Mu. Aum Shvarurao Slo Shri Krishnarao Holkar, Rlo 85. Roopram Nagar, Indore.

Slo Shri Malharrao Holkar

(1) Shri Shivnarayangao

(Transferor)

(2) Swami Dayanand Nagar Grih Nirman Sahkari Samiti Limited, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4797.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land: Survey No. 1505]1. 1509|1 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1505[1, 1509[1 situated at Indore. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 11-6-1984

Seal:

83---156 GI|84

FORM ITNS----

Shri Bhagwatilal
 Shri Shyamsunderji Soni,
 Rlo Chandni Chok, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Haidari And Company, Ratlam Partner: Murtaja Abdul Taiyyab Safdari, Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4798.---Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khandhar Plot situated at Mo. Surajpol Road, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khandhar Plot situated at Mo. Surajpol Road, Ratlam This is the immovable property described in Form No. 37-C verified by the transferee.

D. P. PANT/
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopa

Date 11-6-1984 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4799.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing Land: Kh. No. 50 situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been fransferred under 'the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Santoshkumar Soo Shri Hanskumarji Thekedar, Roo Anand Nagar, Khandwa.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar S|o Shri Dulichand Jain, R|o 65, Pardeshipura, Rameshwar Road., Khandwa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 50 situated at Khandwa. This is the immovable property described in Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gongotti Building
T. T. Nagar, Bhopai

Date 11-6-1984 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th June 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl]4800.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing House No. 87/3 (B) situated at Naliya Bakhal, Bharat Marg, Indorc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mangalkaran
 Shri Radheshyam Somani,
 Rlo 215, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kishanlal Slo Shri Laxmilalji Sethi, Rlo 87/3, Itawariya Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 87|3 (B) situated at Naliya Bakhal (Bharat Marg), Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date 11-6-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4801.—Whereas, I. D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to 83 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of House No. 562 standing on part of plot No. 13|1 and 12|1 situated at Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office:

at Jabalpur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- ;(1) 1. Smt, Usha Bhargava woo late Shri Nilmani Bhargava, Ro 862, Napier Town, Jabalpur,
 - 2. Smt. Pratibha Lalwani wo Premial Lalwani, Ro Boat Club Road, Poona.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Tiwari Wdlo late Shri Mangali Prasad Tiwari, Rlo Gondpara, Bilaspur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 562 (Plot No. 13|1, 12|1, S. No. 3) situated at Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-6-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4802....Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/c and bearing

Part of House No. 562 (Part of plot No. 13|1, 12|1, S. No. 3) situated at Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- ;(1) 1. Smt. Usha Bhargava wlo late Shri Nilmani Bhargava, Rlo 862, Napler Town, Jabalpur.
 - Smt. Pratibha Lalwani wlo Premlal Lalwani, Rlo Boat Club Road, Poona.

(Transferor)

(2) Smt. Bhuwaneshwaridevi wlo M. M. Dube, District Juge, Now at Jagdalpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the vaid Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

situated at Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-6-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|4803.—Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Part of House No. 562 (Part of plot No. 13]1, 12|1, S. No. 3) situated at Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the gransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- :(1) 1. Smt. Usha Bhargava woo late Shri Nilmani Bhargava, Ro 862, Napier Town, Jabalpur,
 - 2. Smt. Pratibha Lalwani wlo Premlal Inlwani. Rlo Boat Club Road, Poona.

(Transferor)

(2) Shri Madhur Mohan Dube slo late Shri K. N. Dube, District Judge, Now at Jagdapur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons withm a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 562 (Plot No. 13|1, 12|1, S. No. 3) situated at Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-6-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th June 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4804.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Part of house Muncl. No. 556 situated at Mouja and Ward Bhartipur Teh., Teh. & Distt. Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Jabalpur in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Padamiai (Ramkumar Kabli) so Shri Harnamdas, Ro Farrashkhana Quarter No. 40, Rampur through Mu. Aum. Shri Balmukund So Harnamdas.

(Transferor)

(2) Shri Lshratali sjo Shri Saiyyad Maksoodali, Rjo Chhoti Omati, Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing Muncl. No. 556, situated at Mouja & Ward—Bhartlpur Teh., Distt. Jabalpur. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn. |Bpl. |4805.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority Under Section | 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Part of house No. 556 situated at Mouja and Ward Bhartipur Teh., Teh. & Distt. Jabapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Jabalpur in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been trily stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or vasion of the liability of the transferor to pay tax inder the said Act, in respect of any income arisin from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment, any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed v the transferee for the purposes of the Indian come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Sectia 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said at, to the following persons, namely:—84—156 GI 84

(1) Shri Padamlal (Ramkumar Kabli) slo Shri Harnamdas, Rlo Farrashkhana Quarter No. 40, Rampur (U.P.) through Mu. Aum. Shri Balmukund slo Shri Harnamdas.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Ravindersingh So Santsingh, Ro Chhoti Omati, Jabalpur. (Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the espective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 556, situated at Mouja & Ward—Bhartipur, Teh. & Distt. Jubalpur. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-6-1984

therefor by

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th June 1984

Ref. No. IAC|Acqn |Bpl.|4806.-Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of house No. 556, situated at Mouja and Ward Bhutipur Teh. Teh. & Dest. Jabalpur fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 08

more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

aforesaid exceeds the apparent consideration

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferontial pay tax under said act in respect of an income arising from the transferor; and/or i
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act I hereby mious proceedings for the acquestion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26% of the said Act to the following persons, namely:-

 Shri Padamlal (Rajkumar Kabli) Sio Shri Harnamdas Rio Farrashkhana Quarter No. 40, Rampur (U.P.) through Mu. Aum. Shri Balmukund sio Shri Harnamdas.

(Transferor)

Sardar Ravindersingh,
 Sardar Santsingh,
 Rlo Chhoti Omati, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 556, situated at Mouza & Ward Bhartipur, Teh. & Distt. Jabalpur. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D, P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Buddo T. T. Nagar, Bhopal

يانية: 15-6-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th June 1984

Ref. No. IAC|Acqu.|Bpl.|4807.—Whereas, I, D. P. PANTA, oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Part of house Muncl. No. 556 situated at Mouja and Ward Bhartipur, Tch. & Distt. Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jabalpur on October, 1983

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the *rensfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26:C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following postons, namely:—

 Shti Padamlal (Rajkumar Kabli) Slo Shri Harnamdas Rlo Farrashkhana Quarter No. 40, Rampur (U.P.) through Mu. Aum. Shri Balmukund slo Shri Harnamdas.

(Transferor)

(1) Shri Athareli s|o Saiyyad Maksoodali, R|o Chhoti Omati, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house bearing Muncl. No. 556, situated at Mouja & Ward Bhartipur, Teh. & Distt. Jabalpur. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-6-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th June 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bjl. 4808.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Kh. No. 468: 1 situated at Mouja Karmeta District

Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jabalpur on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument fransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Lalchand, Ramchandra, Chandrashekhar, Virendra, Arunkumar, Kamleshbai all Rio Bhartipur Jabalpur.
 (Transferor)

(2) Adarsh Udhoyogic Prashikshak Karmachari Sahkari Grih Nirman Samiti Maryudit, Madhotal, Jabalpur, (Transferee)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motive in the Official Gazette or a period 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Harressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 469: 1 situated at Mouja Karmeta Teh. & Distr. Jabilpur. This is the immovable property described in the Forn No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-6-1/84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th June 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4809 -- Whereas, I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land Kh. No. 462 situated at Mouja Kermeta Distt. Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lachhman soo Banshilal Sonkar, Roo Bhartipur Teh. & Distt. Jabalpur.

(Transferor)

(2) Adarsh Udhyogic Prashikshak Karmachari Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit, Madhotal, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 462 situated at Mouja Karmeta, Teh. & Distt., Jabalpur. This is the immovable property described in the Form 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-6-1984.

(1) Shri Lachhman Slo Shri Banshilal Sonkar, Rlo Bhartipur, Jabalpur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Adarsh Udhyogic Prashikshak Karmachari Sahkari Grih Nirman Samiti Maryadit, Madhotal, Jabalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th June 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 4810.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 462 situated at Mouja Karmeta Teh. & Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the office of the

Registering Officer

Registering Officer at Jabalpur on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or***

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough; to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Th. No. 462 situated at Mouja Karmeta, Teh. & Distt., Jabalpur. This is the immovable property described in Form 37-G rerified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor. Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-6-184.

andersa para la junta de la capació la comparación de la capación de la comparta de la comparta de la comparta de FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Lalchand, Shri Ramen...don, Shri Chanotashekhar, Shri Viculia, Shi Acu Comes. Shaman i est ubar, Rlo bhaitien, sampur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Adarsh Odhyogic Prashikshak Karmachari Sahkari Guh Niuman Samiti Maryadit, Madhotal, Jabalpur. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th June 1984

Ref. No. lAC Acqn. Bpl. 4811. Whereas, I, D. P. PANTA. Ref. No. iAC|Acqn.|Bpl.|4811.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000|- and bearing No. Land Kh. No. 468 situated at Mouja Karmeta Teh. & Dist.

Jabalour

(and more fully described in the schidule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registerng Officer

at Jabalpur on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other reason interested in the said immovable property, vinin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasm of the liability of the transferor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising om the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of anylncome or any moneys or other assets which have n been or which ought to be disclosed by the trateree for the purposes of the Indian Income-tax (ct, 1922) (11 of 1922) or the said Act, or the ealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Kh. No. 468 situated at Mouja Karmeta, Teh. & Disti., Jabalpur. This is the immovable property described in the Form 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in postumee of Section 269Cf the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquison of the aforesaid property by the issue of this notice ader subsection (1) of Section 209D of the said Act, to e following persons, namely:—

Date: 15-6-1964. Seal :

FORM TINS---

- (1) Smt. Indrakumari wo Shri Kamalkumar Badiativa. Rlo 16, Diamond Colony, Indore.
 - (Transferor)
- (2) Shri Brahamdeo Jha so Shri Suryadeo Jha, Rlo 39|2, New Palasia, Indore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th June 1984

Ref. No. IACkAcqn. Bpl. 14577.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. House No. 14, situated at Diamond Colony, Dr. Roshansingh Phandori Mars. Indow.

Bhandari Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonc in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days' from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are lefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Builds No. 14 situated at Diamond Colony. Dr. Roshansingh thandari Marg, Indore. This is the immo-This is the immovable property deribed in Form No. 37-G verified by the transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority ispecting Assit. Commissioner of Income-tax equisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhonal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-6-84

(1) Nafisuddin Slo Kazi Kamruddin, Rlo Motia Park, Old Subii Mandi, Bhopal,

(Transferor)

(2) Shri Iqbal Akhtar So Haji Gulam Mohammad, Rlo City Kotwali, Bhopal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th June 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl. 4771.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

House situated at Motiva Park, near Old Subji Mandi, Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on October, 1983

for an apparent consideration which s less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as be defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasbn of the liability of the transferor to pay tax unde the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House situated at Motiva Park, near Old Subji Mandl, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269Cot the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice uder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to th following persons, namely :--

Date: 8-6-1984

Scal:

and the second of the second o

(1) M/s Shah & Nahar Associates

(Transferor)

(2) M/s Snehest Printers

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 14th June 1984

Ref. No. AR-119EE 1064 83-84.—Whereas, I, B. G. AGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 961) (hereinafted referred to as the said Act), have reacon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Unit No. 320-A, 3rd floor, Slah & Nahar Industrial Estate A-1 Lower Parel, Bombay-400 013 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration for such transfer with the object of the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration for such a consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and that the consideration for such a consideration and that the consideration the consideration and that the consideration for such a consideration and that the consideration and that the consideration the consideration and that the consideration and that

(a) facilitating the reduction of control of the liability of the transferor to pay transfer the said Act, in respect of any incomparising from the transfer;

andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in nat Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 32(A, 3rd floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1 Lover Parel, Bombay-400 013.

The Agreemat has been registered by the Competent Authority, Borbay under Serial No. AR.-I]1052|83-84, dated 3-10-198.

B. G. AGARWAL Competent Authority aspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :---

Date: 145-1984